॥ श्रीः ॥

हिंदुस्थानी संगीत पद्धति.

क्रमिक पुस्तकमालिका.



तिसरें पुस्तक.



प्रकाशक,

भालचन्द्र सीताराम सुकथनकर, एम्. ए., एल्.एल्. बी.,
सॉलिसिटर, हायकोर्ट, मुंबई.

सुधारून वाढविलेली

आवृत्ति दुसरी.

शके १८५०  सन १९२८

किंमत ३ रुपये.

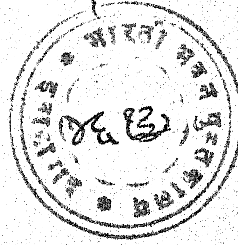


Printed at the Arya Bhushan Press, Poona, by
Anant Vinayak Patvardhan

AND

Published by Bhalachandra Sitaram Sukthankar M. A., LL. B.
at 2 Malabar Hill, Bombay.





	री		
री	नि़	री	सा
ऽ	हा	ऽ	री
३			

यमन— त्रिताल. (मध्यलय)

स्थायी.

ग	
प	–
मौं	ऽ

												नि़			
ग	री	ग	री	सा	–	सा	–	ग	–	–	री	सा	री	सा	सा
द्	र	म	न	ला	ऽ	ये	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	स	खी
०				३				×				२			
नि़			ध़					नि़						सा	
सा	सा	नि़	नि़	प़	ध़	प़	प़	सा	री	ग	री	सा	सा	प	–
अ	न	त	र	ह	त	स	खी	सो	ऽ	सूं	ऽ	दू	र,	मौं	ऽ
०				३				×				२			
				नि़											
ग	री	ग	री	सा	री	सा	–								
द्	र	म	न	ला	ऽ	ये	ऽ								
०				३											

अंतरा.

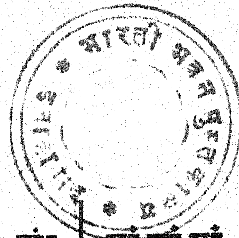
ग								मं				ध	ध		
प	–	ग	प	प	प	ध	प	प	–	ध	ध	नि	नि	(प)	–
बा	ऽ	त	क	ह	त	तूं	तो	श	ऽ	त	स	खी	ऽ	री	ऽ
०				३				×				२			

नि॒		ग	ग
सा – ग री	ग ग ग –	प ग प (प)	री – सा –
मो ऽ म न	म न भा ऽ	ये ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ
०	३	×	२
मं प		मं प	ध
ध ग ग प	प प प –	प ध ध नि	प ध प –
च तु र सु	ग र मो ऽ	ऽ ऽ रा पि	य र वा ऽ
०	३	×	२
नि॒			सा
सा – ग री	ग – ग –	गमं पध निध पमं	गरी गरी सा प
भा ऽ ग न	हीं ऽ पा ऽ	येऽ ऽऽ ऽऽ ऽऽ	ऽऽ ऽऽ ऽ, मौं।
०	३	×	२

यमनकल्याण– त्रिताल. (मध्यलय).

स्थायी.

	मं	ग ग	
प नि ध निध	(प) – मं ग	प – री ग	री – सा सा
आ ऽ ले नऽ	बी ऽ औ ऽ	ला ऽ दे अ	ली ऽ प र
०	३	×	२
नि॒ नि॒		नि॒	
सा – सा सा	– री सा सा	सा सा ग री	ग मं (प) –प
वा ऽ र वा	ऽ र जा ऊं	जे ह रा के	फ र झौं ऽद
०	३	×	२
प	ग	ग	ग ग
ग म गरी ग	री – नि॒ सा	री ग री गमंप	मं मं प –
ह स नऽ हु	से ऽ न पे	वा ऽ र जाऽऽ	ऽ ऊं मैं ऽ।
०	३	×	२



अंतरा.

सारी गर्मं पध निसां	(सां ध) नि नि (प) प	प ग प सांध	सां सां सां –
याऽ ऽऽ ऽऽ ऽऽ	ज ग में इ	नाऽ ऽ ऽऽ	य त कीऽ
०	३	×	२
(नि सां) सां रीं रीं गं	(ध) (सां) नि (प)–	(ध मं) मं – ग –	(ग) री – सा –
ला ऽ ज तु	मी ऽ कोऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ है ऽ
०	३	×	२
(प ग) सासा मं मं मं	प – प –	(मं) प नि ध प	(मं ध) प प मं ग
जोअ र ज क	रूं ऽ सो ऽ	पू ऽ र न	कीऽ जे ऽ
०	३	×	२
ग म गरी ग	(ग) री – ऩि सा		
ह्व स नऽ ह्व	से ऽ न पे	स्थायी	प्रमाणें
०	३		

यमनकल्याण.—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

सा
लं

सा री ग री	सा री सा सा	(सा) ध़ – सा –	– – सा सा
ग र तु र	क जि न छु	वो ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ मो री
०	३	×	२

	ग		ऩि सा
सा ग री ग	— प — री	सा री ग री	सा री सा —
ग ग रि या	ऽ भा ऽ री	अ ब दे ऊं	गा ऽ री ऽ
०	३	×	२
सा		सा	
ध़ ऩि ध़ सा	सा — सा —	ध़ ऩि ध़ सा	ऩि ध़ प़ प़
हों ऽ ब्रि ज	ना ऽ री ऽ	नि र ख नि	र ख स ब
०	३	×	२
			ग
सा सा ग री	ग — ग ग	गम॑ पध निध पम॑	गध पम॑ री सा
ह स ह स	दे ऽ मो हे	ताऽ ऽऽ ऽऽ ऽऽ	ऽऽ ऽऽ री, लं
०	३	×	२

अंतरा.

म॑ प			नि
प ग प —	सां सां ध सां	— सां सां —	सां रीं सां सां
तु म तो ऽ	म हा ऽ धी	ऽ ट पी ऽ	अ त त न
×	२	०	३
नि	नि	ध	म॑ नि
सां रीं गं रीं	सां रीं सां सां	नि नि प प	प प ध नि
ला ऽ गो हि	आ ऽ व त	धा ऽ व त	अ त बा ऽ
×	२	०	३
	प	प	सां नि
ध प — प	ग म ग री	ग — प प	ध ध सां सां
र बा ऽ र	मैं ऽ स न	हे ऽ र त	धे ऽ र त
×	२	०	३

गं	रीं	सां	प
सां – रीं गं	सां सां रीं सां	– ध – प	ग – ग री
हों ऽ ला ऽ	ज न म री	ऽ जा ऽ त	हूं ऽ बि च
×	२	०	
गमं पध निध पमं	गध पमं री सा		
नाऽ ऽऽ ऽऽ ऽऽ	ऽऽ ऽऽ री, लं		
×	२		

यमन–त्रिताल. (मध्यलय)

स्थायी.

		प	ग
सारी गमं पध निसां	निध पमं गरी सासा	प – ग मंपध	प री – री
हेऽ ऽऽ ऽऽ ऽऽ	ऽऽ ऽऽ ऽऽ गण	रा ऽ ज मऽऽ	हा रा ऽ ज
०	३	×	२
नि ध	प	ग	ग री
सां (सां) – निनि	(प) – मंप धनि	सां री – प	री नि री सा
ग जा ऽ नऽ	ना ऽ बिऽ ऽऽ	ऽ द्या ऽ ज	ग दी ऽ श।
०	३	×	२

अंतरा.

मं	नि	नि	ध
प – सां सां	सां रीं सां –	सां रींसां रीं गंरीं	(सां) नि (प) प
गा ऽ ऊं ब	जा ऽ ऊं ऽ	रा ऽऽ ग रुऽ	रा ऽ ग नि
०	३	×	२
प	प	ग	ग
सां (सां) – नि,धनि	(प) – मंप धनि	सां री – प	री नि री सा
पू ऽ ऽ त्र,बऽ	धू ऽ सऽ ऽऽ	ऽ न ऽ छ	त्ती ऽ ऽ स।
०	३	×	२

यमन–त्रिताल. (मध्यलय)

स्थायी.

नि़	ध म॑	म॑	
सा नि ध नि	म॑ प म॑ ग	प – प प	– म॑ ग –
आ ऽ ह त	अ न ह त	भे ऽ द ना	ऽ द के ऽ
०	३	×	२
म॑ म॑		प	
ग ग री ग	– म॑ प प	री री ग री	सा री सा –
प्र थ म भे	ऽ द श्रु ति	य न सों ऽ	हो ऽ वे ऽ
०	३	×	२
नि़			ध ध
सा सा री री	ग ग म॑ म॑	प – प सां	नि नि म॑ प
अ न ह त	मु नि ज न	ध्या ऽ न ध	र त ज ब।
०	३	×	२
म॑			
प नि ध नि			
आ ऽ ह त			
०			

अंतरा.

प		नि	
ग – ग प	– प नि ध	सां – सां सां	– रीं सां –
ना ऽ भि कौं	ऽ ठ औ र	मू ऽ र्ध स्था	ऽ न सों ऽ
०	३	×	२
सां		नि	
नि – ध सां	– सां सां सां	सां रीं गं रीं	सां नि ध प
मौं ऽ द्व म	ऽ ध्य औ र	ता ऽ ऽ र	हो ऽ व त
०	३	×	२



मं	प	मं	नि
प – प प	मं मं ग –	ग – ग री	सा री सा –
स ऽ त सु	र न के ऽ	ना ऽ म ब	खा ऽ ने ऽ
०	३	×	२
सा रे ग मं	प ध नि सां	नि ध प मं	ग रे सा ऽ।
०	३	×	२

यमन कल्याण– त्रिताल. (मध्यलय).

स्थायी.

ग ग	री	सा	ध़ ध़
री री ग री	नि़ री सा सा	नि़ ध़ सा सा	नि़ नि़ प़ प़
म ना ऽ तूं	का ऽ हे न	धी ऽ र ध	र त अ ब
०	३	×	२
नि़	ग	प	री
सा – री री	गमंप मं प प	ग म ग री	नि़ री सा सा
धी ऽ र ध	रेऽऽ ऽ स ब	का ऽ र ज	सु ध र त।
०	३	×	२

अंतरा.

मं प	मं		नि
प – ग –	प प नि ध	सां – सां सां	सां रीं सां सां
जा ऽ के ऽ	स र र घु	ना ऽ थ बि	रा ऽ ज त
×	२	०	३
सां सां		ध	
नि – नि ध	सां सां सां –	सां(सां) – निध	नि ध प प
वा ऽ के ऽ	स ब ही ऽ	का ऽ ऽ रज	सा ऽ ध त
×	२	०	३

नि		नि	
ध नि ध प	– ध प प	ध – नि ध	प (प) मं ग
तु ल सि दा	ऽ स र घु	ना ऽ थ कु	पा ऽ तें ऽ
×	२	०	३

मं			
ग म ग री	नि़ री सा सा		
बि घ न स	व ट र त		
×	२		

यमन— त्रिताल. (मध्यलय).

स्थायी.

पध ग		प	ग
निनि (प) – री	– सा ग री	ग – – मं	– मं प प
पिऽ या ऽ की	ऽ न ज रि	या ऽ ऽ जा	ऽ दु भ री
०	३	×	२

मं	ध		
प – प प	मं – ग री	सारी गमं प री	ग री सारी सा
मो ऽ ह लि	यो ऽ म न	प्रेऽ ऽऽ ऽ ऽ	ऽ म भऽ री।
०	३	×	२

अंतरा.

मं		नि रीं	
प प सां सां	सां सां सां सां	सां सां नि ध	नि ध प –
क व न ज	त न अ ब	क रि ये ऽ	आ ऽ ली ऽ
०	३	×	२

मं	ग		
प मं ग प	री – सारी सा	सारी गमं प री	ग री सारी सा
ना ऽ हिं प	रे ऽ मोऽ हे	चैऽ ऽऽ ऽ न	ए क घऽ रि।
०	३	×	२



यमन— त्रिताल. (मध्यलय).

स्थायी

नि़		री री	ध़ ध
सा ग री ग	— सा सा री	ध़ नि़ सा सा	नि़ प़ — प़
क हो स खी	ऽ पि या के	दृ र स कै	से पा ऽ ऊं
×	२	०	३
म॑		सा	
प़ नि़ ध़ सा	सारी सासा	नि़सा रीग म॑प री	ग री सारी सा
क ल ना प	र त मो हे	धऽ ऽऽ ऽऽ रि	प ल छिऽ न।
×	२	०	३

अंतरा.

प		म॑	म॑ ध
म॑ ग प प	प — ध प	प धप ध निध	प प म॑ ग
ज ब सँ ग	ये ऽ मो रि	सु धऽ हु नऽ	ली ऽ नी ऽ
×	२	०	३
ध		री	
ग री ग प	ग री सा —	नि़री गम॑ प री	ग री सारी सा
त र फ त	जि य रा ऽ	मीऽ ऽऽ ऽ न	ज ल बिऽ न।
×	२	०	३

यमन.—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

		म॑	
सा री सा —	ग — री री	गम॑ पग प (प)	ग री — सा
अ नि में ऽ	की ऽ ऽ त	न्हांऽ ऽऽ नी ऽ	मा ऽ ऽ ई
३	×	२	०
नि	नि	नि	
सा सा सा	सा ग री सा	सा सा नि़ ध़	नि़ ध़ — प़
ऽ ढो ल ण	में ऽ ना ले	मि लं दा ऽ	ना ऽ ऽ हिं।
३	×	२	०

अंतरा.

मं प			
प ग प प	प नि ध सां	नि नि सां –	नि ध प –
इ त उ ठ	उ च क उ	च क यूं ऽ	फि रं दा ऽ
३	×	२	०
प प	ध ध	मं	
मं मं प ध	नि नि मं प	पप धध पमं ग	प री ग –
स दा ऽ रं	गी ऽ ग लि	याऽ ऽऽ ऽऽ मां	हीं ऽ ऽ ऽ।
३	×	२	०
ग री सा –			
अ नि में ऽ			
३			

राग यमन— त्रिताल. (मध्यलय).

स्थायी.

मं	मं	ग	
प गमं	नि ध प –	– री – सा	ग री ग ग
अ रीऽ	ये ऽ री ऽ	ऽ आ ऽ ली	पि या बि न
	०	३	×
– – प प	ग मं ग प	प ध प प	नि ध प प
ऽ ऽ स खि	क ल ना प	र त मो हे	घ री प ल
२	०	३	×
ग	सा ध		
री री सा सा	नि नि (प) –		
छि न दि न	ये ऽ री ऽ		
२	०		

अंतरा.

(मं) प प सां सां	सां – सां सां	(प) सां (सां) नि ध	नि ध प प
ज ब तें पि	या ऽ प र	दे ऽ स ग	व न की नो
०	३	×	२
(मं प) प गं रीं सां	नि ध प प	(नि) ध नि ध प	(ग) री री सा सा
र ति या क	ट त मो हे	ता ऽ ऽ रे	गि न गि न।
०	३	×	२

राग यमन– त्रिताल. (मध्यलय).

स्थायी.

(सा) नि़ ध़
सां ऽ

(सा) नि़ री ग री	सा री सा सा	(सा) नि़ ध़ प़ प़	(नि़) ध़ सा – –
व रे दि सु	र त मा नुं	भां ऽ ऽ दि	वे ऽ ऽ ऽ
०	३	×	२
(नि़) सा – ग री	ग – ग –	(ग) प ग प (प)	(ग) री – सा नि़ध़
मैं ऽ डी ऽ	सैं ऽ यों ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ वे सांऽ।
०	३	×	२

अंतरा.

मं प	मं ध	मं	मं
प ग प प	प मं मं ग	ग ग प प	प निध सां(सां)
बि नं दि ठि	यां ऽ मा नुं	क ल ना हिं	प डंऽ द्री ऽ
३	×	२	०
	मं प	ग	नि
नि धं प —	प ग ग प	री — सा —	सा री ग मं
री ऽ ऽ ऽ	चि त च ढ	जां ऽ द्री ऽ	झू ऽ म र
३	×	२	०
ग	ग		
प मं प —	प — (प) —	री — सा निध	
पां ऽ द्री ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ वे सांऽ	
३	×	२	

राग यमन— त्रिताल. (विलंबितलय).

स्थायी.

प ध	ग	ग	
निनि (प) मं ग	प — मं ग	री ‿ ग री	सा री सा —
भऽ ज ह रि	ना ऽ ऽ म	तूं ऽ मो रे	म न वा ऽ
३	×	२	०
नि	नि		मं ग
सा री ग री	सारी सा सा	सा सा ग गरी	ग मं मं प
स ब सु ख	का ऽ र क	भ व भ यऽ	हा ऽ र क
३	×	२	०

मं	ध		री री
प – प प	मं – मं ग	ग री सारीगमं प	ग री निरी सा
पू ऽ र न	हो ऽ त स	क ल तेऽऽऽ ऽ	ऽ रे काऽ म।
३	×	२	०

अंतरा.

		नि	नि ध
प ग प धप	सां – सां सां	सां रींनि रीं गं	सां निनि (प) –
य ह सौं ऽऽ	सा ऽ र घ	डी ऽऽ का ऽ	स पऽ ना ऽ
३	×	२	०
मं मं	ध		री
प – प प	मं – मं ग	ग री सारीगमं प	ग री निरी सा
सा ऽ च ए	ऽ ऽ क च	त र कोऽऽऽ ऽ	ऽ ऽ नाऽ म।
३	×	२	०

राग यमन– एकताल. (विलंबितलय).

स्थायी.

पध मं	प प	ग			मं
निनि प (प)	ग गप	री ग	ग ग	ग री	ग मं
जिऽ योऽ	क रोऽ	को ऽ	ट व	र स	लो ऽ
३	४	×	०	२	०
ग		नि			
प री	निरी सा	सा री	ग री	सा (सा)	नि निध
ऽ जा	ऽऽ में	अ त	सु ख	पा ऽ	यो तेऽ
३	४	×	०	२	०

ध				प̣		प		ग			
नि̣	ध̣	प̣	–	प	–	ग	प	री	नि̣	री	सा
हा	ऽ	रे	ऽ	धा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	म
३		४		×		०		२		०	

अंतरा.

मे		मे								नि	नि
प	ग	प	धप	सां	–	सां	सां	–	सां	सां	सां
त	ऽ	रा	ऽऽ	ऊ	ऽ	म्र	बा	ऽ	द	ब	दौ
३		४		×		०		२		०	
नि								मे			मे
रीं	रीं	सां	निध	नि	–	ध	प	प	पग	–	प
ऽ	ल	त	मुऽ	दा	ऽ	ऽ	म	ब	हऽ	ऽ	के
३		४		×		०		२		०	
		नि						मे			ध
–	प	ध	–	नि	ध	प	–	प	निध	–	सां
ऽ	म	हुं	ऽ	ऽ	म	दी	ऽ	आ	ऽऽ	ऽ	ऽ
३		४		×		०		२		०	
									री		
–	नि	(प)	पग	प	–	री	ग	री	नि̣	री	सा
ऽ	ले	हिं	सऽ	ला	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	म
३		४		×		०		२		०	

यमन.– त्रिताल. (विलंबित).

स्थायी.

			सासा
			सुम
ग			ध नि
रीगमंप —री गरी सा	सा (सा) – निध	नि ध प –	सा – – –सा
रSSS Sन करुं मैं	तो S S SS	रा S S S	तूं S S ,सा
३	×	२	०

ग री	नि	री	प प
री गरी निरी सा	सा – ग री	ग – ग –	मं मंग प प
है बS मेS रा	आ S वो S	भे S रे S	गु नS अ व
३	×	२	०

मं प	ग	री	री
प मंपधनि —ध प	प (प)मं ग री	प – ग री	नि री सा ,सासा
गु नSSS Sत न	न नेS हा S	S S S S	S S र, ,सुम।
३	×	२	०

अंतरा.

ग	प		
प ग प धप	सां – (सां) –	नि ध सां —रीं	सां नि ध प
तूं S ही SS	दा S ता S	तूं S ही Sक	री S S म
३	×	२	०

प सां	ध	मं ध	री
गं रीं निरीं सां	नि ध मं,धनि(प)	प मं ग री	नि री सा ,सासा
ते S रोS हिं	ना S S,SS म	क र ता S	S S र, ,सुम।
३	×	२	०

यमन— झूमरा. (मात्रा १४). (विलंबित).

स्थायी.

निध
बन

मं				ग	ध		ग				नि		
प	(प)	मं	ग	प	मं	ग	री	ग	–	री	सा	री	सा
रे	S	S	ब	लै	S	S	यां	S	S	S	लूं	S	गी
३				×			२				०		
नि				नि			री						
सा	–	नि	ध	सा	री	निरी	प	–	ग	री	सा	(सा)	,निध
आ	S	ज	सु	हा	S	गS	की	S	रा	S	S	S	,तन
३				×			२				०		
				प			ध						
सासानिध	नि	(प)	–	प	प	प	मं	ग	री	पपधनि	सांरींसांनि	सां	,निनि
वेSSS	S	ला	S	ब	र	पा	या	S	S	SSSS	SSSS	S	S,बन।
३				×			२				०		
(प)	–	मं	मंग										
रे	S	S	बS										
३													

अंतरा.

ग				प									
प	ग	प	धप	सां	सां	सां	(प)	ग	प	धप	सां	सां	–
चौं	S	द्र	SS	ब	द	न	प	र	नि	पS	ट	की	S
३				×			२				०		

(नि)सां – रीं रीं	सां नि ध	(ध)सां (सां) नि ध	नि ध प
लो ऽ च न	च म क	त ल री ऽ	यां ऽ ऽ
३	×	२	०
(नि)ध (नि)ध सां (प)	प ग ग	(प)ग (प)ग (प)ग री	(री)प – ग
ब ना ऽ ब	नी ऽ के	मु ख तं ऽ	बो ऽ ल
३	×	२	०
(प)ग प (नि)ध सां	(प) – ग	ग री ग प	(ग)री – सा
बी ऽ री ब	ना ऽ य	अ न गि न	दूं ऽ गी।
३	×	२	०
(ऩि)सा – ऩि ध़			
आ ऽ ज सु	इ. इ.		
३			

यमन.– त्रिताल. (विलंबित).

स्थायी.

निध
यान

(मं)प (प) – मंग	(ग)प – मं ग	(ग)री ग – री	सा – ऩिसा गरी
बी ऽ ऽ यार	सू ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ लि	ला ऽ ऽऽ सद
३	×	२	०

नि		नि	सा सा सा
सा (सा) — निध	सासानिध नि — ध	प — — सा	री री री —
का ऽ ऽ हस	नैऽऽऽ ऽ ऽ न	काऽ ऽ मु	श कि ल ऽ
३	×	२	०
नि री	ग		नि
सा ग ग —	प — — री	ग — — री	सा री सा निध
मे ऽ री ऽ	आऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	सा ऽ न, यान।
३	×	२	०

अंतरा.

मं		नि	
प ग प धप	सां — सां —सां	सां रीं सां —	रीं गं (सां) —
तु म तो ऽऽ	दी ऽ न ऽदु	नी ऽ के ऽ	बा द शा ऽ
३	×	२	०
ध		मं ध	प
सां (सां) — निध	सांसांनिध निध (प) —	प मं ग री	ग प ध निध
या ऽ ऽ रऽ	सूऽऽऽ ऽलि ला ऽ	तु म तो ऽ	मु ज प रऽ
३	×	२	०
	ग		री
मंपधनिसां रीं सां (सां)	प — ग प	री ग — री	नि री सा निध
मेऽऽऽऽ ऽ ह र	बा ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ न, यान।
३	×	२	०

यमन—त्रिताल. (विलंबित).

गरी
पट

स्थायी.

ग	प ध मं	प	री
गमंप मं प प	निनि प(प) — ग	प (प) ग गप	ग — री —
तोऽऽ ऽ ऽ रे	कऽ वऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ नऽ	दे ऽ ऽ ऽ
३	×	२	०

ग प – ग –	ग प (प) – गरी	ग री सारी सा	ग री सारी सा
हों ऽ ऽ ऽ	तो ऽ ऽ ऽऽ	ऽ ऽ ऽऽ रा	तूं ऽ सूऽ र
३	×	२	०
सा प ग प री	गमंप ग मं प पप	मं प ध – निध	मं प (प) ग री
ग्या ऽ ऽ ऽ	ऽऽऽ ऽ ऽ नम	हुं ऽ ऽ मद	सा ऽ ए ऽ
३	×	२	०
मं ग मं प –ध	नि – ध –	ध मं ध सांसांनिध निध	मं प – मं मंरी
च तु र ऽबा	ल ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽऽऽऽ ऽमु	वा ऽ ऽ, पट।
३	×	२	०

अंतरा.

म प

ए

मं नि ध प ध नि नि	सां – (सां) –	सां ध नि – ध ,मंध	सांसांनिध निध प –
क तो ऽ ह	री ऽ जीं ऽ	का ऽ ऽ ऽ,भऽ	ईऽऽऽ ऽल वा ऽ
३	×	२	०
मं ध प मं ग री	री नि़ री सा –	नि़ सा सा सां नि ध	ध मंध सांसांनिधनि,ध प(प)मंरी
स दा ऽ ऽ	रीं ऽ ग ऽ	री झे ऽ आ	नऽ ऽऽऽऽऽ,मु वाऽ,पट।
३	×	२	०

यमन—एकताल. (विलंबित).

स्थायी.

प ध मं					
निनि प(प)	— मंग	पपमंग मं	ग री	सा —	गरी ग
एऽ रीऽ	ऽ लाल	मीऽऽऽ ऽ	ले ऽ	ऽ ऽ	ऽजि या
३	४	×	०	२	०
ग	ग		ग	ग	
प ग	प (प)	प ग	प ग	री ग	री सा
ऽ ऽ	रू ऽ	प ऽ	सूं ऽ	द ऽ	ऽ र
३	४	×	०	२	०
नि		ग			
सा गरी	ग ग	प (प)	री ग	री सारी	सारीग —
रा ऽऽ	जें द्र	रा ऽ	ऽ ऽ	ऽ ऽऽ	ऽऽऽ ऽ
३	४	×	०	२	०
ग	ग				
प ग	प (प)	प ग	री सा	सांसांरीग —री	साप धप
जा ऽ	ज ग	त में	ऽ ऽ	लाऽऽऽ ऽव	लाऽ ऽऽ।
३	४	×	०	२	०

अंतरा.

ग		प	नि	ध	
प ग	प धप	सां —	— सां	नि नि	रीं सां
जो ऽ	जा ऽऽ	की ऽ	ऽ भा	ऽ ऽ	व र
३	४	×	०	२	०

नि		नि	नि		ग
सांसांनिध निध	सांसांरींगं –रीं	सां निध	सां(सां)–,निध	नि धप	पग प
सोऽऽऽ ऽऽ	ऽऽऽऽ ऽहि	बे ऽऽ	गीऽ ऽ,तऽ	न ऽऽ	बेऽ गी
३	४	×	०	२	०

	नि				
पपधनिसां रीं	सां (सां)	निध निध	प –ध	नि ध	रींरींसांनिसां-,निध
म्हाऽऽऽऽ ऽ	रे ऽ	अऽ तऽ	ऽ ऽक	रो ऽ	ऽऽऽऽऽ ऽ,रिमों
३	४	×	०	२	०

ध ध	मं				
मं,धमं निनि	प(प) –,मंग	पपमंग मं	ग री		
ग,ऽऽ ऽऽ	लऽ ऽ,लाल	मीऽऽऽ ऽ	ले ऽ		
३	४	×	०		

यमन— एकताल. (विलंबित).

स्थायी.

,री ,म

			सा		प
ग धधपमंप	परी –,गरी	सा –	– गरी	ग –	– मं
हुं ऽऽऽऽऽ	ऽऽ ,मद	आ ऽ	ऽ ऽर	बी ऽ	ऽ या
३	४	×	०	२	०

		ग			
ग ,मं	प मंप	प (प)मं	ग री	सा नि़	ध़ प़
ऽ ऽन	बी ऽऽ	स लीऽ	ला ऽ	ऽ ऽ	ऽ हो
३	४	×	०	२	०

म॑ प़ निध़	सा –री	री प ध म॑	ग री	री नि़ री	सा –री
आ लेऽ	ही ऽव	स ला	ऽ ऽ	ऽ ऽ	म, ऽम ।
३	४	×	०	२	०

अंतरा.

ग प ग	प सांध	सां –	सां सां	– सांरीं	सां –सां
पं ज	त नऽ	पा ऽ	क द्वा	ऽ उ्देइ	मा ऽम
३	४	×	०	२	०
सां नि –	निध सां	सां सां	प सां (सां)	निध नि	ध प
चा ऽ	दें़ऽ मा	सू मे	मू ऽ	तेंऽ जा	ऽ लि
३	४	×	०	२	०
सां ध सां	(प) पग	प ग प	री ग	री री नि़	री सारी
नू ऽ	रे वऽ	स ला	ऽ ऽ	ऽ ऽ	ऽ म,म ।
३	४	×	०	२	०

यमनकल्याण— त्रिताल. (विलंबित).

स्थायी.

पप प निध म॑ प (प) –, म॑ग	ग प – ग री	ग प (प) ग री	प री गरी सा
पल खन सेंऽ ऽ,मग	झा ऽ रू ऽ	रे ऽ ऽ ऽ	मा ऽ ऽऽ ई
३	×	२	०
प ग म॑ प ध	सांसांनिध नि प(प)	म॑ पप निध सांनि रीं	सां,निध नि ध म॑ ग पम॑
क ब ध र	आऽऽऽ ऽ वे ऽ	मोरा ऽऽ ऽऽ ऽ	प्या,ऽऽ ऽ रा ऽऽ।
३	×	२	०

अंतरा.

ग प		नि	ध
प प सां —सां	सां सांनि रीं सां	सां रीं गं (सां)	सांसांनिध नि प (प)
त प त ऽब्रु	झा ऽऽ ऽ ॐ	ग रे ऽ ल	गाऽऽऽ ऽ ॐ ऽ
३	×	२	०

नि	नि
धनि सांरीं मंमंगंरीं,गंरीं सांरीं,सां	सां,निध सांसांनिध,निध पध प
तन मन धऽऽऽ,ऽन ऊऽ,न	प,रऽ वाऽऽऽ,ऽऽ ऽऽ रूं
	×

	ध ग
पप निध सांनि रीं	सां,निध नि मं पमं
मोरा ऽऽ ऽऽ ऽ	प्या,ऽऽ ऽ रा ऽऽ।
२	०

यमन— एकताल (विलंबित).

स्थायी.

	नि			प	नि
,गग री,गरी	सा(सा) —,निध	सासानिध निध	प —	सा सा	सा री
ऽ,कहे स,खीऽ	कैऽ ,सेके	कऽऽऽ ऽरि	ये ऽ	भ रि	ये ऽ
३	४	×	०	२	०
		नि		मं	
ग री	सा निसा	सा —	ग —	ग —	ग री
ऽ दि	न ऽऽ	ऐ ऽ	से ऽ	ला ऽ	ल न
३	४	×	०	२	०
ग	ग	प		री	
प ग	प (प)	री ग	— री	ध नि	सा —
के ऽ	ऽ ऽ	सौं ऽ	ऽ ऽ	ग ऽ	ऽ ऽ।
३	४	×	०	२	०

अंतरा.

^{ग}प	ग	प	धप	^{प}सां	—	सां	निसां	$^{नि}$सां	(सां)	—	निध
सु	न	री	ऽस	खी	ऽ	मैं	ऽऽ	का	ऽ	ऽ	कहुं
३		४		×		०		२		०	
सांसांनिध	निध	$^{मं}$प	(प)	$^{मं}$प	(प)मं	ग	री	^{प}ग	प	निध	सां
तोऽऽऽ	ऽऽ	सैं	ऽ	उ	नऽ	ही	के	जा	ऽ	ऽऽ	ऽ
३		४		×		०		२		०	
—	$^{सां}$नि	ध	प	^{प}री	ग	—	री	$^{री}$ध़	नि़	सा	—
ऽ	न	ऽ	त	ढौं	ऽ	ऽ	ऽ	ग	ऽ	ऽ	ऽ।
३		४		×		०		२		०	

यमन– एकताल (विलंबित).

स्थायी.

नि़	प़	नि़ध़	,सारी	सा	—	नि़	री	ग	री	सा	(सा)
मे	रा	ऽऽ	,मन	बां	ऽ	ऽ	ध	ली	नो	रे	ऽ
३		४		×		०		२		०	
$^{प ध}$निनि	$^{मं}$प(प)	री	$^{प ग}$मंमं	प	प(प)	ग	री	$^{री}$ध़	नि़	सा	सा
हांऽ	रेऽ	ऽ	इन	जो	गीऽ	या	के	सा	ऽ	ऽ	थ।
३		४		×		०		२		०	

अंतरा.

मं		प ध मं			नि
ग मं	प ध	निनि प(प)	मंग गप	ग री	सारी सा
स दा	रीं ग	कऽ रऽ	मऽ कऽ	रो ऽ	क्यूंऽ ना
३	४	×	०	२	०
सा		प ध		ग सा	
नि़ री	ग मं	निनि (प)	मंग प	री नि़	री सा
इ न	प्रा ऽ	नऽ ना	ऽऽ थ	के हा	ऽ थ।
३	४	×	०	२	०

यमनकल्याण— एकताल. (विलंबित).

स्थायी.

सा
सो

सा री नि					
गंग सा(सा)	— नि़ध़	सासानि़ध़ नि़ध़	प़ —	प़ ग	— री
हेऽ लाऽ	ऽ ऽऽ	नौंऽऽऽ ऽइ	के ऽ	गा ऽ	ऽ ऽ
३	४	×	०	२	०
री री		नि			प ध मं
नि़ गग	(सा) —	सा ग	गरी पग	प प	निनि प(प)
ऽ ऽऽ	वो ऽ	ब जा	ऽऽ ऽऽ	ऽ वो	तोऽ रेऽ
३	४	×	०	२	०

—	पग	पग	प,धप	ग	री	सा	—	ऩि सा	(सा)ध़	ऩिध़	,सा
ऽ	मौंऽ	दीऽ	ऽ,ऽल	रा	ऽ	मा	ऽ	ई	ऽऽ	ऽऽ	,सो।
३		४		×		०		२		०	

अंतरा.

सां निध		पर्म	गरी	मं ग	मं	प	मंप,ध	नि	ध	सां	सां
ऽ	सौंऽ	काऽ	सम	अ	स	म	ऽऽ,बि	स	ऽ	ऽ	म
३		४		×		०		२		०	
सां रीं गंगं(सां)		नि	धध	सांसांनिध	नि	ध	प	ध	प	प ग	म
अऽ	ती	ऽ	तअ	नाऽऽऽ	ऽ	ऽ	घा	ऽ	त	म	न
३		४		×		०		२		०	
ग	री	प ग	मंप	प ध निनि	(प)	—	ग री	ग	री	री ध़ऩि	सा,सा
रं	ग	के	ऽऽ	दिऽ	खा	ऽ	वे	ऽ	ऽ	ऽऽ	ऽ,सो।
३		४		×		०		२		०	

यमन—एकताल. (विलंबित).

स्थायी.

ऩि
सासा
दिय

ग री	ग	री	सा	ऩि सा	ऩि	ध़	प़	प़ सा	ऩि	सा री	री
रा	ऽ	ऽ	मैं	बा	ऽ	ऽ	ऽ	रू	ऽ	ऽ	गी
३		४		×		०		२		०	

री		नि		नि	री
ग री	सा (सा)	सा निध	सा सा	सा ग	ग —
धि या	के ऽ	ह जऽ	र त	ख्वा ऽ	जे ऽ
३	४	×	०	२	०
प ध	ग	प			
मं मंग	प प	ध प	ग प	री —	सा सासा
खि दऽ	र के	न ज	ऽ ऽ	ऽ ऽ	र, दिय ।
३	४	×	०	२	०

अंतरा.

मं		प	प		मं
प पग	प प	ध प	मंग पध	सांसांनिध निध	प (प)
द्रु धऽ	पू त	औ र	अन घन	लऽऽऽ ऽछ	मी ऽ
३	४	×	०	२	०
मं ध		री		री निरी	
प मं	ग री	प ग	प री	नि गग	(सा) ,सासा
नि स	दि न	श्या ऽ	ऽ म	फ जऽ	र ,दिय ।
३	४	×	०	२	०

यमन– एकताल. (विलंबित).

स्थायी.

मं	ग		ग ग		नि
पग गमंधप	री सासा	गरी ग	पग प(प)	री सा	सां निध
याऽ ऽऽऽर	द्रा मेनुं	नित द्रा	नीऽ होऽ	ऽ रा	सैं याऽ
३	४	×	०	२	०

ध			ध नि		नि ग
सां(सां) ,निध	सांसांनिध निध	प —प	प ध,निध	निसांरींरींसांनिसां निध	मंप मंप
निऽ ,मेनुं	भांऽऽऽ ऽव	दा ऽनि	हो रा,ऽऽ	ऽऽऽऽऽऽऽ ऽऽ	ऽऽ ऽऽ
३	४	×	०	२	०

प	
निधप गप,गमंधप	गरी सासा
याऽऽ ऽऽ,ऽऽऽर	दाऽ मेनुं
३	४

अंतरा.

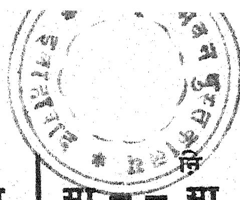
मं			मं		
पग पप	पप मंध	प —	पग पध	सां (सां)	निध प
कित वल	मज ऽनूं	वे ऽ	कित वल	कू ऽ	काऽ ऽ
३	४	×	०	२	०
नि			ध नि		
सांसां रीं	सां —,निध	सांसांनिधानि (प),प	प ध,निध	स्थायी	प्रमाणें.
इष्क पैं	या ऽ,मियां	जोऽऽऽऽ रा,नि	हो रा,ऽऽ		
३	४	×	०		

यमन— त्रिताल. (विलंबित).

स्थायी.

नि
सा
स

नि	ग ध	मं ग	
सा री ग —	प — मं —	ग — री —	सा — — —
लो ना रे ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	बा ऽ ऽ ऽ
३	×	२	०



नि री			नि
सा ,ऽग नि (सा)	नि ध सा नि	री नि ग री	सा — — सा
ऽ ,लम मो ऽ	रा ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	रे ऽ ऽ, स।
३	×	२	०

अंतरा.

मं		ग	ग
प — मं ग	प — प —	प — री —	री ग मं प
सू ऽ हा ऽ	चो ऽ ला ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	अ त रं ग
३	×	२	०
प	ध	ग प	री
नि ध सां (सां)	नि ध प —	प (प) ग ग	ग — री री
भी ऽ ऽ ऽ	ना ऽ ऽ ऽ	आ ऽ ज सु	हा ऽ ऽ ग
३	×	२	०
ग	ध		
प — (प) —	मं — री —	ग — री —	सा — — नि
क्री ऽ ऽ ऽ	रा ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	ते ऽ ऽ, स।
३	×	२	०

यमन— त्रिताल. (मध्यलय).

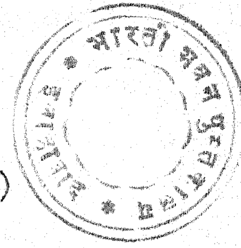
स्थायी.

			सा
			नि री
			ओ दे
ग प ग री	नि सा री ग	मं ग मं (प)	— री — मं
ले ते दे ले	त न द्रे द्रे	त द्रे ऽ न्ना	ऽ दी ऽ म्त
०	३	×	२

(प) – $^{\text{ग}}$री ग	री सा सा री	ग री सा नि़	ध़ नि़ ध़ –
दी ऽ म्ता ऽ	न्न द्रे द्रे तों	ऽ द्रे द्रे त	दा ऽ नी ऽ
०	३	×	२
प़ ध़ नि़ री	ग री नि़ री	ग – मं $^{\text{ग}}$मं	– (प) – –
दा नि दा नि	उ दे दा नि	दी ऽ म्त द्रे	ऽ न्ना ऽ ऽ
०	३	×	२
नि़ – री ग	मं (प) – –	री ग री सा	– सा $^{\text{सा}}$नि़ री
ता ऽ न्न दे	रे ना ऽ ऽ	दी ऽ म्त दा	ऽ नि, ओ दे।
०	३	×	२

अंतरा.

प प प सां	ध सां – सां	सां – सां –	रीं गं रीं सां
ना द्रे द्रे दी	ऽ म्दी ऽ म्त	दी ऽ म्दी ऽ	म्त त न दे
०	३	×	२
नि $^{\text{ध}}$नि – रीं	सां – नि ध	प प री ग	– री नि़ सा
रे ना ऽ त	नूं ऽ धि या	ना रे नि ता	ऽ न्न दे रे
०	३	×	२
गं – रीं –	नि – (प) –	$^{\text{री}}$ग – री सा	– सा नि़ री
ता ऽ नूं ऽ	दे ऽ रे ऽ	ना ऽ त दा	ऽ नि, ओ दे।
०	३	×	२



यमन कल्याण– त्रिताल. (मध्यलय)

स्थायी.

सा सा
त न

०	३	×	२
री ग री नि़	— री सा सा	ध़ नि़ ध़ नि़	सा सा सा री
ना द्रे द्रे तो	ऽ म्त न न	त द्र रे द्रा	ऽ नि ता रे
ग ग — ग	ग म ग री	ग म ग री	(मं प) प ग प (प)
द्रा नी ऽ त	द्र रे द्रा नि	त न न न	न न न न
ग — री ग	ग री सा सा	नि ध — (प) ध	प — (ग) प ग
ना ऽ ऽ त	द्र रे द्रा नि	त ना ऽ त	ना ऽ त ना
— (री) ग री —	सा री सा सा	ध़ नि़ ध़ सा	सा सा री नि़
ऽ त ना ऽ	त न ना रे	ना द्रे द्रे द्रा	नी तुं द्रे द्रे
री री — मं	ग प प प	प ध प मं	ग री सा सा
द्रा नि ऽ त	द्र रे द्रा नि	त न न न	न न, त नं।

अंतरा.

सा रे ग ऽ ×	सा रे ग ऽ २	ग रे प ऽ ०	ऽ ऽ ग ऽ ३
ग रे प ग ×	प प ध सां २	प ध प मं ०	ग रे सा ऽ ३
सा ग रे मं ×	ग रे सा ऽ २	धध पप पप धध तिर किट तक धिर ०	पप पप ध — किट तक धा ऽ ३
प (प) —प प धे त्लां ऽग धे ×	ग रीरी सा सा त्लां ऽग, त न २		

यमन— एकताल (विलंबित).

स्थायी.

— सारे ऽ यारे ४	ग — मन् ऽ ×	प(प) ग यल ली ०	रे गरे ऽ ऽऽ २	—सारे सा ऽ,यल ला ०	सारेगमंप रेरे ए ऽल ३
सा(सा) ध़ वाऽ यारे ४					

अंतरा.

प (प) ना द्रे ३	मंग ,मंमं ऽऽ ,द्रेते ४	प मंप ला ऽ ×	प — ना ऽ ०	पपमंग मंमं तेऽऽऽ ऽले २	प प ला ना ०

ग प	सां ध सांनि	ध निध प	प निध	प(प) गरे	नि,ध मेध
तु द्री	या ऽना	रेऽ ऽ	ना ऽऽ	द्रे ऽऽ	तो,ऽम् द्रेऽ

पपधनि धपमंग	रेसानिध ,सारे
ना ऽ	ऽ ऽ,यारे

यमनकल्याण— तिलवाडा (विलंबित)

स्थायी.

सा,साध निरे	ग — रे गरे	सानि रे ममगरे गरे
ऽ ऽ ते,ले नादिर	द्री ऽम् दि ऽम्	द्री ऽ म्त ऽन
सा — निरेरेसानिसा धनि	(प) — पध सासा	सस — सारेसासा निध
ना ऽ द्रे ऽऽ	न्ना ऽ उदे लेते	देले ऽ ऽ ल्लाना
निरे निरे ममगरेग रे	सा — सानि रे—	गरे सा सा(सा) —,निरे
तेले ऽले ला ऽ	ना ऽ ता रेऽ	दा नि ते,ले ,नादिर।

अंतरा.

पर्म	प	(प)	—म॑म॑	प	—ग	म॑	ध	सांसांनिध	निध	(प)	—
दीम्द्	रा	ऽ	ऽ,दर	ये	ऽद्	बी	ऽ	गो	ऽ	य	ऽम्
गम॑पधप	पग	परे	गरे	नि़	रेनि़	गरे	सा	रेरे	पपम॑गम॑ग	म॑	प
ब्रे	पी	ऽ	ऽ	रा	ऽ	ऽ	वे	मित	वा	वे	ऽ
रे	गरे	नि़	रेसा	सा	निध	प(प)	रेसा	सारेगम॑प	रे,सा	सा(सा)	—,नि़रे
द्	ऽदे	रा	ऽवे	पी	ऽर	गो	ऽफ्त	आ	ऽवे	ते,ले	ऽ,नादिर।

यमनकल्याण— झूमरा. (विलंबित).

स्थायी.

निनि	निधप—	—,पम॑	सां	निध,प	—	पपम॑गम॑	धधपम॑पम॑	ग	रे	गरे	गम॑प	—
दरा	ऽऽऽ ऽ—	,दानि	द्	राऽ,ऽ	ऽ	ऽ	द	रा	ऽ	दरा	तो	ऽम्
ग रे	सा	निसा	मग	मम	रे	ध़	सा,रे	सा	(सा)	ध़	प़	—
द् ऽ	रा	ऽ	दर	दरा	ऽ	दी	ऽम्त	दा	ऽ	ऽ	नि	ऽ।

अंतरा.

म (म)	ध़ – –सा	–रे ग – –	प (प) –
ऽ ऽ आ व	सा ऽ ऽब	ऽसं रे ऽ ऽ	आ ऽ ऽ
३	×	२	०
ग प– –प सां	ध सां सांसां	सांध रें रें –	रे मंरे गमंपध
दृ ऽभ् ऽद् री	ऽ ऽ वज	रा ऽ ने ऽ	ब कं र
३	×	२	०
निसांरेंगं रेंसांनिध पमंगरे सारेसासा			
ऽ ऽ ऽ ऽ,मदानि			
३			

यमनकल्याण— चौताल. (विलंबित).

स्थायी.

ग –	री –	सा सा	सा ग	री ग	मं प
तूं ऽ	ही ऽ	भ ज	भ ज	ऽ रे	ऽ ऽ
०	३	४	×	०	२
नि प	– मं	– ग	ग म	गरी ग	री सा
म न	ऽ के	ऽ ष्ण	बा ऽ	सुऽ दे	ऽ व
०	३	४	×	०	२

सा री	ग [ग]री	– सा	सा री	ग [ग]री	सारी सा
प द	म ना	ऽ भ	प र	म पु	रुऽ ख
०	३	४	×	०	२
सा री	[मं]ग मं	प प	[मं]प री	ग री	सारी सा
प र	मे ऽ	स र	ना ऽ	रा ऽ	यऽ न ।
०	३	४	×	०	२

अंतरा.

[मं]प ग	ग [मं]प	ध प	[प]सां सां	सां सां	रीं सां
जो ऽ	ग जा	ऽ ग	ज प	त प	क र
×	०	२	०	३	४
[सां]नि –	[सां]नि [सां]नि	ध ध	[ध]सां –	नि [ध]नि	[ध]प प
वा ऽ	म दे	ऽ व	ना ऽ	र द	मु नि
×	०	२	०	३	४
[मं]प प	नि ध	[मं]प ध	प मं	ग [ग]मं	प प
ब सी	ऽ ष्ट	स न	का ऽ	ऽ दि	क स
×	०	२	०	३	४
प मं	ग री	[नि़]सा री	सा सा	[नि़]सा री	सा सा
क ल	सु र	गा ऽ	व त	ध्या ऽ	व त
×	०	२	०	३	४

(ध)मं ग	मं प	— प	(सां)नि सां	नि (ध)नि	मं प
अ ऽ	ष्ट जा	ऽ म	क र	त र	ह त
×	०	२	०	३	४
(मं)प री	ग री	सारी सा			
पा ऽ	रा ऽ	यऽ न			
×	०	२			

यमनकल्याण— चौताल. (विलंबित).

स्थायी.

(मं)प —	प (मं)प	— ध	प —	प (मं)प	(नि)ध सां
पी ऽ	र द	ऽ स्त	गी ऽ	र ह	ज ऽ
×	०	२	०	३	४
नि (ध)नि	ध प	(ध)मं मं	ग री	(ग)री ग	(री)ग म
र त	ऽ तु	म गु	रु ऽ	सा ऽ	हे ऽ
×	०	२	०	३	४
ग री	सा नि़	ध़ —	प़ सा	सा री	ग ग
ऽ ऽ	ऽ ऽ	ऽ ऽ	ब इ	स ब	श र
×	०	२	०	३	४
(मं)ग ध	प —	(ध)मं —	(मं)ग —	(ग)री —	सा —
अ प	नो ऽ	ऽ ऽ	ऽ ऽ	ऽ ऽ	हो ऽ
×	०	२	०	३	४
(सा)ध़ नि़	ग री	सा —	(सा)प —	मं (मं)ग	री ग
क र	म क	रे ऽ	मे ऽ	ऽ रे	ऽ ऽ।
×	०	२	०	३	४

अंतरा.

सा सा	– (सा)सां	– सां	– सां	सांनि रीं	सां –
कि यो	ऽ वि	ऽ द्या	ऽ दा	(ऽऽ) ऽ	न ऽ
×	०	२	०	३	४
(नि)सां रीं	गं रीं	सां –	नि (ध)प	– ध	ग प
स ब	ऽ न	को ऽ	य ह	ऽ ज	ग ब
×	०	२	०	३	४
(ग)री –	सा –	सा सा	री –	(मं)ग मं	ग प
खा ऽ	न ऽ	त र	का ऽ	वे ऽ	ऽ ग
×	०	२	०	३	४
– प	ध (प)ध	(नि)ध नि	(ध)नि रीं	सां –	नि –
ऽ दि	लां वो	अ प	नों ऽ	ऽ ऽ	ऽ ऽ
×	०	२	०	३	४
ध –	प –	मं –	ग –	री –	सा –
ऽ ऽ	ऽ ऽ	ऽ ऽ	ऽ ऽ	ऽ ऽ	ऽ ऽ
×	०	२	०	३	४
(नि)ध़ नि़	ग री	सा –	(सा)प –	मं (मं)ग	री ग
क र	म क	रे ऽ	मे ऽ	ऽ रे	ऽ ऽ ।
×	०	२	०	३	४

यमनकल्याण— चौताल. (विलंबित).

स्थायी.

(सा)प –	प (प)ग	– ग	(ग)री न	– (ग)री	– री
ता ऽ	न ता	ऽ ल	सो ही	ऽ गा	ऽ इ
०	३	४	×	०	२
सा –	सा ग	री सा	(सा)नि़ ध़	ध़ (नि़)सा	– री
ये ऽ	अ न	गि न	ता ऽ	न गा	ऽ इ
०	३	४	×	०	२
ग –	(प)ग (प)ग	– री	(प)ग मं	प प	– प
ये ऽ	सु ना	ऽ इ	ये ऽ	ऽ बे	ऽ गि
०	३	४	×	०	२
(प)नि ध	प ध	प –	(ग)री ग	– (ग)री	– सा
प र	स त	है ऽ	सु ध	ऽ रा	ऽ ग ।
०	३	४	×	०	२

अंतरा.

(मं)प प	(प)सां (सां)ध	सां –	सां सां	– (नि)सां	रीं सां
सु न	अ त	ही ऽ	अ ला	ऽ प	ऽ त
×	०	२	०	३	४
(नि)सां गं	रीं गं	मं रीं	(नि)सां –	(निध) नि	ध प
मु ऽ	ऽ द्रा	ऽ में	गा ऽ	(वेऽ) ता	ऽ न
×	०	२	०	३	४

प	(ध)मं	—	ग	प	—	—	(मं)प	—	(नि)ध	नि	प
प्र	मा	ऽ	न	को	ऽ	ऽ	री	ऽ	झा	ऽ	वे
×		०		२		०		३		४	
(मं)प	निध	नि	सां	रीं	गं	रीं	सां	नि	ध	(ध)प	—
मा	ऽऽ	नो	ऽ	गु	नी	य	न	के	ऽ	ऽ	ऽ
×		०		२		०		३		४	
(प)ग	—	प	(ग)री	—	सा						
हो	ऽ	त	कौं	ऽ	ठ						
×		०		२							

यमन— चौताल. (विलंबित).

स्थायी.

(नि)सां	सां	नि	(ध)नि	(ध)मं	प	(नि)ध	नि	ध	प	—	प
च	र	न	न	सु	ख	च	रौं	ऽ	जी	ऽ	व
०		३		४		×		०		२	
(मं)प	—	ध	प	—	—	(मं)प	प	प	पग	ग	री
मा	ऽ	ऽ	धो	ऽ	ऽ	दृ	ल	न	सुऽ	ख	ऽ
०		३		४		×		०		२	
सा	री	ग	री	सा	—	(नि)सा	—	री	—	(री)सा	री
रा	ऽ	ज	क	रो	ऽ	बौं	ऽ	सी	ऽ	अ	ध
०		३		४		×		०		२	

प	ग		ग	री	
ग मं	— मं	प —	री ग	री नि़	री सा
र रा	ऽ ज	त ऽ	रा ऽ	ज रा	ऽ ज
०	३	४	×	०	२
सा	ध	ध			
सां सां	नि निं	मं प			
च र	न न	सु ख			
०	३				

अंतरा.

ग			प		
प —	ग प	ध प	सां —	सां रीं	सां —
ध ऽ	मं मु	ग ट	छ ऽ	त्र ब	ढो ऽ
×	०	२	०	३	४
सां				ध	
नि —	ध सां	सां रीं	सां —	नि नि	ध प
ला ऽ	ख मु	र त	ना ऽ	म ले	ऽ त
×	०	२	०	३	४
मं प			नि	मं	
प ग	— प	प —	ध नि	ध प	ध प
क हे	ऽ मि	यां ऽ	ता ऽ	न से	ऽ न
×	०	२	०	३	४
	नि नि			रीं	ध
प प	ध ध	सां सां	रीं ं	सां —	नि निं
त न	म न	ध न	सु ख	पा ऽ	यो ऽ
×	०	२	०	३	४
रीं	ध				
सां —	नि नि	ध प			
रा ऽ	ज रा	ऽ ज			
×	०	२			

यमनकल्याण– चौताल. (विलंबित).

स्थायी.

प			प	मं			मं	प			मं
नि	ध	प	मं	ग	–	री	ग	मं	प	प	प
ए	त	क	त	हूं	ऽ	ऽ	ते	हा	ऽ	री	आ
३		४		×		०		२		०	

				मं	प		ध				
ध	प	–	प	प	ध	ध	सां	नि	ध	नि	ध
स	दा	ऽ	स	ज	न	म	ज	न	म	के	ऽ
३		४		×		०		२		०	

			प				प				री
प	मं	ग	मं	प	–	प	ग	म	ग	री	नि़
ऽ	ऽ	ऽ	ह	मा	ऽ	रे	हु	ऽ	ख	ऽ	ह
३		४		×		०		२		०	

				नि़	सा		प	मं			
री	सा	–	–	सा	प	–	मं	ग	म	ग	री
ऽ	रे	ऽ	ऽ	सा	की	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
३		४		×		०		२		०	

री				नि़			नि़				
नि़	री	सा	–	ध़	नि़	–	ग	री	सा	–	नि़सा
हो	ऽ	जे	ऽ	को	ऽ	ऽ	स	र	के	ऽ	ऽऽ ।
३		४		×		०		२		०	

अंतरा.

मं			प								
प	प	–	सां	ध	सां	सां	–	सां	सां	–	सां
तु	म	ऽ	सें	ऽ	जो	कौ	ऽ	न	औ	ऽ	र
×		०		२		०		३		४	

नि		मं	रीं						नि		
सां	—	गं	गं	—	मं	गं	रीं	—	सां	रीं	सां
जा	ऽ	सों	जा	ऽ	य	क	हूं	ऽ	दौ	ऽ	र
×		०		२		०		३		४	

सां	ध					मं			री		
नि	नि	ध	प	मं	ग	गमम	ग	री	नि	री	सा
ह	म	ऽ	को	ऽ	तो	नऽ	हीं	ऽ	ठो	ऽ	र
×		०		२		०		३		४	

नि		मं							ध		
सा	री	ग	मं	ध	नि	रीं	सां	नि	नि	ध	प
बि	न	पा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	य	न
×		०		२		०		३		४	

मं	नि		ध		मं						ध
प	ध	नि	मं	पमं	ग	मं	नि	—	ध	प	मं
प	र	ऽ	के	ऽऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	त	क	त ।
×		०		२		०		३		४	

यमन— चौताल. (विलंबित).

स्थायी.

सां					ग				ध		
नि	ध	—	प	मं	मं	प	—	प	मं	—	ग
प्र	थ	ऽ	म	ऽ	श	री	ऽ	र	ग्या	ऽ	न
×		०		२		०		३		४	

					ग				नि		
ग	—	रीं	ग	मं	मं	प	—	री	सा	री	सा
ना	ऽ	द	भे	ऽ	द	ती	ऽ	न	स्था	ऽ	न
×		०		२		०		३		४	

ऩि						प					
सा	–	री	–	ग	ग	मं	ग	प	पमं	ध	प
द्रा	ऽ	विं	ऽ	श्रु	ति	श्रु	ति	शु	(चिऽ)	स्व	र
×		०		२		०		३		४	
मं									ध		
प	–	ध	ध	नि	ध	सां	सां	नि	नि	ध	प
द्रा	ऽ	दृ	श	वि	क	र	त	ब	खा	ऽ	न।
×		०		२		०		३		४	

अंतरा.

मं						नि					
प	–	ग	प	ध	प	सां	–	सां	सां	रीं	सां
वीं	ऽ	श	जा	ऽ	ति	व	ऽ	र्ण	द्वी	ऽ	प
×		०		२		०		३		४	
सां						सां	रीं		ध		
नि	–	नि	ध	सां	–	गं	सां	नि	नि	ध	प
छं	ऽ	दृ	ऋ	षी	ऽ	वि	नि	ऽ	यो	ऽ	ग
×		०		२		०		३		४	
म	प								ध		
प	ग	–	प	–	प	नि	ध	नि	मं	ध	प
श्रु	ती	ऽ	जा	ऽ	ति	ती	ऽ	न	ग्रा	ऽ	म
×		०		२		०		३		४	
प			ध		प				री		
सां	–	नि	प	–	ग	प	–	री	ऩि	री	सा
ए	ऽ	क	ई	ऽ	स	मू	ऽ	र	छा	ऽ	न।
×		०		२		०		३		४	

संचारी.

(ऩि)सा	—	(सा)सा	प	—	प	(मं)प	—	प	(मं)प	ध	प
शु	ऽ	द्धू	कू	ऽ	ट	मे	ऽ	दू	ता	ऽ	न
×		०		२		०		३		४	
प	प	—	(नि)ध	नि	ध	सां	—	नि	(ध)नि	ध	प
प	र	ऽ	स्ता	ऽ	र	मे	ऽ	रु	जा	ऽ	न
×		०		२		०		३		४	
(मं)प	—	(ध)मं	—	ग	—	ग	री	(ऩि)सा	री	सा	सा
न	ऽ	ष्टो	ऽ	द्दी	ऽ	ष्ट	प्र	बो	ऽ	ध	न
×		०		२		०		३		४	
(ऩि)सा	—	री	—	ग	ग	मं	—	(ग)मं	प	ध	प
सा	ऽ	धा	ऽ	र	ण	को	ऽ	वि	धा	ऽ	न।
×		०		२		०		३		४	

आभोग.

(मं)प	ग	प	प	ध	प	(प)सां	सां	सां	—	रीं	सां
का	ऽ	क	लि	सु	र	अ	रु	औं	ऽ	त	र
×		०		२		०		३		४	
(नि)सां	सां	रीं	रीं	गं	रीं	(नि)सां	नि	ध	नि	ध	प
च	तु	र	व	र	न	अ	लौं	ऽ	का	ऽ	र
×		०		२		०		३		४	

ध				ध	
मं ग	प —	प —	नि ध	मं ध	प प
जा ऽ	ती ऽ	ल ऽ	च्छ न	कौं ऽ	ब ल
×	०	२	०	३	४
प	ध	ध	प		
सां सां	नि नि	ध प	प ग	प री	— सा
र त	ना ऽ	क र	म त	प्र भा	ऽ न।
×	०	२	०	३	४

यमनकल्याण.—धमार (विलंबित. मात्रा १४).

स्थायी.

प ध
नि प —
की धों ऽ
०

ग	प		ग
री — मं मं	प — — ग म	ग री	री ग म
ऽ ऽ तो वे	चे ऽ ऽ ट ऽ	क ऽ	की धों ऽ
३	×	२	०
	सा री		मं
ग री सा —	ग सा — ऩि ध़	प़ —	प़ सा ध़
टो ऽ ना ऽ	की धों ऽ तो ऽ	वे ऽ	जं त्र ऽ
३	×	२	०
	ग ग री		सा ध
सा — री —	प री — ऩि —	री सा	नि प —
मौं ऽ त्र ऽ	य हीं ऽ ना ऽ	ऽ र	की धों ऽ।
३	×	२	०

अंतरा.

(म) प – – सां –	ध सां	सां – –	(नि) सां रीं सां –
जो ऽ ऽ तो ऽ	ऽ हे	दे ऽ ऽ	ख ऽ त ऽ
×	२	०	३
(नि) सां नि रीं गं –	(रीं) सां –	नि ध नि	(ध) प – प प
मो ऽ ऽ ह ऽ	त ऽ	पि या ऽ	को ऽ र हि
×	२	०	३
(मं) प (ध) प – (प) मं ग	ग प	(ग) री – सा	(सा) नि (ध) प मं (ग) मं
क छू ऽ सु ध	न सं	भा ऽ र	की धों तो वे।
×	२	०	३

यमन—धमार (विलंबित).

स्थायी.

(प) नि ध प प प	(ध) मं प	मं ग –	(ग) री ग (री) ग प
के ऽ ऽ स र	घो ऽ	र के ऽ	औं ऽ ग ल
×	२	०	३
(प) री ग – री सा	(सा) ग ग	सा नि –	(री) नि – (ग) री ग
गा ऽ ऽ ऽ ऊं	अ ब	तु म ऽ	ला ऽ ऽ ल
×	२	०	३
(ग) प मं ग (मं) ग (प) मं	(नि) ध नि	सां नि ध	प मं ग मं
कां हां ऽ जै ऽ	ऽ ऽ	ऽ हो ऽ	भा ऽ ऽ ज।
×	२	०	३

अंतरा.

	(ग)री ग	प प निध	सां सां – सां
	ब हो	त दि नऽ	ऽ की ऽ नी
	२	०	३
(सां)नि ध नि रीं सां	नि ध	प प री	ग री सा –
अ धे ऽ ऽ का	ऽ ऽ	इ ता ऽ	ऽ ऽ को ऽ
×	२	०	३
(रीग)नि़ री – ग (मं)मं	(नि)ध नि	सां नि ध	प मं ग मं
फ ल ऽ स ब	पै ऽ	ऽ हो ऽ	आ ऽ ऽ ज।
×	२	०	३

राग बिलावल.



रागो वेलावलीति प्रथित इह सदा मान्यशुद्धस्वरेषु ।
षड्जन्यासग्रहोऽयं प्रकृतिसुरुचिरो धैवतांशो गमंत्री ॥
कल्याणांगं दधानो विलसति निगयोर्वक्रता चात्र नित्यं ।
प्रातर्गेयोऽभिगीतो रमयति हृदयं शृण्वतामेष पूर्णः ॥

कल्पद्रुमांकुरे ।

वेलावलीरागभवस्त्वलहैया
पूर्णो धवादी सहचारिगान्वितः ।
मृदुर्निषादोऽभिमतोऽत्र किंचि-
दारोहणे मध्यमवर्जितोऽयम् ॥

कल्पद्रुमांकुरे ।

वेलावली मान्यशुद्धा गसंवादिधवादिनी ।
गनिवक्रा तथा पूर्णा प्रातरेव हि गीयते ॥
वेलावलीसमुद्भूत आरोहे वर्ज्यमध्यमः ।
अलहैया धगसंवादोऽवरोहे मृदुनिःक्वचित् ॥

चन्द्रिकायाम् ।

मृदु मध्यम तीवर सबही सुर सोहत जेहि मांहि ।
धग वादी संवादि है कहत बिलावल ताहि ॥
मृदु मध्यम सब तीख सुर मध्यमसें न चढैया ।
कहुं निखाद कोमल लगत धगसंवाद अलहैया ॥

चन्द्रिकासार ।

सरी गमौ पधौ निसौ निधौ पमौ गमौ रिसौ ।
शुद्धवेलावली धांशा गेया प्राह्ने मनोहरा ॥
आरोहे चेन्मरिक्तासौ निद्वया गनिवक्रिता ।
अल्हैया स्यात् सुविख्याता धैवतांशपरिष्कृता ॥

अभिनवरागमंजर्याम् ।

हा राग बिलावल थाटांतून उत्पन्न होतो. हा राग संपूर्ण आहे. या रागांत सारे स्वर शुद्ध असतात. ह्याचा वादीस्वर धैवत व संवादी गांधार आहे. ह्याचा गान समय सकाळचा पहिला प्रहर आहे. हा कल्याणासारखा दिसतो म्हणून कधीं कधीं याला सकाळचा कल्याणहि म्हणतात. ह्या रागांत निषाद व गांधार हे स्वर वक्र असतात. या रागाच्या आरोहांत जेव्हां मुद्दाम मध्यम सोडतात व अवरोहांत कोमल निषाद थोडा घेतात तेव्हां **अल्हैयाबिलावल** नामक राग झाला असें म्हणतात. प्रचारांत अल्हैयबिलावलच अधिक ऐकण्यांत येतो.

बिलावलाचें आरोहावरोहस्वरूप.

सा, रे, ग, म, प, ध नि सां | सां नि ध, प मग, रे सा.

अल्हैयास्वरूप.

सा, रे, गरे, गप, ध, निध, नि सां | सां नि ध, प, धनि॒धप, मग, मरे, सा.

अल्हैयाची पकड.

गरे, गप, ध, निसां.

अल्हैयाबिलावल.— झपताल. (मध्यलय).

स्थायी.

ग	प	नि	ध	नि	सां	ऽ	सां	रें	सां
×		२			०		३		
सां	सां	रें	सां	नि	ध	प	ध	म	ग
×		२			०		३		
ग	म	प	म	ग	म	रे	सा	रे	सा
×		२			०		३		
ध	ध	रें	सां	नि	ध	प	ध	म	ग।
×		२			०		३		

अंतरा.

प	प	नि	ध	नि	सां	ऽ	सां	रें	सां
×		२			०		३		
सां	रें	गं	मं	पं	मं	गं	मं	रें	सां
×		२			०		३		
गं	रें	सां	रें	सां	ध	प	सां	ध	प
×		२			०		३		
ग	म	रे	ग	म	प	म	म	रे	सा।
×		२			०		३		

बिलावल.— त्रिताल. (मध्यलय).

स्थायी.

नि	
सां	सां
त	ब

म		ग	री	ग			ध					ध			
ध	प	म	ग	प	—	नि	नि	सां	—	सां	सां	नि	नि	प	प
क	ह	त	वि	ला	ऽ	व	ल	भे	ऽ	द	च	तु	र	ज	ब
०				३				×				२			

धनि सांरीं सां सांनि	ध प म ग	ग री ग म	ग री सा –
मेऽ ऽऽ ल मिऽ	ला ऽ व त	शु ऽ द्ध सु	र न को ऽ
०	३	×	२
	ध	रीं	ध
सा म ग प	प – नि नि	सां गं सां सां	नि नि सां सां
प्रा ऽ त स	में ऽ नि त	प्र थ म प	हु र, त व।
०	३	×	२

अंतरा.

ध		रीं	गं
प – नि नि	सां – सां –	निसां गं गं मं	रीं – सां –
धै ऽ व त	बा ऽ दी ऽ	गाऽ ऽ स म	बा ऽ दी ऽ
०	३	×	२
मं मं			
गं मं पं गं	मं रीं सां सां	धनि सांरीं सां सांनि	ध नि सां सां
अ ऽ ष्ट भे	ऽ द स व	गाऽ ऽऽ य मऽ	धु र, त व।
०	३	×	२

अल्हैयाबिलावल.—चौताल. (विलंबित).

स्थायी.

प	सां		नि		ग
सां सां	– ध	नि प	ध नि	ध प	म ग
अ ल्है	ऽ या	ऽ बि	ला ऽ	ऽ व	ऽ ल
×	०	२	०	३	४
म	म		प		
ग म	री ग	म प	ग –	मग म	री सा
रा ऽ	ग नी	ऽ बि	ची ऽ	त्रऽ मा	ऽ ई
×	०	२	०	३	४



			म			प		नि			
सा	सा	सा	ग	म	री	ग	प	ध	नि	सां	सां
स	क	ल	सू	ऽ	र	शु	ऽ	द्धू	जा	ऽ	में
×		०		२		०		३		४	
नि	सां	रीं			ध	ध		नि			
सां	गं	सां	–	नि	नि	प	–	ध	नि	सां	सां
र	स	शां	ऽ	ती	ऽ	को	ऽ	दि	खा	ऽ	ई।
×		०		२		०		३		४	

अंतरा.

			नि		ध						
प	–	–	ध	नि	नि	सां	–	सां	सां	–	सां
धै	ऽ	ऽ	व	ऽ	त	जा	ऽ	में	वा	ऽ	दि
×		०		२		०		३		४	
नि						गं					
सां	गं	मंरीं	गं	मं	पं	मं	गं	मंगं	मं	रीं	सां
गौं	ऽ	ऽऽ	धा	ऽ	र	स	म	ऽऽ	वा	ऽ	दि
×		०		२		०		३		४	
ध		नि				प		प	ध		
सां	–	ध	प	मग	मरी	ग	प	नि	नि	सां	सां
नी	ऽ	द्धू	य	गुऽ	निऽ	च	तु	र	सु	म	त
×		०		२		०		३		४	
नि			रीं	सां	ध			नि			
सां	रीं	गं	सां	नि	नि	प	–	ध	नि	सां	सां
अ	भि	न	व	रं	ग	दे	ऽ	ब	ता	ऽ	ई।
×		०		२		०		३		४	

अल्हैया बिलावल. त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

	नि
	सां सां
	त ब

नि ग री	ग ध		ध ध
ध प म ग	प – नि नि	सां – सां सां	नि नि प प
कृ ह त अ	ल्है ऽ या ऽ	रू ऽ प च	तु र ज ब
०	३	×	२
नि	नि	म	म
धनि सांरीं सां सां	ध प मग मरी	ग म प मग	री – सा सा
शुऽ ऽऽ द्ध सु	र न काऽ ऽऽ	मे ऽ ल मिऽ	ला ऽ व त
०	३	×	२
नि प	ध		ध
सा – गम ग	प – नि नि	सांसां सांसां	नि नि सां सां
दो ऽ नोऽ नि	खा ऽ द ल	ग त सु म	धु र, त ब।
०	३	×	२

अंतरा.

ध		नि रीं	
प – नि नि	सां – सां –	सां गं गं मं	गं रीं सां –
धै ऽ व त	वा ऽ दी ऽ	गा ऽ स म	वा ऽ दी ऽ
०	३	×	२
मं पं		सां	ध
गं मं पं गं	मं रीं सां सां	धनि सां सां	नि नि सां सां
स म य क	ह त दि न	प्र थ म प	ह र, त ब।
०	३	×	२

संचारी.

नि॒ नि॒ नि॒	नि॒ नि॒	ध	म नि
सा सा ध ध	— ध ध —	नि॒ — प —	प — ध नि
ब डो ऽ ग्या	ऽ न वा ऽ	को ऽ जो ऽ	जा ऽ न त
०	३	×	२
नि सां			म
सां रीं सां ध	नि॒ प म ग	म री ग मग	री — सा सा
अ ऽ ष्ट भे	ऽ द बि ल	वा ऽ लि सुऽ	सं ऽ म त।
०	३	×	२

आभोग.

म ध		नि रीं	
प — नि नि	सां — सां —	सां गं गं मंगं	मं रीं सां सां
शु ऽ द्ध अ	लैं ऽ या ऽ	दे ऽ व गिऽ	रि कु क भ
०	३	×	२
मं पं		नि	ध
गं मं पं ग	मं रीं सां सां	धनि सांरीं सां सां	नि नि सां सां
सा ऽ ख शु	क ल इ म	नीऽ ऽऽ प र	दू ऽ, त ब।
०	३	×	२

✓ बिलावल— त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

ग सां	प		
सां सां ध निप	ग गम प म	ग — मरी —सा	सा री सा —
र ब सों ऽऽ	ने ऽऽ ह ल	गा ऽ ऽऽ ऽतुं	म न वा ऽ
०	३	×	२
नि॒ म	प ध		ग री
सा — ग मरी	ग प नि नि	सां सां सांसां गंरीं	सांरीं सांनि धप मग
दू ऽ जो ऽऽ	ना ऽ हिं श	र न वाऽ ऽऽ	ऽऽ ऽऽ ऽऽ ऽऽ।
०	३	×	२

अंतरा.

प ध		नि सां रीं	
प – नि नि	सां – सां सां	सां गं गं मं	गं रीं सां सां
सा ऽ चो सु	खी ऽ को उ	ज ग मों न	दी ऽ स त
०	३	×	२
मं	गं	सां ध	गरी
गं मं पं मंगं	मं रीं सां सां	नि नि सांसां गंरीं	सांरीं सांनि धम मग
ह र रं गऽ	मा ऽ न ब	च न वाऽ ऽऽ	ऽऽ ऽऽ ऽऽ ऽऽ
०	३	×	२

बिलावल.—त्रिताल. (मध्यलय).

स्थायी.

ग सां		म	ग
सां – ध प	म ग म री	ग म प मग	म री सा –
जा ऽ ग उ	ठे ऽ स ब	ज न तु मऽ	जा ऽ गो ऽ
०	३	×	२
ऩि म	प सां ध	सां	गरी
सा – ग मरी	ग प नि नि	सां – रीं सां	सांरीं सांनि धप मग
गौ ऽ व नऽ	कें ऽ च र	वा ऽ ल च	रेंऽ ऽऽ ऽऽ याऽ
०	३	×	२

अंतरा.

प ध		नि रीं	
प – नि नि	सां सां सां सां	सां गं गं मं	गं रीं सां सां
ग्वा ऽ ल बा	ऽ ल स ब	गौ ऽ वां च	रा ऽ व त
०	३	×	२

नि		नि मं	
प प ध नि	सां – सां सां	सां गंरीं गंमं पंमं	गं रीं सां सां
तु म रे ऽ	का ऽ र न	आ ऽऽ वऽ तऽ	धा ऽ व त
०	३	×	२
प म प	सां ध	नि	गरी
ग ग मरी ग	प प नि नि	सां रीं सां –	सांरीं सांनि धप मग
स दा ऽऽ रैं	ऽ ग म न	तु म सों ऽ	लाऽ ऽऽ ऽऽ गाऽ
०	३	×	२
ग नि	प		
सां – ध प	ध ग म गरी		
जा ऽ ग उ	ठे ऽ स वऽ		
०	३		

अल्हैयाबिलावल.— त्रिताल. (मध्यलय).

स्थायी.

			प
			ग
			म
प ध		प	
प नि – नि	सां – – –	सां सां ध प	म ग री ग
न ह ऽ र	वा ऽ ऽ ऽ	रे ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ म
३	×	२	०
		नि	
प धनि सां नि	सां – – –	सां रीं सां नि	ध प प प
न हऽ ऽ र	वा ऽ ऽ ऽ	रे ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ मै का
३	×	२	०

नि ध नि सां रीं	सां नि ध प	प ग म प म	ग – री सा
हरि हरि ३	चु रि यां ऽ ×	दे ऽ हो मैं २	गा ऽ ऽ य ०
नि सा – सा री	ग – म –	ध प प नि नि	सां – सां –
रौं ऽ ग रं ३	गी ऽ ली ऽ ×	औ र च ट २	की ऽ ली ऽ ०
नि सां – गं गं	गं मं रीं सां रीं	सां – ध प	प म ग री ग
ता ऽ प र ३	ध न क टं ×	कें ऽ ली ऽ २	ऽ ऽ ऽ, म। ०
प (धनि) सां नि			
न (हऽ) ऽ र ३			

अंतरा.

ग प – प प	सां ध नि – नि –	सां – – सां	सां रीं सां –
औ ऽ र भ ३	ले ऽ को ऽ ×	हा ऽ ऽ र २	लूं ऽ गी ऽ ०
नि सां रीं गं रीं	सां सां – ध नि	सां – (सां) –	सां ध – नि प
मो ति य न ३	था ऽ ल भ ×	रूं ऽ ऽ ऽ २	गी ऽ ऽ ऽ ०

प सांसांसां सांनि	ध प मग मरी	ग म (म) ग	म री सा —
ख र क खऽ ३	र क मोऽ रीऽ ×	चु रि यां ऽ २	ख र के ऽ ०
सां रीं गं रीं	सां रीं सां सां	सां नि ध प	प म ग री ग
बं ग रि मु ३	र क ग इ ×	ली ऽ ऽ ऽ २	ऽ ऽ ऽ, म। ०

अल्हैयाबिलावल.— त्रिताल. (मध्यलय).

स्थायी.

ध सां सां सां ध प	प ग म प म	म ग — री —	सा री सा —
ह रि सों ऽ ०	च ऽ क्र ध ३	रा ऽ ऽ ऽ ×	ऽ ऽ ॐ ऽ २
प ध म — ग मरी	प ध ग प नि नि	सां — सांसां गंरीं	सांरीं सांनि धप मग
भी ऽ श मऽ ०	ना ऽ म क ३	हा ऽ ऽऽ ऽऽ ×	ऽऽ ऽऽ ऽऽ ॐऽ। २

अंतरा.

प — प प	सां ध ध नि निसां	सां — सां सां	— रीं सां —
पां ऽ ड व ०	से ऽ न स ३	मे ऽ त सा ×	ऽ र थी ऽ २

नि		सां	सां
सां – रीं गं	गं रीं सां सां	ध – सां (सां)	ध नि प –
शो ऽ णि त	पू ऽ र ब	हा ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऊं ऽ
०	३	×	२
प	सां प	म	म
प प सां सां	ध प ग मरी	ग म प मग	री – सा –
य ह न क	रूं ऽ तो ऽऽ	आ ऽ न तेऽ	हा ऽ री ऽ
०	३	×	२
नि सा	नि		री
सा – गं –	मं रीं ध नि	सां – सांरी सांनि	धप मग म ग
का ऽ पी ऽ	ध्व ज तें ड	ता ऽ ऽऽ ऽऽ	ऽऽ ऽऽ ऽ रूं ।
०	३	×	२

अल्हया बिलावल.— त्रिताल. (मध्यलय).

स्थायी.

प सां			
सां – ध प	गम प – म	ग – म री	सा री सा सा
ला ऽ ड ली	ऽऽ ला ऽ ड	फू ऽ ऽ ले	आ ऽ व त
०	३	×	२
नि ग प		सां	म
सा – म म	– प – प	धनि सांरीं सांनि धप	मग मग री सा
ला ऽ ड ली	ऽ ला ऽ ल	फूऽ ऽऽ ऽऽ ऽऽ	ऽऽ ऽऽ ले ऽ।
०	३	×	२
सा सां			
सां – ध प			
ला ऽ ड ली			
०			

अंतरा.

प – प ध (सां)	सां सां सां सां	सां – सां सां	(नि) सां रीं सां –
कूं ऽ ज के ०	ऽ ली न व ३	रीं ऽ ग बि ×	हा ऽ री ऽ २
(नि) सां रीं गं रीं	(ध) सां (सां) ध (सां) प	(प) गप धनि सांरीं सांनि	वप मग (म) री सा
सु र त हिं ०	डो ऽ रे ऽ ३	झूऽ ऽऽ ऽऽ ऽऽ ×	ऽऽ ऽऽ ले ऽ। २
(सा) सां – (सां) ध प			
ला ऽ ड ली ०			

अल्हैया बिलावल.–त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

(प) सां सां (सां) ध प	(प) ग प म ग	(म) री गम प मग	(म) री – सा –
व ल व ल ०	जा ऽ ऊं म ३	धु रऽ सु रऽ ×	गा ऽ वो ऽ २
(ऩि) सा री ग म	री सा री सा	(सा) ध़ ऩि री सा	(सा) ध़ ऩि प़ –
अ व कि बे ०	ऽ र मे रे ३	कुं व र क ×	न्है ऽ या ऽ २
(ध) ग – गम री	(प) ग (प) प (ध) नि नि	सांसां गंरीं सांनि धनि	सांनि धप मग रीसा
नौं ऽ दऽ हि ०	ना ऽ च दि ३	खाऽ ऽऽ ऽऽ ऽऽ ×	ऽऽ ऽऽ ऽऽ वोऽ। २

सा सां
सां सां ध प
ब ल ब ल
०

अंतरा.

	ध		
प – प –	नि ध नि –	सां सां सां –	सां रीं सां –
ता ऽ री ऽ	दे ऽ दे ऽ	अ प ने ऽ	क र की ऽ
०	३	×	२
		सां	सां
सां रीं गं मं	रीं सां रीं सां	ध नि (सां) –	ध नि॒ – प
प र म श्री	ऽ त उ प	जा ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ वो
०	३	×	२
नि सां		ग	
धनि सां सां ध	नि॒ प मग मरी	री गम प मग	म री सा सा
आऽ ऽ न जौ	ऽ न्त धुऽ नऽ	सु नऽ ड रऽ	प त क त
०	३	×	२
प प	प ध		
ग – ग मरी	ग प नि नि	सां – सांसां गंरीं	सांरीं सांनि धप मग
मो ऽ भु जऽ	कौं ऽ ठ ल	गा ऽ ऽऽ ऽऽ	ऽऽ ऽऽ ऽऽ वोऽ
०	३	×	२
ग सां			
सां सां ध प			
ब ल ब ल			
०			

अल्हैया बिलावल.– त्रिताल. (मध्यलय).

स्थायी.

म म ध	प	म	री
ग म नि नि	ध प म प	ध प म ग	– म – ग
क व न ब	ट रि या ऽ	ग इ लो ऽ	ऽ मा ऽ इ
०	३	×	२
म	प		
ग म प –	ग म प म	ग – – री	सा – री सा
दे ऽ ऽ ऽ	हो ऽ ऽ ब	ता ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ य
०	३	×	२
सां	नि	नि	री
सां सां गं रीं	सां नि ध नि	सां नि ध प	म म ग ग
इ त ही ऽ	इ त मो रा	चु र वा ग	इ ल वा ऽ।
०	३	×	२

अंतरा.

ध		नि सां	नि
प प नि नि	सां – सां –	सां रीं सां सां	ध प ध –
ले ने ग इ	सौ ऽ द्वा ऽ	अ रे ह ट	वा ऽ रे ऽ
०	३	×	२
	मं	सां	ग री
सां सां गं गं	रीं – सां –	ध नि सां सांनि	ध प म ग
इ त नि ग	ली ऽ भें ऽ	ग इ लो कऽ	ब नु वा ऽ।
०	३	×	२

अल्हैया बिलावल– त्रिताल. (मध्यलय).

स्थायी.

			नि
			सां सां
			अ त
नि प री	ध		ध ध
ध प गम ग	प प नि नि	सां – सां सां	नि नि प प
अ रु णऽ ब	र न पि या	नै ऽ न तु	म्हा रे अ ब
०	३	×	२
नि		म	
धनि सांरीं सां सां	ध प मग मरी	ग मग प मग	म री सा –
माऽ ऽऽ न हुं	र ति रऽ सऽ	भ येऽ ऽ रऽ	ग म गे ऽ
०	३	×	२
नि सा	ध	रीं	ध
सा म ग प	– प नि नि	सां सां सां सां	नि नि सां सां
क र त के	ऽ लि पि या	प ल क बि	सा रे, अ त।
०	३	×	२

अंतरा.

म ध		नि मं	
प – नि नि	सां सां सां –	सां गरीं गं मं	गं रीं सां –
मौं ऽ दृ मौं	ऽ दृ डो ऽ	ल तऽ सौं ऽ	क र सों ऽ
०	३	×	२
मं	मं	सां	ध
गं मं पं मंगं	रीं – सां सां	धनि सांरीं सां सां	नि नि सां सां
सो ऽ भि तऽ	म ऽ ध्य म	नोऽ ऽऽ ह र	ता रे, अ त।
०	३	×	२

संचारी

नि नि नि	नि नि नि	नि	नि
सा – ध ध	– ध ध ध	ध नि प प	प प ध नि
बा ऽ र वा	ऽ र अ व	लो ऽ कि प	र म रु चि
०	३	×	२

नि सां		म	म
सां रीं सां ध	नि प मग मरी	ग म प मग	री – सा –
कु प ट ने	ऽ ह मऽ नऽ	ह र त हऽ	मा ऽ रे ऽ।
०	३	×	२

आभोग.

म नि		नि मं	
प – ध नि	सां सां सां सां	सां गंरीं गं मं	गं रीं सां सां
सू ऽ र श्या	ऽ म दे खे	स चऽ पा ऽ	व त दु ख
०	३	×	२

मं		नि	ध
गं मं पं मंगं	मं रीं सां सां	धनि सांरीं सां सां	नि नि सां सां
मो ऽ च नऽ	लो ऽ च न	होऽ ऽऽ र त	ना रे, अ त।
०	३	×	२

अल्हैयाबिलावल— त्रिताल. (विलंबित).

स्थायी.

ध
सां
दै

सां		ग	प
धनि धप म पम	ग री सा –	री ग ममगरी ग	ग प प –
ऽऽ याऽ ऽ ऽक	हां ऽ ऽ ऽ	ग ये ऽऽऽ ऽ	लो ऽ ग ऽ
३	×	२	०

प ध	नि	सां	म
नि नि सां –	सां (सां) – –	ध नि प –	ध ग म सां
ब्रि ज के ऽ	ब सै ऽ ऽ	या ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ, है।
३	×	२	०

अंतरा.

ध		नि रीं	
प – नि ,नि	सां – रीं सां	सां गं गं मं	गं रीं सां –
ना ऽ मो ,रेऽ	पौं ऽ ख ना	पा ऽ य ल	पा ऽ सो ऽ
३	×	२	०
सां	प प ध	सां	म
ध धनि धप मगमरी	ग प नि –नि	सां (सां) ध निप	ध ग म सां
ना ऽऽ कोऽ ईऽऽऽ	सु ध को ऽले	वै ऽ या ऽऽ	ऽ ऽ ऽ, है।
३	×	२	०

अल्हैयाबिलावल– त्रिताल. (विलंबित).

स्थायी.

म
,नि
,पी

प			री
ध प गम गरी	सा – – सा	सारी गम ग –	पपमग म ग गम,नि
व न ऽऽ लागो	मा ऽ ऽ ध	मत वर वा ऽ	ऽऽऽऽ ऽ ऽ ऽऽ,पी
३	×	२	०
प		नि	म
ध प गम पम	ग री सा सा	सा री ग ग	गम पपमग रीग गम,नि
व न ऽऽ लागो	मा ऽ ऽ ध	म त व र	वाऽ ऽऽऽऽ ऽऽ ऽऽ,पी
३	×	२	०

अंतरा.

म नि		गं गं	प सां
प पप ,पप धनिध	सांसां सांसां सारीं सां	रींरीं गं रीं सां	सां (सां) ध निप
मां गत ,मध वाऽऽ	मइ सन अब का	करि हों मो री	मा ऽ ऽ ऽऽ
×	२	०	३
	नि सां	प ध म	
पप प पपधनिसां रीं	सां – धनि प	ध ग म ,नि	
कल ली याऽऽऽऽ ऽ	ना ऽ हीऽ न	ध र वा ,पी	
×	२	०	

अल्हैयाबिलावल.– त्रिताल. (विलंबित).

स्थायी.

म
नि
,ढो

प	ध
ध प गम ,गरी	सा – सासारीरीसानि नि,सारी
ल न ऽऽ ,मांडे	जा ऽ नेऽऽऽऽऽ ऽ,हम
३	×
	ग
ग म ग –	मग –ग ममगरग ,म,गम
वा ऽ री ऽ	वारी ऽकि थीऽऽऽऽ ,कु,रऽ
२	०
	म
प – नि ध	प प(प) ग मरी
वा ऽ ऽ न	जी ऽऽ ऽ ऽऽ
३	×

(ग) प	धनिसांरीं	—,सांनि	(प)	|	पपधनि	—ध	प	(प म) गम,नि
ग ३	रेऽऽऽ	ऽ,लग	वे	|	होऽऽऽ ०	ऽमि	यां	ऽऽ,ढो।

अंतरा.

पप
तप

सां —सां सां —रीं	सां — निध नि	सां — नि (ध) (प)	(ध) पध सांरीं गं गं
दी ३ ऽता ती ऽरा	ती × ऽ दऽ या	ऽ २ ऽ ऽ वे	सोऽ ० णाऽ ऽ सु
(गं) रीं गं रीं सां	(नि) सांसां रींसां (ध) नि नि	सां (सां) — ध प	पपधनि —ध प (प म) गम,नि
ना ३ ऽ ऽ वे	दूर × ऽस न ऽ	दी २ ऽ मो ती	ऽऽऽऽ ० ऽमा ला, ऽऽ,ढो।

अल्हैयाबिलावल.—एकताल (विलंबित).

स्थायी.

सा
मा

(ग) री ग	रीसा धप	(नि) ध —	— (ध) नि	ध सां	— —,धप
ई ३ ऽ	एक ४ तोक	था × ऽ	ऽ ० ऽ	ऽ २ ऽ	ऽ ० ऽ,मोऽ

म ग	ममगरीग ,पम	ग री	सा –	(सा) ग री	सा –
री ऽ	ऽऽऽऽऽ,सुन	सैं ऽ	यां ऽ	र ऽ	हो ऽ
३	४	×	०	२	०
(नि) सासा (ग) मग	प मप	(प ध) निनि (प)	– मप	धधपम पम	ग –
उन बिन	ना ऽऽ	जाऽ ये	ऽ ऽऽ	ऽऽऽऽ ऽघ्र	री ऽ
३	४	×	०	२	०
ममगरी ग	– मप	(ग) म ग	री सा	नि सा	(ध) नि ,सा
ऽऽऽऽ ऽ	ऽ पल	छी ऽ	ऽ न	ऽ ऽ	ऽ ,ऽमा
३	४	×	०	२	०

अंतरा.

पप सांसां	सांसां (ध) निनि	रीं सां	– निसां	(नि) पसां नि	सांसां निधनि सां
मुझ बिर	हन ऽऽ	ऽ को	ऽ ऽऽ	बिर हा	भाऽऽऽऽ री
३	४	×	०	२	०
(नि नि) सांसां सां,गंमं	गंरीं सां	सांसांनिधनि धनि	सां निसां	(नि) सां (सां)	धनि ,धप
जारे जा,ऽऽ	रेऽ ऽ	जऽऽऽऽ ऽत	न ऽऽ	क छु	ऽऽ ,बऽ
३	४	×	०	२	०
(प ध) निनि, धप मग	म धप	(नि) ध –			
ताऽ,एऽ कऽ	ऽ तोक	था ऽ			
३	४	×			

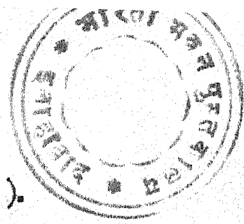
अल्हैयाबिलावल–एकताल. (विलंबित).

स्थायी.

सांसांनिध निनि	सांरींरीं,सांनिसां	सां ध	निप ,निनि	सां ध,निप	पध पधनि
साऽऽऽ ऽरी	रै नऽ,बऽऽ	ना ऽ	ऽऽ ,बन	आ ऽ,ऽऽ	ईऽ ऽऽऽ
३	४	×	०	२	०
ध प	मग मरी	ग –म	म (म)	ग री	ग प
ला ऽ	ऽऽ ऽसु	हा ऽग	स न	ऽ ऽ	माँ ऽ
३	४	×	०	२	०
धनि –,धप	ध प	ममगरी ग	मग प	म (म)ग	मरी सा
ऽऽ ऽ,गऽ	लृ ऽ	गाऽऽऽ ऽ	ईऽ ऽ	ला ऽऽ	ऽऽ ऽ।
३	४	×	०	२	०

अंतरा.

प पप	प सांसांनिधनिध	सां सां	सांरीं सां	सांसां रींगं	– मं(मं)
हा थन	में दीऽऽऽऽऽ	बां हीं	चूऽ रा	मुख तमो	ऽ ऽऽ
३	४	×	०	२	०
गंरीं सां	सां (सां)	ध निप	धनिसांरीं सां	ध निप	पध पधनि
लऽ ऽ	ब्या ऽ	हा ऽऽ	नऽऽऽ आ	ऽ ऽऽ	ईऽ ऽऽऽ
३	४	×	०	२	०
ध प	स्थायी प्रमाणें				
ला ऽ					
३					



अल्हैयाबिलावल—एकताल. (विलंबित).

स्थायी.

	ध	नि		म	री म
	निध निसां	सां ध	नि॒ ध	प गम	ग ,पम
	काऽ हूऽ	को ऽ	ऽ ऽ	ना ऽऽ	ऽ ,इन
	४	×	०	२	०

म		नि॒ सा	री	म म	नि
ग री	सा —	सा प	गमपपमगरी गग	गग धध	ध,निध सांसांनिधनि
को ऽ	ऽ ऽ	मा या	ऽऽऽऽऽऽऽ ऽऽ	अब हम	ये,ऽऽ ऽऽऽऽऽ
३	४	×	०	२	०

(प) ध,गम
रे ऽ,ऽऽ
३

अंतरा.

म	सां ध				
प प	नि —नि	सां —	सां निसां	सां सां	रीं गंरीं
अ ब	मो ऽरा	सैं ऽ	यां ऽऽ	को सौं	दे ऽस
३	४	×	०	२	०

नि	सां	ग		नि॒ सा	री
सां (सां)	ध नि॒प	मग (म)	गरी सा	सा प	गमपपमगरी गग
वा ऽ	ऽ ऽऽ	लेऽ ऽ	जाऽ मा	मा या	ऽऽऽऽऽऽऽ ऽवे
३	४	×	०	२	०

	ध नि			म म	नि
प ध,गम	निध सां	(सां) ध	नि॒ प	गग धध	ध,निध सांसांनिधनि
ऽ ऽ,ऽऽ	काऽ हू	को ऽ	ऽ ऽ	अब हम	ये,ऽऽ ऽऽऽऽऽ
३	४	×	०	२	०

(प) ध,गम
रे ऽ,ऽऽ
३

अल्हैयाबिलावल—एकताल. (विलंबित).

स्थायी.

ग म
कौं

नि	धप	म	,पम	ग	री	सा	निसा	सा	—री	गरी	सा
ऽ ३	थाऽ	ऽ ४	,ऽऽ	मो ×	ऽ	रे ०	ऽऽ	ये २	ऽऽ	ऽजि ०	न
सासानिध	सा,निरी	ममगरी	ग	(ग) म	ग	(प) ग	प	(म) प	प	ध	(ध) गम
जाऽऽऽ ३	ऽ,ऽऽ	ऽऽऽऽ ४	ऽ	वो ×	ऽ	रे ०	ऽ	आ २	रे	ऽ, ०	ऽकौं।

अंतरा.

(म) प	—	(सां) नि	(ध) निनि	सां	—	सां	—	सांसां	रीं	गं	मं
ना ३	ऽ	को ४	ऽऊ	ऐ ×	ऽ	सी ०	ऽ	मोरि २	भा	ऽ ०	ऽ
(मं) गं		मंरीं	सां	(म) प	(सां) धसां	(रीं) सां	(सां) ध,निप	(म) प	प	ध	(ध) गम
ऽ ३	ऽ	ऽऽ ४	वे	बे ×	गले	आ ०	वो,ऽऽ	आ २	रे	ऽ, ०	ऽकौं।

अल्हैयाबिलावल—त्रिताल. (मध्यलय.)

स्थायी.

प —
द्री ऽ

ध ग(ध) — प	— नि ध नि	सां(नि) — सां ध	नि सां सां सां
म्त द्री ऽ म्द्री (०)	ऽ म्त न द्रे (३)	ना ऽ त न (×)	ना ऽ त न (२)
सां ध नि प	ध नि ध प	— म ग —	म री सा —
नि ता ऽ न्न (०)	त न दे रे (३)	ऽ त द्रा ऽ (×)	ऽ ऽ न्नी ऽ (२)
सा सा सां —	सां नि ध नि	सां — गं रीं	सांसां निनि (प)—
य ल ली ऽ (०)	या ऽ ल्ला ऽ (३)	ला ऽ ल ले (×)	दिर् दिर् , द्री ऽ। (२)

अंतरा.

प —
दा ऽ

— सांसांनिध नि नि	सां — सां —	रींगं मंपं गंमं रीं	सां —सां नि —नि
ऽ रऽऽऽ ऽ दि (०)	ले ऽ आ ऽ (३)	माऽ ऽऽ ऽऽ च (×)	दि ऽल स स्तु (२)

रीं ध			
सांसां सां नि नि	सां रीं सां –	– ध प म	ग –ग ग –
गुऽ ऽ ऽ न	हु र वा ऽ	ऽ दृ ऽ र्बं	ग ऽल च ऽ
०	३	×	२
री			
मम गग म ग	– म प –	म ग म री	सा – सा ग
श्मेऽ ऽऽ ब खु	ऽ न्दृ री ऽ	या ऽ ऽ ऽ	स्ती ऽ आ ऽ
०	३	×	२
म प – प	प – पप धनि	सांरीं सां – ध	प –प प –
ष के ऽ व	तू ऽ फाऽ ऽऽ	ऽऽ दृ ऽ र्बं	ग ऽल, दी ऽ।
०	३	×	२

अल्हैयाबिलावल– त्रिताल. (मध्यलय).

स्थायी.

			प
			ओ
			री
प नि ध नि	सां – – –सां	ध प म गग	प (म) – ग
दृ त ऽ न	दी ऽ ऽ ऽम्	दी ऽ ऽ ऽम्	त दा ऽ न्नि
३	×	२	०
	म		
ग म (प) म	ग – री सा	– सा सासा रीग	– री सा –सा
ता रे दा नि	ता ऽ ऽ दीं	ऽ न्नी दाऽ ऽऽ	ऽ न्नि दीं ऽन्
३	×	२	०

सा सा सा री	ग ग ग ग	म पप ग (म)री	ग प ध (नि)नि
नि त न त	न दे रे त	म दिर तो ऽ	म्त न न त
३	×	२	०
सां – (रीं)ध –	सां – सां सां	ध प म ग	री सा – प
दी ऽ म्दी ऽ	म्दी ऽ म्त न	दे रे ता रे	दा नि ऽ, ओ।
३	×	२	०

अंतरा.

प प सां सां	सां सां – रीं	सां – सांसां रींगं	– रीं सां नि
त ना दे रे	ना तो ऽ म्त	दी ऽ म्तोऽ ऽऽ	ऽ म्त न न
०	३	×	२
सांसां निध नि नि	सां – (सां) –	ध पप (म) ग	(म)ग म (नि)ध (नि)ध
तोऽ ऽऽ ऽ म्त	दी ऽ म्दी ऽ	ऽ ऽम् ऽ ऽ	त दि या ना
०	३	×	२
(नि)ध – नि प	सांसां निध नि सांसां	रींगं रीं सां सां	धनि (प)ष – ध
रे ऽ ऽ ऽ	ताऽ ऽऽ ऽ द्राऽ	ऽऽ न्नि त द्रा	ऽऽ न्नि ऽ त
०	३	×	२
(ध)ग – –ग प			
दी ऽ ऽम्, ओ			
०			

बिलावल– तिल्वाडा. (विलंबित).

स्थायी.

म निध	प	मप	गरे	ग	—रे	स	निसा
द्रेद्रे	द्रे	ऽऽ	तन	दे	ऽरे	ना	ऽऽ
३				×			
सारे	गम	ग	–	गमपपमग	रेग,मध	मनिनि	ध प
तन	देरे	ना	ऽ	ऽ	उऽ,ऽऽ	द	त
२				०			
म प	ममगरेग	—रे	गरे	रू।	निसा	पग	मप
ऽ	न	ऽऽ	देरे	ना	ऽ	वे	तदा
३				×			
सांसांनिध	नि	(प)	–	प सां	सां धनि	प	प गम
ऽ	ऽ	नी	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ।
२				०			

अंतरा.

पप	सांसां	सांसां	निसां	सांसां	सां	निसां	सांसांरेंगं
नाद्रे	तुंद्रे	तना	ऽ	द्रेत	ना	ऽ	ऽ
३				×			
—रें	नि सां	नि	–	नि	सांसांरेंरेंसांनि	धनि	—नि
ऽत	दा	रे	ऽ	ता	रे	ऽऽ	ऽदा
२				०			

सां	निसां	सांसां	गंरें	|	गं	मं	गंरें	गंरें
नी ३	ऽ	यला	ऽऽ	|	या ×	ऽ	ल्लाऽ	ऽय
सां	—प	धनिसांरें	—सां	|	(सां) धनि	प	ध	(ध) गम
ला २	ऽय	लों	ऽय	|	ला ०	ऽ	ऽ	लेऽ।

बिलावल— तिलवाडा. (विलंबित).

स्थायी.

			(गम) मनि	|	ध	प	गम	,गरे
			तन	|	न ३	ना	ऽऽ	ऽ,देरे
सा	—	निसा	सासारेरे	|	(ध) सासानिनि	—	स	—रे
ना ×	ऽ	ऽ	द्रे	|	ऽ २	ऽ	ना	ऽत
ग	—	गम	(री) ग	|	गमपप	मगरेग	—	मप
दा ०	ऽ	ऽऽ	ऽ	|	रे ३	ऽ	ऽ	दर
म	ग	रे	—	|	सा	री	ममगरे	ग
ता ×	ऽ	ऽऽ	ऽ	|	दीं २	ऽ	ऽ	ऽ

सा	रें	सा	निस	सामग	प	—ध	प	प	धनिसारें	सां	सांध
नी	ऽ	ऽ	ऽ	नाद्रेऽ	तो	ऽम्	द्रे	ता	रे	:दां	नी
०				३				×			
ध	ध	नि	ध	प	म	गमपपमग	रीग	मनि	धप	गम	,गरे
त	दा	ऽ	नि	ऽ	ऽ	ऽ	ऽऽ	तन	नना	ऽऽ	ऽ,देरे।
२				३				३			

अंतरा.

पग पप	सांसांनिधनि		धनि	सां	रें	सां	—	सांसां	रें	गं	रें
धेते लला	ना		ऽरे	ना	ऽ	रे	ऽ	तारे	दा	ऽ	ऽ
३				×				२			
सांसांनिधनि		धनि	सां—	सां	(सां)	धनि	प	धनि	धप	गम	पम
नि		ऽत	दाऽ	ऽ	ऽ	ऽऽ	ऽ	नीऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽत
०				३				×			
ग	रे	सा	—	गम	पप	सांसांनिधनि	—नि	सं	—	—	निसां
दा	ऽ	नि	ऽ	नाद्रे	द्रेतु	द्रे	ऽद्रे	दीं	ऽ	ऽ	ऽ
२				०				३			
सांसां	रें	मंमंगंरेंगं	—रीं	सांसांनिधनि	—	सां	—	गंगंरेंसां	निधपम	गरेसासा	मनि
तादि	या	ना	ऽरे	तो	ऽ	म्द्रे	ऽ	ना	ऽ	ऽ	तन।
×				२				०			

अल्हैयाबिलावल.— झपताल (मध्यलय).

स्थायी.

		सां							
सां	—	ध	नि	प	म	प	म	ग	मरी
ले	ऽ	ते	ऽ	रि	ल	क	री	ऽ	ऽऽ
×		२			०		३		
म									
ग	म	प	ग	मग	म	री	सा	री	सा
ले	ऽ	ते	ऽ	रीऽ	का	ऽ	म	ऽ	रि
×		२			०		३		
		ति	ति	ति	ति	ति	ति		
सा	सा	ध	ध	ध	ध	ध	ध	नि	प
ब	च	रा	ऽ	च	रा	ऽ	व	ऽ	न
×		२			०		३		
सां							सां		
ध	नि	रीं	—	सां	सां	सां	ध	नि	प
हूं	ऽ	न	ऽ	हिं	जा	ऊं	मा	ऽ	ई।
×		२			०		३		

अंतरा.

प	—	प	निध	निध	सां	—	सां	सां	सां
सौं	ऽ	ग	केऽ	ऽऽ	ग्वा	ऽ	ल	व	ल
×		२			०		३		
								सां	
सांध	निध	सां	सां	रीं	सां	—	सां	ध	निप
भऽ	ऽऽ	द्र	वि	न	ए	ऽ	क	लो	ऽऽ
×		२			०		३		

ध	नि नि		सां
ग म	ध ध —	सां सां	ध नि प
ए ऽ	क लो ऽ	ब न	में ऽ ऽ
×	२	०	३
सां			सां
ध नि	रीं — रूं	सां सां	ध नि प
हूं ऽ	न ऽ हिं	जा ऊं	मा ऽ ई ।
×	२	०	३

अल्हैयाबिलावल.— चौताल. (विलंबित).

स्थायी.

री	ग	ध		सां	
गम ग	— प	नि नि	सां —	सां ध	नि प
सऽ र	ऽ स	ऽ प्र	ता ऽ	प ते	ऽ ज
०	३	४	×	०	२
नि				ग	
ध नि	ध प	गम प	म ग	म	री सा
व ऽ	ल ते	ऽऽ ऽ	हा ऽ	ऽ ऽ	ऽ रो
०	३	४	×	०	२
नि		सां ध		सां	
सा म	ग प	नि नि	रीं सां	— ध	नि प
रा ऽ	ख ले	सि री	भ ग	ऽ वा	ऽ न ।
०	३	४	×	०	२
प ध	प	धं			
ध ग	प नि	— नि	सां —		
स र	ऽ स	ऽ प्र	ता ऽ		
०	३	४	×		

अंतरा.

			प	सां							
	प	—	नि	ध	नि	सां	—	सां	सां	रीं	सां
स	ब	ऽ	बि	ध	ऽ	हो	ऽ	सु	जा	ऽ	न
×		०		२		०		३		४	
नि				मं					सां		
सां	रीं	गं	मं	रीं	रीं	सां	—	सां	ध	नि॒	प
गु	नि	ज	न	क	र	त	ऽ	ब	खा	ऽ	न
×		०		२		०		३		४	
						सां		सां			
सां	सां	मंगं	मं	रीं	सां	नि	सां	ध	सां	सां	सां
च	तु	ऽऽ	रा	ऽ	इ	जा	ऽ	न	त	स	ब
×		०		२		०		३		४	
			सां				ध		प		
रीं	सां	—	ध	नि॒	प	ध	ग	प	नि	ध	नि
म	हा	ऽ	ग्या	ऽ	न	ऽ	स	र	स	ऽ	प्र।
×		०		२		०		३		४	

अल्हैयाबिलावल.—चौताल. (विलंबित).

स्थायी.

(प) ग
पा

							सां				प
प	नि	ध	नि	रीं	सां	—	ध	नि॒	प	—	ग
ल	ना	ऽ	ऽ	प	ल	ऽ	प	ऽ	ल	ऽ	गा
३		४		×		०		२		०	

				म			म				नि̣
म	रीं	गम	प	प	म	ग	री	—	सा	—	सा
ऽ	ऊं	पऽ	ल	झू	ला	ऽ	ऽ	ऽ	ऊं	ऽ	ला
३		४		×		०		२		०	
म				प			सां				प
ग	मग	प	प	रीं	सां	—	ध	प	मग	मरी	ग
ल	नऽ	ऽ	की	सु	भ	ऽ	घ	ढि	रेऽ	ऽऽ,	पा।
३		४		×		०		२		०	

अंतरा.

			सां	सां	ध						
प	प	प	नि	नि	नि	सां	—	सां	रीं	सां	—
अ	म	र	चौं	द	न	का	ऽ	प	ल	ना	ऽ
×		०		२		०		३		४	
			मं						सां		
सां	—	रीं	गं	मं	रीं	सां	—	—	ध	नि̣	प
रे	ऽ	स	म	ऽ	की	डो	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	र
×		०		२		०		३		४	
प	मं				ध				सां		
गं	रीं	—	सां	ध	रीं	सां	—	—	ध	नि̣	प
झू	ला	ऽ	व	ऽ	त	मै	ऽ	ऽ	या	ऽ	सो
×		०		२		०		३		४	
प		सां					प				
सां	—	ध	प	म	ग	मरी	ग				
हा	ऽ	ग	भ	री	ऽ	ऽऽ,	पा				
×		०		२		०					

अल्हैयाबिलावल.— चौताल (विलंबित)

स्थायी.

म	सां		नि		ग
मां –	सां ध	नि॒ प	ध नि॒	ध प	म ग
आ ऽ	ज औ	ऽ र	का ऽ	ल औ	ऽ र
×	०	२	०	३	४
म म			ग		
ग ग	मरी ग	म प	म –	ग म	री सा
दि न	ऽऽ प्र	ऽ ति	औ ऽ	र औ	ऽ र
×	०	२	०	३	४
नि	नि नि	नि		सां	ध
सा –	ध ध	– ध	नि॒ प	– नि	नि सां
दे ऽ	खि ये	ऽ र	सि क	ऽ गि	री ऽ
×	०	२	०	३	४
नि		रीं			सां
सां –	रीं गं	सां निध	नि प	– निध	नि सां
रा ऽ	ज ध	र नऽ	ऽ मा	ऽ इऽ	री ऽ।
×	०	२	०	३	४

अंतरा.

	नि	ध		नि	
प प	– ध	नि नि	सां सां	– सां	रीं सां
दि न	ऽ प्र	ऽ ति	न ई	ऽ छ	ऽ ब
×	०	२	०	३	४
	रीं		गं	गं	
सां सां	गं गं	मं पं	मं गं	मंगं मं	रीं सां
ब र	ऽ ने	ऽ सो	को ऽ	नऽ क	ऽ ब
×	०	२	०	३	४

म	नि॒ नि॒		प ध	प	ध
ग म	ध ध	नि॒ प	नि नि॒	प नि	नि सां
पा ऽ	न की	ऽ जे	री ऽ	झ र	हि ये
×	०	३	०	३	४
नि	रीं				सां
सां रीं	गं नि	सां निध	नि प	– निध	नि सां
स दा	हि स	र नऽ	ऽ मा	ऽ इऽ	री ऽ।
×	०	३	०	३	४

संचारी.

			नि॒		
म –	म प	– प	ध नि॒	ध प	– प
सो ऽ	मा श्या	ऽ म	औं ऽ	ग औं	ऽ ग
×	०	२	०	३	४
	नि			नि	
प –	ध नि	सां –	रीं सां	सां ध	नि॒ प
ला ऽ	ज त	को ऽ	टि क	अ नौं	ऽ ग
×	०	२	०	३	४
म म				म	
ग ग	मग ग	म प	म ग	मग री	– सा
छ ब	ऽऽ की	ऽ उ	ठ त	तऽ रौं	ऽ ग
×	०	२	०	३	४
नि॒	नि॒ नि॒		प	सां	
सा –	ध ध	नि॒ प	सां सां	सां ध	नि॒ प
बि ऽ	श्व को	ऽ ऽ	म न	ह र	ऽ नि।
×	०	२	०	३	४

आभोग.

			सां								
प	–	प	ध	सां	सां	–	सां	सां	–	रीं	सां
च	ऽ	त्र	भू	ऽ	ज	ऽ	प्र	भू	ऽ	गि	र
×		०		२		०		३		४	
		मं	रीं							नि	
सां	–	गं	गं	मं	रीं	सां	–	रीं	सां	ध	प
धा	ऽ	री	को	ऽ	स	रू	ऽ	प	सुं	द	र
×		०		२		०		३		४	
म		नि़	नि़		नि़	नि़			नि		
ग	म	ध	ध	–	ध	ध	नि़	प	ध	नि	सां
दे	ऽ	खि	ये	ऽ	सिं	गा	ऽ	र	बा	ऽ	ग
×		०		२		०		३		४	
नि				नि					ध		
सां	सां	रीं	गंरीं	सां	निध	नि	प	नि	नि	सां	–
ब	र	न	बऽ	र	नऽ	ऽ	मा	ऽ	ई	री	ऽ।
×		०		२		०		३		४	

अल्हैयाबिलावल–चौताल. (विलंबित)

स्थायी.

प		नि				प			प		ध
सां	सां	ध	प	मग	मरी	ग	प	–	नि	–	नि
मो	ति	य	न	कीऽ	ऽऽ	झा	ल	ऽ	र	ऽ	ल
०		३		४		×		०		२	
		नि				सां			नि		
सां	–	सां	रीं	सां	सां	ध	नि	सां	ध	नि़	प
गी	ऽ	हे	ऽ	म	ज	री	ऽ	ऽ	मा	ऽ	नो
०		३		४		×		०		२	

(प) सां –	(नि) ध प	मग मरी	(ग) री ग	मग (म) री	– सा
ही ऽ	र न	सोंऽ ऽऽ	च हूं	ऽऽ ओ	ऽ र
०	३	४	×	०	२
(नि) सा री	ग (म) री	– सा	(सा) ग (ग) री	– सा	री सा
हो ऽ	ऽ ऽ	ऽ त	उ जा	ऽ गा	ऽ र।
०	३	४	×	०	२

अंतरा.

सां सां	– सां	– सां	(सां) गं (मं) रीं	– सां	– सां
रा जा	ऽ रा	ऽ म	उ म	ऽ रा	ऽ व
×	०	२	०	३	४
(नि) सां गं	रीं सां	रीं सां	सां (नि) सां	(सां) ध प	(सां) ध –
पा ऽ	य ब	क सी	स आ	ज न	यो ऽ
×	०	२	०	३	४
सां सां	– सां	– सां	सां गं	रीं सां	रीं सां
न व	ऽ रो	ऽ ज	अ प	नि अ	प नी
×	०	२	०	३	४
(सां) ध सां	– (सां) ध	नि प			
बा ऽ	ऽ ऽ	ऽ रि			
×	०	२			

अल्हैयाबिलावल– चौताल (विलंबित.)

स्थायी.

	प		नि							सां	
	ग	प	ध	नि	सां	रीं	सांनि	सां	सां	ध	प
ऽ	सु	र	त	ऽ	वि	सा	ऽऽ	ऽ	री	ऽ	ऽ
०		३		४		×		०		२	

	म				प				नि		
म	ग	मरी	गम	प	ग	म	री		सां	री	सा
ऽ	का	ऽऽ	हेऽ	ऽ	ह	मा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	री
०		३		४		×		०		२	

नि		म	म	म		प					
सा	–	ग	ग	गम	री	ग	प	धनि	ध	प	म
नौं	ऽ	दृ	नं	दृऽ	न	गि	र	ऽऽ	धा	ऽ	ऽ
०		३		४		×		०		२	

	प
गरी	ग
रीऽ,	सु
०	

अंतरा.

म			नि		ध						
प	–	–	ध	नि	नि	सां	सां	–	सां	रीं	सां
सू	ऽ	ऽ	नो	ऽ	भ	व	न	ऽ	दू	ऽ	ख
×		०		२		०		३		४	

नि		मं	मं	मं				सां			
सां	गं	रीं	गं	रीं	सां	रीं	सां	सां	ध	नि	प
दू	ऽ	ऽ	नो	ऽ	ल	ग	त	री	आ	ऽ	लि
×		०		२		०		३		४	

प	प		प			नि					
ग	ग	मरी	ग	प	प	ध	नि	सां	सां	रीं	सां
अ	ब	ऽऽ	लो	ऽ	न	आ	ऽ	ऽ	ये	ऽ	री
×		०		२		०		३		४	
नि	सां		प	ध			प				
सां	ध	प	ध	ग	म	गरी	ग				
ब	न	ऽ	वा	ऽ	ऽ	रीऽ,	सु				
×		०		२		०					

अल्हैयाबिलावल—चौताल (विलंबित).

स्थायी.

सा		सां				नि					
सां	–	सां	ध	नि॒	प	ध	नि॒	ध	प	म	ग
आ	ऽ	ज	को	ऽ	सिं	गा	ऽ	र	सु	भ	ग
×		०		२		०		३		४	
म		म									
ग	म	री	ग	म	प	म	ग	म	री	–	सा
सां	ऽ	व	रे	ऽ	गु	पा	ऽ	ल	जू	ऽ	को
×		०		२		०		३		४	
			म			प			नि		
सा	सा	–	ग	म	री	ग	प	–	ध	नि	सां
क	ह	ऽ	त	ऽ	न	ब	न	ऽ	आ	ऽ	वे
×		०		२		०		३		४	
सां											
रीं	–	गं	रीं	सां	सां	निध	नि		प	निध	नि
दे	ऽ	ख	हि	व	न	आऽ	ऽ	ऽ	वे	रीऽ	ऽ।
×		०		२		०		३		४	

अंतरा.

प	प	प	सां	सां	सां	सां	–	रीं	सां	–	सां
भू	ख	न	ब	स	न	भां	ऽ	त	भां	ऽ	त
×		०		२		०		३		४	
सां			सां			नि			सां		
नि	–	नि	नि	ध	नि	सां	रीं	सां	ध	नि॒	प
औं	ऽ	ग	औं	ऽ	ग	अ	ङ्ग	त	कां	ऽ	त
×		०		२		०		३		४	
नि						प		नि			
ध	नि	ध	प	म	ग	ग	प	ध	नि	सां	सां
ल	ट	प	टे	ऽ	सु	दे	ऽ	स	पा	ऽ	ग
×		०		२		०		३		४	
नि			मं	मं							
सां	–	रीं	ग	रीं	सां	निध	नि		प	निध	नि
चि	ऽ	त्त	को	ऽ	चु	राऽ	ऽ	ऽ	वे	रीऽ	ऽ।
×		०		२		०		३		४	

संचारी.

ध	प	प				नि					
ग	ग	ग	प	प	प	ध	नि	ध	प	–	प
म	क	र	कुं	ड	ल	ति	ल	क	भा	ऽ	ल
×		०		२		०		३		४	
म						सा			सां		
प	–	नि	ध	सां	–	रीं	सां	सां	ध	नि॒	प
क	ऽ	स्तू	ऽ	री	ऽ	अ	त	र	सा	ऽ	ल
×		०		२		०		३		४	

प	प	म				ग		सा			
ग	गरी	गम	प	म	ग	म	री	री	सा	री	सां
चि	तऽ	वऽ	न	लो	ऽ	च	न	बि	सा	ऽ	ल
×		०		२		०		३		४	
नि		नि	नि							सां	
सा	–	ध	ध	–	ध	सां	सां	–	सां	धनि	प
का	ऽ	टि	का	ऽ	म	ल	ज	ऽ	वे	ऽऽ	रि।
×		०		२		०		३		४	

आभोग.

प											
प	–	प	सां	सां	–	रीं	सां	सां	सां	–	सां
कौं	ऽ	ठ	सि	री	ऽ	मो	ति	न	मा	ऽ	ल
×		०		२		०		३		४	
नि		गं			रीं						
सां	–	रीं	गं	गं	गं	मं	रीं	सां	सां	ध	प
फे	ऽ	टा	ऽ	क	ट	ज	री	दु	सा	ऽ	ल
×		०		२		०		३		४	
प	प	नि	नि	नि	नि	नि			नि		
ग	ग	ध	ध	ध	ध	ध	नि	प	ध	नि	सां
छ	बि	ऽ	नि	र	ख	नि	र	ख	आ	ली	री
×		०		२		०		३		४	
सां		मं									
रीं	–	गंम	रीं	सां	सां	निध	नि		प	निध	नि
धी	ऽ	रऽ	ज	म	न	लाऽ	ऽ	ऽ	वे	रीऽ	ऽ।
×		०		२		०		३		४	

अल्हैयाबिलावल– चौताल. (विलंबित).

स्थायी.

प		प			प						
ग	–	ग	प	–	नि	ध	प	म	प	म	ग
बा	ऽ	र	बा	ऽ	र	आ	ऽ	ऽ	व	ऽ	त
०		३		४		×		०		२	
	प		म					म			
	ग	मरी	गम	प	–	म	ग	री	सा	री	सा
ऽ	मे	ऽऽ	रेऽ	री	ऽ	का	ऽ	न्ह	कुं	व	र
०		३		४		×		०		२	
नि								नि	नि	ध	
सा	–	–	री	सा	–	सा	सा	ध	ध	नि	प
नौं	ऽ	ऽ	द	को	ऽ	ल	प	क	झ	प	क
०		३		४		×		०		२	
प	ध			नि					सां		
ध	ग	–	प	ध	सां	रीं	सां	सां	ध	प	ध
च	प	ऽ	ला	ई	ऽ	क	र	त	नि	ड	र
०		३		४		×		०		२	
ध											
ग	–										
बा	ऽ										
०											

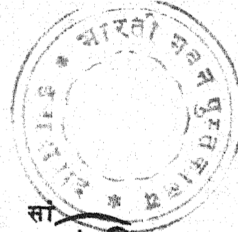
अंतरा.

			पं								
प	प	–	सां	–	सां	रीं	सां	सां	–	सां	सां
प	न	ऽ	घ	ऽ	ट	ज	मु	ना	ऽ	त	ट
×		०		२		०		३		४	

नि	गं		गं	नि	सां
सां –	सां रीं	गं गं	मं रीं	– सां	धनि प
बा ऽ	ट घा	ऽ ट	त्रि ज	ऽ बि	थिऽ न
×	०	२	०	३	४
प प	नि	नि		सां	
ग ग	ध ध	ध	नि प	– ध	सां सां
ल गो	ऽ ई	ऽ र	ह त	ऽ सौं	ऽ ग
×	०	२	०	३	४
	सां	प	ध		
रीं सां	सां ध	प ध	ग –		
ड ग	र व	ग र	बा ऽ		
×	०	२	०		

संचारी.

प प	प		नि		
ग ग	ग प	– प	ध नि	ध प	– प
आ व	त जा	ऽ त	खे ल	त खा	ऽ त
×	०	२	०	३	४
म	नि		नि		
प –	ध नि	सां –	सां –	सां सां	ध प
नै ऽ	न न	की ऽ	सै ऽ	न दे	ऽ त
×	०	२	०	३	४
प		म	ग		
ग –	री ग	गम प	म ग	म री	सारी सा
पां ऽ	य प	रऽ त	प र	स त	तऽ न
×	०	२	०	३	४



नि	नि नि		प		सां
सा सा	ध ध	नि॒ प	सां –	– ध	नि॒ प
झ ग	ऽ र	ऽ ऽ	झ ऽ	ऽ ग	ऽ र
×	०	२	०	३	४

आभोग.

	सां				
प –	– ध	सां सां	रीं सां	– सां	सां –
धी ऽ	ऽ र	ऽ ज	के ऽ	ऽ प्र	भू ऽ
×	०	२	०	३	४
नि	रीं	गं	मं	सां	
सां सां	गं गं	गंमं पं	मं गं	रीं सां	धनि॒ प
म न	ऽ भा	ऽऽ ई	बा ऽ	तें क	रऽ त
×	०	२	०	३	४
प	नि नि		प ध	सां	
ग –	ध ध	नि॒ प	ध ग	प ध	सां सां
दे ऽ	ख दे	ऽ ख	क र	त हां	ऽ सि
×	०	२	०	३	४
रीं	सां	प	ध		
रीं सां	सां ध	प ध	ग –		
स ब	हि न	ग र	बा ऽ		
×	०	२	०		

अल्हैया बिलावल.—धमार.—(विलंबित).

स्थायी.

ग ध	ध	नि	
प – नि नि	सां – – नि प	ध नि॒	ध प –
ए ऽ जू ऽ	का ऽ ऽ ल की	ग्वा ऽ	ल न ऽ
३	×	२	०

ध म प म ग	प ग म री ग म	म प मग	म री —
ए ऽ मे ऽ ३	रो ऽ ऽ ऽ ऽ ×	म नऽ २	ले ऽ ऽ ०
नि सा री सा —	प सा — — ग —	प —	नि धनि ध प
गं ऽ ई ऽ ३	ले ऽ ऽ ग ऽ ×	ई ऽ २	ऽऽ री ऽ ०
प ध ग प नि नि			
ए ऽ जू ऽ ३			

अंतरा.

सां नि — निध सां सां	सां —	रीं सां —	नि सां रीं गं मं
सां ऽ ऽऽ झ भ ×	ई ऽ २	अ ज ऽ ०	हू ऽ न हिं ३
गं रीं — सां —	ध नि नि	ध प — —	नि ध नि सां —
आ ऽ ऽ ई ऽ ×	झू ऽ २	ठे ऽ ऽ ०	ब च न ऽ ३
नि सां सां ध नि ध प	— प	प ध निध ग —	ध प — नि नि
दे ऽ ऽ ऽ ऽ ×	ऽ ग २	ईऽ री ऽ ०	ए ऽ जू ऽ ३

बिलावल— धमार (विलंबित).

स्थायी.

प	ध	
ध	ग	–
ए	ता	ऽ

		सां	ध					ध			सां		
प	–	नि	नि	सां	–	–	नि	नि	सां	–	रीं	सां	–
री	ऽ	ड	फ	बा	ऽ	ऽ	ज	त	मो	ऽ	हू	न	ऽ
३				×					२		०		

सां				प	प		म						
ध	धनि	प	–	ग	ग	मरी	ग	म	प	मग	म	री	–
छ	बऽ	छा	ऽ	ज	त	ऽऽ	ना	ऽ	च	तऽ	ग	त	ऽ
३				×					२		०		

				नि			सां				प	ध	
सा	–	–	सा	सा	सां	–	ध	–	नि	प	ध	ग	–
सों	ऽ	ऽ	अ	नौं	ऽ	ऽ	दृ	ऽ	ऽ	ता	रे,	ता	ऽ।
३				×					२		०		

अंतरा.

नि			सां	ध						नि			
सां	–	–	नि	नि	सां	–	सां	–	सां	सां	रीं	सां	–
बा	ऽ	ऽ	ज	त	ता	ऽ	ल	ऽ	त्रि	द्धौं	ऽ	ग	ऽ
×					२		०			३			

नि			रीं				म			नि			
सां	गं	–	गं	–	–	मं	रीं	–	–	सां	रीं	सां	सां
बी	ऽ	ऽ	न	ऽ	ऽ	धु	न	ऽ	ऽ	ने	ऽ	व	र
×					२		०			२			

सां					सां		प	ध	
ध	सांनि	रीं	सां	सां	ध	निप	ध	ग	–
की	ऽऽ	ऽ	झ	न	का	ऽऽ	रे,	ता	ऽ
×					२		०		

राग खमाज.



खंमाजो यत्र तीव्रा ऋषभगधनयो मो मृदुर्निर्मृदुःस्या-
द्आरोहे रिर्निषिद्धः प्रभवति परिपूर्णोऽवरोहे पवक्रः ।
वादी गांधार एव प्रविलसति तथा संप्रवादी निषादो
रात्र्यां यामे द्वितीये प्रमदयति मनः श्रोतुरप्येष रागः ॥

कल्पद्रुमांकुरे ।

मृदुमो निद्वयो गांशो निसंवादी खमाजकः ।
नारोहे ऋषभो यामे द्वितीये निशि गीयते ॥

चन्द्रिकायाम् ।

चढत रिखब न लगाइये कोमल मनी विराज ।
गनि वादीसंवादितें कहियत राग खमाज ॥

चंद्रिकासार ।

निसौ गमौ पनी सश्च सनी धमौ पधौ मगौ ।
खंमाजो गांशको नित्यं द्वितीयप्रहरे निशि ॥

अभिनवरागमंजर्याम् ।

हा राग खमाज थाटांतून उत्पन्न होतो. या रागांत निषाद कोमल आहे व बाकीचे स्वर शुद्ध आहेत. वादी गांधार आहे व संवादी निषाद आहे. आरोहांत ऋषभ स्वर वर्ज करितात, म्हणून या रागाची जाति षाडव–संपूर्ण आहे. या रागाचा गान समय रात्रीचा दुसरा प्रहर मानितात. ह्या रागांत आरोहांत धैवत स्वरास महत्व नाहीं व अवरोहांत अनेक वेळां पंचम वक्र असतो. आरोहांत निषाद तीव्र घेण्यास परवानगी आहे. या रागाचें वैचित्र्य **ग, म, प, नि** या स्वरांवर बरेंच अवलंबून आहे; व त्या स्वरांवर अनेक ताना आणून संपविलेल्या दृष्टीस पडतात.

आरोहावरोहस्वरूप.

सा, गम, प, धनिसां । सांनिध प, मग, रेसा.

पकड.

निध मप, ध, मग.

खमाज.—आडाचौताल (मध्यलय).

(मात्रा. १४).

स्थायी.

सा ग	म प	ग म	नि॒ ध	म प	ध ग	ऽ म
×	२	०	३	०	४	०
प नि	सां रें	नि सां	नि॒ ध	म प	ध ग	ऽ म।
×	२	०	३	०	४	०

अंतरा.

मं गं	रें मं	गं रें	सां नि	सां रीं	नि सां	नि॒ ध
×	२	०	३	०	४	०
म प	ध ग	ऽ म	ग ऽ	प म	ग रे	सा ऽ
×	२	०	३	०	४	०
सां ग	म ग	रे सा	सां गं	मं गं	रें सां	नि सां
×	२	०	३	०	४	०
प नि	सां रें	नि सां	नि॒ ध	म प	ध ग	ऽ म।
×	२	०	३	०	४	०

खमाज.— त्रिताल. (मध्यलय).

स्थायी.

सां सां
त व

नि नि धप म	म प ध म	ग — — म	ग — सा सा
क ह त च	तु ऽ र ऽ ख	मा ऽ ऽ ज	रा ऽ ग नि
०	३	×	२
सा सा म ग	म — नि ध	म ध नि सां	नि ध सां सां
ज व ह रि	कां ऽ भु जि	मे ऽ ल क	र त, त व ।
०	३	×	२

अंतरा.

म ग म ध	— नि सां —	ध नि सां —	मं गं रीं सां
सु र गं धा	ऽ र को ऽ	वा ऽ दी ऽ	स म झ त
०	३	×	२
गं मं पं गं	मं गंरीं नि सां	नि नि सां सां	नि ध सां सां
खा ऽ ड व	सौं पुऽ र न	त ज त रि	ख व, त व ।
०	३	×	२

:खमाज.– आडाचौताल. (विलंबित).

स्थायी.

सां		नि		ग ध		
नि नि	सां सां	सां(सां)	नि॒ धप	म प	नि॒ धप	(म) ग
स ब	स खि	यां ऽ	मि लऽ	ख मा	ऽ जऽ	गा वो
×	२	०	३	०	४	०
	म			सां		प
म सा	ग म	प नि	सां सां	नि –	सां सां	धनि॒ ध
ह रि	कां ऽ	भु जि	सु र	मे ऽ	ल ब	ना वो
×	२	०	३	०	४	०

अंतरा.

म				सां		ध
गम गम	प –	नि नि	सां –	नि सां	नि सां	नि॒ ध
आऽ ऽऽ	रो ऽ	ह न	में ऽ	रे ऽ	ख ब	त ज
×	२	०	३	०	४	०
सां		नि		प	सां	
नि –	सां निसांरेंसां	सां –	नि॒ धप	म प	नि॒ धप	(म) ग
वा ऽ	दि गौंऽऽऽ	धा ऽ	र मऽ	धु र	दि खऽ	ला वो
×	२	०	३	०	४	०

खमाज—त्रिताल. (मध्यलय).

स्थायी.

	य री		
सा सा ग ग	ग म ग —	म प — ग	म — — ग
अ रे म न	ह् र सों ऽ	क रे ऽ तुं	प्री ऽ ऽ त
×	२	०	३
नि॒			सां
ध नि॒ ध प	ध नि॒ ध प	प सां नि सां	ध नि॒ ध —
मा ऽ त पि	ता ऽ सो हि	अ खि ल ज	ग त को ऽ
×	२	०	३
	सां	प	
ग म प ध	नि॒ — ध प	ग म प —	ध (म) — ग
औं ऽ त स	मे ऽ ना ऽ	दू ऽ जो ऽ	को मी ऽ त।
×	२	०	३

अंतरा.

म नि॒		सां	
ग म ध नि	सां नि सां —	नि — सां सां	(सां) — नि॒ ध
य ह सौं ऽ	सा ऽ रा ऽ	झू ऽ ट प	सा ऽ रा ऽ
×	२	०	३
		प	
ग म प ध	सां नि॒ ध प	ग म प —	ध (म) — ग
ह र रं ग	क हे जूं ऽ	सि क ता ऽ	कि मी ऽ त।
×	२	०	३

खमाज– त्रिताल. (मध्यलय).

स्थायी.

	नि	प प	
प नि सां सां	सां (सां) नि धप	नि नि धप गम	ग – – म
सां ऽ व ल	मो ह ना मेंऽ	तें डे रेऽ कुर	बा ऽ ऽ न
२	०	३	×
सां	रीं ध	प प	
नि – सां गं	नि सां नि धप	सां नि धप गम	ग – – ग
सां ऽ व ल	मो ह नां मेंऽ	तें डे रेऽ कुर	बा ऽ ऽ न।
२	०	३	×

अंतरा.

म		सां	नि
ग म नि धनि	सां – नि सां	नि सां सां निसां	सां (सां) नि ध
बि न वे ऽऽ	खे ऽ सा नु	क ल ना ऽऽ	प डं दी ऽ
०	३	×	२
ध म	सां		
म – ग म	प – नि –	सां – गं (सां)	प नि – सांसां
तूं ऽ मैं ऽ	डे ऽ ही ऽ	प्रा ऽ ऽ न	सां ऽ ऽ वल।
०	३	×	२

खमाज– त्रिताल. (मध्यलय).

स्थायी.

नि	प	प	नि
सां सां नि नि	ध ध (म) ग	ग म प ध	सां नि सां –
न म न क	रूं ऽ मैं ऽ	स ऽ द्गु रु	च र णा ऽ
०	३	×	२

नि	रीं रीं	सां	प
सां सां गं मं	गं गं नि सां	नि नि सां –	नि सां नि॒ ध
स ब दु ख	हृ र णा ऽ	भ व नि ऽ	स्त र णा ऽ।
०	३	×	२

अंतरा.

ध नि॒			सां
ग म ध नि	सां नि सां सां	नि – सां –	नि सां नि॒ ध
शु ऽ द्ध भा	ऽ व ध र	औं ऽ तः ऽ	क र णा ऽ
०	३	×	२
नि	रीं रीं	सां	प
सां सां गं मं	गं – नि सां	नि – सां सां	निसांरीं निसां नि॒ ध
सु र न र	कि ऽ न्न र	वीं ऽ दि त	चऽऽ रऽ णा ऽ।
०	३	×	२

खमाज—दादरा. (मध्यलय.)

स्थायी.

नि॒	म	ग	
सा सा सा	ग – ग	म – म	प प ध
सु ध न	ली ऽ नि	ज ऽ बसें	ग ये ऽ
×	०	×	०
ध		ध	
सां – नि॒	ध – म	प ध म	ग – –
नै ऽ न	वा ऽ ल	गा ऽ य	के ऽ ऽ
×	०	×	०

(सां) नि	–	नि	सां	–	नि	सां	–	सां	प	प	ध
नै ×	ऽ	न	वा ०	ऽ	ल	गा ×	ऽ	य	मे ०	रो	ऽ
पध	सां	नि़	ध	–	म	गम	पध	म	ग	–	–
जीऽ ×	ऽ	य	रा ०	ऽ	ह	राऽ ×	ऽऽ	य	के ०	ऽ	ऽ
(ग) म	सा	सा									
सु ×	ध	न									

अंतरा.

(म) म	ग	म	(ध) नि़	ध	नि	सां	–	नि	सां	सां	–
त ×	र	फ	त ०	हूं	ऽ	रैं ×	ऽ	न	दि ०	ना	ऽ
प	–	नि	नि	सां	–	(नि) सां	(सां)	–	नि़	ध	–
चै ×	ऽ	न	न ०	हीं	ऽ	उ ×	न	ऽ	बि ०	ना	ऽ
(नि़) सा	सा	सा	(म) ग	ग	–	(ग) म	–	म	प	प	ध
अ ×	ज	म	पि ०	या	ऽ	बै ×	ऽ	ठ	र ०	हे	ऽ

(ध) सां – नि॒	ध ध॑ म	(ध॑) प ध म	ग – –
सो ऽ त	न घ र	जा ऽ य	के ऽ ऽ।
×	०	×	०
ग सा सा			
सु ध न			
×			

खमाज—त्रिताल. (मध्यलय).

स्थायी.

(नि॒ म री) सा ग – ग	म – म प	ध म ग म	(सां ध) प नि – नि
न मा ऽ नुं	गी ऽ न मा	ऽ नुं गी ऽ	न मा ऽ नुं
×	२	०	३
सां – – –	नि सां – –	(सां) नि – सां –	नि सां – सां
गी ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	मैं ऽ तो ऽ	ऽ ऽ ऽ उ
×	२	०	३
सां ध सां –	नि॒ – ध धप	(प) ग म प –	ध म ग –
न्ही ऽ ऽ ऽ	के ऽ ऽ मऽ	ना ऽ ये ऽ	ऽ बि ना ऽ।
×	२	०	३

अंतरा.

(सां) नि नि नि सां	सां सां नि सां	(नि) सां – (सां) –	नि॒ नि॒ ध प
जा ओ जि जा	ओ जि स खि	वे ऽ तो ऽ	अ प ने ऽ
०	३	×	२

ध	प	नि़ री	
ग म प ध	ग म ग —	सा ग — ग	म — म प
र स के ऽ	र सि या ऽ	न जा ऽ ऊं	गी ऽ न जा
०	३	×	२
	सां ध		
ध म ग म	प नि — नि	सां — — —	नि सां — —
ऽ ऊं गी ऽ	न जा ऽ ऊं	गी ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ
०	३	×	२
सां			
नि — सां —	नि सां — सां	सां ध सां —	नि़ — ध धप
मैं ऽ तो ऽ	ऽ ऽ ऽ उ	न्ही ऽ ऽ ऽ	के ऽ ऽ मऽ
०	३	×	२
ध			
ग म प —	ध म ग —		
ना ऽ ये ऽ	ऽ बि ना ऽ		
०	३		

खमाज— त्रिताल. (मध्यलय).

स्थायी.

प
गम
सखि

	नि प	प	म
प नि सां सां	सां नि़ धप नि़	नि़ धप ग म	ग — — गम
मे रो म न	ली ऽ नोऽ स	लो नेऽ स ज	ना ऽ ऽ, सखि
२	०	३	×

प नि — सांसां	सां (सां) नि,धप सां	नि ध ग म	ग — — निसां
मे रो ऽ मन	ली ऽ नो,ऽऽ स	लो ने स ज	ना ऽ ऽ, सखि
२	०	३	×
नि प नि सांरीं	नि सां पध सांसां	नि धप गम प	म ग — गम
मे रो ऽ मन	ली ऽ नोऽ ऽस	लो नेऽ सऽ ज	ना ऽ ऽ ,सखि
२	०	३	×
प ग म ग	नि — सा सां	नि ध ग म	ग — — गम
मे रो म न	ली ऽ नो स	लो ने स ज	ना ऽ ऽ ,सखि
२	०	३	×

अंतरा.

ग म ध नि	सां — नि सां	नि नि सां सां	सां निसां नि ध
सां ऽ व रि	सू ऽ र त	र स भ रि	मू ऽऽ र त
०	३	×	२
ग गम ध नि	सां धनिसां सां सां	गम धनि सां— निसां	निनि सांसां सांसां निध
सां ऽऽ व रि	सू ऽऽऽ र त	साऽ वरि सूऽ रत	रस भरि मूऽ रत
०	३	×	२
ग म ध नि	सां — धनिसां सांसां	प नि सां सां	सांनि सां नि ध
सां ऽ व रि	सू ऽ ऽऽऽ रत	र स भ रि	मूऽ ऽ र त.
०	३	×	२

म – ग म	प प नि नि	सां(सां) नि॒ध गग	म ध – नि॒सां
बौं ऽ सी ऽ	ट ट ज मु	ना ऽ ऽऽ सखि	मे रो ऽ मन
×	३	×	२
सां नि॒ धप सां	नि॒ धप ग म	ग – – गम	
ली ऽ नोऽ स	लो नेऽ स ज	ना ऽ ऽ, सखि	
०	३	×	

खमाज—त्रिताल. (मध्यलय).

स्थायी.

गम
मोरे

प नि सां सां	सां नि॒ ध प	ध ग म	ग – – गम
सैं यां न हिं	आ ऽ ये मैं	ऽ का रि क	रू ऽ ऽ, मोरे
२	०	३	×
प नि – सांरीं	नि सां (नि॒) धप	ध ग म	ग – – निसां
सैं यां ऽ नहिं	आ ऽ ये मैंऽ	ऽ का रि क	रू ऽ ऽ, मोरे
२	०	३	×
नि॒ प – धरीं	सां – नि॒ धप	पध नि॒ ध मम	ग – – गम
सैं यां ऽ नहिं	आ ऽ ये मैंऽ	काऽ ऽ ऽ रिक	रू ऽ ऽ, मोरे
२	०	३	×

	प	प	म
प प – धप	ग प म ग	ध ग म	ग – – गम
सैं यां ऽ नहिं	आ ऽ ये ऽ	ऽ का रि क	रूं ऽ ऽ, मोरे।
२	०	३	×
प नि सां सां			
सैं यां न हिं			
२			

अंतरा.

प नि̱			प
ग म ध नि	सां – नि सां	नि̩ सां –	सां (सां) नि̱ ध
का ऽ सें क	हूं ऽ अ ब	ऽ ए री ऽ	ऽ ऽ स खि
२	०	३	×
प नि̱		सां	प
ग म ध नि	सां सां नि सां	प नि सां –	सां (सां) नि̱ ध
का ऽ सें ऽ	क हूं अ ब	ए ऽ री ऽ	ऽ ऽ स खि
२	०	३	×
सां सां	सां	प	म
नि नि – सांसां	सांध नि̱ ध प	नि̱ ध – गम	ग – – गम
जिया ऽ घब	राऽ ऽ वे मैं	ऽ का ऽ रिक	रूं ऽ ऽ, मोरे।
२	०	३	×

खमाज— त्रिताल. (मध्यलय).

स्थायी.

			प ध (ध)
			अ ब
सां(ध) नि ध प	म(प) प म(ग) ग(री)	म म प —	सां — प ध(ध)
क ब त क (२)	त र सा ये (०)	र खि यो ऽ (३)	जी ऽ अ ब (×)
सां(ध) नि ध प	मप(प) म(ग) ग(री)	म म प —	म(ग) ग म(ग) ग
क ब त क (२)	ऽ तर सा ये (०)	र खि यो ऽ (३)	मैं तो बै न (×)
नि(री) सा नि नि	नि(सां) नि(सां) सां सां	पनि(ध) सांरीं सां नि	ध प पध
भ र छ ब (२)	दे ख न की (०)	हुंऽ ऽऽ ग र (३)	जी ऽ ऽ अब (×)
सां(ध) नि ध प	मप(प) म(ग) ग(री)	मम प —	सां — —
क ब त क (२)	ऽ तर सा ये (०)	ऽ राखि यो ऽ (३)	जी ऽ ऽ ऽ। (×)

अंतरा.

धनि(नि) ध ध	नि(सां) — ध प	म(ध) — प ध	(म) — ग —
:ऽ कद र पि (२)	या ऽ मैं ऽ (०)	तो ऽ रे ऽ (३)	वा ऽ री ऽ (×)

सां नि नि सां —	नि सां (सां) नि ध	ध म — — पध	(म) — ग —
खि न दा ऽ २	मों ऽ सें ऽ ०	चे ऽ ऽ रिते ३	हा ऽ री ऽ ×
पं गं — मं गं	रीं नि — सां सां	नि प नि सांरीं	सां ध नि सां निध पध
हूं ऽ रा ऽ २	जी ऽ जि स ०	में ऽ ऽ तोरि ३	म र जीऽ अब ×
ध सां नि ध प	प ग री मप म ग	मम प ध	सां — — —
क ब त क २	ऽ तर सा ये ०	ऽ रखि यो ऽ ३	जी ऽ ऽ ऽ। ×

खमाज— त्रिताल. (मध्यलय).

स्थायी.

	प सां प प सां धसांनि	नि धप ध म	प मपधसां निधपध ग म
	धु न सों ऽऽऽ २	बा जेऽ सों स ०	खीऽऽऽ ऽऽऽऽ मु र ३
ग — — —	म नि ध नि	सां — नि नि	सां सां सां (सां)
ली ऽ ऽ ऽ ×	च लो ऽ च २	लो ऽ व हीं ०	हु ई हैं ऽ ३
प नि ध ग म			
पी ऽ, क हीं ×			

अंतरा.

म म ध नि	सां नि सां सां	प नि सां रीं	[रीं]नि निसां निध म
त र प त	र प नि त	र ह त हुं	स जऽ नीऽ क
२	०	३	×
ग म प ध	पध निसां नि सां	नि सां पनिसांरीं सांनिसां–	नि ध ग म
दू र बि न	नाऽ ऽऽ हिं ल	ग त मोऽऽऽ राऽऽऽ	जी ऽ, क हीं।
२	०	३	×

खमाज– त्रिताल. (मध्यलय).

स्थायी.

[नि]सां नि सां सां	[नि]धनि पध सां सां	नि धप म प	[प]ध (म) गम पध
स म झ त	नाऽ हिंऽ प न	घ टऽ पि या	मैं हा ऽऽ रीऽ
×	२	०	३
[सां]नि नि सां सां	[नि]धनि पध [ध]सां नि	ध धप [ग]म ग	[ग]सा – [म]ग म
स म झ त	नाऽ हिंऽ प न	घ टऽ पि या	रा ऽ र क
×	२	०	३
प प [सां]नि नि	प नि सां सां	[गं]मं [रीं]गं [रीं]नि सां	सां (सां) धनि [प]ध
र त प नि	यां भ र त	बै यां न छु	वो ना ऽऽ रि।
×	२	०	३

अंतरा.

सां		प	प प
नि नि नि सां	सां सां नि धप	ग म प धप	ग म ग —
श्र व न सु	न त ना हिंऽ	ढी ऽ ट लंऽ	ग र वा ऽ
०	३	×	२
सां रीं		प	प प
नि सां गं नि	सां सां नि धप	ग म प धप	ग म ग —
क र त रा	ऽ र मो ऽऽ	ह न प रऽ	वा ऽ री ऽ
०	३	×	२
नि	सां	सां	नि
सा सा ग म	प प नि नि	नि सां — सां	प नि सां सां
उ म र क	र त बि न	ति श्या ऽ म	जि त क र
०	३	×	२
सां रीं	नि प		
गं नि सां सां	सां नि ध ध		
पि या जि या	सो हा ऽ रि		
०	३		

खमाज— त्रिताल. (मध्यलय).

स्थायी.

	ध		
नि नि सां सां	सां — निध म	मपधसां निधपध ग म	ग — — ग
अ रे मो रे	सैं ऽ याऽ ख	ताऽऽऽ ऽऽऽऽ का ह	मा ऽ ऽ र्
२	०	३	×
नि नि सां रीं	सांध सां निध म	मपधसां निधपध ग म	ग — — सा
अ रे मो रे	सैंऽ ऽ याऽ ख	ताऽऽऽ ऽऽऽऽ का ह	मा ऽ ऽ जों
२	०	३	×

			नि
ग – ग म	प – नि –	नि – सां –	सां निध पम गग
बो ऽ ल त	ना ऽ हीं ऽ	ए ऽ को ऽ	बा ऽऽ ऽऽ ऽर ।
२	०	३	×

अंतरा.

ग म प नि	नि सां सां –	नि नि सां –	सां नि (प) म
औ ऽ र जु	लु म जो ऽ	चा ह ना ऽ	क र ना क
२	०	३	×
ग म ग म	प नि – नि	नि नि सां नि	सां निसांरेंरें सांनिधप –प
दू र पि या	दे ना ऽ ना	दि ल से उ	ता ऽऽऽऽ ऽऽऽऽ ऽर ।
२	०	३	×

खमाज.— त्रिताल. (विलंबित).

स्थायी.

नि़ म	ग		नि प
सा – ग ग	म म गम पध	नि सां – निसां	सां (सां) नि धध
श्या ऽ म सुं	दू र ऽऽ बन	मा ली ऽ ऽऽ	के ऽ स खीऽ
०	३	×	२
सां		प	
नि सां – सांध	सां नि धप ध	ग म सां नि	धप (म) ग ग
दू र ऽ सऽ	ऽ बि नाऽ ऽ	जि या ऽ त	रऽ सा ऽ य ।
०	३	×	२

अंतरा.

ग म नि ध नि	सां – नि सां	नि प सां (सां) नि धध	नि सां (सां) नि ध
सो ह ऽ नि ०	सू ऽ र त ३	मो ऽ ह नी ×	मू ऽ र त २
ग म ग गम पध	नि सां सां सां	सां नि सां निसां सां	(सां) नि ध पध
ह र ऽऽ रंग ०	की ऽ छ ब ३	मो ऽ ऽऽ म ×	न ब सी सखि २
सां नि सां – सांध	सां नि धप ध	प ग म सां नि	धप (म) ग ग
दू र ऽ सऽ ०	ऽ बि नाऽ ऽ ३	जि या ऽ त ×	रऽ सा ऽ य। २

खमाज—त्रिताल (विलंबित).

स्थायी.

ग सा ममगरीग ,ग	ध म गम – पध	सां नि सां – निसां	प प सां (सां) नि ध
प र देऽऽऽऽ ऽस ०	बा ऽऽ ऽ जिन ३	जा इ ऽ ऽऽ ×	यो ऽ रे ऽ २
सां नि सां सां निसांरींसां	नि – ध म	म ग म सां नि	ध (म) ग –ग
पा न न छाऽऽऽ ०	ई ऽ प न ३	व रि ऽ या ×	ऽ भं व ऽर। २

अंतरा.

ग म म नि ध नि	सां नि सां निसां	प नि सां सां	प सां (सां) नि धप
का हे ऽ की ०	ऽ ते री ऽऽ ३	ना ऽ व न ×	व रि या ऽऽ २
म ग गम	पधनिसां –नि सां निसां	सां नि – सां –	रीं ध नि सां निध पध
ऽ का हे ऽऽ ०	काऽऽऽ ऽते रा ऽऽ ३	बा ऽ ऽ ऽ ×	ऽ ऽ साऽ तेरा २
सां सां नि सां सां ध	सां नि धप ,म	प ग म सां नि	ध (म) ग –ग
रा ख न हा ०	ऽ रा ऽऽ ऽब ३	ता ऽ ऽ ये ×	ऽ भं व ऽर २

खमाज त्रिताल– (मध्यलय).

स्थायी. प नि

ओ द

नि सां – नि	ध प ध म	ग – – –	प म ग म प म
ना तो ऽ म्त ०	ध न दे रे ३	ना ऽ ऽ ऽ ×	ऽ ऽ ते रे २
ग – री –	सा – – –	ग म नि सा सा ग	– म प प
दा ऽ ऽ ऽ ०	नी ऽ ऽ ऽ ३	धि ति लि तो ×	ऽ म्त न न २
सां नि नि सां सां	गं रीं गं रीं सां	रीं सां नि नि सां नि	प सां – ध नि सां
दिर दिर ना रे ०	तो ऽ म्त न ३	त द रे दा ×	ऽ नि, ओ द। २

अंतरा.

ग ग म नि	ध प ध नि (नि)	सां – सां नि	सां – – –
य ल लि य	ल लि य ल	लों ऽ य ल	लों ऽ ऽ ऽ
×	२	०	३
सां गं रीं गं (नि)	– नि नि रीं (रीं)	– नि नि सां	– ध नि सां (नि)
धि ति लि तो	ऽ म्त न तो	ऽ म्त न तो	ऽ म्त न ल
×	२	०	३
नि नि सां नि (सां, ध)	– ध नि सां (प, सां)		
त द् रे दा	ऽ नि, ओ द्		
×	२		

खमाज– त्रिताल. (मध्यलय).

स्थायी.

नि ध नि प (ध)	ध नि (सां) –	नि ध –प म	ग –ग मम गग
ओ दे त न	दे रे ना ऽ	ऽ दी ऽम् त	नो ऽम् दिर् दिर्
२	०	३	×
री सा ग मम	नि ध ग म (प)	निनि धध निनि सां	– रीं सां निनि
दा नि दी ऽम्	दी ऽ म्दा रा	दिर् दिर् दिर् दी	ऽ म्त दी ऽम्
२	०	३	×
(सां) – ध नि (नि)	(सां) – ध प	म ग री म	ग री सा सा
दी ऽ म्त न	ना ऽ नि त	त द् रे त	द् रे दा नि।
२	०	३	×

अंतरा.

(कण: म ज़ि) ग म ध नि	सां – नि सां	सां सां रीं सां	नि॒ ध नि सां
स ऽ ञ्ज नि	म ऽ त्म ना	गि र्दा ऽ द्वि	दं ऽ वे ऽ
०	३	×	२
(कण: मं) गं मं रीं सां	नि सां (सां) नि॒	ध ध नि॒ रींरीं	म (म) री सासा
ख ऽ ल्मे नु	मे ऽ रो मा	ऽ गि र्दा ऽद्	जी दं ऽ ऽम्
०	३	×	२
म ग – म	नि॒ – ध –	(कण: सां) नि – सां –	– (कण: मं) गं मं रीं
ब रा ऽ त्रि	रं ऽ गे ऽ	रो ऽ जी ऽ	ऽ मू ऽ क
०	३	×	२
सां नि सां (सां)	नि॒ ध ध नि॒	रीं सां नि॒ सांसां	(कण: ध) नि॒ ध नि॒ प
ऽ ल्मू ऽ नि	मा ऽ गि र्दा	ऽ द्वि दं ऽम्	ओ दे त न।
०	३	×	२

खमाज– झपताल. (मध्यलय).

स्थायी.

(कण: म) ग म प	(कण: सां) नि सां	निसांरें सां नि॒	धप ध
सो ले क	ला ऽ	जाऽऽ मैं स	माऽ नि
३	×	२	०
(कण: म) ग म प	सां नि॒	धप गम पध	(कण: प) म ग
अ मृ त	जै सी	बोऽ लऽ तऽ	बा नि
३	×	२	०

म									
ग	सा	ग	ग	म	प	नि	प	नि	सां
मु	ख	क	म	ल	द्यु	ति	नि	र	ख
३			×		२			०	
नि			रीं						
सां	मं	गंरीं	नि	सां	निसांरें	सां	नि	धप	ध
चौं	ऽ	द्रऽ	जो	ऽ	तऽऽ	हुं	ल	जाऽ	नि ।
३			×		२			०	

अंतरा.

ग									
म	ग	म	प	नि	प	नि	नि	सां	सां
कु	टि	के	स	र	कु	द	लि	जं	घ
३			×		२			०	
					नि	रीं			
नि	सां	नि	सां	सां	सां	सां	नि	धप	ध
ना	सि	क	प	र	की	ऽ	र	वाऽ	रो
३			×		२			०	
ग			म						
म	ग	सा	ग	म	प	नि	प	नि	सां
अ	ल	क	प	र	वा	रो	भ्र	म	र
३			×		२			०	
नि			रीं						
सां	मं	गंरीं	नि	सां	निसांरें	सां	नि	धप	ध
चा	ऽ	लऽ	म	द	गऽऽ	ज	स	माऽ	नि ।
३			×		२			०	

खमाज—झपताल. (मध्यलय.)

स्थायी.

सा		म			प		म		
नि़	सा	ग	म	प	ग	म	सां	–	नि॒
सु	ध	बि	स	र	ग	ई	आ	ऽ	ज
×		२			०		३		
					ध	प			
ध	म	प	–	ध	ग	म	ग	–	–
अ	प	ने	ऽ	गु	न	न	की	ऽ	ऽ
×		२			०		३		
म		ध							
ग	म	नि॒	ध	नि	सां	–	नि	सां	–
तु	म	द्वा	ऽ	ऽ	ता	ऽ	दो	ऊ	ऽ
×		२			०		३		
ध									
प	नि	सां	–	सां	नि	सां	नि॒	–	ध
ज	ग	के	ऽ	से	व	न	हा	ऽ	र।
×		२			०		३		
ध							प		
प	ध	म	ग	म	प	प	सां	–	सां
सु	ध	बि	स	र	ग	ई	आ	ऽ	ज।
×		२			०		३		

अंतरा.

म		ध		ध					
ग	म	नि॒	ध	पध	नि	सां	सां	–	सां
मा	ऽ	ढे	ऽ	मऽ	ढै	ऽ	या	ऽ	छ
×		२			०		३		

(नि)प	नि	सां	–	सां	(सां)नि	सां	नि॒	ध	(पध)
व	न	ला	ऽ	गि	अ	ख	त	र	(ऽऽ)
×		२			०		३		
(ग)म	–	ग	–	म	प	ध	नि	सां	रीं
पी	ऽ	र	ऽ	फ	की	ऽ	र	ऽ	स
×		२			०		३		
नि॒	ध	(ध)ग	प	–	(ध)नि॒	(धप)	(प)म	ग	–
भी	ऽ	गु	नी	ऽ	सु	(रऽ)	मु	नी	ऽ।
×		२			०		३		

खमाज—झपताल. (मध्यलय).

स्थायी.

(सां)नि	–	सां	सां	सां	(सां)नि	सां	नि॒	–	(धप)
सौं	ऽ	ग	त	अ	ना	ऽ	घा	ऽ	(तऽ)
×		२			०		३		
(प)म	–	म	प	सां	नि॒	(धप)	(प)म	ग	–
दे	ऽ	सि	मा	ऽ	र	(गऽ)	लि	ये	ऽ
×		२			०		३		
(ग)प	–	(ग)म	ग	म	(री)ग	–	(री)नि़	सा	सा
हो	ऽ	वे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	रा	ऽ	ग।
×		२			०		३		

अंतरा.

म		ध							
ग	म	नि॒	ध	नि	सां	–	सां	–	सां
जै	ऽ	जै	ऽ	गु	नी	ऽ	तै	ऽ	तै
×		२			०		३		
		सां							
प	नि	नि	सां	–	नि	सां	नि॒	ध	–
क	ठ	न	जा	ऽ	न	त	है	ऽ	ऽ
×		२			०		३		
सां				ध			प		
नि	सां	नि॒	ध	म	प	ध	ग	म	ग
य	ह	है	ऽ	खि	लो	ना	ना	ऽ	ग।
×		२			०		३		

खमाज.– चौताल. (विलंबित).

स्थायी.

नि						सां					
सां	–	नि	सां	–	सां	नि	–	सां	नि॒	–	नि॒
रौं	ऽ	ग	ला	ऽ	ल	रू	ऽ	प	ला	ऽ	ल
×		०		२		०		३		४	
	प		ध					प			
ध	ग	म	प	सां	नि॒	ध	–	म	ग	–	ग
अ	ध	ऽ	र	ऽ	अ	धी	ऽ	क	ला	ऽ	ल
×		०		२		०		३		४	
	री		म						प		
ग	नि़	सा	ग	–	म	प	–	ध	ग	–	म
द्रि	ग	न	ला	ऽ	ल	डो	ऽ	रे	ला	ऽ	ल
×		०		२		०		३		४	

प						ध	ध		प		
सां	–	नि	ध	–	म	प	प	ध	म	–	ग
को	ऽ	रे	ला	ऽ	ल	झु	ल	ऽ	के	ऽ	ऽ।
×		०		२		०		३		४	

अंतरा.

ग			ध								
म	ग	म	नि	ध	नि	सां	–	नि	सां	–	सां
क	र	ऽ	ला	ऽ	ल	चू	ऽ	रि	ला	ऽ	ल
×		०		२		०		३		४	
सां						नि					
नि	–	नि	सां	–	सां	सां	नि	सां	नि	–	नि
सी	ऽ	स	फू	ऽ	ल	झु	में	ऽ	ला	ऽ	ल
×		०		२		०		३		४	
	प					सा/					
ध	ग	म	प	–	ध	नि	सां	नि	सां	–	सां
ए	ती	ऽ	ला	ऽ	ल	बी	ऽ	च	प्या	ऽ	रि
×		०		२		०		३		४	
नि						ध	ध		ग		
सां	रीं	नि	ध	–	म	प	प	ध	म	–	ग
ला	ऽ	ल	ला	ऽ	ल	प	ल	ऽ	कें	ऽ	ऽ।
×		०		२		०		३		४	

संचारी.

						सां					
नि	नि	नि	सां	सां	सां	नि	–	सां	नि	नि	ध
अ	स	न	व	स	न	ला	ऽ	ल	द	स	न
×		०		२		०		३		४	

ध	(प)ग	म	प	सां	नि	ध	–	(प)म	म	ग	–
च	म	क	ला	ऽ	ल	ला	ऽ	ल	ल	ही	ऽ
×		०		२		०		३		४	
ग	(री)नि	सा	ग	–	म	प	प	–	ध	(प)ग	म
ल	ल	ऽ	ना	ऽ	प	ग	न	ऽ	प	र	त
×		०		२		०		३		४	
(नि)नि	–	–	ध	–	म	(ध)प	(ध)प	ध	(प)म	–	ग
ला	ऽ	ऽ	ल	ऽ	मु	ग	न	ऽ	के	ऽ	ऽ।
×		०		२		०		३		४	

आभोग.

(प)ग	–	म	नि	ध	नि	सां	सां	नि	सां	–	सां
मा	ऽ	ला	ला	ऽ	ल	स	ब	हि	ला	ऽ	ल
×		०		२		०		३		४	
(ध)प	नि	–	सां	–	सां	(सां)नि	सां	(नि)सां	नि	–	ध
दु	ल	ऽ	री	ऽ	को	रे	स	म	ला	ऽ	ल
×		०		२		०		३		४	
ध	(प)ग	म	प	–	ध	(सां)नि	सां	नि	सां	–	सां
स	दा	ऽ	शैं	ऽ	ग	प्या	ऽ	रे	ला	ऽ	ल
×		०		२		०		३		४	
रीं	–	नि	ध	–	म	(ध)प	(ध)प	ध	(प)म	–	ग
ला	ऽ	ल	ही	ऽ	में	ल	ल	ऽ	के	ऽ	ऽ।
×		०		२		०		३		४	

खमाज— चौताल. (विलंबित).

स्थायी.

[ग]म
ते

ग म	प ध	[ध]सां —	[सां]ध नि̱	ध [प]म	[प]म प
ऽ रे	ही ऽ	चौं ऽ	द्र ब	द् न	शो ऽ
३	४	×	०	२	०
[प]नि̱ ध	[प]म ग	ग सा	ग (मप)	ग म	[ग]म [म]नि̱
भा स	द् न	म द्	न (द्ऽ)	ह न	म न
३	४	×	०	२	०
ध नि	सां —	[सां]रीं नि	सां [नि]सां	नि̱ (धप)	ध [प](,म)
ऽ र	स ऽ	ब स	ऽ क	र (नऽ)	ऽ, (ऽते)।
३	४	×	०	२	०

अंतरा.

[ध]ग म	(नि̱ध) नि	सां सां	[सां]नि [सां]नि	सां सां	— सां
द् र	(सऽ) प	र स	प र	ऽ स्प	ऽ र
×	०	२	०	३	४
[सां]नि सां	रीं —	[रीं]नि सां	नि नि	सां नि̱	— ध
उ प	जा ऽ	व त	अ त	अ नौं	ऽ द्
×	०	२	०	३	४

(ध)सां सां	(सां)ध नि॒	धप मग	(ग)म नि॒	ध नि	सां –
स क	ल सु	खऽ ढ़ऽ	स ब	ऽ बि	ध ऽ
×	०	२	०	३	४

(सां)रीं (रीं)नि	सां (नि)सां	नि॒ धप	ध (प)म
दु ख	ऽ ह	र नऽ	ऽ, ते
×	०	२	०

खमाज– चौताल (विलंबित.).

स्थायी.

(ग)म	ग म	(ध)प ध	(ध)सां (सां)ध	सां नि॒	ध म	
ऽ मा	ऽ ह	री ऽ	ब र	ऽ जो	ऽ ना	
०	३	४	×	०	२	

(प)म (ध)प	नि॒ ध	(प)म ग	ग सा	गम पध	(प)ग म
मा ऽ	ऽ न	त ऽ	अ त	हीऽ हऽ	ठी लो
०	३	४	×	०	२

(ग)म नि॒	ध नि	सां –	(सां)रीं नि	सां (ध)सां	नि॒ धप
ते ऽ	ऽ रो	ही ऽ	कुं व	र का	ऽ नऽ।
०	३	४	×	०	२

ध (प)म					
ऽ मा					
०					

अंतरा.

म	ध				
ग म	— नि	ध नि	सां —	नि सां	— सां
ज म	ऽ ना	ऽ के	नी ऽ	र ती	ऽ र
×	०	२	०	३	४

	ध			रीं	
म म	— नि	ध नि	सां —	रीं नि	सां सां
ज म	ऽ ना	ऽ के	नी ऽ	र ती	ऽ र
×	०	२	०	३	४

नि		सां			
प नि	— सां	— रीं	सां —	नि सां	नि ध
धे ऽ	ऽ नू	ऽ च	रा ऽ	ऽ ऽ	व त
×	०	२	०	३	४

प		नि	सां		
ग —	म प	— ध	नि सां	नि सां	— सां
बा ऽ	सु री	ऽ ब	जा ऽ	य गा	ऽ य
×	०	२	०	३	४

सां	नि		ध		
रीं नि	सां सां	नि धप	ध म		
नी ऽ	की ता	ऽ नऽ	ऽ मा		
×	०	२	०		

खमाज — चौताल. (विलंबित).

स्थायी.

सां		सां		नि	
नि सां	नि सां	— रीं	सांनि सां	सां नि	— धप
आ ऽ	ज तो	ऽ स	खी ऽ	री दे	ऽ खेऽ
×	०	२	०	३	४

(प)ग –	म (ध)प	सां नि॒	ध –	(प)म ग	– सा
रा ऽ	म चौं	ऽ द्र	छ ऽ	त्र धा	ऽ ये
×	×	२	०	३	४
सा सा	– (मं)ग	– म	(ध)प ध	नि सां	सां –
ग ज	ऽ की	ऽ स	वा ऽ	रि की	ये ऽ
×	०	२	०	३	४
(सां)रीं नि	सां सां	– (सां)रीं	सां –	(नि)सां नि॒	(प)ध ध
च ले	ऽ जा	ऽ त	बा ऽ	ट में	ऽ ऽ।
×	०	२	०	३	४

अंतरा.

(ग)म ग	(म)म नि॒	ध नि	सां –	नि सां	– सां
के ते	ऽ आ	ऽ स	बा ऽ	र सो	ऽ हे
×	०	२	०	३	४
(सां)नि (सां)नि	सां सां	– सां	(सां)नि सां	निसां नि॒	– ध
के ते	ऽ सो	ऽ हे	ब कँ	ऽऽ दा	ऽ ज
×	०	२	०	३	४
(प)म ग	म प	– ध	नि सां	नि सां	– सां
के ते	ऽ के	ऽ ते	न की	ब बो	ऽ ले
×	०	२	०	३	४

(सां) ग (रीं) नि	सां सां	सां –	(रीं) नि सां	सां नि	ध (प) ध
आ नौं	ऽ द्	के ऽ	ठा ऽ	ठ में	ऽ ऽ।
×	०	२	०	३	४

खमाज – दीपचंदी. (मध्यलय).

स्थायी.

गम पध प –	म – –	ग री ग सा	सारी ग री
होऽ ऽऽ री ऽ	आ ऽ ऽ	ज ऽ ऽ ज	रेऽ ऽ ऽ
३	×	२	०
ग म प म	प – –	प – – प	मप मग रीग
चा ऽ ऽ हे	का ऽ ऽ	ल ऽ ऽ ज	रेऽ ऽऽ ऽऽ
३	×	२	०
गम पध प –	म – –	ग री ग सा	सारी ग री
होऽ ऽऽ री ऽ	आ ऽ ऽ	ज ऽ ऽ ज	रेऽ ऽ ऽ
३	×	२	०
ग म प म	प – –	प – –, प	ध म –
चा ऽ ऽ हे	का ऽ ऽ	ल ऽ ऽ, अ	री ऽ ऽ
३	×	२	०
प – ध –	नि नि –	सां – – रीं	(नि) सांसां निध नि
मे ऽ रो ऽ	म न ऽ	मो ऽ ऽ ह	नाऽ ऽऽ ऽ
३	×	२	०

ध – प –	मपधसां सां(नि)नि॒ध नि॒	ध प – ध	मप मग रीग
मो ऽ से ऽ (३)	आऽऽऽ ऽऽऽ ऽ (×)	न ऽ ऽ मि (२)	लेऽ ऽऽ ऽऽ। (०)

अंतरा.

प प	प – ध –	नि – –	सां – – –
ऽ बि न (×)	पी ऽ या ऽ (२)	कैं ऽ ऽ (०)	से ऽ ऽ ऽ (३)
रीं – गं॒	रीं – – सां	सां – –	(नि॒)सां नि॒ ध प
फा ऽ ऽ (×)	ग ऽ ऽ ह (२)	मा ऽ ऽ (०)	रो ऽ ऽ ऽ (३)
नि नि –	सां – – रीं	सां – –	नि॒ ध नि॒ प
अ बी ऽ (×)	र ऽ ऽ गु (२)	ला ऽ ऽ (०)	ल ऽ ऽ पे (३)
प ध (सां)नि॒	ध प – ध	म ग (री)ग	गम पध प ध
आ ऽ ऽ (×)	ग ऽ ऽ ल (२)	गो ऽ ऽ (०)	होऽ ऽऽ री ऽ। (३)

खमाज.—दीपचंदी (चात्रड) (मध्यलय).

स्थायी.

सा सा	ग — — ग	म — —	(प)ग म प ध
ऽ अ च	रा ऽ ऽ छो	रे ऽ ऽ	ऽ ऽ अ ब
×	२	०	३
(सां)नि — —	(सां)नि — सां —	— (नि)ध सां	नि॒ ध प —
जा ऽ ऽ	ये ऽ द्यो ऽ	ऽ ह म	को ऽ ऽ ऽ
×	२	०	३
(सां)नि नि	सां — — —	(नि॒)सां नि॒ ध	नि॒ — प —
ऽ क ब	सें ऽ ऽ ऽ	आ ई ऽ	हूं ऽ मैं ऽ
×	२	०	३
म म	गम गम पध निसां	(ध)नि॒ (ध)प ध	म गरी ग सा
ऽ बिं दृ	राऽ ऽऽ ऽऽ ऽऽ	ब न ऽ	सें ऽऽ ऽ ऽ।
×	२	०	३

अंतरा.

(प)म — म	(ध)नि॒ ध — नि	सां — सां	सां — — —
सा ऽ सु	हो ऽ ऽ गी	टो ऽ ह	मैं ऽ ऽ ऽ
×	२	०	३
(सां)नि — —	(सां)नि — — नि	सां सां —	नि॒ नि॒ ध (प)ध
बा ऽ ऽ	ट ऽ ऽ त	क त ऽ	हु इ हैं ऽ
×	२	०	३

(सां)नि — —	नि — — नि	सां सां —	नि॒ नि॒ नि॒ ध
या ऽ ऽ	ही ऽ ऽ क	दू र ऽ	क ह के ऽ
×	२	०	३
(ध)म — —	पध नि॒ — धप	ध म —	ग — — —
दो ऽ ऽ	खऽ ऽ ऽ लऽ	गै ऽ ऽ	हैं ऽ ऽ ऽ
×	२	०	३
(मं)गं मं —	रीं — — सां	सां — —	नि नि सां —
दे ऽ ऽ	र ऽ ऽ की	नी ऽ ऽ	इ त नी ऽ
×	२	०	३
— प नि	सां — — रीं	नि सां —	नि॒ ध प ध
ऽ प नि	यां ऽ ऽ भ	र न ऽ	में ऽ ऽ ऽ
×	२	०	३
(सां)नि — नि	सां — — —	स्थायी	प्रमाणें
जा ऽ य	द्यो ऽ ऽ ऽ		
×	२		

खमाज.—दीपचंदी (मध्यलय).

स्थायी.

सा — —	ग — — ग	म म —	ग म प ध
जा ऽ ऽ	वो ऽ ऽ क	दू र ऽ	ऽ ऽ ना हीं
×	२	०	३

नि — —	सां — — —	— सां सां	सां ध सां नि
बो ऽ ऽ ×	लो ऽ ऽ ऽ २	ऽ ह म ०	से ऽ ऽ ऽ ३
ध प ध	(म) — ग ग	म म —	गम पध निसां नि
जा ऽ ऽ ×	वो ऽ ऽ क २	दृ र ऽ ०	नाऽ ऽऽ ऽऽ हीं ३
सां — —	सां — — निनि	सां (सां) —	नि — ध —
बो ऽ ऽ ×	लो ऽ ऽ अरे २	हृ म ऽ ०	से ऽ ऽ ऽ ३
नि —	नि — — सांसां	सां ध सां	नि — ध —
ऽ ह ऽ ×	म्से ऽ ऽ बहु २	ते ऽ ऽ ०	रे ऽ ऽ ऽ ३
म म	मपमप धसां निध	— ध प	म ग ग(री) —
ऽ तु म ×	रेऽऽऽ ऽऽ ऽऽ २	ऽ द म ०	से ऽ ऽ ऽ। ३

अंतरा.

म ग म	नि ध — नि	सां — नि	सां — सां —
झू ऽ ऽ ×	टी ऽ ऽ, ल २	गा ऽ ऽ ०	व ऽ त ऽ ३

×	२	०	३
(ग)म — —	(म ध) नि॒नि॒ धध — नि	सां — —	नि सां सां सां
झू S S	ठीS SS S ल	गा S S	S S व त
नि नि	सां — सां —	सां नि सां	नि॒ — ध —
S ना हिं	मो S है S	भा S S	व S त S
नि — —	— — सां सां	सां ध सां	नि॒ — ध —
हों S S	S S ह र	जा S S	ई S S S
म म	मप धसां नि॒ध	प ध प	म ग (री)ग —
S तु म	रेS SS जम	S ज म	से S S S।

खमाज.— दीपचंदी. (विलंबित).

स्थायी.

×	२	०	३
(म)ग नि॒ सा	ग — — ग	म म —	ग म प ध
हो S S	री S S खे	ल त S	S S मो सें
(सां)नि (सां)नि —	सां — — सां	(सां)नि सां —	नि॒ — ध (प)ध
न ई S	रे S S न	ई S S	रे S S S

सां नि — —	सां — सां —	निसां निसां —	नि — — धप
का ऽ ऽ ×	भ ऽ यो ऽ २	नऽ नंऽ ऽ ०	द्री ऽ ऽ अऽ ३
प ग म —	सां — नि धप	ग म —	ग — — —
नो ऽ ऽ ×	ऽ ऽ खे पिऽ २	या ऽ ऽ ०	से ऽ ऽ ऽ। ३

अंतरा.

ग म ग म	ध नि — ध नि	सां सां —	सां नि सां सां —
ब र ऽ ×	जो ऽ ऽ रि २	क र ऽ ०	मो ऽ री ऽ ३
सां नि — —	सां — नि सां	रीं सांरीं नि सां	नि — ध —
बै ऽ ऽ ×	यां ऽ ऽ ग २	हऽ त ऽ ०	है ऽ ऽ ऽ ३
ग म ग म	प — — ध	नि सां —	सां — सां —
अ प ऽ ×	नी ऽ ऽ क २	ह त ऽ ०	औ ऽ र ऽ ३
सां रीं रीं नि —	सां — — रीं	नि सां —	नि — ध —
क छू ऽ ×	ना ऽ ऽ सु २	न त ऽ ०	है ऽ ऽ ऽ ३

सां		रीं	
नि – –	सां – – सां	नि सां –	नि – ध प
आ ऽ ऽ	ज ऽ ऽ ला	ऽ ज ऽ	मो ऽ री ऽ
×	२	०	३

प		प	
ग म –	सां – नि धप	ग म –	ग – – –
ग ई ऽ	ऽ ऽ रे गऽ	ई ऽ ऽ	रे ऽ ऽ ऽ।
×	२	०	३

खमाज.—धमार. (विलंबित).

स्थायी.

		म	
	ग सा	ग – म	प ध नि सां
	अ ब	के ऽ स	में ऽ फा ऽ
	२	०	३
सां सां	प	सां	ध
नि नि सां नि ध	नि ध	नि सां –	नि – ध म
ग न ऽ में ऽ	ऽ खे	ल न ऽ	आ ऽ ऽ ये
×	२	०	३
ध			
प ध – म ग	ग सा		
हो ऽ ऽ री ऽ	अ ब		
×	२		

अंतरा.

ग म ध			नि
म ग म नि –	ध नि	सां नि सां	सां – – सां
अ प ऽ ने ऽ	ऽ रि	अ प ऽ	ने ऽ ऽ मौं
×	२	०	३

(सां)मं गं – (रीं)नि –	सां –	सांरीं नि सां	नि – ध –
दू र ऽ से ऽ	ऽ ऽ	निऽ क ऽ	सी ऽ ऽ ऽ
×	२	०	३

(ग)म ग म प –	– ध	(सां)नि सां –	सां – सां –
कौ ई ऽ सां ऽ	ऽ व	री ऽ ऽ	को ऽ ई ऽ
×	२	०	३

(सां)नि सां – नि ध	नि (प)ध	(सां)नि सां –	नि – ध म
गो ऽ ऽ री ऽ	ऽ खे	ल न ऽ	आ ऽ ऽ ये
×	२	०	३

(ध)प ध – म ग	ग सा		
हो ऽ ऽ री ऽ	अ ब		
×	२		

खमाज. – धमार – (विलंबित).

स्थायी.

			सा
			आ
(म)ग – म	प ध नि सां	(नि)सां नि सां नि ध	– (ध)पध
ये ऽ ऽ	रं ग सों ऽ	भी ऽ ऽ जे ऽ	ऽ मोऽ
०	३	×	२

नि सां –	नि – ध म	(ध) प ध म ग –	– सा
हृ न ऽ	ऽ ऽ सु ख	दै ऽ ऽ या ऽ	ऽ, आ।
०	३	×	२

अंतरा.

(म) म ग म नि –	ध नि	नि सां –	नि सां सां सां
मो ऽ ऽ र ऽ	ऽ मु	कु ट ऽ	ऽ ऽ क ट
×	२	०	३
(नि रीं) सां मं गं नि –	सां –	(सां) नि सां –	नि – ध –
सो ऽ ऽ हे ऽ	पी ऽ	तां ऽ ऽ	ब ऽ र ऽ
×	२	०	३
(प) म ग म प –	– ध	नि सां –	रीं नि सां –
मु र ऽ ली ऽ	ऽ अ	ध र ऽ	सो ऽ हे ऽ
×	२	०	३
(सां) नि सां – नि (प) ध	– नि	नि सां –	नि – ध म
ये ऽ ऽ ऽ ऽ	ऽ मो	हृ न ऽ	ऽ ऽ सु ख
×	२	०	३
(ध) प ध म ग –	– सा		
दै ऽ ऽ या ऽ	ऽ, आ		
×	२		

राग भैरव.

रागादिर्भैरवाख्यो मृदुऋषभमधस्तीव्रगस्तीव्रनिश्च ।
वाद्यस्मिन् धैवतोऽसावृषभ इह तु संवादिरूपोऽभिगीतः ॥
आरोहेऽल्पर्षभत्वं क्वचिदपि मृदुनिं प्राहुरेके विकल्पं ।
प्रातःकालेषु नित्यं जगति सुमतिभिः सुस्वरं गीयतेऽसौ ॥

कल्पद्रुमांकुरे ।

प्रथमो भैरवो रागो मृदुमर्षभधैवतः ॥
वादी धैवत एवात्र संवादी चर्षभो मतः ।

चन्द्रिकायाम् ।

भैरव कोमल रिमध सुर तीख गंधार निखाद ।
धैवत वादी सुर कह्यो तासुं रिखब संवाद ॥

चन्द्रिकासार ।

सगौ मपौ धपौ मगौ रिगौ मपौ मगौ रिसौ ।
भैरवो नित्यपूर्णः स्याद्धैवतांशः प्रभातगः ॥

अभिनवरागमंजर्याम् ।

हा राग भैरव थाटांतून उत्पन्न होतो. हा संपूर्ण आहे. त्यांत रि व ध हे स्वर कोमल व बाकीचे स्वर शुद्ध असतात. वादी स्वर धैवत व

संवादी ऋषभ आहे. या रागाचा गान समय प्रातःकाल मानितात. कधीं कधीं याच्या अवरोहांत कोमल निषादाचा प्रयोग कांहीं गायक कुशलतेनें करितात. या रागाची प्रकृति गंभीर आहे. याची सारी खुबी रि व ध या स्वरांवर असून त्यांच्या आंदोलनानें हा राग अधिक रक्तिदायक होतो. ह्याच्या आरोहांत ऋषभाचें अल्पत्व असतें. मध्यमावरून ऋषभावर मींडेनें येणें सुंदर दिसतें.

आरोहावरोहस्वरूप.

सा रे ग म, प ध, नि सां । सां नि ध, प, मग, रे, सा.

पकड.

सा, ग, म प, ध, प.

भैरव.—त्रिताल. (मध्यलय). (कलावंती)

स्थायी.

री ग री ग	म प ग म	नि ध ऽ ग	ऽ म ग री
० ३	३	×	२
ग मं प ग	म नि ध –	रीं ऽ सां गं	ऽ ग ऽ म
०	३	×	२
नि ध रीं ऽ	ध ऽ री ऽ	ग म प ग	म ग री, नि़।
०	३	×	२

अंतरा.

ग ग प प	ध ध नि नि	ध नि नि ध	म प ग म
×	२	०	३
ध ऽ नि ध	ऽ रीं ऽ सां	गं ऽ रीं ऽ	पं ऽ गं मं
×	२	०	३
धं ऽ ध ऽ	नि ध ऽ नि	रीं गं नि रीं	ध नि म ध
×	२	०	३
ग म प ग	म ग री, नि़		
×	२		

भैरव– चौताल. (विलंबित).

स्थायी.

ऽ(०) सा	ऽ(३) रे॒	ऽ(४) रे॒	ग(×) ऽ	ऽ(०) म	ऽ(२) प
		— सां	सां(नि) ध॒(नि)	— ध॒(नि)	— प
ऽ(०) ध॒	ऽ(३) नि	ऽ(४) थे	स(×) त	ऽ(०) सू	ऽ(२) र
— म	ग म(रे॒)	ग प	प(म) म	ग रे॒(म)	— सा
ऽ(०) मो	ऽ(३) मऽ	न(४) मैं	ऐ(×) से	ऽ(०) आ	ऽ(२) ये।

अंतरा.

प —	— ध॒(नि)	— नि	सां सां	— नि	सां सां
आ(×) ऽ	ऽ(०) रो	ऽ(२) हि	अ(०) व	ऽ(३) रो	ऽ(४) हि
सां(नि) ध॒(नि)	— नि	सां सां	रें —	सां ध॒(नि)	— प
स(×) रे	ऽ(०) ग	म(२) की	ऐ(०) ऽ	सि(३) हो	ऽ(४) त
नि॒(×) ऽ	ऽ(०) ध॒	ऽ(२) ऽ	प(०) ऽ	ऽ(३) म	ऽ(४) ऽ
ग(×) ऽ	ऽ(०) रे॒	ऽ(२) ऽ	रा(०) ऽ	ऽ(३) रे॒	ऽ(४) रे॒।

संचारी

			नि	नि	नि		प		नि		
सा	सा	ध़	ध़	ध़	ध़	–	ध़	–	ध़	–	प
पु×	न	ऽ०	हु	ग२	न	ऽ०	की	ऽ३	जे	ऽ४	तो
नि									नि		
ध़	–	ध़	नि	सां	सां	सां	नि	सां	ध़	–	प
ऐ×	ऽ	से०	ली	ऽ२	जे	सु०	र	ऽ३	न	ऽ४	को
प	म	ग								ग	
ग	ग	री़	–	ग	प	म	ग	म	री़	री़	सा
त×	ब	आ०	ऽ	वे२	स	ब०	न	के३	म	त४	में
नि						ग			ग		
ध़	–	ध़	नि़	सा	सा	री़	–	–	री़	–	सा
कौं×	ऽ	ठ०	को	ऽ२	सु	धा०	ऽ	ऽ३	ऽ	ऽ४	र।

आभोग.

ध़×	नि़	सा०	नि़	सा२	रे़	सा०	रे़	ग३	रे़	ग४	म
ग×	म	प०	म	प२	ध़	प०	ध़	नि३	ध़	नि४	सां
सां×	नि	ध़०	नि	ध़२	प	ध़०	प	म३	प	म४	म
म×	ग	रे़०	ग	रे़२	सा	ऽ०	सा				



भैरव–सूलताल. (मध्यलय).

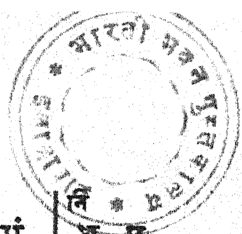
मात्रा १०.

स्थायी.

नि				प		प		ग	
ध	–	प	प	म	प	ध	प	म	ग
धै	ऽ	व	त	को	ऽ	म	ल	क	र
×		०		२		३		०	
		म		ग		ग		ग	
मग	मरी	ग	प	म	ग	म	री	री	सा
(रेऽ)	(ऽऽ)	ख	व	सु	र	को	ऽ	म	ल
×		०		२		३		०	
नि़		नि़		सा		ग			
सा	–	ध़	ध़	नि़	सा	री	री	सा	सा
मौं	ऽ	दु	र	स्था	ऽ	न	म	धु	र
×		०		२		३		०	
ग									
मग	मग	री	री	मग	प	मग	मग	री	सा
(मैऽ)	(ऽऽ)	र	व	(शांऽ)	ऽ	(तिऽ)	(प्रऽ)	चु	र।
×		०		२		३		०	

अंतरा.

		नि		सां					
प	–	ध	ध	नि	–	सां	नि	सां	सां
धै	ऽ	व	त	औं	ऽ	श	वि	च	र
×		०		२		३		०	



नि								नि	
ध	—	नि	सां	रीं	सां	नि	सां	ध	प
रे	ऽ	ख	ब	क	र	स	ह	च	र
×		०		२		३		०	
प				सां		नि		नि	
ध	रीं	सां	—	नि	सां	ध	—	ध	प
सौं	ऽ	पू	ऽ	र	न	सुं	ऽ	दू	र
×		०		२		३		०	
सां	नि	ध	प	म	ग	रे	रे	सा	ऽ।
×		०		२		३		०	

भैरव.— त्रिताल. (मध्यलय).

स्थायी.

	म			सा				ग़ि							
सारी	ग	री	सा	नि	सा	री	सा	ध	—	नि	नि	सा	—	सा	सा
भैऽ	ऽ	र	व	ल	ऽ	च्छ	न	गा	ऽ	य	गु	नी	ऽ	व	र
०				३				×				२			
म				ग		ग					प	ग			
ग	—	म	म	म	म	री	री	री	गरी	गम	म	म	री	सा	सा
को	ऽ	म	ल	सु	र	ध	र	ग	मऽ	नीऽ	ऽ	सु	ध	क	र
०				३				×				२			
सा		म		नि				ग			प	ग			
नि	सा	ग	म	ध	—	प	—	म	री	गम	म	री	—	सा	सा
प्रा	ऽ	त	स	में	ऽ	री	ऽ	झ	त	नाऽ	ऽ	री	ऽ	न	र।
०				३				×				२			

अंतरा.

म	नि	सां	
प – प प	ध – नि नि	सां – सां नि	सां नि सां सां
धै ऽ व त	हो ऽ त प्र	धा ऽ न जी	ऽ व सु र
०	३	×	२
सां		सां	सां नि
ध – ध ध	नि नि सां सां	रीं – सां सां	नि सां ध प
रे ऽ ख व	स ह च र	हो ऽ त पु	र ऽ स्स र
०	३	×	२
ग		नि	नि
म – ग म	प – प प	ध ध सां सां	ध – प प
मा ऽ ल व	ठा ऽ ठ लि	ख त अ त	सूं ऽ दृ र
०	३	×	२
	नि		
प ध सां –	ध ध प –	मग मरी गम प	म ग री सा
भ ऽ क्ती ऽ	र स सों ऽ	गाऽ ऽऽ यऽ गु	नी च त र।
०	३	×	२

भैरव.– त्रिताल. (मध्यलय).

स्थायी.

म नि			
ग म ध ध	प – पध मप	म ग (म) री	– री – सा
सां ऽ ब स	दा ऽ शिऽ वऽ	भो ऽ ला ऽ	ऽ प्या ऽ रे
०	३	×	२
नि़ नि़		सा	ग
सा सा ध़ ध़	नि़ नि़ सा सा	री री री री	री – सा सा
र ट म न	नि स दि न	प र म दृ	या ऽ घ न
०	३	×	२

सा म		सां सां	ग
नि̣ सा ग म	प ध नि सां	रीं रीं सां नि	ध प म ग
त ज मा ऽ	या ऽ को झ	़ो ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ला ऽ ।
०	३	×	२

अंतरा.

नि	सां		सां
प – प ध	– ध नि नि	सां – सां सां	नि सां सां सां
का ऽ म क्रो	ऽ ध म द्	मो ऽ ह रु	म ऽ त्स र
०	३	×	२
सां	सां	नि सां	नि
नि ध ध ध	नि नि सां सां	सां रीं सां सांनि	ध – प प
लो ऽ भ क	हृ त ख ट	रि पु ह तऽ	पा ऽ म र
०	३	×	२
ध			प
– ध – रीं	सां नि सां नि	ध नि ध प	म प ग म
ऽ छां ऽ ड	भ र म श	र न जा ऽ	य च त र ।
०	३	×	२

भैरव—त्रिताल. (मध्यलय).

स्थायी.

म नि	ग	ग	ग
ग म ध ध	पम प म ग	री – मग (म)	री – सा –
ध न ध न	मूऽ ऽ र त	के ऽ ष्णऽ मु	रा ऽ री ऽ
०	३	×	२
नि̣ नि̣		ग	सा म
सा ध़ – नि̣	सा सा सा सा	री – सा –	नि̣ सा ग म
सु ल ऽ च्छ	ऽ न गि र	धा ऽ री ऽ	छ ब सूं ऽ
०	३	×	२

नि	ध नि		
प प ध —	सां — ध प	पध निसां सांगं सांनि	धनि धप मग म
दू र ला ऽ	गे ऽ अ त	प्याऽ ऽऽ ऽऽ ऽऽ	ऽऽ ऽऽ ऽऽ री ।
०	३	×	२

अंतरा.

म	नि		
प — प —	ध ध नि नि	सां सां सां सां	नि सां सां —
बाँ ऽ सी ऽ	ध र म न	मो ह न सु	हा ऽ वे ऽ
०	३	×	२
सां रीं		नि	नि
रीं रीं मं मं	रीं — सां —	सां सां रीं सां	ध — प —
ब ल ब ल	जा ऽ ऊं ऽ	मो रे म न	भा ऽ वे ऽ
०	३	×	२
म	नि		
ग म ग म	प — ध प	पध निसां सांगं सांनि	धनि धप मग म
स ब रं ग	ग्या ऽ न बि	चाऽ ऽऽ ऽऽ ऽऽ	ऽऽ ऽऽ ऽऽ री ।
०	३	×	२

भैरव—त्रिताल. (मध्यलय).

स्थायी.

म नि		ग	ग
ग म ध ध	प — ध प	म ग (म) री	— री — सा
अ ब न ज	गा ऽ बों ऽ	प्या ऽ रे ऽ	ऽ मै ऽ का
०	३	×	२
सा	नि	सा ग	
नि — सा सा	ध ध नि सा	री री री री	— री सा सा
ला ऽ ग लि	अ खि मो रि	अ ब हुं ने	ऽ क प ल
०	३	×	२

सा म		नि धु	ग
नि़ सा ग म	प धु नि सां	धु सां – नि	धु प म ग
क़ झ प क	नि स सा री	जा गी ऽ ज	गा इ तु म ।
०	३	×	२

अंतरा.

अ म	नि		
प – प प	धु – नि नि	सां सां सां सां	नि सां सां सां
सो ऽ व न	दे ऽ मो हे	अ नं द भु	व न ग र
०	३	×	२
नि			नि
धु – धु –	नि – सां –	निसां रीं सां सां	धु – प –
ला ऽ गूं ऽ	गी ऽ तो ऽ	रेऽ ऽ छ ति	या ऽ ऽ ऽ
०	३	×	२
रीं		नि नि	प
– प धु सां	सां नि धु प	प धु धु प	मप ग – म
ऽ श र न	अ ब तूं ऽ	जि न जा ऽ	वोऽ आ ऽ ज ।
०	३	×	२

भैरव—त्रिताल. (मध्यलय).

स्थायी.

अ नि	प		म
ग म धु धु	प – धु मप	धुधु पम प –	म ग प मग
अ न त क	हा ऽ जि नऽ	जाऽ ऽऽ ऽ ऽ	वो ऽ पि याऽ
०	३	×	२

ग			ग
री – – –	सा – – –	सारी ग म (म)	री री सा –
मो ऽ ऽ ऽ	रे ऽ ऽ ऽ	हीऽ ऽ ऽ ऽ	र हि ये ऽ
०	३	×	२
सा		सां नि	प
नि सा ग म	प ध नि सां	रीं – सां ध	नि धप ग म
ए ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ मो रे	धा ऽ म श्या	ऽ मऽ तु म।
०	३	×	२

अंतरा.

	नि		
प प प प	ध ध नि नि	सां सां सां –	नि सां सां –
ज न म ज	न म नि स	दि न हूं ऽ	ते ऽ री ऽ
×	२	०	३
नि			नि
ध – ध –	नि – सां सां	रीं रीं सां –	नि सां ध प
हूं ऽ थां ऽ	री ऽ च र	न न की ऽ	चे ऽ री ऽ
×	२	०	३
	ध नि		ग
ग म प ध	सां सां ध प	म ग (म) ग	री – सा –
बि न ति सु	म न सु न	ली ऽ जे ऽ	मे ऽ री ऽ
×	२	०	३
सा म		नि	
नि सा सा ग	– म प प	ध – नि नि	सां – सां –
प्र भु गु ला	ऽ ब त्रि ज	जी ऽ व न	मा ऽ धो ऽ
×	२	०	३
प ध			
ध रीं सांनि ध	नि धप म ग		
सुं द रऽ श्या	ऽ मऽ तु म		
×	२		

भैरव—त्रिताल. (मध्यलय).

स्थायी.

		नि	
धधप मप म ग	म म प प	ध – – –	प – – –
प्याऽऽ ऽऽ ला ऽ	मु ज भ र	दे ऽ ऽ ऽ	रे ऽ ऽ ऽ
०	३	×	२
ग	म		
म ग (म) ग	री – ग प	म ग म ग	री – सा –
म त वा ऽ	रे ऽ मो रे	बी ऽ त ग	ई ऽ ली ऽ
०	३	×	२
सा		नि	नि
नि सा ग म	प ध नि सां	(सां) – ध सां	नि ध – प
स ग री ऽ	रै ऽ न भ	ई ऽ ली ऽ	ऽ भो ऽ र।
०	३	×	२

अंतरा.

	नि		
प प प प	ध – नि –	सां सां – सां	नि सां सां –
ह म तु म	पी ऽ वें ऽ	छ का ऽ छ	का ऽ वें ऽ
०	३	×	२
नि		गं	सां नि
ध ध ध ध	नि नि सां –	रीं – सां सां	नि सां ध प
दु र ज न	लु ग वा ऽ	दे ऽ ख ड	रा ऽ वे ऽ
०	३	×	२
सा		सां सां	
नि सा ग म	प ध नि सां	रीं रीं सां नि	ध प ध म
कु र ली ऽ	यो ऽ अ त	शो ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ र।
०	३	×	२

भैरव.—त्रिताल. (मध्यलय).

स्थायी.

सा री	सा सा	नि	
री मग री री	नि सा री सा	ध — नि —	सा सा सा —
प वऽ न च	ल त पु र	बै ऽ या ऽ	सि य री ऽ
०	३	×	२
म ग			म
म ग म ग	री — ग प	म ग (म) —	री — सा सा
मो रा अं ग	वा ऽ ऽ ज	डा ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ य पि
०	३	×	२
ग	नि		म
नि सा म ग	म ध प —	मग मरी गप मग	री — — सा
य र वा ऽ	ग र वा ऽ	लेऽ ऽऽ वोऽ लऽ	गा ऽ ऽ य।
०	३	×	२

अंतरा.

नि	सां		नि
प — ध ध	नि — सां सां	नि सां सां सां	सां रीं सां —
आ ऽ वो स	दा ऽ रं ग	ह म तु म	सु क वा ऽ
×	२	०	३
नि	प	नि	सां नि
नि सां ध प	ग म प —	ध — सां —	नि सां ध प
क र हीं ऽ	जा ऽ में ऽ	जा ऽ में ऽ	ऽ ऽ नि स
×	२	०	३

(म) प म ग मग	री – सा सा	नि़ सा म ग (ग)	म ध़ प – (ग नि)
बि हा ऽ ऽऽ (×)	ऽ ऽ य पि (२)	य र वा ऽ (०)	ग र वा ऽ (३)

मग मरी ग प	मग मरी री सा	री मग री री (सा री)
लेऽ ऽऽ वो ल (×)	गाऽ ऽऽ ऽ य (२)	प वऽ न च (०)

भैरव—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

(नि) ध़ – ध़ ध़	(नि) ध़ – प –	धध पम प –	म – ग –
भो ऽ र भ (०)	ई ऽ लो ऽ (३)	प्या ऽऽ ऽ ऽ (×)	रे ऽ ऽ ऽ (२)
(ग) म ग (म) ग	(ग) री – ग प	(ग) म ग म ग	(ग) री – सा –
म त वा ऽ (०)	ले ऽ सों ऽ (३)	ग र वा ऽ (×)	ला ऽ गों ऽ (२)
(सा) नि़ सा ग म	प ध़ नि सां	(नि ध) ध़ रीं सां –	(नि) ध़ ध़ प ग
ह म तु म (०)	क र रं ग (३)	र स की ऽ (×)	ब तियां ऽ। (२)
(म नि) गम ध़ – ध़	प – ध़ म		
भोऽ ऽ ऽ भ (०)	ई ऽ लो ऽ (३)		

अंतरा.

म	नि		सां
ग म पं प	ध – नि नि	सां – सां सां	नि सां सां –
आ ऽ प पि	वे ऽ औ र	मो ऽ को पि	ला ऽ वे ऽ
०	३	×	२
नि	सां	सां	नि
ध ध ध –	नि – सां सां	रीं रीं सां सां	नि सां ध प
म न को ऽ	भे ऽ द क	ब हुं न ब	ता ऽ वे ऽ
०	३	×	२
प	नि ध	प	ग
ध ध सां सां	ध नि ध प	ग – म मग	री – सा –
उ मं ग सुं	च र नों ऽ	ला ऽ ग तऽ	हैं ऽ री ऽ
०	३	×	२
सा		सां	नि
नि सा ग म	प ध नि सां	रीं रीं सां –	ध ध प –
दू र स हे	ऽ त मो रि	र सि ली ऽ	छ ति यां ऽ।
०	३	×	२
प नि			
ग म ध ध	प – ध म		
भों ऽ र भ	ई ऽ लो ऽ		
०	३		

भैरव– त्रिताल. (मध्यलय).

स्थायी.

नि नि			
सा ध ध ध	– प प प	धध पम प –	म – ग –
मे हे र की	ऽ न ज र	कीऽ ऽऽ ऽ ऽ	जे ऽ ऽ ऽ
०	३	×	२

ग ग	म	सा	म
म ग म (म)	री री सा सा	री ग म (म)	री – सा –
सु ख सौं ऽ	प द स ब	दी ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ जे ऽ
०	३	×	२
सा नि		नि	
नि सा गम ध	– नि सां सां	ध नि सां रीं	सां नि ध प
तूं ऽ कऽ री	ऽ म क र	ता ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ र।
०	३	×	२
ग नि			
म ध ध ध			
मे हे र की			
०			

अंतरा.

ग	नि		
म म प प	ध – नि नि	सां – – –	नि सां सां
नि त उ ठ	आ ऽ स ते	हा ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ री ऽ
२	०	३	×
नि		सां	सां नि
ध – ध ध	नि नि सां सां	रीं रीं सां सां	नि सां ध प
सा ऽ फ न	ज र ते रे	दू र का भि	का ऽ री ऽ
२	०	३	×
ग	सा म		सां
म ग री सा	नि सा ग म	प ध नि सां	रीं रीं सां सां
ज ग में ऽ	क र म फ	ज ल की श	र म र ख
२	०	३	×
नि	ग नि		
ध – प मगम	म ध ध ध		
ली ऽ जे ऽऽऽ	मे हे र की		
२	०		

भैरव— त्रिताल. (मध्यलय).

स्थायी.

(म)प	म
प्र	भु

(म)री — — सा	— री नि सा	म — — —	— — — —
दा ऽ ऽ ता	ऽ स ब न	के ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ
०	३	×	२
(म)री — म म	प — प ध	(ध)सां सां (नि)ध नि	ध प म म
तूं ऽ र ट	रे ऽ म न	घ रि प ल	छि न, प्र भु।
०	३	×	२

अंतरा.

प — प —	(नि)ध — नि —	सां — सां सां	— सां सां सां
जो ऽ तूं ऽ	चा ऽ हे ऽ	हू ऽ ध पू	ऽ त अ न
०	३	×	२
(नि)ध ध नि नि	सां सां सां —	रीं सां — (सां)नि	सां (नि)ध — प
ध न ल छ	मि इ मा ऽ	न वा ऽ को	ऽ ना ऽ म
०	३	×	२

ध ध	नि		म री
प ध सां —	ध नि ध प	म (म) — म	री — प म
ले ऽ वा ऽ	के ऽ र ब	को ना ऽ म	ले ऽ, रं ग
०	३	×	२

म	
री — — सा	— री नि़ सा
रा ऽ ऽ ता	ऽ स ब न
०	३

भैरव– त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

सा प	नि नि		नि
नि़ सा ग म	ध — ध ध	— ध प प	ध ध प ध
ए ऽ हूं तो	बा ऽ र बा	ऽ र जा ऊं	तु म्ह रे गु
३	×	२	०
म	म नि नि		ग म
प प म ग	ग म ध ध	— ध पम प	म — म री
सैं ऽ यां ऽ	ह म रि बा	ऽ त कोऽ ऽ	मा ऽ न ले
३	×	२	०
प			ग
— — ग प	म — ग —	(म) — री —	री — सा —
ऽ ऽ प्या ऽ	रे ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ।
३	×	२	०

अंतरा.

म प प प –	नि ध – नि नि	सां सां सां –	सां नि सां सां सां
नी के आ ऽ ×	वो ऽ तु म २	ह म रे ऽ ०	ढिं ग वा क ३
रीं रीं सां –	सां नि नि सां ध प	प नि ग म प ध	ध – ध रीं सां
हि ल वा – ×	ब ति यां ऽ २	औ ऽ र डा ०	ऽ रुं ग र ३
सां नि सां ध प	प म ग म ग	री – सा –	सा प नि सा ग म
ह र वा ऽ ×	प्या ऽ रे ऽ २	मो ऽ रे ऽ ०	ऽ ऽ हूं तो। ३

भैरव– त्रिताल. (मध्यलय).

स्थायी.

ग म म नि ध	प प पध मप	धध पम प –	म ग प मग
पि या ऽ मि ०	ल न कीऽ ऽऽ ३	बाऽ ऽऽ ऽ ऽ ×	री ऽ अ रिऽ २
ग री – – –	ग री री सा –	सा ध ध नि सा	ग री री सा –
ए ऽ ऽ ऽ ०	रि स खी ऽ ३	ज त न क ×	छु ब ता ऽ २
सा म नि सा ग म	प – ध प	सां पध निसां सां ध	नि धप म गम
मैं ऽ तो ऽ ०	री ऽ ब ल ३	हाऽ ऽऽ री बा ×	ऽ रिऽ मैं ऽऽ। २

अंतरा.

म				नि											
ग	म	प	प	ध	ध	नि	नि	सां	सां	सां	सां	नि	सां	सां	–
ब	हु	त	दि	न	न	पा	छे	पि	या	मे	रे	आ	ऽ	ये	ऽ
०				३				×				२			

सां				गं				प			नि				
रीं	–	गं	मंगं	रीं	–	सां	–	ध	रीं	सां	ध	नि	धप	म	गम
मौं	ऽ	ग	लऽ	गा	ऽ	वो	ऽ	स	खी	या	सा	ऽ	रिऽ	मैं	ऽऽ।
०				३				×				२			

भैरव.– त्रिताल. (विलंबित).

स्थायी.

ग			म	नि								रें		ग	
म	–	गम	पप	ध	–	प	मप	धधपम	प	म	ग	म(म)	री	री	सा
वा	ऽ	ऽऽ	लमु	वा	ऽ	ऽ	ऽऽ	मोऽऽऽ	ऽ	रे	ऽ	सैंऽ	ऽ	ऽ	यां
३				×				२				०			

म	नि			नि								ग		ग	
गम	ध	–	सां	ध	–	प	मप	धधपम	प	म	ग	म(म)	री	री	सा
सऽ	दा	ऽ	रीं	गी	ऽ	ले	ऽऽ	ऽऽऽऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	रे।
३				×				२				०			

			म												
निसा	म	गम	पप												
ऽऽ	वा	ऽऽ	लमु												
३															

अंतरा.

ग	नि							सां				नि			सां
म	प	ध़ध़	निनि	सां	सां	सां	—सां	नि	सां	सां	—	ध़	ध़	ध़	नि
हूं	तो	तुम	बिन	त	र	स	ऽग	ई	ऽ	ली	ऽ	द	र	स	बे
३				×				२				०			
		नि		गं		नि		म		नि		ग		ग	
सां	सां	निसां,	सां	रीं	सां	निसां	ध़प	गमपध़	निसां	ध़	प,मप	म	(म) री़	री़	सा
ऽ	ग	ऽऽ	ऽब	ता	ऽ	ऽऽ	बोऽ	लेऽऽऽ	ऽऽ	हों	ब,ऽऽ	लै	ऽऽ	ऽ	यां।
३				×				२				०			

भैरव— त्रिताल (विलंबित.).

स्थायी.

							म
							गम
							जीऽ
नि						ग	
ध़	प	मप	ध़ध़,पमप	म	गम	म(म)री़	सा,नि़सा
य	रा	ऽऽ	हुऽलऽऽ	से	ऽऽ	ऽऽऽ	ना,मोऽ
३				×			
सा				नि			
म	—	गम	,प	ध़	—	प	मप
रे	ऽ	ऽऽ	ऽपि	या	ऽ	के	ऽऽ
२				०			

				ग			
धधपम	प	म	ग	म(म)	गम	री	सा
वेSSS	S	ख	S	SS	SS	S	न
३				×			
सा						नि	
नि	सा	री	सा	नि	सा	ध	प
बी	S	S	S	S	S	न	S
२				०			
सा	म		नि नि			नि	
निसा	गम	पप	धध	सां	निसां	ध	प,गम
उन	बिन	रहि	लोन	जा	SS	S	य,अरि
३				×			
नि							म
ध	—	प	मप	धधपम	प	मग	म,गम
ये	S	S	SS	माSSS	S	SS	S,जीS ।
२				०			

अंतरा.

		म	नि	ध			
		गमप	ध	सां	—	सां,निसां	सांसां
S	S	बेSगा	वे	खा	S	वे,SS	सब
३				×			
नि	नि			सां		सां	नि
धध	धध	सां	सां	निसां	रींसां	निसां	धप
मिल	नभ	ई	लो	दूS	बर	भइ	लाS
२				०			

म गम	नि धृ	म पधृपप	मग	सा निसा	म गम	म पप	पधृनिसांरींसां
काऽ ३	से	कऽहिऽ	येऽ	कोऽ ×	नख	बरि	याऽऽऽऽऽसु
नि धृ	—	प	मं ,गम	नि धृ	प,मप	धृधृपमप	गम,गम
ना २	ऽ	वे	ऽ,अरि	ये ०	ऽ,ऽऽ	माऽऽऽऽ	ऽऽ,जिऽ ॥

भैरव— एकताल. (विलंबित).

स्थायी.

प निृ
ए

धृ	प	म	गमप,म	प	—	मप	नि धृ	नि धृ	प,मप	म	ग
क ३	प	ल ४	ऽऽऽ,छि	न ×	ऽ	ऽऽ ०	क	ब २	हू,ऽऽ	ना ०	ऽ
म म	म प	मग	म(म)ग	म रीृ	—	सा	निृसा	सा निृ	सा	—	ग रीृ
बि ३	स	रोंऽ ४	ऽऽऽ	मा ×	ऽ	ई ०	ऽऽ	ला २	ऽ	ऽ ०	ल
रीृ	ग रीृ	सा	निृसा	नि सा	म	म	म प	—	प	नि धृ	—
न ३	त	न ४	ऽऽ	नैं ×	न	न ०	आ	ऽ २	गे	ठा ०	ऽ



सां	—	सां	धु	नि	प	धु	म	प	ग	म	नि
डो	ऽ	र	हे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ,	ए।
३		४		×		०		२		०	

अंतरा.

गम	धु	—	नि	सां	सां	सां	सां	निसां	सां	धु	नि
सऽ	बं	ऽ	न	सु	न	त	जै	ऽऽ	से	रीं	ग
३		४		×		०		२		०	
सां	रीं	सां	निसां	रींरीं,सांनिसां	धु	नि	प	गम	धु	—	प,मप
ऽ	र	स	ऽऽ	उऽ,पऽऽ	जो	ऽ	ऽ	एऽ	हो	ऽ	स,ऽऽ
३		४		×		०		२		०	
म	गमप,म	प	प	निनि धुधु	निनि धुधु	सां	सां	धु	नि	सां	रीं
दृा	ऽऽऽ,रं	गी	ले	मम	दसा	ऽ	सो	बौं	दी	ऽ	ऽ
३		४		×		०		२		०	
रीं	सां	सां	धु	नि	प	धु	म	प	ग	म	नि
ऽ	ऽ	क	रे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ,	ए।
३		४		×		०		२		०	

भैरव—त्रिताल. (विलंबित).

स्थायी.

		सा	सारी,गरी	ग	म	—	गम
ऽ	ऽ	औ	ऽऽ,सर	ला	ऽ	ऽ	ऽऽ
३				×			

रीं	म		मम	म			
म	प	मग	,पप,मगम	री	—	सा	निसा
ऽ	ऽ	ऽऽ	,गऽ,रऽऽ	हीं	ऽ	ऽ	ऽऽ
२				०			
सा	ग			नि नि	नि		
निसा	री	—	सा	सासा	धृ	—	—
तुम	रे	ऽ	आ	वऽ	न	ऽ	ऽ
३				×			
सा		ग		सा	नि	नि	
नि	सा	री	सा	नि	सा	धृ	—
कां	ऽ	ऽ	ई	ब	ल	मा	ऽ
२				०			
नि	नि	ध		नि	ग		
धृ	धृ	सां	—सा	सा	री	—	,ग
क	ब	आ	ऽवे	मो	रे	ऽ	,पि
३				×			
म	—	गम	,मम	(म)री	रीसा	रीरीसानि	सा
या	ऽ	ऽऽ	,सुख	दाऽ	ऽऽ	ऽऽऽऽ	ऽ
२				०			
		नि	म				
नि	धृ	सां	,गरी				
ई	ऽ,	औ	,सर				
३							

अंतरा.

म	म	नि					
गम	पप	धध	,निनि	सां	—	निसां	सांसां
सग	रीरैं	ऽन	,मग	जो	ऽ	ऽऽ	वत
३				×			

रीं	—	सां	निसां	नि ध	धध	सां	निसां,सांसां
वी २	ऽ	ती	ऽऽ	भो ०	रभ	ये	ऽऽ,तब
सां नि	सां	नि ध	प	म	गम	प	प,प
आ ३	ऽ	ये	ऽ	वो ×	ऽऽ	हि	ऽ,भ
नि ध	—	सां	निसां	सां निसां	गं रीं	—	सांसां
ली २	ऽ	जो	ऽऽ	तुम ०	रे	ऽ	मन

धधनिसांनिधधपम गपमगरीरीसासा सा नि़सागरी

माऽऽऽऽऽऽऽऽ ऽऽऽऽऽऽऽऽईऽ औ ऽऽ,सर

३

भैरव—त्रिताल (विलंबित.)

स्थायी.

सा निसा

पल

नि़ सा	ध़	सा	,सारी	म ग	म	गम	म	ग म	ग	म	गरी	ग री	—	सा सा	,नि़सा
क ३	ऽ	ऽ	,दरि	या ×	ऽ	ऽऽ	व	मे २	ऽ	ऽ	ऽरा	सां ०	ऽ	ई	ऽ,राऽ

ग   सा   नि | सा   ग   म | ग | म   म
री —सा निसा धध | निसा रीसा ग म | म ग म री | ग म री सा,सारी
ई ऽका पर वत | पर वत क रे | रा ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ ई ऽ,कर
३ | × | २ | ०

म   म | नि   प | ग | री
ग म गम ,गम | ध सां ध प,मप | म ग म री | मग(म)री सा,सासा
ता ऽ ऽऽ ,कर | ता ऽ ऽ ऽ,गुऽ | सां ऽ ऽ ऽ | ऽऽ ऽ ऽ ई,पल।
३ | × | २ | ०

अंतरा.

प   नि सां | | नि नि | नि
म प ध ,निनि | सां सां निसां सां | सां ध नि ,सांसां | रीं सां निसां धप
जो चा हे ,सोइ | ई छा ऽऽ सों | हो वे ऽ ,जुग | रा ऽ ऽऽ जऽ
३ | × | २ | ०

नि | सां   सां मं | सां | ग म म
धधपमप मग,मध निसां | रींरीं सांसां मं(मं)रींसां | नि सां ध प | म गम री सा,सासा
ओऽऽऽऽ हीऽ,क रे सब | कुद रत ओऽ सीऽ | तां ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽऽ ई ऽ,पल।
३ | × | २ | ०

भैरव— एकताल. (विलंबित).

स्थायी.

| ग | | नि | नि
सासा | री — | निसा निसारी,सा | ध —प | ध —
ऽ काना | बां ऽ | ऽऽ ऽऽऽसु | री ऽब | जा ऽ
४ | × | ० | २ | ०

			नि	सा	
सा	निसा,सा	रीरीसानिसा	ध,निसा	म	गम
ऽ	ऽऽ,वे	ऽऽऽऽऽ	री,अऽ	री	ऽऽ
३		४		×	
ग				नि	
म(म)	री	—	सा	सा	निसा,सा
ऽऽ	ऽ	ऽ	ऽ	मो	ऽऽ,त
०		२		०	
सा				नि	
म	—	गम	,मप	ध	—
ना	ऽ	ऽऽ	,मुख	है	ऽ
३		४		×	
		ग			
प	पमप	म	मरी	गमप	म
र	तऽऽ	ढूं	ऽऽ	ऽऽऽ	क
०		२		०	
ग					
म(म)	री	सा,निसा	,सासा		
ढूंऽ	ऽ	क,ऽऽ	,काना		
३		४			

अंतरा.

					ग
					म
					स
नि				नि	
ध	—नि	सांसां	सां	ध	—
स	ऽसु	रन	की	ता	ऽ
३		४		×	

				नि	नि
धधनिसारीं	—रीं	सां	निसां	सां,निसां	ध
नऽऽऽऽ	ऽन	सों	ऽऽ	मो,ऽऽ	रा
०		२		०	
पमप	धध,पमप	म	गम,म	पधनिसां	निसां
ऽऽऽ	जीऽ,यऽऽ	रा	ऽऽ,क	रऽऽऽ	ऽऽ
३		४		×	
		म	म		
धध,पमप	म	ग	री	गमप	म
तऽ,हीऽऽ	टूं	ऽ	ऽ	ऽऽऽ	क
०		२		०	
ग					
म(म)	री	सा,निसा	,सासा		
टूं	ऽ	क,ऽऽ	,काना		
३		४			

भैरव.— एकताल. (विलंबित).

स्थायी.

नि				म				ग	म		
सा	—	निसा	,सारी	ग	म	म	गम	म	प	—	मग
को	ऽ	ऽऽ	,यल	बो	ऽ	ले	ऽऽ	ऽ	ऽ	ऽ	माऽ
३		४		×		०		२		०	
ग				ग							नि
म(म)	री	सा	निसा	म	—	गम	,पम	प	—	मप	ध
ऽऽ	ऽ	ई	ऽऽ	मो	ऽ	ऽऽ	ऽ,ढिंग	ला	ऽ	ऽऽ	ऽ
३		४		×		०		२		०	

				ग		म	गम				
नि̱	ध̱	प	मप	म	–	गम	मप	म	(म)	री̱	सा
ऽ	ल	के	ऽऽ	बा	ऽ	ऽऽ	सऽ	पें	ऽ	ऽ	ऽ।
३		४		×		०		२		०	
नि̱सा	—सा	—	,सारी̱								
ऽऽ	ऽ,को	ऽ	ऽ,यल								
३		४									

अंतरा.

प		नि				सां		नि			
गम	प,मप	ध̱	—,ध̱	सां	–	निसां	सां	ध̱	–	–	निसां
काऽ	हे,ऽऽ	को	ऽ,नि	स	ऽ	दिऽ	न	बो	ऽ	ऽ	लसु
३		४		×		०		२		०	
				ग				नि̱		ग	
रीं̱	सां	निसां	ध̱प	म	(म)	री̱	सा	साम	–	म	प
ना	ऽ	वऽ	तऽ	आ	ऽ	व	त	मोरे	ऽ	ऽ	ऽ
३		४		×		०		२		०	
म				ग					ग		
प	नि̱	ध̱	प	म	प	गमपध̱प	म	ग	म(म)	री̱	सा
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	द्वा	ऽ	ऽऽऽऽर	पें	ऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ।।
३		४		×		०		२		०	
सा	–	नि̱सा	,सारी̱								
को	ऽ	ऽऽ	,यल								
३		४									

भैरव—एकताल. (विलंबित).

स्थायी.

नि̣
सा
बि

(सा)म —	गम पप	(नि)ध —	प मप	धधपम प	म ग
ना S	SS हर	को S	न SS	खSSS S	ब S
३	४	×	०	२	०
(म)री ,ग	म प	म —	ग (ग)म(म)	(म)री —	सा ,सा
र Sमो	री S	ले S	S SS	S S	त ,बि।
३	४	×	०	२	०

अंतरा.

प मप	(नि)ध ,नि	सां —	सां (नि),सां	(गं)रीं —	सां सां
का SS	हे ,को	सो S	च Sक	रे S	म न
३	४	×	०	२	०
(सां)नि सां	(नि)ध प	(म)प म	गम प	प —	(नि)ध —
मू S	र ख	नि त	SS ऊ	ठ S	भो S
३	४	×	०	२	०
— नि	सां निसां	रीं —	सां नि	सां (नि)ध	प मपधप
S ज	न SS	दे S	S S	S त	S SSSबि
३	४	×	०	२	०

ग				नि						ग	
म	गम	प	प	ध॒	—	—	प	मप	,प	म	ग
ना ३	ऽऽ	हु ४	र	को ×	ऽ	ऽ ०	न	ऽऽ २	,ख	ब ०	र
म											
री॒	ग	म	प								
ऽ ३	मो	री ४	ऽ								

भैरव– त्रिताल. (विलंबित).

स्थायी.

सा
क

ग री॒ — सा निृसा,सा	ग री॒ — सा निृसा	नि सा ध॒ृ सा —सा	ग री॒ — सा —सा नि
री ३ ऽ म ऽऽ,र	ही × ऽ म ऽऽ	बौं २ ऽ दे ऽन	वा ० ऽ ज ऽवा
सा म — गम ,प	नि ध॒ —ध॒ प मप	ध॒ध॒पम प म ग	ग म(म) री॒ सा —सा
के ३ ऽ ऽऽ ऽ,प	र × ऽव र ऽऽ	दीऽऽऽ २ ऽ गा ऽ	ऽऽ ० ऽ र, ऽक।

अंतरा.

प नि सां गम प,मप ध॒ निनि	सां सां निसां सां	नि रीं॒ सां,निसां ध॒ प	प नि गमध॒ध॒पमप गम ध॒ निसां
जित ३ दे,ऽऽ खूं तित	तूं × ही तुंऽ ही	भ २ र,ऽऽ र हो	तेऽऽऽऽऽऽ ० रिकू द रत

सां निसां,सां धु प	गमपधुपमप म ग री	री ग मग ,मप	म(म) ग री सा,स
को ऽऽको ऽ न	पाऽऽऽऽऽऽ वे ऽ ऽ	रा ऽ ऽऽ ,जानि	याऽ ऽ ऽ ज,का।

भैरव–त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

ग प म धु	प प म ग	म – धु –	– – प म
त न न त	न त न न	दे ऽ नीं ऽ	ऽ ऽ त न
धुधु पम प –	म – म म	(म) – री म	ग री ग म
देऽ ऽऽ ऽ ऽ	नीं ऽ त न	दे ऽ नीं दे	ऽ नीं दी ऽ
प म री री	री प म ग	री री री री	री – सा –
ऽ म्दी ऽ म्त	त दि या ना	रे त द रे	दा ऽ न्नी ऽ
नि सा सा सा	धु नि सा सा	सा सा रीं सां	नि धु प प
ना दिर दिर दा	नि तुं दिर दिर	दा नी ऽ त	द रे दा नि।

अंतरा.

ग म (नि)धु –	– – नि नि	सां – सां सां	सां – सां रीं
दिर् दिर् दी ऽ	ऽ ऽम् दिर् दिर्	दी ऽ म्दिर् दिर्	दी ऽ म्त दी
×	२	०	३
– सां – सां	सां सां धु नि	सां नि धु प	म ग री सा
ऽ म्दी ऽ म्त	न न ना ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ
×	२	०	३
सा रे ग म	प धु नि सां	नि रें सां नि	धु प म ग
×	२	०	३
(ग)म – (नि)धु –			
दे ऽ नीं ऽ	स्थायी प्रमाणें		
×			

भैरव– त्रिताल– (मध्यलय).

स्थायी.

नि सां नि धु	– प (ग)म ग	म (नि)धु – प	धु म प म
ओ द् न तो	ऽ म्त न न	त दा ऽ रे	ता रे दा नि
०	३	×	२
(ग)म – म री	ग म प म	(ग)म – री (ग)री	– सा सा सा
दी ऽ म्त न	न न न न	ना ऽ रे ना	ऽ रे त न
०	३	×	२

म	प		
ग म प प	ग म प ध	नि सां नि ध	प म प ध
नि ता ऽ न्न	तो ऽ म्त दि	या ना रे त	दृ रे त ना
०	३	×	२

अंतरा.

	म नि नि	नि नि	
म म प प	ग म ध ध	ध ध नि नि	सां सां सां सां
य ल ल मु	य ल ल मु	य लि य ल	ल ल ल ल
०	३	×	२
नि सां		गं	
ध ध ध नि	सां नि सां सां	रीं – सां सां	नि ध प प
य ल लि या	ऽ ल्ल ल ल	ले ऽ य ल	ल ल ल ल
०	३	×	२
		नि नि	
रीं सां – नि	धध पप गग मम	पप पप धध धध	
तक् ध्डा ऽ न्तिर्	किट तक नग धिर	किट तक तक धिर	
०	३	×	
		नि	
निनि सांसां सां सां	मं रीं सां –	सां ध नि ध	
किट तक तक् ध्डा	ऽ न्तक् धा ऽ	तक् ध्डा ऽ न्तक्	
२	०	३	
म			
प – म री	म री सा –		
धा ऽ तक् ध्डा	ऽ न्तक् धा ऽ		
×	२		

भैरव—सूलताल.—(मध्यलय).

स्थायी.

सा री	—	री	—	ग री	—	—	री	सा	—
आ ×	ऽ	ये ०	ऽ	भै २	ऽ	ऽ ३	र	व ०	ऽ
नि सा	—	नि ध	—	सा	—	नि	सा	सा	—
भो ×	ऽ	ला ०	ऽ	ना २	ऽ	ऽ ३	ऽ	थ ०	ऽ
री	—	सा	सा	म ग	मग	म	म री	—	सा
भै ×	ऽ	र ०	वि	अ २	रऽ	ऽ ३	धां	ऽ ०	गि
सा नि	सा	ग	म	नि ध	—	नि ध	ध	प	—
फों ×	ऽ	फों ०	ऽ	फों २	ऽ	क ३	र	त ०	ऽ
मग	मरी	ग	प	म	ग	म	री	—	सा
भुऽ ×	ऽऽ	ख ०	न	ना २	ऽ	ऽ ३	ऽ	ऽ ०	ग।

अंतरा.

प	—	प	—	नि ध	—	सां नि	नि	सां	सां
नौं ×	ऽ	दी ०	ऽ	की २	ऽ	अ ३	स	वा ०	रि

(नि) धु	—	—	नि	सां	रीं	(सां) नि	सां	(नि) धु	प
आ ×	ऽ	ऽ ०	नौं	ऽ २	दि	सो ३	ऽ	हे ०	ऽ
(प) ग	म	प	प	(नि) धु	—	सां	(नि) धु	—	प
ए ×	क	क ०	र	सो २	ऽ	हे ३	कैं	ऽ ०	ची
(प) धु	सां	(नि) धु	प	म	ग	म	(ग) री	—	सा
बा ×	ऽ	ह ०	न	को २	ऽ	ऽ ३	बा	ऽ ०	घ।

भैरव—झपताल. (मध्यलय).

स्थायी.

(प) नि
तूं

धु	प	म	(गम)	म	(नि) धु	धु	प	—	धु
अ ०	ब	या ३	(ऽऽ)	द	क ×	र	रे २	ऽ	ऽ
प	(मप)	म	—	ग	(ग) म	री	ग	म	प
वौं ०	(ऽऽ)	दे ३	ऽ	ऽ	अ ×	प	ने २	ऽ	अ

म	ग	म	री	सा	(सा)नि़	सा	(म)ग	म	प
ल्ला	ऽ	ऽ	ऽ	को	जो	ऽ	कुछ	छ	भ
०		३			×		२		
प	–	(प)ध	–	सां	(नि)ध	–	प	–	(प)नि
ला	ऽ	हो	ऽ	वे	ते	ऽ	री	ऽ,	तूं ।
०		३			×		२		

अंतरा.

प	(म)प	(नि)ध	–	नि	सां	सां	सां	–	सां
ला	इ	ला	ऽ	हि	इ	ल्लि	ल्ला	ऽ	म
०		३			×		२		
(सां)ध	–	नि	सां	सां	रीं	सां	(नि)ध	–	प
हूं	ऽ	म	द	र	सू	लि	ल्ला	ऽ	ऽ
०		३			×		२		
प	(म)प	म	ग	म	प	(म)प	(नि)ध	–	(ध)सां
न	वी	जी	ऽ	का	क	ल	मा	ऽ	ज
०		३			×		२		
(सां)ध	–	(नि)ध	–	सां	(नि)ध	ध	प	–	ध
बां	ऽ	प	ऽ	र	ध	र	रे	ऽ	ऽ ।
०		३			×		२		
प	मप	म	–	ग		स्थायी	प्रमाणें		
बाँ	ऽऽ	दे	ऽ	ऽ					
०		३							

भैरव—झपताल. (मध्यलय).

स्थायी.

म					नि़				
री	—	सा	री	सा	ध	—	सा	—	—
ग्या	ऽ	न	म	द	मा	ऽ	ते	ऽ	ऽ
×		२			०		३		
		म					म		
मग	मग	री	ग	प	म	ग	री	—	सा
जेऽ	ऽऽ	न	र	ऽ	नि	स	दी	ऽ	न
×		२			०		३		
सा		म			नि		ध		
नि़	सा	ग	म	म	ध	—	सां	—	सां
ति	न	को	ऽ	क	ब	ऽ	हू	ऽ	न
×		२			०		३		
नि		प							
ध	प	ग	मं	प	म	ग	म	री	सा
हो	ऽ	त	ऽ	खु	मा	ऽ	ऽ	ऽ	रि ।
×		२			०		३		

अंतरा.

प		नि			सां				
म	प	ध	—	—	नि	सां	सां	—	—
स	त	के	ऽ	ऽ	प्या	ऽ	ला	ऽ	ऽ
×		२			०		३		
नि		सां							
ध	ध	नि	सां	सां	रीं	सां	निसां	ध	प
भ	र	भ	ऽ	र	पी	ऽ	ऽऽ	ब	त
×		२			०		३		

								ग		
म	प	मग	मरी	गप	म	ग	री	–	सा
र	स	नाऽ	ऽऽ	सऽ	वा	द	ले	ऽ	त
×		२			०		३		
ग		म			नि		नि		
नि	सा	ग	म	प	ध	ध	ध	सां	सां
ध्या	ऽ	न	ध	र	जा	को	ला	ऽ	गि
×		२			०		३		
नि		प			ग				
ध	प	ग	म	प	म	ग	म	री	सा
र	ह	त	जि	य	ता	ऽ	ऽ	ऽ	रि।
×		२			०		३		

संचारी.

सा		नि	नि	नि	नि		नि		
नि	सा	ध	ध	ध	ध	–	ध	–	प
म	न	क	र	र	सा	ऽ	य	ऽ	नं
×		२			०		३		
नि		सां			सां		नि		
ध	ध	नि	सां	–	नि	सां	ध	–	प
त	न	क	रो	ऽ	भा	ऽ	टी	ऽ	ऽ
×		२			०		३		
		म			ग				
मग	मग	री	ग	प	म	ग	म	री	सा
पांऽ	ऽऽ	चो	ऽ	ऽ	आ	ऽ	ऽ	त	म
×		२			०		३		
नि	नि	सा			ग		ग		
सा	ध	नि	सा	–	री	–	री	–	सा
अ	ग	न	ऽ	ऽ	जा	ऽ	ऽ	ऽ	री।
×		२			०		३		

आभोग.

प	प	नि ध	—	ध	सां नि	सां	सां	—	सां
ह ×	र	दा २	ऽ	स	डा ०	ऽ	गु ३	ऽ	र
सां रीं	—	मं गं	मंगं	पं मं	मं रीं	—	मं रीं	—	सां
के ×	ऽ	प्र २	भूऽ	ऽ	ध्या ०	ऽ	ऽ ३	ऽ	न
सां ध	ध	ध रीं	सां	—	सां नि	सां	नि ध	—	प
ध ×	र	त २	ही	ऽ	मा ०	ऽ	नो ३	ऽ	ऽ
मग	मग	म री	ग	प	म	ग	म	री	सा
खाऽ ×	ऽऽ	त २	बुं	द	डा ०	ऽ	ऽ ३	ऽ	रि ।

भैरव.—झपताल. (मध्यलय).

स्थायी.

सां रीं	—	रीं	सां	—	सां नि	सां	सां	नि ध	प
मौ ×	ऽ	न २	दी	ऽ	मौ ०	ऽ	न ३	दी	ऽ
प ग	म	प री	ग	प	मग	म	री	सा	सा
ज ×	प	त २	हूं	ऽ	रैऽ ०	ऽ	न ३	दि	न

नि़	ऩि				ग				
सा	ध॒	—	नि़	सा	री॒	—	री॒	सा	सा
ब	ढे	ऽ	तु	म	पी	ऽ	र	ज	ग
×		२			०		३		
म			म						
ग	म	री॒	ग	प	म	ग	म	री॒	सा
द्री	ऽ	न	ख्वा	ऽ	जा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ।
×		२			०		३		

अंतरा.

म			नि		सां				
प	—	प	ध॒	—	नि	सां	—	सां	—
ना	ऽ	म	के	ऽ	लि	ये	ऽ	सैं	ऽ
×		२			०		३		
नि			सां		गं			नि	
ध॒	ध॒	ध॒	नि	सां	रीं॒	रीं॒	सां	ध॒	प
त	प	त	स	ब	क	ट	त	है	ऽ
×		२			०		३		
प		ध			नि		ध		
ध॒	ध॒	रीं॒	सां	सां	ध॒	—	नि॒	ध॒	प
क	ट	त	ढु	ख	फौं	ऽ	द	युं	हि
×		२			०		३		
प			मं						
ग	म	री॒	ग	प	म	ग	म	री॒	सा
रा	ऽ	ब	रा	ऽ	जा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ।
×		२			०		३		

भैरव—झपताल. (मध्यलय).

स्थायी.

(प) ध	—	ध	ध	ध	(नि) ध	—	प	(मं) प	(मं) प
आ	ऽ	ज	नं	ऽ	ला	ऽ	ल	स	खि
×		२			०		३		
(प) ग	म	री	(म) ग	म	(ग) री	री	(ग) री	सा	—
प्रे	ऽ	म	मा	ऽ	ध	क	पि	ये	ऽ
×		२			०		३		
(नि़) ध़	—	ध़	नि़	सा	(ग) री	—	री	सा	—
सौं	ऽ	ग	ल	ल	ना	ऽ	लि	ये	ऽ
×		२			०		३		
(प) ग	म	री	(म) ग	म	(म) री	—	(ग) री	री	सा
ती	ऽ	र	ज	मु	ना	ऽ	ब	र	न।
×		२			०		३		

अंतरा.

प	—	(म) प	(नि) ध	—	नि	नि	सां	सां	सां
फू	ऽ	लि	के	ऽ	स	र	क	म	ल
×		२			०		३		
(नि) ध	—	ध	(सां) नि	सां	(सां) रीं	सां	सां	(नि) ध	प
मा	ऽ	ल	ती	ऽ	स	घ	न	ब	न
×		२			०		३		

ग (ग्)	—	म	प	ध॒	सां (ध॒)	—	सां	ध॒ (नि)	प
मौं ×	ऽ	दू २	सो	ऽ	गौं ०	ऽ	ध ३	सी	ऽ
ग (प)	म	नि॒ (म)	ध॒	प	ग (प)	म	री॒ (म)	री॒	सा
त ×	ल	स २	मी	ऽ	रे ०	ऽ	व ३	र	न।

भैरव—सूल्ताल. (मध्यलय).

स्थायी.

नि (सां)	—	सां	—	नि (सां)	सां	ध॒ (नि)	—	प	प (म)
सा ×	ऽ	धो ०	ऽ	त्रि २	ऽ	द्या ३	ऽ	ध ०	र
ग (प)	(मग)	री॒ (ग)	ग	म	प	ग (प)	(मग)	री॒	—
गु ×	(नऽ)	नि ०	धा	ऽ २	न	गु ३	(नऽ)	दा ०	ऽ
सा	—	नि़ (सा)	नि़	सा	सा	री॒ (ग)	—	सा	—
ता ×	ऽ	स ०	र	स २	ति	मा ३	ऽ	ता ०	ऽ
ग (प)	म	ध॒ (नि)	—	सां	ध॒ (नि)	—	ध॒ (नि)	—	प
को ×	ऽ	आ ०	ऽ	ऽ २	दे	ऽ ३	ऽ	ऽ ०	स।

अंतरा.

(प)म	प	—	(म)प	(नि)ध	—	नि	नि	सां	सां
न	मो	ऽ	न	मो	ऽ	रि	ध	सि	ध
×		०		२		३		०	
(नि)ध	—	—	(सां)नि	सां	(गं)रीं	—	सां	(नि)ध	प
के	ऽ	ऽ	स्वा	ऽ	मी	ऽ	स	क	ल
×		०		२		३		०	
(प)ध	सां	(नि)ध	प	प	मग	म	(ग)री	—	सा
बि	ऽ	द्या	ऽ	प	रऽ	ऽ	वे	ऽ	स।
×		०		२		३		०	

संचारी.

(नि)सा	(नि)ध	(नि)ध	(नि)ध	(नि)ध	—	—	(नि)ध	—	प
जो	ऽ	इ	न	को	ऽ	ऽ	ध्या	ऽ	वे
×		०		२		३		०	
(ध)प	ध	नि	सां	सां	रीं	सां	(नि)ध	—	प
म	न	इं	ऽ	छा	फ	ल	पा	ऽ	वे
×		०		२		३		०	
(प)ग	म	री	ग	म	प	मग	(ग)री	—	सा
दु	ऽ	र	हो	ऽ	त	नऽ	के	ऽ	स।
×		०		२		३		०	

आभोग.

प —	प (नि)धु	— नि	सां —	सां सां
ता ऽ	न से	ऽ न	कें ऽ	प्र भु
×	०	२	३	०
(नि)धु धु	— नि	सां सां	रीं सां	(नि)धु प
तु म	ऽ ही	ऽ को	ध्या ऽ	वे ऽ
×	०	२	३	०
(प)धु सां	(नि)धु प	म ग	म री	(ग)री सा
ब्र ऽ	ह्मा ऽ	वि ऽ	ष्णु म	हे स ।
×	०	२	३	०

भैरव—ब्रह्मताल. (मध्यलय).

स्थायी.

(नि)धु —	प पधु	प म	प —	म ग
खे ऽ	ल नऽ	ला ऽ	ऽ ऽ	गे ऽ
×	०	२	३	०
(म)ग म	प —	पधु मप	म ग	
हु र	जू ऽ	होऽ ऽऽ	री ऽ	
४	५	६	०	
(ग)म मग	म री	(म)प म	ग (म)री	— सा
बि जऽ	की ऽ	ड ग	रि या	ऽ में ।
७	८	९	१०	०

अंतरा.

		नि		सां					
प	प	ध	ध	नि	—	सां	—	सां	—
छि	र	क	त	रीं	ऽ	ऽ	ऽ	ग	ऽ
×		०		२		३		०	
नि		सां				नि			
ध	ध	नि	सां	रीं	सां	ध	प		
ब्रि	ज	जु	व	ति	न	पें	ऽ		
४		५		६		०			
प	ध	नि		म			म		
ध	सां	ध	प	प	म	ग	री	—	सा
ब	ग	र	ऽ	ब	ग	ऽ	र	ऽ	में।
७		८		९		१०		०	

भैरव— चौताल. (विलंबित).

स्थायी.

	ग					नि			नि		
	म	ग	म	प	—	ध	ध	ध	ध	—	प
ऽ	बे	ऽ	ऽ	स्नू	ऽ	च	र	न	ज	ऽ	ल
०		३		४		×		०		२	
	ग					म					म
	म	ग	मरी	गम	प	प	म	ग	म	री	री
ऽ	ब	ऽ	(ऽऽ)	(ह्वाऽ)	के	कु	मौं	ऽ	ऽ	ऽ	ड
०		३		४		×		०		२	
	सा		ग			नि			सा		
सा	नि	सा	री	सा	—	ध	—	—	नि	सा	सा
ल	शि	व	ज	टा	ऽ	रा	ऽ	ऽ	ज	ऽ	त
०		३		४		×		०		२	

मग	(म)री —	(म)ग प	(प)म —	ग म	री —
ऽ (देऽ)	ऽ ऽ	वी ऽ	गौं ऽ	ऽ ऽ	ऽ ऽ
०	३	४	×	०	२
सा (ग)म					
गे, बे					
०					

अंतरा.

प	— (नि)ध	— नि	सां —	नि सां	सां —
ऽ भा	ऽ गी	ऽ ऽ	र ऽ	ऽ ऽ	थी ऽ
×	०	२	०	३	४
(सां)रीं रीं	सां (गं)रीं	सां —	(सां)नि —	सां (नि)ध	— प
स क	ल ज	ग ऽ	ता ऽ	ऽ र	ऽ नी
×	०	२	०	३	४
(म)प मग	म प	— प	(ध)सां (नि)ध	— (नि)ध	— प
भू (मीऽ)	ऽ भा	ऽ र	ऊ ता	ऽ र	ऽ नि
×	०	२	०	४	४
(म)प मग	मरी री	(म)ग प	(ग)म —	ग (म)री	— सा
अ (नऽ)	(ऽऽ) घ	न ऽ	बे ऽ	ऽ ऽ	ऽ लि
×	०	२	०	३	४

सा	सा		ग	ग		सा		ग			
नि़	नि़	सा	री	री	सा	री	ग	री	ग	म	प
क	टा	ऽ	च्छ	न	के	ता	ऽ	ऽ	र	न	के
×		०		२		०		३		४	

म				म			ग
प	म	ग	मग	री	–	सा	म
त	रीं	ऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	गे,	बे
×		०		२		०	

संचारी.

ग	म								नि		
म	ग	म	प	–	प	ध	ध	ध	ध	प	प
ह	र	ऽ	द्रा	ऽ	र	प्र	या	ग	सा	ग	र
×		०		२		०		३		४	

नि						सां			नि		
ध	–	–	नि	सां	–	रीं	सां	–	ध	–	प
बे	ऽ	ऽ	नी	ऽ	ऽ	ति	री	ऽ	बे	ऽ	नी
×		०		२		०		३		४	

म				म		म			म		
प	म	ग	मरी	ग	प	प	म	ग	री	–	सा
स	र	ऽ	सऽ	ती	ऽ	बि	द्या	ऽ	दा	ऽ	नी
×		०		२		०		३		४	

नि़	नि़		सा			सा			म		
सा	ध़	ध़	नि़	सा	सा	म	–	ग	री	–	सा
क	र	त	दु	ऽ	ख	भौं	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	गे।
×		०		२		०		३		४	

आभोग.

			नि						सां		
प	—	प	धु	—	नि	सां	—	—	नि	सां	सां
ता	ऽ	न	से	ऽ	न	के	ऽ	ऽ	प्र	ऽ	भू
×		०		२		०		३		४	
नि			सां							नि	
धु	—	धु	नि	सां	सां	रीं	—	सां	निसां	धु	प
रो	ऽ	ग	दो	ऽ	ख	द	ऽ	र	कऽ	रो	ऽ
×		०		२		०		३		४	
ग			म	नि							
म	गम	प	प	धु	—	नि	नि	सां	नि	सां	सां
पा	ऽऽ	प	ह	रो	ऽ	नि	र	म	ल	क	रो
×		०		०		०		३		४	
म			ग				ग				
प	म	ग	म	री	—	सा	म				
य	ही	ऽ	औं	ऽ	ऽ	गे,	वे				
×		०		३		०					

भैरव— चौताल. (विलंबित).

स्थायी.

	ग								नि		
	म	ग	म	प	धु	नि	धु	—	धु	—	प
ऽ	शा	ऽ	र	दा	ऽ	स	र	ऽ	स	ऽ	ती
०		३		४		×		०		२	
		म		म		म			ग		
मग	मग	री	री	ग	म	प	म	ग	म	री	सा
सऽ	ऽऽ	बीं	क	ला	ऽ	स	मा	ऽ	रा	ऽ	स
०		३		४		×		०		२	

(सा)नि̣	सा	–	(ग)री॒	–	सा	(सा)नि̣	सा	ध॒̣	नि̣	सा	सा
स०	ऽ	ऽ३	बाँ	ऽ४	नि	स×	ऽ	ऽ०	गैं	ऽ२	स
मग	मग	म	री॒	(म)ग	प	(ग)म	–	ग	म	री॒	सा
(रीऽ)०	(ऽऽ)	ऽ३	त्र	धी४	ऽ	रू×	ऽ	प०	ध	र२	नि।

अंतरा.

प	प	प	(नि)ध॒	ध॒	ध॒	(सां)नि	सां	नि	सां	सां	सां
ख×	ल	नि०	द	ल२	नि	कौं०	ऽ	द३	क	र४	नि
नि	ध॒	ध॒	नि	सां	सां	(सां)रीं॒	–	सां	निसां	(नि)ध॒	प
बि×	र	द०	बे	ऽ२	द	पा०	ऽ	ल३	(कऽ)	र४	नि
प	पध	नि	सां	सां	सां	(नि)ध॒	–	(ध)नि॒	ध॒	(नि)ध॒	प
दी×	(ऽऽ)	न०	न	सु२	ख	दा०	ऽ	नि३	स	र४	नि
(ग)म	म	(म)री॒	री॒	मग	प	म	ग	म	री॒	(ग)री॒	सा
अ×	सु	र०	न	(नेऽ)२	ऽ	स्ता०	ऽ	र३	क	र४	नि
(ग)म	री॒	सा	(सा)म	ग	म	प	–	(प)ध॒	(ध)रीं॒	सां	–
ह×	र	नि०	भू	ऽ२	मि	भा०	ऽ	र३	म	हा४	ऽ

नि		नि	ध		
ध	—	ध	नि	ध	प
मो	ऽ	ह	ह	र	नि
×		०		२	

संचारी.

ग						प			ध		
म	म	गम	प	प	प	ध	ध	—	नि	ध	प
प	ति	तऽ	पा	व	नि	नि	रा	ऽ	क	र	नि
×		०		२		०		३		४	
						नि			ध		
प	पध	नि	सां	रीं	सां	ध	—	ध	नि	ध	प
आ	ऽऽ	छु	त	ग	त	दे	ऽ	व	त	र	नि
×		०		२		०		३		४	
म		ग	म								
ग	म	री	ग	म	प	म	—	ग	म	री	सा
प	र	म	रू	ऽ	प	धा	ऽ	ऽ	र	ऽ	नि
×		०		२		०		३		४	
नि			सा						नि		
सा	—	सा	म	ग	म	प	ऽ	—	ध	—	प
वि	ऽ	श्व	भा	ऽ	र	हा	ऽ	ऽ	र	ऽ	नि।
×		०		२		०		३		४	

आभोग.

		नि									
प	—	ध	—	नि	नि	सां	सां	नि	सां	सां	सां
चिं	ऽ	ता	ऽ	म	नि	आ	नं	द	क	र	नि
×		०		२		०		३		४	

(नि)ध —	ध नि	सां सां	रीं —	सां निसां	(नि)ध प
ने S	क ज	न म	दू S	ख (दS)	ल नि
×	०	२	०	३	४
प पध	नि सां	रीं सां	(नि)ध —	(ध)नि ध	प प
क (रS)	नि सु	ख बि	ला S	स स	क ल
×	०	२	०	३	४
(ग)म ग	(ग)म नि	ध प	(ग)म ग	(मग) (म)री	— सा
आ S	नौं S	द की	खा S	नी दा	S नि
×	०	२	०	३	४
(सा)नि सा	(म)ग म	प —	(नि)ध —	ध नि	सां सां
ला S	य क	ने S	स्ता S	र सू	S ख
×	०	२	०	३	४
(नि)ध —	(ध)नि ध	(नि)ध प	(मप) (ग)म		
सिं S	धु त	र नि	(SS), शा		
×	०	२	०		

भैरव.— चौताल. (विलंबित).

स्थायी.

				सा	(नि)सा म
				S स	घ न
ग म	प —	(नि)ध —	— प	ध म	प म
S व	न S	छा S	S यो	S स	घ न
३	४	×	०	२	०

ग	म	प	—	(नि)ध	—	—	प	—	—	(म)प	मग
ऽ	व	न	ऽ	छा	ऽ	ऽ	यो	ऽ	ऽ	ग्रु	मऽ
३		४		×		०		२		०	
(म)री	ग	म	प	(प)मप	म	ग	म	री	सा	(सा)नि	सा
ऽ	वे	ली	ऽ	माऽ	धो	ऽ	भ	व	न	अ	त
३		४		×		०		२		०	
सा	(ग)री	—	सा	(नि)सा	(नि)ध	नि	सा	री	सा	(प)ग	म
प्र	का	ऽ	स	ब	र	न	व	र	न	पू	ऽ
३		४		×		०		२		०	
री	ग	म	प	म	—	ग	म	री	—	सा	(नि)सा
रूप	रीं	ऽ	ग	ला	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	यो,	स।
३		४		×		०		२		०	
सा	म	गम	प								
घ	न	ऽव	न								
३		४									

अंतरा.

प	—	प	(नि)ध	—	नि	सां	सां	—	(सां)नि	सां	सां
को	ऽ	कि	ला	ऽ	खं	ज	न	ऽ	की	ऽ	र
×		०		२		०		३		४	
(नि)सां	(नि)ध	ध	नि	सां	सां	रीं	रीं	सां	(नि)ध	—	प
क	पो	त	अ	ऽ	त	आ	नं	द	का	ऽ	रि
×		०		२		०		३		४	

(नि)धु	पं	मप	मं	ग	म	प	प	—	(नि)धु	नि	सां
चं ×	हूं	(SS)०	ओ	S २	र	झ ०	र	S ३	ब	र ४	S
री	सां	नि	सां	—	(नि)धु	नि	ध	प	(मग)	—म	प
सा ×	S	S ०	S	S २	यो	S ०	स	ध ३	नS	(Sब)४	न
(नि)धु	—	—	प								
छा ×	S	S ०	यो								

संचारी.

म	म	गम	प	—	प	(नि)धु	—	ध	(नि)धु	—	प
स ×	त	(SS)०	सू	S २	र	ती ०	S	न ३	ग्रा	S ४	म
प	प	—	(नि)धु	—	धु	(ध)सां	—	सां	(नि)धु	—	प
ए ×	क	S ०	ई	S २	स	मू ०	S	र ३	छा	S ४	न
(म)ग	म	ग	(म)री	ग	प	म	—	ग	(म)री	—	सा
ओ ×	S	क्त ०	जो	S २	क्त	ला ०	S	ग ३	डां	S ४	ट
(ग)म	ग	म	प	प	—	(नि)धु	—	—	(नि)धु	—	प
क ×	र	S ०	दि	ख २	S	ला ०	S	S ३	S	S ४	यो।

आभोग.

प	प	—	(म) प	(नि) ध	—	(सां) नि	सां	नि	सां	—	सां
क	हे	ऽ	मि	यां	ऽ	ता	ऽ	न	से	ऽ	न
×		०		२		०		३		४	
(नि) सां	(नि) ध	—	नि	सां	—	रीं	सां	(निसां)	(नि) ध	—	प
सु	नो	ऽ	शा	हा	ऽ	अ	क	(ऽऽ)	ब	ऽ	र
×		०		२		०		३		४	
(म) प	नि	ध	प	ग	म	प	—	(नि) ध	नि	सां	—
प्र	थ	म	रा	ऽ	ग	भै	ऽ	ऽ	र	व	ऽ
×		०		२		०		३		४	
रीं	—	सां	नि	सां	(नि) ध	प	(म) प	प	(मग)	(—म)	प
गा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	यो	ऽ	स	घ	(नऽ)	(ऽब)	न
×		०		२		०		३		४	
(नि) ध	—	—	प								
छा	ऽ	ऽ	यो								
×		०									

भैरव.—चौताल. (विलंबित).

स्थायी.

(ग) म
बा

री	(ग) री	—	सा	(नि) ध	—	ध	(सा) नि	सा	सा	—	री
ऽ	द	ऽ	र	झू	ऽ	म	झू	ऽ	म	ऽ	आ
३		४		×		०		२		०	

— ^म^री	— सा	सा ^नि^धु	नि सा	री सा	— रीं
ऽ(३) ऽ	ऽ(४) ये	व(×) र	न(०) व	र(२) न	ऽ(०) व
ग री	ग प	म —	ग म	री —	सा ^ग^म
र(३) स	त(४) ऽ	प्या(×) ऽ	ऽ(०) ऽ	ऽ(२) ऽ	रे(०), वा।

अंतरा.

^म^म ^नि^ध	— नि	सां —	सां सां	— नि	सां सां
सु(×) नि	ऽ(०) सु	नी(२) ऽ	घ(०) न	ऽ(३) घो	ऽ(४) र
^नि^ध —	— नि	सां सां	रीं —	सां ^नि^ध	— प
चा(×) ऽ	ऽ(०) त्र	क(२) च	को(०) ऽ	र(३) मो	ऽ(४) र
^म^प ग	म प	— ^म^प	^प^ध ध	सां ध	— प
बो(×) ऽ	ऽ(०) ल	ऽ(२) त	सो(०) हा	ये(३) नौं	ऽ(४) द
^म^प म	— ग	म री	सा ^ग^म		
दू(×) ला	ऽ(०) ऽ	ऽ(२) ऽ	रे(०), बा		

संचारी.

			नि	नि	नि	नि			नि		
सा	सा	—	ध	ध	ध	ध	—	ध	ध	—	प
तै	से	ऽ	ही	ब	न	कुं	ऽ	ज	कें	ऽ	ली
×		०		२		०		३		४	
				नि					नि		
प	प	प	प	ध	ध	सां	—	सां	ध	—	प
बि	ह	र	त	भु	ज	कौं	ऽ	ठ	मे	ऽ	ली
×		०		२		०		३		४	
म						म			म		
ग	मग	मरी	ग	म	प	प	म	ग	री	—	सा
अ	नुऽ	ऽऽ	रा	ऽ	गे	दो	ऊ	ऽ	रू	ऽ	प
×		०		२		०		३		४	
	सा					ग			ग		
	नि	ध	नि	सा	—	री	—	—	री	—	सा
ऽ	रू	ऽ	प	ऽ	ऽ	[illegible]	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	रे।
×		०		२		०		३		४	

आभोग.

	म		नि								
प	प	—	ध	—	नि	सां	सां	—	नि	सां	सां
स	खी	ऽ	ज	ऽ	न	ब	ल	ऽ	हा	ऽ	रि
×		०		२		०		३		४	
नि									नि		
ध	—	ध	नि	सां	सां	रीं	सां	सां	ध	—	प
ले	ऽ	त	रू	ऽ	न	नै	न	नि	हा	ऽ	रि
×		०		२		०		३		४	

प ग	म प	– धु	सां नि	सां सां	धु प
सो ऽ	हे सू	ऽ हे	ह स	न ब	स न
×	०	२	०	३	४
^म^प म	ग ^म^री	– सा	– ^ग^री		
में न	ऽ बा	ऽ रे	ऽ, बा		
×	०	२	०		

भैरव.– चौताल. (विलंबित).

स्थायी.

^ग^म
ये

गम प	प –	^नि^धु –	प पम	प म	ग ^ग^म
ऽऽ ग	न ऽ	ना ऽ	ऽ यऽ	ऽ क	ऽ स
३	४	×	०	२	०
^ग^री ग	म प	म –	ग म	री ^ग^री	सा –
ब सु	ख ऽ	दा ऽ	ऽ ऽ	ऽ य	क ऽ
३	४	×	०	२	०
^सा^नि सा	^ग^री सा	^सा^नि सा	धु ^सा^नि	सा सा	^ग^म –
मो ऽ	प र	की ऽ	ऽ जे	ऽ क्रि	पा ऽ
३	४	×	०	२	०

री ग	म प	प म	ग म	री –	सा म
ऽ दी	ऽ जे	बु ध	ऽ बा	ऽ ऽ	नि, ये।
३	४	×	०	२	०

अंतरा.

प	– ध	– नि	सां सां	– नि	सां सां
ऽ लं	ऽ बो	ऽ द	र आ	ऽ नौं	ऽ द
×	०	२	०	३	४
ध ध	ध नि	सां सां	रीं –	सां निसां	ध प
क र	न स	क ल	बे ऽ	घ्र हऽ	र न
×	०	२	०	३	४
ध –	नि ध	– प	प –	– ध	– प
मो ऽ	ऽ द	ऽ ब	ढा ऽ	ऽ व	ऽ त
×	०	२	०	३	४
प मप	– ध	– ध	सां सां	– ध	– प
मौं ऽऽ	ऽ ग	ऽ ल	म हा	ऽ मौं	ऽ त
×	०	२	०	३	४
प म	ग म	री –	सा म		
ग त	ऽ दी	ऽ ऽ	नि, ये		
×	०	२	०		

संचारी.

(प)म	प	गम	प	—	प	(नि)ध॒	—	ध॒	(नि)ध॒	—	प
इ	त	ऽऽ	नो	ऽ	प्र	सा	ऽ	द	पा	ऽ	ॐ
×		०		२		०		३		४	
(प)ध॒	ध॒	—	(सां)नि	सां	—	(ध)रीं॒	सां	—	(नि)ध॒	—	प
स	दा	ऽ	ह	र	ऽ	गु	न	ऽ	गा	ऽ	ॐ
×		०		२		०		३		४	
(ग)म	मग	म	री॒	(म)गम	प	(ग)म	म	ग	म	री॒	सा
सु	धऽ	बु	ध	हिऽ	त	चि	त	ऽ	छां	ऽ	ड
×		०		२		०		३		४	
री॒	सा	—	म	—	म	प	—	प	(नि)ध॒	—	प
त	न	ऽ	म	ऽ	न	औं	ऽ	र	ध्या	ऽ	ॐ ॥
×		०		२		०		३		४	

आभोग.

प	—	प	(नि)ध॒	—	ध॒	(सां)नि	सां	—	सां	—	सां
प्रे	ऽ	म	दा	ऽ	स	ते	हा	ऽ	रो	ऽ	हि
×		०		२		०		३		४	
(नि)ध॒	—	ध॒	(सां)नि	सां	सां	रीं॒	सां	(सां)नि	सां	(नि)ध॒	प
ध्या	ऽ	न	ध	र	त	नि	स	दि	न	उ	र
×		०		२		०		३		४	

प	म	गम प		—	प	प	नि ध	—	सां नि	सां	सां
तु×	म	ऽऽ०	तो	ऽ२	पु	र०	न	ऽ३	ज	ग४	त
म प	म	ग	म	री	—	सा	ग म				
गु×	र	ऽ०	ग्या	ऽ२	ऽ	नि,०	ये				

भैरव—चौताल (विलंबित

स्थायी.

	ग म	ग	म	प	—	नि ध	—	—	प	मप	म प
ऽ०	गौं	ऽ३	ऽ	गा४	ऽ	ध×	ऽ	ऽ०	र	ऽऽ२	त्रि
म	ग	म री	म ग	म	प	ग म	—	ग	म	री	सा
न०	य	न३	सू	ऽ४	ल	पा×	ऽ	ऽ०	ऽ	ऽ२	नि
सा नि	सा	सा	ग री	—	सा	सा ध	—	नि	सा	—	सा
भ०	ऽ	स्म३	औं	ऽ४	ग	नी×	ऽ	ल०	कौं	ऽ२	ठ
	ग म	ग	म	प	—	म प	म	ग	म	री	सा
ऽ०	गौ	ऽ३	ऽ	री४	ऽ	अ×	र	ऽ०	धौं	ऽ२	ग।

अंतरा.

प			नि			सां					
प	प	प	ध॒	—	ध॒	नि	सां	—	सां	—	सां
क	र	त्रि	सू	ऽ	ल	गं	रे	ऽ	मुं	ऽ	ड
×		०		२		०		३		४	

नि						सां					
सां	सांनि	रीं	—	सां	—	नि	सां	—	ध॒	—	प
मा	ऽऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ल
×		०		२		०		३		४	

प			नि			म			म		
म	—	प	ध॒	—	प	प	म	ग	री॒	—	सा
भा	ऽ	ल	चौं	ऽ	द्र	मृ	त्युं	ऽ	ज	ऽ	य
×		०		२		०		३		४	

सा			प			नि			सां		
नि॒	सा	—	ग	म	प	ध॒	—	—	नि	सां	सां
भूं	ऽ	ऽ	गी	ऽ	सो	हे	ऽ	ऽ	भू	ऽ	त
×		०		२		०		३		४	

नि					नि		
सां	रीं	सां	नि	सां	ध॒	प	म
सों	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ग	ऽ,	गौं
×		०		२		०	

भैरव.— चौताल. (विलंबित).

स्थायी.

नि॒
सा
स

ग				नि			नि				म
म	गम	प	प	ध॒	—	—	ध॒	—	प	—	प
ब	ऽऽ	मि	ल	गा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	बो	ऽ	ब
३		४		×		०		२		०	

मग	मरी	(मं)ग	प	(मं)प	म	ग	(ग)म	री	–	सा	(सा)नि
जाऽ	ऽऽ	वो	ऽ	मि	र	ऽ	दौं	ऽ	ऽ	ग	आ
३		४		×		०		२		०	

सा	(ग)री	–	री	(ग)री	–	–	सा	–	निसा	(म)ग	म
ऽ	ज	ऽ	ह	मा	ऽ	ऽ	रे	ऽ	ऽऽ	ला	ऽ
३		४		×		०		२		०	

(म)री	ग	(मं)गम	प	(म)प	मं	ग	(म)री	–	सा	–	(नि)सा
ल	न	जुऽ	की	ब	र	स	गां	ऽ	ठ	ऽ,	स।
३		४		×		०		२		०	

अंतरा.

प	प	प	(नि)ध	–	नि	सां	सां	–	(सां)नि	सां	सां
क	न	क	था	ऽ	र	भ	र	ऽ	भ	ऽ	र
×		०		२		०		३		४	

(नि)ध	–	–	नि	सां	–	(नि)रीं	सां	निसां	(नि)ध	–	प
मू	ऽ	ऽ	क्ता	ऽ	ऽ	फ	ल	ऽऽ	क	ऽ	र
×		०		२		०		३		४	

(म)प	म	गम	प	–	मप	(नि)ध	–	सां	(नि)ध	–	प
क	रि	ऽऽ	न्यो	ऽ	ऽऽ	छा	ऽ	ऽ	व	ऽ	र
×		०		२		०		३		४	

(म)प	म	ग	(म)री	–	सा	–	(नि)सा
पा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	यो	ऽ,	स
×		०		२		०	

संचारी.

ऩि	नि	नि	नि नि	नि	नि
सा सा	— ध॒	ध॒ —	ध॒ ध॒	— ध॒	ध॒ प
न व	ऽ न	व ऽ	प ल्ल	ऽ व	न की
×	०	२	०	३	४
			नि	नि	
प —	ध॒ नि	सां —	सां —	(निसां) ध॒	— प
मा ऽ	ऽ ला	ऽ ऽ	द्वा ऽ	(ऽऽ) र	ऽ न
×	०	२	०	३	४
प			म		
ग (मग)	(मरी॒) ग	म प	प म	ग म	री॒ सा
द्वा (ऽऽ)	(ऽऽ) र	ऽ न	बं धा	ऽ ऽ	ऽ यो।
×	०	२	०	३	४

आभोग.

म	नि			सां	
प —	— ध॒	— नि	सां —	— नि	सां सां
बाँ ऽ	ऽ सी	ऽ ध	र ऽ	ऽ प्र	ऽ भु
×	०	२	०	३	४
नि	सां			सां	नि
ध॒ —	— नि	सां —	री॒ं सां	नि सां	ध॒ प
को ऽ	ऽ ज	स ऽ	सु नि	य त	है ऽ
×	०	२	०	३	४
ग			ध॒	सां	
म ग	म प	— ध॒	सां —	ध॒ (ध॒नि)	ध॒ प
स ब	ऽ ही	ऽ को	ला ऽ	ग (तऽ)	है ऽ
×	०	२	०	३	४
म			ऩि		
प म	ग म	री॒ —	सा सा		
सु हा	ऽ ऽ	ऽ ऽ	यो, स		
×	०	२	०		

भैरव.—धमार—(विलंबित).

स्थायी.

			ग
			ऱी — सा
			ला ऽ ल
			०
ऩि			ग
ऩि सा धॖ —	सा — — म —	म ग	म प —
अ ल सा ऽ	ने ऽ ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ	मो ऽ ऽ
३	×	२	०
	म		ग
म ग म —	ऱी — — सा —	ऩि सा	ऱी — सा
रे ऽ ही ऽ	आ ऽ ऽ ये ऽ	ऽ ऽ	ला ऽ ल।
३	×	२	०
सा ऩि			
नि सा धॖ —			
अ ल सां ऽ			
३			

अंतरा.

नि			सां
प — — ध॒ —	— नि	सां सां —	नि सां सां सां
को ऽ ऽ न ऽ	ऽ बा	ऽ म ऽ	हि त चि त
×	२	०	३
नि			नि
ध॒ ध॒ — नि —	सां —	ऱीं सां —	नि सां ध॒ प
सों ऽ ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ	चा ऽ ऽ	ऽ ऽ ये ऽ
×	२	०	३

म प	नि ध॒	—	सां नि	—	सां	—	नि ध॒	—	—	प	—	गम	प
स ×	ग	ऽ	री	ऽ	ऽ २	ऽ	रै ०	ऽ	ऽ	न ३	ऽ	ऽऽ	ज
ग म	—	ग	म	री॒	—	सा	ग री॒	—	—	सा नि॒	सा	नि॒ ध॒	—
गा ×	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ २	ये	ला ०	ऽ	ल	अ ३	ल	सां	ऽ।

भैरव.— धमार. (विलंबित).

स्थायी.

ग री॒	—	सा
आ ०	ऽ	ज

सा	सा ध॒	सा	—	म	—	—	ग म	गम	नि॒ ध॒	—	प	म	प
र ३	स	मा	ऽ	ते ×	ऽ	ऽ	हो	ऽऽ	री २	ऽ	खे ०	ऽ	ऽ
म	—	ग	म	म	री॒	—	ग री॒	—	सा	—	री॒	—	सा
ले ३	ऽ	ऽ	ऽ	ला ×	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ल २	ऽ	आ ०	ऽ	ज।

अंतरा.

प – मप ध – (नि)	ऽ नि (सां)	सां – –	नि सां सां सां (सां)
ता ऽ ऽऽ री ऽ	ऽ दै	दै ऽ ऽ	ना ऽ च त
×	२	०	३
ध – – नि सां (नि)	सां सां	रीं – सां	नि सां ध प (नि)
गा ऽ ऽ व त	सं ग	ग्वा ऽ ऽ	ऽ ल बि जं
×	२	०	३
सां ध प ग मग	री सा (म)	री – सा (ग)	
बा ऽ ऽ ऽ ऽऽ	ऽ ल	आ ऽ ज	
×	२	०	

राग पूर्वी.

पूर्वी रागः सकलविदितः कोमलाभ्यां रिधाभ्यां ।
मध्यस्तीव्रो मृदुरपि सदैवात्र तीव्रौ गनी स्तः ॥
गो वाद्यत्र प्रविलसति तत्साहचर्ये निषादः ।
संपूर्णोऽसौ सरसविबुधैः सायमेव प्रगीतः ॥

कल्पद्रुमांकुरे ।

मृदू रिधौ मध्यमौ द्वौ वादिसंवादिनौ गनी ।
पूर्वीरागः सायमुक्तः पूर्णारोहावरोहणः ॥

चन्द्रिकायाम् ।

कोमल रिध तीवर गनी दोऊ मध्यम लाग ।
गनिवादी संबादितें बनत पूरवी राग ॥

चंद्रिकासार ।

निसौ रिगौ मगौ मपौ धपौ मगौ मगौ रिसौ ।
संपूर्णा पूर्विका सायं गांशा मद्वयभूषिता ॥

अभिनवरागमंजर्याम् ।

हा राग पूर्वीथाटांतून निघतो. त्यांत रि व ध स्वर कोमल, दोन्ही मध्यम व बाकीचे स्वर शुद्ध आहेत. हा राग संपूर्ण आहे. ह्यांत वादी गांधार व संवादी निषाद आहे. या रागाचा गान समय दिवसाचा शेवटचा प्रहर मानितात. ह्या रागाचें वैचित्र्य सा, ग, प व नि ह्या स्वरांवर दृष्टीस पडतें. ह्या रागाची प्रकृति गंभीर आहे. उत्तरेकडे या रागांत तीव्र धैवताचा प्रयोग केलेलाहि दृष्टीस पडतो. कोणी तर तेथें दोन्ही धैवत घेतात.

आरोहावरोहस्वरूप.

सा, रे॒ग, मंप, ध॒, निसां । सांनिध॒प, मं, ग, रे॒सा ।

पकड.

नि़, सारे॒ग, मग, रे॒ग, रे॒सा ।

पूर्वी– झपताल. (मध्यलय).

स्थायी.

नि़ रे	ग ग मं	ग रे	ग रे सा
×	२	०	३
नि़ नि़	सा रे ग	रे ग	म ग ग
×	२	०	३
मं ग	मं ध मं	रे नि	ध नि ध
×	२	०	३
प मं	ग मं ध	मं ग	ग रे सा।
×	२	०	३

अंतरा.

मं ग	मं ध मं	सां ऽ	नि रें सां
×	२	०	३
नि रें	गं रें सां	नि रें	नि ध प
×	२	०	३
मं ध	नि ध रें	नि ध	नि ध प
×	२	०	३
सां नि	ध प मं	ग रे	ग रे सा।
×	२	०	३

पूर्वी— एकताल. (मध्यलय).

स्थायी.

(ध)मं ग	री सा	नि नि	मंगी ग	(मं)प मंग	मं ग
ए री	स खी	तो हे	(पूS) र	बी (सुS)	ना ऊं
×	०	२	०	३	४
(मं)प ध	प ध	मं प	मं ग	मं री	ग ग
का S	म व	र ध	नि के	क र	सु र
×	०	२	०	३	४
(सा)नि री	ग –	मं ध	नि ध	(ध)रीं नि	ध प
सौं S	पू S	र न	मे S	ल मि	ला ऊं।
×	०	२	०	३	४
(मं)प मं	ग री	सा नि			
ए री	स खी	तो हे			
×	०	२			

अंतरा.

(ग)मं –	ग –	(ध)मं ध	(नि)सां –	सां नि	सां सां
वा S	दी S	गौं S	धा S	र व	ना ऊं
×	०	२	०	३	४
(सां)नि नि	रीं गं	रीं सां	(सां)नि –	(नि)रीं नि	ध प
स म	वा S	दी S	स S	स म	गा ऊं
×	०	२	०	३	४

मंप धु	मं प	मं ग	मं ग	री ग	री सा
अऽ ऽ	स्त स	म य	तु रि	य प	ह र
×	०	२	०	३	४
(सा) नि री	ग ग	(धु) मं धु	नि धु	रीं नि	धु प
च तु	र सु	ज न	म न	को रि	झा ऊं।
×	०	२	०	३	४
(मं) प मं	ग री	सा नि			
ए री	स खी	तो हैं			
×	०	२			

पूर्वी —त्रिताल. (मध्यलय).

स्थायी.

(म) प धु मं पमं	ग म ग री	ग – नि री	ग म ग ग
पू ऽ र विऽ	के ऽ सु र	गा ऽ य गु	नी ऽ व र
०	३	×	२
ग रे ग मं	प धु मं प	(मं) ग रे ग मं	ग रे सा ऽ
०	३	×	२
	(धु) मं धु	(धु) रीं नि धु नि	(धु) मं – गम ग
नि नि सा रे	ग ऽ ज हां	औं ऽ ग म	नो ऽ हऽ र।
०	३	×	२
मंप धु मं पमं			
पुऽ ऽ र विऽ			
०			

(ध)मं — ग ग	(ध)मं — ध मंध	(ध)सां — सां सां	(नि)सां रीं सां सां
वा S दि गं ०	धा S र निS ३	खा S द सु ×	स ह च र २
(नि)सां — सां सां	नि — ध ध	नि रीं नि ध	नि ध प प
म S ध्य म ०	जो S ग दि ३	खा S व त ×	सुं S द र
(सा)नि़ — सा री	ग — मं ध	(ध)रीं नि ध नि	धप पमं गम ग
सौं S धि प्र ०	का S श स ३	म य क ह ×	तS चS तुS र। २

राग पूर्वी— त्रिताल. (मध्यलय).

स्थायी.

सा
नि़
ब

री (मं)ग प प	ध प — प	(मं)प ध मं पमं	ग म ग ध
न त S ब ३	ना S S ॐ ×	ब न न हिंS २	आ S वे ह ०
मं ग — री	सा — — —	नि़री गमं पध पमं	ग री सा (सा)नि़
रि के S बि ३	ना S S S ×	हेंS SS SS SS २	S आ लि, ब। ०

अंतरा.

मं ग मं धुमं	सां – रीं सां	नि ध निरीं निध	नि ध प ध
का ऽ रि कऽ	रू ऽ अ ब	कै से सऽ मऽ	झा ऽ ऊं स
३	×	२	०
मं ग – मं	ग री सा सा	निरी गमं पध पमं	ग री सा नि
म झ ऽ त	ना ऽ हिं न	हेऽ ऽऽ ऽऽ ऽऽ	ऽ आ लि, ब ।
३	×	२	०

राग पूर्वी–त्रिताल. (मध्यलय).

स्थायी.

प ध मं पमं	ग म ग री	म ग – री	ग मं प –
आ ऽ व नऽ	क ह ग ये	अ ग ऽ म्भ	इ ल वा ऽ
०	३	×	२
प प मं –	ग म ग –	मं मंध मं ग	ग री सा –
उ न को ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	भु जऽ फ र	क त है ऽ
०	३	×	२
नि री ग मं	प – – –	मं – मं –	ग म ग –
अं खि मो रि	बां ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ई ऽ।
०	३	×	२

अंतरा.

[ग]मं मं ग ग	[ध]मं – ध मंध	[ध]सां – सां सां	सां रीं सां –
स कु न बि	चा ऽ रो ऽऽ	रे ऽ मो रे	ब्र म ना ऽ
×	२	०	३
[नि]सां – सां सां	नि ध नि सांरीं	[ध]नि – – ध	[नि]ध – प प
बे ऽ ग मि	ल न वा ऽऽ	हो ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ य
×	२	०	३
[मं]प [ध]मं – [ध]मं	[मं]ग म ग –	ऩि री ग मं	प – – प
स दा ऽ रं	गी ऽ ले ऽ	आ ऽ ल म	गी ऽ ऽ र
×	२	०	३
[मं]प – [ध]मं –	[मं]ग म ग –		
सां ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ हे ऽ		
×	२		

राग पूर्वी— त्रिताल. (मध्यलय).

स्थायी.

[मं]प ध प मं	ग म ग री	ग – [सा]ऩि री	ग म ग –
क ग वा ऽ	बो ऽ ले ऽ	मो ऽ रि अ	ट रि या ऽ
०	३	×	२

ग <u>री</u> ग मं	प – – –	मं ग – मं	ग <u>री</u> सा –
ट रि या ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	स कु ऽ न्भ	इ ल वा ऽ
०	३	×	२
सा नि़ नि़ सा <u>री</u>	ग ग मं <u>ध</u>	<u>रीं</u> नि <u>ध</u> प	मं ग म ग
स खि मो री	भु ज वा ऽ	फ र क न	ऽ ला ऽ गी।
०	३	×	२

अंतरा.

ग मं मं ग ग	ध मं – <u>ध</u> मं<u>ध</u>	ध सां – सां सां	नि सां <u>रीं</u> सां –
अ व न क	रो ऽ तु मऽ	मो ऽ रे पि	य र वा ऽ
०	३	×	२
नि सां – सां सां	नि <u>ध</u> नि <u>ध</u>	सां नि सां नि<u>रीं</u> नि <u>ध</u>	नि <u>ध</u> प –
डा ऽ रुं ग	रे ऽ फू ऽ	ल नऽ के ऽ	ह र वा ऽ
०	३	×	×
सा नि़ नि़ सा <u>री</u>	ग ग मं <u>ध</u>	<u>रीं</u> नि <u>ध</u> प	मं ग म ग
स खि री ऽ	उ न प र	त न म न	ऽ वा ऽ रि।
०	३	×	२
ग <u>ध</u> प मं			
क ग वा ऽ			
०			

पूर्वी.– त्रिताल. (मध्यलय).

स्थायी.

ग	मं	ग	री	–	सा	नि	–	सा	री	ग	–	–	–	म	ग
रं	गी	ली	रा	ऽ	म	की	ऽ	अ	खि	यां	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ।
०				३				×				२			

अंतरा.

(ग) मं	मं	ग	ग	(धु) मं	मं	धु	मंधु	(धु) सां	–	सां	सां	रीं	–	सां	सां
सु	र	न	र	मु	नि	ज	नऽ	जी	ऽ	व	न	खौं	ऽ	ज	न
०				३				×				२			
(सां) नि	नि	सां	–	नि	धु	नि	धु	रीं	रीं	नि	धु	मं	ग	मं	ग
म	न	रौं	ऽ	ज	न	प	खि	यां	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ।
०				३				×				२			

अंतरा २.

(ग) मं	मं	–	ग	(धु) मं	–	धु	मंधु	सां	सां	सां	सां	रीं	–	सां	–
कृ	पा	ऽ	क	टा	ऽ	छ	लऽ	छ	न	छ	वि	आ	ऽ	छे	ऽ
०				×				×				२			
(सां) नि	निरीं	रीं	गं	रीं	सां	नि	धु	रीं	रीं	नि	धु	मं	ग	मं	री
मृ	गऽ	छो	ऽ	ना	ऽ	छ	कि	यां	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ।
०				३				×				२			

पूर्वी.— त्रिताल. (मध्यलय).

स्थायी.

			सा
			च
(सा)निरी ग मं (ध)ध	मंध निसां नि ध	— प (प) —	ग म ग (मं)ध
लोऽ री मा इ	औऽ ऽऽ लि या	ऽ ऽ पी ऽ	ऽ ऽ कैं द
३	×	२	०
मं ग री सा	(नि)सां — नि	ध प मं प	मं ग म ग
र बा ऽ र	ऽ पू ऽ बिं	दु ल ह न	व ना ऽ ई
३	×	२	०
(सा)नि री ग मं	(ध)मं (ध)मंध मं ग	मंरी ग — मं	ग री सा सा
ना ऽ व त	क रऽ जो ऽ	रऽ रा ऽ ग	रौं ऽ ग, च।
३	×	२	०

अंतरा.

(ग)मं मं ग —	(ध)मं मं ध —	(नि)सां सां सां —	रीं — सां —
सु ल ता ऽ	न म शा ऽ	य क मा ऽ	नो ऽ जूं ऽ
२	०	३	×
(नि)सां — सां सां	नि निध नि ध	(सां)नि निरीं नि ध	नि — ध प
ब्या ऽ ह न	च हिऽ या ऽ	स बऽ प्रि थ	मी ऽ ऽ ब
२	०	३	×

मंप मंपधु मं पमं	(मं) ग म ग ग	(सा) नि़ रि ग मं	(धु) मं मंधु मं ग
राऽ ऽऽऽ ती ऽऽ	म न रं ग	ध न ध न	वा ऽऽ की रा
२	०	३	×
मं रि ग मं	ग रि सा सा		
ऽ त रं ग	सौं ऽ ग, च		
२	०		

पूर्वी—त्रिताल. (मध्यलय).

स्थायी.

(सा) नि़
म

रि ग – रि	(मं) ग म ग –	मंप धु मं पमं	ग म ग –
थु रा ऽ न	जा ऽ वो ऽ	कोऽ ऽ न वऽ	हां ऽ है ऽ
३	×	२	०
(ग) मं ग (धु) मं धु	(धु) रीं नि धु प	(मं) प धु मं पमं	ग म ग (सा) नि़
कु ब जा ऽ	ना ऽ री ऽ	ना ऽ रि अऽ	ना ऽ रि, म।
३	×	२	०

अंतरा.

(धु) मं ग (धु) मं धु	सां – सां सां	नि रीं गं रींसां	(नि रीं) सां नि धु प
हू ऽ तो पे	वा ऽ रि अ	र ज मो रिऽ	मा ऽ नो ऽ
३	×	२	०

[ध]मं ग [ध]मं धु	[ध]रीं नि धु प	[मं]प धु मं पमं	ग म ग [सा]नि
उ त हूं न	जै ऽ यो ऽ	के ऽ ष्ण मुऽ	रा ऽ रि, म ।
३	×	२	०

पूर्वी—त्रिताल. (मध्यलय).

स्थायी.

[सा]नि री ग रीग	प – – प	[मं]प धु मं पम	ग म ग –
का ऽ ज रऽ	का ऽ ऽ रे	अ त सु कऽ	वा ऽ रे ऽ
३	×	२	०
[ग]मं री ग मं	[ध]मं – ग –	मं री ग मं	ग री सा ऽ
नै ऽ न ते	हा ऽ रे ऽ	ला ऽ ग त	प्या ऽ रे ऽ ।
३	×	२	०

अंतरा.

[ग]मं मं ग ग	[ध]मं मं धु मंध	[ध]सां सां सां सां	सां रीं सां –
नि र ख त	ल ग त कऽ	र त म न	ब स में ऽ
३	×	२	०
[सां]नि रीं गं [रीं]नि	रीं नि [ध]मं [ध]मंध	मं ग ग मं	ग री सा –
च प ल चौं	ऽ प अ निऽ	या ऽ रे ऽ	प्या ऽ रे ऽ ।
३	×	२	०

पूर्वी—त्रिताल. (मध्यलय).

स्थायी.

ध म॑ ध म॑ धु म॑ ग	री ग — री सा	सा नि — सा री	ग — म ग
मा इऽ मे रे ०	नै ऽ न न ३	बा ऽ न प ×	री ऽ री ऽ २
सा नि सा सा प प	प — प —	म॑प धु म॑ पम॑	प ग म ग —
जा ऽ दि न ०	नै ऽ ना ऽ ३	श्याऽ ऽ म नऽ ×	दे ऽ खों ऽ २
नि सा सा ग ग	ध म॑ — धु म॑धु	रीं रीं नि धु	म॑ ग री सा
बि स र त ०	ना ऽ हिं यऽ ३	री ऽ ऽ ऽ ×	ऽ ऽ री ऽ। २

अंतरा.

ग म॑ म॑ ग —	ध म॑ म॑ धु म॑धु	ध सां — सां सां	रीं — सां सां
चि त में ऽ ०	ब स ग इऽ ३	सां ऽ व रि ×	सू ऽ र त २
नि सां सां सां —	नि — धु धु	रीं रीं नि धु	नि धु प —
उ र तें ऽ ०	ना ऽ हिं ढ ३	री ऽ ऽ ऽ ×	ऽ ऽ ऽ ऽ २
ध म॑ — धु नि	ध म॑ ध म॑धु म॑ ग	म॑ री ग म॑	ग री सा —
मी ऽ रां ऽ ०	ह रिऽ के ऽ ३	हा ऽ त बि ×	का ऽ नी ऽ २

(नि)सा सा ग ग	(ध)म॑ – ध म॑ध	रीं रीं नि ध	म॑ ग री सा
सु र ब स	दे ऽ नि बऽ	री ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ री ऽ।
०	३	×	२

पूर्वी.– त्रिताल. (मध्यलय).

स्थायी.

(सा)नि़
व

री ग – री	ग म ग –	(म॑)प (ध)ध म॑ पम॑	(म॑)ग म ग –
हीं क्यौं ऽ न	जा ऽ ओ ऽ	के ऽ ण्ण कऽ	न्हा ऽ ई ऽ
३	×	२	०
(ध)म॑ ग म॑ ध	(ध)रीं नि ध प	(म॑)प ध म॑ पम॑	ग म ग (सा)नि़
जा ऽ य र	हो ऽ मो सें	क र के धिऽ	टा ऽ इ, व।
३	×	२	०

अंतरा.

(ग)म॑ म॑ ग –	(ध)म॑ म॑ ध म॑	सां सां सां सां	सां रीं सां –
स ग री ऽ	र ति यां ऽ	जि न व र	बी ऽ ती ऽ
३	×	२	०
(नि)सां नि रीं गं	– रीं सां सां	(सां)नि निरीं नि ध	नि ध प –
कु हो ऽ ना	ऽ थ अ ब	कौ ऽऽ न ये	री ऽ ती ऽ
३	×	२	०

(सा)नि̣ – री ग	– ग (ध)मं ध	(ध)रीं नि ध प	(प)ग म ग (सा)नि̣
ग्वा ऽ ल सू	ऽ त तो है	श र म न	आ ऽ ई, व।
३	×	२	०

पूर्वी— त्रिताल. (मध्यलय).

स्थायी.

नि नि (ध)मं ग	गमं रीग – री	सा – – –	(सा)नि̣
मौ ऽ जा ऽ	माऽ ऽऽ ऽ णी	हो ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ थें
०	३	×	२
सा सा ग ग	(ध)मं ध नि सां	सां (रीं)नि ध प	प – (ध)मं ग
मा णी ग र	र सि या ऽ	रै ऽ ण स	मैं ऽ रा ऽ
०	३	×	२
मं री ग मं	(मं)नि (ध)नि मं ग	गमं रीग – री	सा – – –
णी ऽ सों ऽ	च ऽ त्र ऽ	साऽ ऽऽ ऽ णि	हो ऽ ऽ ऽ।
०	३	×	२

अंतरा.

(ध)मं ममं मं ग	(ध)मं – ध मं	सां सां सां सां	सां रीं सां –
भां गड ली पि	वो ऽ सु ख	क रो म न	रं ग में ऽ
०	३	×	२

सां नि	रीं	गं	रीं	सां	–	रीं	सां		म प	–	प	ध मं	ग	मंरी	ग
सा ०	लु	डा	रे	आं ३	ऽ	च	ल	ऽ ×	छा	ऽ	णि	हो २	ऽ	ऽऽ	ऽ।

पूर्वी—एकताल. (मध्यलय).

स्थायी.

ध मं	मं	ग	री	सा	सा	सा नि़	–	री	ग	म	ग
न ×	इ	रे ०	ल	ग २	न	मो ०	ऽ	रि ३	ला	ऽ ४	गि।

अंतरा.

ध मं	–	ध	–	सां	सां	सां	–	सां	रीं	सां	सां
× ते	ऽ	रे ०	ऽ	रं २	ग	में ०	ऽ	नि ३	स	दि ४	न
सां नि	–	रीं	गं	रीं	सां	सां नि	रीं	नि	ध मं	–	ग
× हों	ऽ	ऽ ०	र	ह २	त	रौं ०	ऽ	ग ३	पा	ऽ ४	गि।
ध	मं										
× न	इ										

पूर्वी.— एकताल. (विलंबित).

स्थायी.

						मं	ग			मं	
	(सा)	नि़	सारी	ग	—	री	री	ग	ग	प	—
ऽ	पी	ऽ	रनि	जा	ऽ	मो	दी	ऽ	न	औं	ऽ
३		४		×		०		२		०	
ध	मं			मं	ग		ध			सां	
मं	गम	ग	—	री	री	ग	मं	—	ध	नि	निरीं
ऽ	लिऽ	या	ऽ	स	ब	ऽ	मे	ऽ	रि	ई	ऽऽ
३		४		×		०		२		०	
				मं						मं	
निध	नि	ध	प	प	प	ध	मं	प	मं	ग	म
छाऽ	दो	ऽ	ऽ	भ	र	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	पू	ऽ
३		४		×		०		२		०	
ग	रीसा	नि़	सारी	ग	—						
र,	पीऽ	ऽ	रनि	जा	ऽ						
३		४		×							

अंतरा.

ध		ध		नि						नि	
मं	ग	मं	ध	सां	—	सांनि	रीं	—	सां	ध	निरीं
दो	ऽ	ऊ	ज	हां	ऽ	मेंऽ	दी	ऽ	न	इ	माऽ
३		४		×		०		२		०	
	ध			ध	ध	ग		ध		सां	सां
नि	नि	ध	प	मंध	मं	मं	ग	मं	ध	नि	निरीं
न	पा	ऽ	ऊं	आऽ	नं	द	स	हि	त	ध	नऽ
३		४		×		०		२		०	

निध नि	ध प	(मं) प —	ध मं	प मं	(मं) ग म
जोऽ की	ऽ जे	मा ऽ	ऽ ऽ	ऽ ऽ	मू ऽ
३	४	×	०	२	०
ग रीसा	नि़ सारी	ग —			
र, पीऽ	ऽ रनि	जा ऽ			
३	४	×			

पूर्वी— त्रिताल. (विलंबित).

स्थायी.

मंग
टुन

री सा नि़ सारी	ग म ग —	(मं) प ध मं पम	ग म ग —
वा ऽ ऽ हेमा	ई ऽ ऽ ऽ	क र दे ऽऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ
३	×	२	०
(सा) नि़ — — सारी	ग म ग —	(ध) सां नि ध प	(मं) प (ध) मं ग (मं) धुमं
जो ऽ ऽ बस	हो ऽ वे ऽ	पी या ऽ ऽ	मो ऽ रा, टुन।
३	×	२	०
ग रीसा नि़ सारी	ग म ग —		
वा ऽऽ ऽ हेमा	ई ऽ ऽ ऽ		
३	×		

अंतरा.

मं ग मं ध	सां – रीं सां	ध नि नि सांगीं	नि ध प –
ग रे को ऽ	हा ऽ हूँ गी	क र को कंऽ	ग न वा ऽ
३	×	२	०
मं ग – मंध	नि रींनि ध प	प ध मं पमं	ग म ग धमं
औ र ऽ गुन	मा ऽनुं गी ऽ	तो ऽ ऽ ऽऽ	ऽ ऽ रा, टुन।
३	×	२	०
ग रींसा नि सांगीं	ग म ग –		
वा ऽऽ ऽ हेमा	ई ऽ ऽ ऽ		
३	×		

पूर्वी– त्रिताल. (विलंबित).

स्थायी.

री ग गमंमं गमं	ग री सा –	गरीसानिसा नि – सारी	ग म ग –
नै ऽ ऽऽऽ याऽ	मो ऽ री ऽ	पाऽऽऽऽ ऽ ऽ रक	रो ऽ रे ऽ
३	×	२	०
गमंरींग प – ,पमं	ध – प –	प ध मं पमं	ग म ग –
अऽऽऽ ब ऽ ,निऽ	जा ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽऽ	ऽ ऽ मी ऽ।
३	×	२	०
री ग गमंमं गमं			
नै या ऽऽऽ ऽऽ			
३			

अंतरा.

(ध)मं	ग	(ध)मं	ध	(नि)सां	–	सां	,सांनि	रीं	–	सां	सां	निध	(रीं)निनि	ध	प
तु	म	हो	ऽ	पी	ऽ	र	ऽ,गंऽ	भी	ऽ	ऽ	र	ग्याऽ	ऽऽ	ऽ	न
३				×				२				०			
(मं)प	(ध)मं	ग	(ध)मंध	(ध)रीं	नि	ध	प	(मं)प	ध	मं	पमं	ग	म	ग	–
औं	ऽ	ऽ	तर	जा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	मी	ऽ।
३				×				२				०			
(सा)री	ग	(ध)गमंमं	गमं												
नै	या	ऽऽऽ	ऽऽ												
३															

पूर्वी– एकताल. (विलंबित).

स्थायी.

(ग)ध
पि

(ध)मं	गरी	सानि	,सारी	ग	म	ग	–	(मं)प	ध	मं	पमं
य	ऽर	बाऽ	,कीऽ	बा	ऽ	से	ऽ	तो	ऽ	मैं	ऽऽ
३		४		×		०		२		०	
(प)ग	म	ग	–	(ग)मंरी	ग	(ध)मंध	मं,गमं	(रीं)ग	री	सा	–
आ	ऽ	वे	ऽ	तुंऽ	ऽ	मोऽ	हे,ऽऽ	भा	ऽ	वे	ऽ
३		४		×		०		२		०	

सा ऩि सारी	ध ग मंधु	धु सां नि	धु प	मं धु प मं	ग गम ग,धु
ला गग	रे मोरे	पि श	ऽ ऽ	न्या ऽ	ऽऽ रि,पि।
३	४	×	०	२	०

अंतरा.

धु सां मंधु निसां	सांसां —,सांनि	रीं —	सां —	नि सां सां	नि धु
तूंऽ जिन	लजा ऽ,वऽ	ही ऽ	ऽ ऽ	तो सी	तूं हि
३	४	×	०	२	०
सां धु रींनि नि	धु पप	धु धु मं मं	ग ,ग	धु मं धु	सां नि रींनि
वड भा	ऽ गन	ग हे	ऽ ,सु	ल ऽ	छ ऽन
३	४	×	०	२	०
धु नि धु	प —	मं प धु	मं पमं	ग म	ग ग ,धु
न्या ऽ	ऽ ऽ	ऽ ऽ	ऽ ऽऽ	ऽ ऽ	री ,पि।
३	४	×	०	२	०

पूर्वी— त्रिताल (विलंबित).

स्थायी.

ग धु
म

मं ग रींरींसाऩि —,सारी	ग गम ग —	मं प प मं धु	सां नि निरींनि धु प
न ऽ मऽऽऽ ऽ,त्तऽ	जा ऽऽ मे ऽ	इ च्कं ऽ ऽ	अ ऽऽज्वु दे ऽ
३	×	२	०

प प मं ग	मं रीरी ग –	मं ध मं गमं	ग री सा –ध
ख ब ऽ ऽ	ऽ ऽनें दा ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽऽ	ऽ ऽ रं, ऽम।
३	×	२	०

अंतरा.

मं –ग मं ध,मंध	सां –नि रीं सां	सां निध नि ध	रीं नि ध प
ग ऽसं रे ऽ,बुऽ	रीं ऽद री रा	प ऽऽ वीं ऽ	ऽ ऽ ये ऽ
३	×	२	०
मं ध मं ग	मं री ग –	मं ध मं गमं	ग री सा ,ध
स ऽ नीं ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	दा ऽ ऽ ऽऽ	ऽ ऽ रं, ऽम।
३	×	२	०
मं ग रीसा नि,सारी			
न ऽ ऽम ऽ,स्तऽ			
३			

पूर्वी– त्रिताल. (विलंबित).

स्थायी.

ध मं ग –	री सा – निसा	नि – – सारी	ग गम ग –
च र ऽ ऽ	न प ऽ ऽऽ	र ऽ ऽ ऽऽ	स ऽऽ त ऽ
३	×	२	०
मंरी गप – प	ध – प –	प ध मं पमं	ग म ग –
एऽ रीऽ ऽ आ	नौं ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽऽ	ऽ ऽ द ऽ
३	×	२	०

(म)धु	मं	ग	गमं	(री)ग	री	सा	–	(नि)सारी	(सा)नि	–	सारी	(मं)ग	गम	(री)ग	गमं
सु	ख	ऽ	ऽऽ	भ	ऽ	यो	ऽ	तन	म	ऽ	नऽ	ध	ऽऽ	म	ऽऽ
३				×				२				०			

अंतरा.

(ध)मं	ग	(ध)मं	धु,मंधु	(ध)सां	–सां	(नि)रीं	सां	(नि)सां	सां	–	सांनि	रीं	रीं	सां	–
ऐ	सो	पी	र,जऽ	रा	ऽज	रो	ऽ	ज	र	ऽ	बऽ	कु	स	न	ऽ
३				×				२				०			
(नि)सां	सां(सां)	–	निधु	(ध)नि	–	धु	धु	(ध)नि	–	रीं	निधु	नि	धु	प	–
नि	जाऽ	ऽ	मुऽ	दी	ऽ	ऽ	न	औ	ऽ	ऽ	लिऽ	या	ऽ	ऽ	ऽ
३				×				२				०			
(ध)मं	–	धु	नि	रीं	निधु	निधु	प	(मं)प	धु	मं	पमं	ग	म	ग	गमं
ए	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	धऽ	नऽ	ऽ	ध	ऽ	ऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	न	ऽऽ
३				×				२				०			

पूर्वी—एकताल (विलंबित).

स्थायी.

(री)ग	मंग	,मंप	(ध)निनि	धु	प	(ध)मं	पमं	ग	म	ग	–
ये	ऽऽ	,मेह	ऽऽ	बू	ऽ	ऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	ब	ऽ
३		४		×		०		२		०	

^ध^मं धुमं	— ,गंम	^री^ग री	सा —	^नि^सासा सा,रीरीसानि	— ,रीम
पी SS	S ,रेS	चे S	स्ती S	हृज र,तSSS	S ,सुल
३	४	×	०	२	०
ग —	^री^ग म	मं ग	म री	ग री	प प
ता S	S S	S S	S S	S S	S न
३	४	×	०	२	०
^मं^प ^धु^मंधु	रीं नि	^धु^नि धु	प प	प धु	^धु^मं पमं
नि जाS	S मु	दी S	S न	औ S	S SS
३	४	×	०	२	०
ग मरी	^री^ग,मंग ^मं^पनि				
S Sलि	या,SS मेहे				
३	४				

अंतरा.

^प^मंमं ग	^प^मं धुप	सां —सां	^नि^सांरीं सां	^नि^सां —सां	नि धु
कर ता	र आS	पी Sब	नाS यो	नू Sर	ते S
३	४	×	०	२	०
^सां^निरीं ^धु^निनि	धु प	^मं^प धु	मं पमं	ग म	ग ^धु^,मंधु
SS माS	मू S	S S	S SS	S S	रे ,सुS
३	४	×	०	२	०

नि	–रीं	निध	नि	ध	प	मं	मं	ग	म	री	ग				
र	SS	तS	S	सू	S	S	S	S	S	ब	ये।				
३		४		×		०		२		०					
मं	ग	,मंप	निनि												
S	S	,मेह	SS												
३		४													

पूर्वी– त्रिताल. (विलंबित).

स्थायी.

मं,-ध मं-,गमं ग रीसा	रीगसानि ,सारी ग मग	गमंरीग प – पप	मंध रींनि ध प
ए,SS म,कS दू Sम	साSSS S,SS हे Sच	बिSSS ला S यत	सब Sवि ध S
३	×	२	०
पमं ध मं गमं	ग – री सा	सानि – ध मं,गमं	ग – री सा
लाS S य कS	की S S नो	अल्ला S S ये,रS	सू S S ल।
३	×	२	०
मं,-ध मं,गमं ग रीसा			
ए,SS म,कS दू Sम			
३			

अंतरा.

मं ध सां सांनि	रीं – सां –	सां (सां) नि ध	नि रींनि ध प
स ब मी लS	आ S ये S	औ ली या S	अं Sबि या S
३	×	२	०

मं ग मं ध	नि रिंनि ध पप	पमं ध मं गमं	ग – री सा
च हुं चो ऽ	ऽ ऽक मैं ऽतु	म्हाऽ ऽ री ऽऽ	धू ऽ ऽ म।
३	×	२	०

पूर्वी– त्रिताल. (विलंबित).

स्थायी.

सासा
दर्द

नि सागग मंरीग प,मंध	नि ध प मंप	प मं गम ग	ग मं मंरी ग
की सऽका ऽऽऽ ऽ,ईऽ	अ ल्ला ऽ ऽऽ	अ ल्ला ऽऽ हो	अ ल्ला ऽऽ ऽ
३	×	२	०
निरीगमंप पमं ध प	पपधधपमं पमं गम ग	मंध मं गरी ग	– री सा ,सासा
अऽऽऽऽ ऽऽ ऽ ल्ला	ऽऽऽऽऽऽ ऽऽ ऽऽ हो	अऽ क ऽऽ ऽ	ऽ ब र, ,दर्द।
३	×	२	०

अंतरा.

प,पमं धप सांसां –सां	रीं – सां ,सां	सां निध नि,रींनि धप	प प मं ग
अ,ल्लाऽ ऽहि अल्ला ऽतु	मा ऽ न ,अ	क ऽऽ ऽ,ऽब रऽ	आ ले ऽ ऽ
३	×	२	०

ग म री ग —	ध ध री म,मंध म,गमं गरी सा	सा निरी गमं प मंप	प नि ध प —
ऽ ऽ हं ऽ (३)	कु,ऽऽ ली,ऽऽ ऽऽ ह्ला (×)	लाहे लाहे ला ऽऽ (२)	ऽ ब ह्ला ऽ (०)
मं ध प मं — ग	ग री म री ग ग	ध मंध मं — गरी	ग — री सा ,सासा
अ ह्ला ऽ ऽ (३)	ऽ ऽ ऽ हो (×)	अऽ क ऽ ऽऽ (२)	ऽ ऽब र ,दर्द। (०)

पूर्वी— एकताल. (विलंबित).

स्थायी.

सा निरीगग —	ध गमंमं —गमं	री ग —	री सा	सा री सा	— निसा
मऽऽला ऽ (३)	ऽऽऽ ऽ,हेऽ (४)	का ऽ (×)	ऽ र (०)	कु जा (२)	ऽ ऽऽ (०)
सा निसारीरीसा निरी (३)	ग रीसा	सा निसारीरीसा नि	सा निरी गरी	ग —	मं गममंमंमग म
ऽऽऽऽऽ ऽऽ (३)	म नऽ (४)	ऽऽऽऽऽ ऽ (×)	ऽऽ ऽख (०)	रा ऽ (२)	ऽऽऽऽऽऽ ऽ (०)
री गरी प	— मंप	मं प ध	मं पमं	ग म	ग —
बकु जा (३)	ऽ ऽऽ (४)	ऽ ऽ (×)	ऽ ऽऽ (०)	ऽ ऽ (२)	ऽ ऽ। (०)

अंतरा.

ध		ध									
म,मंध	मंग	मं	धप	सां	सांनि	रीं	सां	रींसांनि	सां,निध	नि	ध
बि,ऽऽ	बित	फा	ऽव	त	ऽऽ	र	हे	अऽऽऽ	ऽ,ज्कुऽ	जा	ऽ
३		४		×		०		२		०	
सां				मं							
नि	रींनि	निध	प	प	ध	मं	पमं	ग	म	ग	—
स्ता	बकु	जाऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ।
३		४		×		०		२		०	

पूर्वी— एकताल. (बिलंबित).

स्थायी.

नि	
सा	
पि	

सा		प						मं		ध	
नि	री	गप	मंध	नि	ध	प	मंप	प	ध	मं	पमं
या	ऽ	सऽ	ऽन	वा	ऽ	ऽ	ऽऽ	मो	ऽ	री	ऽऽ
३		४		×		०		२		०	
मं				सा							
ग	मरी	ग	—	नि	री	ग	,गरी	पपमंग	मंरी	ग	—
मो	ऽरि	मा	ऽ	जै	ऽ	जै	,बति	यांऽऽऽ	ऽह	ती	ऽ
३		४		×		०		२		०	
ध				प				री			
मं	ध	रींनि	धप	मं	ध	मं	गमं	ग	—	री	सा,सा
त	ब	ऽव	हांऽ	को	ऽ	ऽ	उन	था	ऽ	ऽ	ऽ,पि।
३		४		×		०		२		०	

अंतरा.

(ध)मं	ग	पमं	धप	सां	–	सां	निसां	(सां)नि	रीं	गं	रींसां
ए	S	हूS	Sन	जा	S	ने	SS	बे	S	हू	Sन
३		४		×		०		२		०	
(नि)सां	(रीं)नि	ध	प	(मं)प	ध	(ध)मं	पमं	(मं)गम	गरी	ग	गग
जा	S	ने	S	मा	S	ई	रीS	उन	कर	भे	द,ब
३		४		×		०		२		०	
(ध)मं	ध	रींनि	धप	(मं)प	ध	मं	पमं	ग	म	(री)ग	,सा
ता	S	बम	ताS	S	S	S	SS	S	S	S	,पि।
३		४		×		०		२		०	

पूर्वी– त्रिताल (मध्यल).

स्थायी.

ध	मं	ग	मं	ग	री	सा	–	नि़	री	ग	म	ग	–	–	ग
त	न	न	त	न	न	तो	S	म्त	न	दे़	रे	ना	S	S	ता
२				०				३				×			
म	री	म	ग	ग	–	प	प	–	ध	प	–	प	(प)	–	मं
S	दीं	S	नि	ता	S	S	नू	S	म्त	नू	S	म्त	दा	S	रे
२				०				३				×			
ग	म	ग	ग	ग	–	मं	री	ग	मं	ग	री	सा	–	सा	सा
ता	रे	दा	नि	दी	S	म्त	न	न	न	न	न	ना	S	रे	ना
२				०				३				×			

— सा सा नि़	री ग म री	ग मं प ध	(प) — — मं
ऽ रे त न २	नि ता ऽ न्त ०	नि त न म ३	तो ऽ ऽ म्ता। ×
— ध रीं नि	मं — — मं	— ग मं ग	री सा — सा
ऽ र्दी ऽ नि २	ता ऽ ऽ र्दी ०	ऽ नि ता ऽ ३	ऽ र्दी ऽ नि। ×

अंतरा.

मं मं ग ग	मं मं ध ध	मं — सां सां	सां — सां सां
ओ द़ त न ०	ओ द़ त न ३	द्री ऽ म्त न ×	द्री ऽ म्त न २
रीं सां — सां	सां सां सां नि	नि रीं गं रीं	सां सां सां सां
त द्रे ऽ न्ना ०	त न द्रे द्रे ३	त दा ऽ रे ×	ता रे दा नि २
नि निरीं नि ध	प — प प	(प) — मं ग	म ग ग ग
दि याऽ ना रे ०	तो ऽ म्दे रे ३	ना ऽ रे ना ×	ऽ रे धा किट २
ग ग मं ध	ध मं सां सां	सां सां सां सां	सां सां नि रीं
तक धुम किट तक ०	धि त्ता किड नग ३	नग तिर तिट कत ×	गदि गिन धा ऽ २
नि ध प मं	मं ग ग मं	ग री सा —	
तिट कत गदि गिन ०	धा ऽ तिट कत ३	गदि गिन धा ऽ ×	

पूर्वी— तिलवाडा. (विलंबित).

स्थायी.

धमं गरे सा निरेगरे	ग प मं,गम ग	पप पमं ध प	
तन देरे ना SSSत	द्रे S S,SS ना	तदा SS S रे	
३	×	२	
मपधनि — ध प	प (प) मं पमं	ग म ग —	
ताSSS S S रे	दा S S नीS	दा S नी S	
०	३	×	
रे ग मं ध,मंग	ग —रे सा —सा	नि रे गरे सा	
ता S S S,रेS	ना Sरे दो Sस्	तो S Sन्त द्रे	
२	०	३	
रे नि ध प	निरे ग गम गरे	रे म ग —गमं	
ना S S S	तन न SS देS	रे S ना S,SS	
×	२	०	

अंतरा.

मंमंध सांसां	सांनि रीं सां —सां	निसांरेंगं —रें सां —ध	
S S तनन देरे	ताS S नू Sम	याSSS Sरे दी Sन्त	
३	×	२	
नि रेंनि ध प	मं गरे म ग	निरेगमं धनिरेंगं —रें सां	
दी न्तन ना S	दे Sरे त नू	उदाSS SSSS S,S नि	
०	३	×	

निरें	गं	पंपंमंगं	मंगं	नि	रेंगं	मंमंगंरेंसांनि	धपमंगरेसा
तदी	या	नाऽऽऽ	ऽरे	तो	म्ह्रेऽ	नाऽऽऽऽऽऽ	ऽऽऽऽऽऽ।
२				०			

पूर्वी– सूलताल. (मध्यलय).

स्थायी.

										प	मं
										क	र
ध	नि	सां	सां	नि	ध	नि	ध	प	प		
क	पा	ऽ	ल	लो	ऽ	च	न	त्र	य		
×		०		२		३		०			
(ध)मं	ध	मं	ग	मं	री	ग	री	सा	सा		
पौं	ऽ	च	व	द	न	द	श	भु	ज		
×		०		२		३		०			
(सा)नि़	–	सा	री	ग	–	(मं)प	पमं	ध	मं		
भू	ऽ	षि	त	भू	ऽ	ख	नऽ	शि	व		
×		०		२		३		०			
ध	नि	सां	सां	नि	ध	(ध)नि	ध	(मं)प	मं		
ज	टा	ऽ	मु	गु	ट	ध	र	क	र।		
×		०		२		३		०			

अंतरा.

[ध]मं	—	ध	नि	सां	नि	सां	—	सां	सां		
नी	S	ल	कौं	S	ठ	शो	S	भि	त		
×		०		२		३		०			
[सां]नि	—	सां	रीं	—	सां	नि	सां	नि	धप		
रू	S	ड	मा	S	ल	वि	धु	ब	(लS)		
×		०		२		३		०			
[ध]मं	मंध	मं	ग	मं	री	ग	री	सा	सा		
त्रि	(पुS)	रा	S	सु	र	म	र	द	न		
×		०		२		३		०			
[नि]सा	—	[सा]सां	—	नि	ध	नि	ध	[मं]प	म		
गौ	S	री	S	सु	ख	व	र	क	र।		
×		०		२		३		०			

संचारी.

[नि]सा	—	[सा]प	—	प	मं	ध	—	प	प
व्या	S	ध्रां	S	ब	र	औं	S	ब	र
×		०		२		३		०	
[मं]प	—	मं	—	ध	—	नि	ध	प	प
भ	S	स्म	S	भू	S	ख	न	क	ट
×		०		२		३		०	

(ध)मं	(ध)मं	–	ग	मं	री	मं	ग	री	सा
भु	जौं	ऽ	ग	फ	न	प	व	र	त ।
×		०		२		३		०	

आभोग.

(ध)मं	–	ध	नि	सां	सां	सां	–	रीं	सां
ता	ऽ	न	से	ऽ	न	के	ऽ	प्र	भु
×		०		२		३		०	
(सां)नि	–	रीं	गं	रीं	सां	(सां)रीं	नि	ध	प
वो	ऽ	प्र	बी	ऽ	नं	भ	व	ब्रि	ज
×		०		२		३		०	
(ध)मं	–	ध	(ध)मं	–	(गरी)	ग	री	सा	–
भु	ऽ	क्ति	मु	ऽ	(क्तिऽ)	क	र	के	ऽ
×		०		२		३		०	
(नि)सा	सा	(सा)सां	–	नि	ध	नि	ध	प	मं
नि	त	पौं	ऽ	ची	ऽ	स	व	क	र ।
×		०		२		३		०	

पूर्वी—झपंताल. (मध्यलय).

स्थायी.

(सा)नि	री	ग	ग	मं	(री)ग	–	री	सा	सा
अ	ब	च	तु	र	दौं	ऽ	डि	म	त
×		२			०		३		

(सां)नि़	री	ग	मं	प	प	मं	ग	म	ग
×बैं	S	क२	ट	सु	ना०	S	S३	S	वे
(मं)प	—	प	मं	(प)मं	ध	नि	ध	प	प
×द्रा	S	द२	श	सु	र०	न	के३	ख	ट
(मं)प	—	मं	—	ग	(मं)प	मं	ग	म	ग
×च	S	क्र२	S	ब	ना०	S	S३	S	वे।

———

अंतरा.

(प)मं	ग	(प)मं	ध	मं	सां	सां	रीं	सां	—
×र	ग	र२	गी	S	र०	गु	रि३	गी	S
(सां)नि	रीं	गं	रीं	सां	(सां)नि	सां	नि	ध	प
×रि	गु	रु२	गु	र	चा०	S	वे३	S	S
(ध)मं	ग	(ध)मं	ध	—	(ध)रीं	नि	नि	ध	प
×ध	न	ध२	नी	S	ध०	नु	धि३	नि	S

(प)म	प	ध	(ध)म॑	प	(म॑)प	म॑	ग	म	ग
धि	नु	धु	नु	म	ना	ऽ	ऽ	ऽ	वे।
×		२			०		३		

संचारी.

(नि)सा	—	(सा)प	—	प	प	—	ध	—	प
ह्वा	ऽ	स	ऽ	त्त	ती	ऽ	मे	ऽ	ल
×		२			०		३		
(ध)म॑	म॑	ध	—	ध	नि	ध	प	प	प
म	ति	म	ऽ	ध्य	म	सों	ज	नि	त
×		२			०		३		
(ध)म॑	(—ध)	(ध)म॑	—	ग	म॑	ग	री	री	सा
रा	(ऽऽ)	गां	ऽ	ग	स	व	ज	न	क
×		२			०		३		
(री)नि़	री	ग	प	प	प	म॑	ग	म	ग
आ	ऽ	दे	ऽ	क	हा	ऽ	ऽ	ऽ	वे
×		२			०		३		

आभोग.

(ध)म॑	ग	(ध)म॑	ध	प	सां	सां	सां	—	सां
आ	ऽ	रो	ऽ	ह	अ	व	रो	ऽ	ह
×		२			०		३		

[सां]नि	रीं॒	गं	रीं॒	सां	[सां]नि	(रीं॒)	नि	ध॒	प
के	ऽ	भे	ऽ	द	को	(ऽऽ)	सा	ऽ	ध
×		२			०		३		
[ध॒]म॑	ग	[ध॒]म॑	—	ध॒	[ध॒]रीं॒	(निध॒)	नि	ध॒	प
भा	ऽ	पां	ऽ	ग	रू	(उऽ)	पां	ऽ	ग
×		२			०		३		
[प]म॑	प	ध॒	म॑	प	प	म॑	ग	म	ग
च	तु	र	उ	प	जा	ऽ	ऽ	ऽ	वे ।
×		२			०		३		

पूर्वी.— झपताल. (मध्यलय).

स्थायी.

[सा]री॒	ग	[ध॒]म॑	—	ध॒	[ध॒]सां	—	नि	ध॒	प
पा	ऽ	यो	ऽ	है	पी	ऽ	रे	ऽ	पु
×		२			०		३		
[म॑]प	ध॒	[ध॒]म॑	प	म॑	[म॑]ग	म	ग	—	—
र	न	प	र	म	जो	ऽ	धा	ऽ	ऽ
×		२			०		३		
[ध॒]म॑	(ध॒)	म॑	ग	म॑	[री॒]ग	—	री॒	—	सा
द	(ऽऽ)	स्त	गी	ऽ	रे	ऽ	हो	ऽ	त
×		२			०		३		

(सा)नि̣	री	ग	–	री	(ग)म	ग	(ध)प	–	प
सु×	ख	साँ२	ऽ	ऽ	प०	द्	ना३	ऽ	म
(मं)प	ध	(ध)मं	–	पमं	(मं)ग	–	म	ग	–
ली×	ऽ	ये२	ऽ	(निऽ	स्ता०	ऽ	र३	है	ऽ।

अंतरा.

(ध)मं	ग	(ध)मं	–	ध	नि	नि	सां	–	सां
मा×	ऽ	नो२	ऽ	दो	उ०	ज	हाँ३	ऽ	न
(सां)नि	रीं	गं	रीं	सां	(सां)नि	सां	नि	ध	प
मैं×	ऽ	मो२	ऽ	इ	तूँ०	ऽ	दी३	ऽ	न
(ध)मं	ध	(ध)मं	ग	मं	(री)ग	–	री	–	सा
मी×	ऽ	रा२	ऽ	जि	गौ०	ऽ	से३	ऽ	स
ग	–	(ध)मं	–	ध	(ध)सां	–	(रीं)नि	रीं	नि
क×	ऽ	ले२	ऽ	न	का०	ऽ	औ३	ऽ	लि
ध	प	(ध)मं	–	पमं	(मं)ग	–	म	ग	–
या×	ऽ	को२	ऽ	(तुऽ)	हा०	ऽ	र३	है	ऽ।

पूर्वी— चौताल. (विलंबित).

स्थायी.

(ग)म॑	ग री	सा सा	(सा)नि —	सारी ग	म ग
ऽ(०) मे	री(३) ऽ	प(४) त	रा(×) ऽ	खऽ(०) ली	ऽ(२) जो
(म॑)प प	— (म॑)प	ध प	(म॑)प (ध)म॑	— (ग)म॑	ग (ध)म॑ध
हु(०) ज	ऽ(३) र	ऽ(४) त	शे(×) ऽ	ऽ(०) ख	ऽ(२) सऽ
म॑ —	ग (री)ग	री सा	(नि)सा (री)नि	री ग	प प
ली(०) ऽ	म(३) पी	ऽ(४) र	अ(×) ला	ऽ(०) हो	ऽ(२) म
प —	(म॑)प ध	प —	(म॑)प (ध)म॑	— (ग)म॑	— ग
हां(०) ऽ	म(३) द	कै(४) ऽ	का(×) ऽ	ऽ(०) र	ऽ(२) न।
— (ग)म॑					
ऽ(०) मे					

अंतरा.

(ग)म॑ ग	म॑ध नि	सां सां	सां सां	— (सां)नि	रीं सां
हों(×) ऽ	आऽ(०) जे	ऽ(२) ज	गु(०) न्हा	ऽ(३) गा	ऽ(४) र

नि सां	— नि	— ध	(ध)नि —	— ध	— प
तें हा	ऽ रो	ऽ क	हा ऽ	ऽ ऽ	ऽ ऊं
×	०	२	०	३	४
(ध)मं (ध)मं	ध नि	सां —	सांरीं बि	(ध)नि ध	प प
हो ऽ	तु मी	ऽ ऽ	जऽ ग	त के	ऽ नि
×	०	२	०	३	४
(मं)प (ध)मं	— (ग)मं	— ग	— (ग)मं		
स्ता ऽ	ऽ र	ऽ नं	ऽ मे		
×	०	२	०		

पूर्वी— चौताल. (विलंबित).

स्थायी.

(सा)नि़	री (मं)ग	प प	(मं)प —	मं (मं)ग	म ग
ऽ लो	ऽ च	ऽ न	ला ऽ	ल ला	ऽ ल
०	३	४	×	०	२
(ग)मं री	ग (ध)मं	— ध	मं ग	मं ग	री सा
चू न	ऽ री	ऽ ऽ	ला ऽ	ल ला	ऽ ल
०	३	४	×	०	२
(नि)सा (री)नि़	री ग	मं ध	नि निरीं	नि ध	प प
ही रा	ऽ मो	ऽ ति	ला ऽऽ	ल ला	ऽ ल ।
०	३	४	×	०	२

अंतरा.

(ग)मं	ग	—	(ध)मं	—	ध॒	(सां)नि	सां	नि	सां	—	सां
ग	रे	ऽ	बी	ऽ	च	हा	ऽ	र	ला	ऽ	ल
×		०		२		०		३		४	
(सां)नि	—	रीं॒	गं	रीं॒	सां	नि	निरीं॒	नि	(ध)नि	ध॒	प
ना	ऽ	सि	का	ऽ	बे	स	ऽऽ	र	ला	ऽ	ल
×		०		२		०		३		४	
(ग)मं	ग	—	(ध)मं	—	ध॒	नि	निरीं॒	नि	ध॒	प	प
पि	या	ऽ	ला	ऽ	ल	प्या	ऽऽ	रि	ला	ऽ	ल
×		०		२		०		३		४	
(मं)प	ध॒	मं	ग	म	ग	—	(सा)नि़				
से	ऽ	ज	ला	ऽ	ल	ऽ,	लो				
×		०		२		०					

पूर्वी.— चौताल. (विलंबित).

स्थायी.

(मं)प	—	(ध)मं	(ध)मं	ग	—	(ग)प	—	(ध)मं	मं	गम	ग
ग्या	ऽ	न	न	मों	ऽ	ग्या	ऽ	ऽ	ऽ	ऽऽ	नी
×		०		२		०		३		४	
(ग)मं	—	ग	री॒	सा	—	(सा)नि़	री॒	ग	री॒	सा	—
मा	ऽ	न	न	मों	ऽ	मा	ऽ	ऽ	ऽ	नी	ऽ
×		०		२		०		३		४	

(सा)नि़	—	सा	री॒	ग	—	(मं)प	—	मं	ध॒	प	मंध॒
रीं	ऽ	ग	न	मों	ऽ	रीं	ऽ	ग	त	है	ऽऽ
×		०		२		०		३		४	

(सां)नि	निरीं	नि	ध॒	—	प	नि	ध॒	प	मं	गम	ग
रा	ऽऽ	ग	रीं	ऽ	ग	क	हि	ये	ऽ	ऽऽ	ऽ।
×		०		२		०		३		४	

अंतरा.

(ध॒)मं	ग	(ध॒)मं	ध॒	(सां)नि	सां	—	सां	—	नि	रीं	सां
सा	ऽ	ध	न	में	ऽ	ऽ	सा	ऽ	धे	ऽ	सु
×		०		२		३		३		४	

(सां)नि	—	रीं	गं	रीं	सां	(सां)नि	निरीं	नि	ध॒	—	प
धा	ऽ	र	न	में	ऽ	सा	ऽऽ	व	धा	ऽ	न
×		०		२		०		३		४	

मं	मंध॒	मं	ग	(ध॒)मं	ध॒	(सां)नि	निरीं	निध॒	नि	ध॒	प
आ	ऽऽ	ठ	न	में	ऽ	आ	ऽऽ	ठऽ	गां	ऽ	ठ
×		०		२		०		३		४	

(सां)नि	निरीं	निध॒	नि	ध॒	प	नि	ध॒	प	—	(ध॒)मं	ग
आ	ऽऽ	ठऽ	पा	ऽ	ठ	र	हि	ये	ऽ	ऽ	ऽ।
×		०		२		०		३		४	

संचारी.

(नि) सा —	(सा) प प	प —	(मे) प —	ध —	प प
झू ऽ	ट न	के ऽ	आ ऽ	गे ऽ	दृ स
×	०	२	०	३	४
(ध) मे —	ध (सां) नि	सां सां	(सां) नि निरीं	नि (ध) नि	ध प
पां ऽ	च झू	ऽ ट	छां ऽऽ	ड डा	ऽ रे
×	०	२	०	३	४
(ध) मे मेध	मे ग	(ग) मे ग	(री) ग —	री री	सा —
सा ऽऽ	च न	के ऽ	सौं ऽ	ग त	मों ऽ
×	०	२	०	३	४
(सा) नि —	री (मे) ग	प प	(मे) प प	(ध) मे —	गम ग
सा ऽ	च आं	ऽ च	र हि	ये ऽ	ऽऽ ऽ।
×	०	२	०	३	४

आभोग.

(ध) मे ग	(ध) मे ध	(सां) नि सां	सां सां	— (सां) नि	सां सां
म ज	ल स	में ऽ	म जा	ऽ ल	ऽ स
×	०	२	०	३	४
(सां) नि सां	— नि	— ध	(सां) नि रीं	नि (ध) नि	ध प
क हीं	ऽ ये	ऽ दृ	या ऽ	ल दा	ऽ स.
×	०	२	०	३	४

(ध॒)म॑ ध॒	(ध॒)म॑ ग	(ध॒)म॑ ध॒	(सां)नि रीं	नि (ध॒)नि	ध॒ प
ज हा	जै ऽ	सी ऽ	बा ऽ	त व	हीं ऽ
×	०	२	०	३	४
(सां)नि निरीं	(सां)नि —	ध॒ प	प प	(ध॒)म॑ —	गम ग
त हांऽ	तै ऽ	सी ऽ	क हीं	ये ऽ	ऽऽ ऽ।
×	०	२	०	३	४

पूर्वी—धमार (विलंबित).

स्थायी.

			(म॑)प
			आ

प म॑ ग
हो ऽ ऽ
०

(ग)म॑री ग (प)म॑ प	ध॒ — प म॑ —	प म॑	(म॑)ग म —
ऽऽ ऽ कै से	जा ऽ ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ	न पा ऽ
३	×	२	०
ग — (री)नि़ री॒	(री)म॑ — — ग —	री॒ —	ग — —
वो ऽ गे ऽ	भ ऽ ऽ र ऽ	ऽ ऽ	हो ऽ ऽ
३	×	२	०
(री)नि़ री॒ सा —	(नि़)सा नि़ री॒ ग —	— म॑	ग री॒ सा
री ऽ में ऽ	ज ब ऽ जो ऽ	ऽ ग	ये ऽ ऽ
३	×	२	०

(सा)नि़	री	ग	मं	प	–	–	(ध)मं	ध	रीं	नि	(ध)मं	–	ग
ऽ	ऽ	तु	ग	भा	ऽ	ऽ	जे	ऽ	ऽ	अ	हो	ऽ	ऽ।
३				×					२		०		

अंतरा.

(ध)मं	–	ध	(नि)सां	–	–	नि	रीं	–	–	सां	–	–	(नि)सां
गा	ऽ	ऽ	री	ऽ	ऽ	ऽ	दें	ऽ	ऽ	गी	ऽ	ऽ	दी
×					२		०			३			
(रीं)नि	–	रीं	गं	–	रीं	सां	(नि)सां	(रीं)नि	–	(ध)नि	ध	प	–
ला	ऽ	ऽ	ऊं	ऽ	ऽ	स	ब	न	ऽ	पै	ऽ	ऽ	ऽ
×					२		०			३			
पध	(ध)मं	–	(ग)मं	–	ग	–	(ध)मं	–	ध	(सां)नि	–	सां	रीं
मुऽ	ख	ऽ	मी	ऽ	ऽ	ऽ	डों	ऽ	ऽ	गी	ऽ	ऽ	ऽ
×					२		०			३			
(ध)नि	ध	प	(ध)मं	ध	रीं	नि	(ध)मं	–	ग	(ग)मंरी	ग	मं	प
आ	ऽ	ऽ	जे	ऽ	ऽ	अ	हो	ऽ	ऽ	ऽऽ	ऽ	कै	से।
×					२		०			३			

पूर्वी– धमार. (विलंबित).

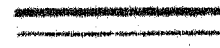
स्थायी.

																नि॒ सा
																भ
नि॒	री॒	ग	मं	प	ध॒	–	प	–		ध॒	(प) मं	प	मं
लो	री	ते	रो	जो	ब	ऽ	न	ऽ	ऽ	भ	लो	ऽ	ऽ
३				×					२		०		
ग	म	ग	–	(ग) मं	(मं) री॒	–	ग	–		मं	ग	री॒	–
री	भ	लो	ऽ	भ	लो	ऽ	ते	ऽ	ऽ	रो	भा	ऽ	ऽ
३				×					२		०		
सा	–	–	(नि॒) सा	सा	ध॒	–	(ध॒) मं	–	प	मं	(ग) म	ग	सा
ग	ऽ	ऽ	सु	हा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ग,	भ।
३				×					२		०		

अंतरा.

(प) ध॒	(ध॒) मं	ध॒	(सां) नि	–	सां	सां	सां	–	–	नि	सां	सां	–
भ	लो	ऽ	ला	ऽ	ऽ	ल	सौं	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ग	ऽ
×					२		०			३			

नि सां	–	–	नि	ध	नि	ध	सां नि	–रीं	निध	नि	ध	प	–
हो	ऽ	ऽ	री	ऽ	ऽ	ऽ	खे	ऽऽ	लऽ	त	म	लो	ऽ
×					२		०			३			
प मं	प	ध	ध मं	–	प	मं	ग म	ग	सा				
र	चो	ऽ	तैं	ऽ	ऽ	ऽ	फा	ग,	भ				
×					२		०						



राग मारवा.

रागेऽस्मिन् मारवाख्ये किलगमधनयस्तीव्रकाः स्युर्मृदू रिः ।
वाद्यस्मिन्स्याद्द्वितीयो स्वरपविरहितो लक्ष्ययोगानुरोधात् ॥
संवादी धैवतोऽसौ स्फुटमिहगमनं साध्यतेऽतिश्रमेण ।
संगीताभ्यासशीलैर्नियतमविरतं गीयते सायमेव ॥

कल्पद्रुमांकुरे ।

तीव्रौ गमौ धनी चैव मृदूरिर्धैवतर्षभौ ।
संवादिवादिनौ चापः स मारुः सायमीरितः ॥

चंद्रिकायाम् ।

तीखे गमधनि सुर रिखब कोमल पंचम नाहिं ।
धरि संवादीवादितें कहत मारवा ताहिं ॥

चंद्रिकासार ।

धमौ गरी गमौ गश्च रिसौ निधौ मधौ सरी ।
मारवा ऋषभांशाढ्याऽपा सायं चित्ररूपिणी ॥

अभिनवरागमंजर्याम् ।

हा राग मारवा थाटांतून उत्पन्न होतो. त्यांत ऋषभ कोमल व मध्यम तीव्र व बाकीचे सारे स्वर शुद्ध आहेत. यांत पंचम वर्ज्य असतो म्हणून याची जाति षाडव—षाडव आहे. ह्याच्या आरोहांत निषाद अनेक वेळां वक्र केलेला

दृष्टीस पडतो. ह्या रागांत वादी ऋषभ व संवादी धैवत आहे. या रागाची सारी खुबी रि, ग व ध, या स्वरांवर आहे. अवरोहांत ऋषभ जेव्हां वक्र होतो तेव्हां हा राग अधिक स्पष्ट होतो व खुलतो. या रागांत फारसें मींडकाम करीत नाहींत; व तें तितकें शोभणारहि नाहीं. ह्याचा गानसमय दिवसाचा शेवटचा प्रहर आहे. या रागांतून पुढें कल्याण थाटाचे रागांत सहज जातां येतें, म्हणून ह्याला परमेल प्रवेशक राग असेंहि कधीं कधीं म्हणतात.

आरोहावरोहस्वरूप.

सा रे ग मं ध निध सां । सां निध, मं ग रे सा.

पकड.

ध मं ग रे, ग मं ग, रे, सा.

मारवा—त्रिताल. (मध्यलय).

स्थायी.

नि़ रे़ ग मं (३)	नि ध ऽ मं (×)	ग रे़ ग मं (२)	ग रे़ सा ऽ (०)
नि़ रे़ नि़ ध़ (३)	मं़ ध़ सा ऽ (×)	नि़ रे़ ग मं (२)	ग रे़ सा ऽ। (०)

अंतरा.

मं ध मं ग (३)	मं ध सां ऽ (×)	नि रें गं मं (२)	गं रें सां ऽ (०)
रें नि ध नि (३)	ध मं ध मं (×)	ग रे़ ग मं (२)	ग रे़ सा ऽ। (०)

मारवा—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

ध मं

ऽ ध ग मं (३)	ध मं ग रे़ (×)	नि़ रे़ नि़ ध़ (२)	मं़ ध़ सा नि़ (०)
ऽ रे़ ग नि़ (३)	रे़ ग मं ध (×)	ग नि ध रें (२)	नि मं ध रें (०)
ग नि ध मं (३)	ग मं ध रे़ (×)	ग मं ग रे़ (२)	नि़ रे़, ध मं। (०)

अंतरा.

ग मं

ध नि ऽ सां (०)	नि ऽ रें गं (३)	मं गं रें गं (×)	नि रें नि ध (२)
रें ऽ रें नि (०)	ध मं ग रे (३)	ऽ ध नि ऽ (३)	रे ग मं ग (२)
रे ऽ मं गं (०)	रें गं मं धं (३)	ऽ रें ऽ नि (×)	ध मं ग रे (२)
नि रे ध मं (०)	ऽ ध ग मं (३)	ध मं ग रे (×)	

मारवा—झपताल. (मध्यलय.)

स्थायी.

(सा) ध	—	मं	मं	ध	मं	ध	मं	ग	री
ती (×)	ऽ	व (२)	र	ग	म (०)	ध	नि (३)	सु	र
सा	ग	(री) ग	ग	मं	ग	री	गं	सा	सा
मेऽ (×)	ऽ	ल (२)	न	स	ज (०)	त	म (३)	धु	र

(नि)सा	सानि	री	री	री	(री)नि	ध	मंध	सा	सा
वि	क्ऽ	र	त	रि	ख	ब	भीऽ	त	र
×		२			०		३		
सारी	ग	(री)ग	ग	मं	ग	री	ग	सा	सा
माऽ	ऽ	रु	व	क	हृ	त	च	तु	र ।
×		२			०		३		

अंतरा.

गं	–	(ध)मं	(ध)मं	ध	(ध)मं	सां	सां	सां	सां
रा	ऽ	ग	गा	ऽ	व	त	सु	क	र
×		२			०		३		
(नि)सां	–	रीं	रीं	रीं	(रीं)नि	रीं	निं	ध	ध
पौं	ऽ	च	म	वि	वा	ऽ	दि	सु	र
×		२			०		३		
(ध)मं	ध	मं	ग	री	मं	ग	री	री	सा
मौं	ऽ	वा	ऽ	द	रि	ध	बि	च	र
×		२			०		३		
(सा)री	–	रीं	रीं	रीं	(ग)री	री	ग	री	सा
अ	ऽ	स्त	दि	न	अ	त	रु	चि	र।
×		२			०		३		

मारवा—त्रिताल. (मध्यलय).

स्थायी.

ग			ध
मं ग – री̲	सा सा ऩि ऩि	री̲ – ग ग	मं – ध ग
जा ओ ऽ मो	ह न मो रे	फौं ऽ द प	रो ऽ ना ऽ
०	३	×	२
सां सां	ध ध		
नि निरीं̲ नि ध	मं मंध मं ग	री̲ – ग मं	ग री̲ सा –
क पऽ टि कु	टि लऽ ह म	आ ऽ प भ	ले ऽ हो ऽ
०	३	×	२
सा सा			ध
ऩि ऩि ध़ ऩि	– ऩि री̲ री̲	ग – ग ग	मं – ध ग
गु न नि धा	ऽ न अ रु	श्या ऽ म स	लो ऽ ना ऽ।
०	३	×	२

अंतरा.

	ध	ध	
ग – ग ग	मं – ध मंध	सां – सां सां	सां रीं̲ सां सां
मौं ऽ द म	ती ऽ ह मऽ	का ऽ न च	तु र तु म
०	३	×	२
नि	री̲		
सां सां रीं̲ रीं̲	नि रीं̲ नि ध	मं मं ध ध	मं – ग ग
बि र ह बि	था ऽ भ ले	ह म को स	ता ऽ व त
०	३	×	२
मं			
ग – मं री̲	ग – मं मं	ग – मं ग	री̲ – सा –
मौं ऽ दि र	मैं ऽ अ ब	दे ऽ र प	रे ऽ गी ऽ
०	३	×	२

सा			ध
ध़ – ध़ –	नि़ – री री	ग ग ग –	मं – ध ग
क्यूं ऽ पू ऽ	छो ऽ तु म	हृ म रो ऽ	रो ऽ ना ऽ।
०	३	×	२

मारवा— त्रिताल. (मध्यलय).

स्थायी.

सा मं	ध	ध ध	ग ग
नि़ नि़ री ग	ग ग मं ध	सां – नि नि	मं ध मं ध
ज ग त ज	न नि ज ग	ढूँ ऽ ब भ	वा ऽ ऽ नि
०	३	×	२
		नि़	
मं ग – री	री सा सा सा	ध़ ध़ ध़ म़	ध़ सा सा सा
कि र्पा ऽ क	र नि दु ख	ह र नि सु	ख क र नि
०	३	×	२
सा	ध	मं ध	
नि़ नि़ री ग	ग ग मं ध	नि नि ध मं	ग री सा सा
श्र ण त ज	न श र नि	भ ब ज ल	धि त र नि।
०	३	×	२

अंतरा.

ध			
मं – ध सां	– सां सां –	सां सां सां सां	सां रीं सां –
मैं ऽ प ती	ऽ त से ऽ	ब क च र	न न हो ऽ
०	३	×	२
सां	सां सां		ध
नि नि रीं रीं	नि नि रीं नि	– रीं नि ध	मं ध मं ग
मु ज प र	कि र्पा ऽ दृ	ऽ ष्टि अ ब	की ऽ जे ऽ
०	३	×	२

म॑ री॒ – ग	– ग (ध)म॑ ध	म॑ ग – म॑	ग री॒ सा –
म हा ऽ मा	ऽ य जो ऽ	ग नी ऽ शि	वा ऽ नी ऽ
०	३	×	२
(सा)नि़ नि़ री॒ ग	ग ग (ध)म॑ ध	(म॑)नि नि ध म॑	ग री॒ सा सा
प्र ण त ज	न श र नि	भ व ज ल	धि त र नि।
०	३	×	२

मारवा—त्रिताल—(मध्यलय).

स्थायी.

(सा)नि़ नि़ री॒ ग	– ग (ध)म॑ ध	नि ध – नि	(ध)म॑ ध म॑ ग
का उ कि री	ऽ त को उ	क रे ऽ स	खी ऽ री ऽ
०	३	×	२
म॑ री॒ ग म॑	ग री॒ सा –	(ध़)म़॑ – ध़ –	सा सा सा –
मी ऽ त पि	य र वा ऽ	जो ऽ जो ऽ	क रि ये ऽ
०	३	×	२
सा –	री॒ – सा सा	नि़ री॒ ग म॑	ग री॒ सा –
ऽ ऽ सो ऽ	सो ऽ स ब	अ प ने ऽ	म न की ऽ।
०	३	×	२

अंतरा.

(ध)म॑ – ध सां	– सां सां सां	सां सां सां सां	सां रीं॒ सां –
हों ऽ अ धी	ऽ न त न	म न ध न	तु म रे ऽ
०	३	×	२

नि नि <u>रीं</u> —	नि नि <u>रीं</u> नि	— <u>रीं</u> नि ध	मं ध मं ग
तु म तो ऽ	मे हे र बा	ऽ न स ब	के ऽ ऽ ऽ
०	३	×	२
<u>री</u> <u>री</u> — ग	— ग मं मं	ग ग मं ग	<u>री</u> — सा —
स दा ऽ रौं	ऽ ग प र	रं ग ब र	सा ऽ यो ऽ।
०	३	×	२

मारवा— त्रिताल. (मध्यलय).

स्थायी.

सा			
ध ध मं ध	मं ग <u>री</u> <u>री</u>	<u>री</u> ग<u>री</u> ग मं	ग <u>री</u> सा —
अ व गु न	ब क स क	र मऽ क र	मे ऽ रे ऽ
०	३	×	२
ध			
मं — ध ध	सा — सा सानि	<u>री</u> ग<u>री</u> ग मं	ग <u>री</u> सा —
ए ऽ कि र	ता ऽ र सऽ	र नऽ द र	ते ऽ रे ऽ।
०	३	×	२

अंतरा.

मं	ध		
ग ग ग —	मं — ध मंध	सां — सां सां	सां <u>रीं</u> सां —
इ त नो ऽ	ही ऽ व रऽ	मां ऽ ग त	अ ब मैं ऽ
०	३	×	२
सां	<u>रीं</u>		ध
नि नि <u>रीं</u> <u>रीं</u>	नि <u>रीं</u> — नि	— <u>रीं</u> नि ध	मं ध मं ग
दि न दि न	ब ढो ऽ ग्या	ऽ न स र	सा ऽ म त
०	३	×	२

मं <u>री</u> <u>री</u> ग	– ग मं(ध) ध	मं ग – मं	ग <u>री</u> सा –
ता ऽ न रा	ऽ ग ता ऽ	ल सू ऽ र	मे ऽ रे ऽ
०	३	×	२
(सा)ध ध मं ध	मं ग <u>री</u> <u>री</u>		
अ व गु न	व क स क		
०	३		

मारवा– त्रिताल. (मध्यलय).

स्थायी.

(सा)ध ध मं ध	मं ग <u>री</u> –	सा<u>री</u> ग (री)ग मं	ग <u>री</u> सा सा
सु घ र सु	घ र बै ऽ	ठेऽ ऽ स ब	गु नि ज न
०	३	×	२
(ध)मं – ध –	सा सा सा –	सा<u>री</u> ग (री)ग मं	ग <u>री</u> सा –
दे ऽ खो ऽ	गु न की ऽ	रीऽ ऽ त अ	नो ऽ खी ऽ ।
०	३	×	२

अंतरा.

(ध)मं – ग ग	(ध)मं मं ध –	(ध)मं मं सां –	सां – सां –
स ऽ ब सु	र न सौं ऽ	गु न को ऽ	गा ऽ वे ऽ
०	३	×	२
(नि)सां सां – (सां)नि	– <u>रीं</u> (रीं)नि –	(रीं)<u>रीं</u> नि – ध	मं ध मं ग
उ नं ऽ चा	ऽ स कू ऽ	ह ता ऽ न्सु	ना ऽ वे ऽ
०	३	×	२

मं री – ग	– (ग)ग (ध)नि नि	ध मं ग मं	ग री सा –
स दा ऽ रैं	ऽ ग री ऽ	झ त स ब	म न को ऽ।
०	३	×	२

मारवा– त्रिताल. (मध्यलय).

स्थायी.

(ग)ध – मं	ग – री सा	(सा)नि – री	ग – – मं
ऽ आ ऽ ना	वे ऽ मि ल	ऽ जा ऽ ना	वे ऽ ऽ ऽ
०	३	×	२
ध – मं	ग – री सा	(सा)नि – री	ग – – –
ऽ आ ऽ ना	वे ऽ मि ल	ऽ जा ऽ ना	वे ऽ ऽ ऽ
०	३	×	२
(ध)मं – ग	(ध)मं – ध –	नि ध – नि	(ध)मं ध मं ग
ऽ सा ऽ मि	दा ऽ ऽ ऽ	श र ऽ द्वि	गा ऽ ना ऽ।
०	३	×	२
(री)री ध – मं			
ऽ आ ऽ ना			
०			

अंतरा.

(म)मं ग ग	(ध)मं – ध ध	(ध)ऽ सां सां सां	सां – सां –
ऽ चं द न	का ऽ क ठ	डा ऽ ऽ ब	ना ऽ या ऽ
०	३	×	२

सां सां सां	निसां रीं नि ध	मं नि ध	मं ग री ग
ऽ ता प र	बैऽ ऽ ठे ऽ	ऽ ता ऽ ना	वे ऽ ऽ ऽ।
ध ध — मं			
ऽ आ ऽ ना			

मारवा— एकताल. (मध्यलय)

स्थायी.

सा
बो

नि री	ग मं	ध मं	ध मं	ग री	ग मं
ल न	वि न	क ब	ऽ हूं	ऽ वे	न न
ग री	सा सा	मं ध	री सा	— सा	री —
हिं प	र त	पि य	र बा	ऽ जो	चा ऽ
ध मं	ध —	निरी गमं	ध ग	मं ग	री सा
हे र	स ऽ	आऽ ऽऽ	ऽ ऽ	ऽ वे	मा, बो।

(ध) मं	–	ध	ध	सां	–	सां	सां	(नि) सां	नि	रीं	रीं
औ	S	र	न	सें	S	तु	म	म	ला	S	इ
×		०		२		०		३		४	
(रीं) नि	रीं	नि	ध	मं	ध	मं	ग	री	–	–	मं
पी	S	त	क	रो	S	म	न	के	S	S	रं
×		०		२		०		३		४	
ग	री	सा	–	नि	री	ग	मं	ध	सां	रीं	–
गी	S	ले	S	ह	मे	बो	ल	न	सु	ना	S
×		०		२		०		३		४	
रीं	निध	निनि	धमं	धध	मंग	री	सा				
SS	SS	SS	SS	SS	SS	S,	बो				
×		०		२		०					

मारवा— एकताल. — (मध्यलय).

स्थायी.

(सा) ध	ध	मं	ग	री	सा	नि	–	री	ग	–	ग
च	लो	ह	टो	गि	र	धा	S	रि	श्या	S	म
×		०		२		०		३		४	
(नि) रीं	(नि) रीं	नि	ध	मं	ग	नि	ध	मं	ग	री	सा
न	इ	सी	चु	न	र	मो	रि	बि	ग	र	त
×		०		२		०		३		४	

(सा)नि़	—	री	ग	ग	ग	(ध)मं	—	ध	सां	सां	सां
हां	S	हां	क	र	त	पा	S	य	प	र	त
×		०		२		०		३		४	
(नि)सां	(नि)रीं	नि	ध	मं	ग	मं	ग	री	ग	री	सा
क	र	प	क	र	त	क	छु	ना	ङ	र	त।
×		०		२		०		३		४	

अंतरा.

(मं)ग	—	ग	ग	मं	ध	(ध)सां	सां	सां	सां	सां	सां
बा	S	ट	च	ल	त	अ	च	रा	ग	ह	त
×		०		२		०		३		४	
(ध)सां	सां	(सां)नि	रीं	नि	ध	मं	—	नि	ध	मं	ग
म	टु	की	S	स	र	सों	S	ढु	र	क	त
×		०		२		०		३		४	
(सा)री	—	ग	ग	(ध)मं	ध	मं	ग	मं	ग	री	सा
जा	S	य	क	हों	S	घ	र	को	S	अ	ब
×		०		२		०		३		४	
(नि)सां	(सां)रीं	नि	ध	मं	ग	मं	ग	री	ग	री	सा
ह	टो	ह	टो	अ	ब	च	तु	र	श्या	S	म।
×		०		२		०		३		४	

मारवा—त्रिताल. (मध्यलय).

स्थायी.

(सा) मं मं ग मं	ग ॒रि सा –	सा सा ध़ –	सा सा ॒रि –
सु न सु न ०	ब ति यां ऽ ३	स ग री ऽ ×	र ति यां ऽ २
(गं) ॒रि ॒रि ग ग	(ध) मं ध सां सां	(ध) सां ॒रिं नि ध	मं ग ॒रि सा
उ च ट जि ०	या ऽ मो रा ३	ड र पा ऽ ×	ऽ ऽ ऽ वे। २

अंतरा.

(ध) मं मं ध ध	(ध) मं ग (ध) मं ध	सां सां सां सां	सां – ॒रिं –
र ह त अ ०	के ऽ लो ऽ ३	थ र थ र ×	कां ऽ पे ऽ २
(सां) नि नि ॒रिं –	(सां) नि नि॒रिं नि ध	(ध) मं मं ध ध	(ध) मं – ग –
जि य रा ऽ ०	उ नऽ बि न ३	ल र ज न ×	मो ऽ रा ऽ २
(॒रि) सा – ग ग	मं – ध ध	(ध) ॒रिं – नि ध	मं ग ॒रि सा
का ऽ सें क ०	हूं ऽ स ग ३	रो ऽ दु ख ×	पा ऽ ऽ वे। २

मारवा— एकताल. (विलंबित).

स्थायी.

मंमं (धध)	धमं	गरी	सा	मंग (ग)	मंध (ध)	सां	—	नि (सां)	रींनि	मंध (ध)	मंग
झांझ	ऽन	मोऽ	रा	झन	काऽ	ई	ऽ	न	ऽमु	नाऽ	ईऽ
३		४		×		०		२		०	
मंध (ध)	मं,गरी	गरी	सा	नि,निरी (सा)	निध	निरी (सा)	गग	मंमंगमं	गरी	गरी	सा
लोऽ	ग,ऽऽ	ऽऽ	वा	पि,याऽ	काई	मुख	दिखा	ऽऽऽऽ	ऽइ	ओऽ	र।
३		४		×		०		२		०	

अंतरा.

मंध (ध)	सांसां	सांसां	निरीं	सां	—	सां (नि)	—,निध	नि	रींनि	मं (ध)	ध
लेऽ	चलो	नग	ऽर	में	ऽ	में	ऽ,सुऽ	र	ऽझ	न	ऽ
३		४		×		०		२		०	
निध	मंग	री	—	री	ग	मं (ध)	ध	सां (नि)	नि	रीं	नि
मिल	बिछ	रे	ऽ	आ	ऽ	नों	द	क	ऽ	ऽ	रे।
३		४		×		०		२		०	

मारवा— झूमरा. (विलंबित).

स्थायी.

मंध (ध)	धध,मंग (म मं)	रींसा,रींनि (मं)		मं (ध)	—	मं (ध)	मं (ध)	मं (ध)	मं (ध)	ध	मं	ग	री
नऽ	नंऽ,दीऽ	याऽ	ऽ,ऽच	वा	ऽ	व	ना	मो	री	ऽ	रे	ऽ	ऽ
३				×			२				०		

री ग मं ध	मंध मंध री	ग मं ग री	ग री सा
ऽ ऽ ऽ ऽ ३	ऽऽ ऽऽ ऽ ×	स ब ब र २	ऽ ब र ०
सा नि री निनि	मं ध सा	सा सा सानि री	मं मं मं
च वा ऽ वक ३	र ऽ त ×	फि र तऽ ऽ २	र ह त ०
नि ध —	मं — ग	नि री ग मं	ध मं मं
ऽ नि त ऽ ३	झू ऽ टे ×	सां ऽ ऽ ऽ २	ऽ ऽ च। ०

अंतरा.

मंध मंग री ,री	ग मं ध	मंध सां — सां	रीं सां —
काऽ हूऽ के ,ल ३	गा ऽ ये ×	बुऽ झा ऽ ये २	का हा ऽ ०
सां — सांनि रीं	नि ध —	मं — ध —	मं ग री
हो ऽ तऽ ऽ ३	है ऽ ऽ ×	ऽ ऽ ऽ ऽ २	मा ऽ इ ०
नि री ग मं	ध —नि ध	ध नि री ग	मं ध मं
सा ऽ च को ३	ऽ ऽकां हां ×	आं ऽ ऽ ऽ २	ऽ ऽ च। ०

मारवा—एकताल (विलंबित).

ध म॑	ध म॑ध	म॑	ग	ध म॑	—	ध	म॑	ग	रि॒	सा रि॒	ग
जि ३	याऽ	अ ४	क	लो ×	ऽ	इ ०	आ	ऽ २	वे	आ ०	ऽ
रि॒	ग	—	म॑	ग	रि॒	सा	—	नि॒ सानि॒	रि॒	नि॒	ध॒
वे ३	मो	ऽ ४	री	मा ×	ऽ	इ ०	ऽ	रीऽ २	ऽ	पि ०	य
ध म॑	ध॒	सा	सा	—	नि॒ सा	नि॒ रि॒	रि॒	धधम॑ध	धम॑गरि॒	गम॑म॑ग	रि॒सानि॒सा
ग ३	व	न ४	को	ऽ ×	ग	इ ०	ल	वाऽऽऽ २	ऽऽऽऽ	ऽऽऽऽ ०	ऽऽऽऽ।

अंतरा.

म॑	ग	ध म॑	ध	सां	—	सां	—	नि सां	सांनि	रिं॒	—
उ ३	न	बि ४	न	मैं ×	ऽ	का ०	ऽ	वि २	रऽ	हा ०	ऽ
सां नि	सां निरिं॒	नि	ध	ध म॑	ध म॑	ध	म॑	ग	रि॒	सा	—
दु ३	खऽ	वा ४	ऽ	नि ×	स	ऽ ०	दि	ना २	ऽ	ऽ ०	ऽ
सा नि॒	सा नि॒रि॒	नि॒	ध॒	नि॒ सा	सानि॒	रि॒	—	रि॒रि॒नि॒रि॒रि॒	निधम॑	धधम॑ग	म॑गरि॒सा
नि ३	तऽ	भ ४	इ	ल ×	वाऽ	ऽ ०	ऽ	ऽऽऽऽ २	ऽऽऽऽ	ऽऽऽऽ ०	ऽऽऽऽ

मारवा.— एकताल. (विलंबित).

स्थायी.

											ऩि सा
											मा
ध मं	ध मं	—	धनि	ध मं	ध मं	ग	ध मं	ध	मं	ग	री
ई ३	ऽ	ऽ ४	मोहे	का ×	हु	ऽ ०	की	ऽ २	क	हा ०	ऽ
ग	री	सा	ऩिसा	ऩि सा	ध मंध	मं	गरी	री ग	री	सा	ऩिसा
ऽ ३	प	री ४	ऽऽ	अ ×	पऽ	ने ०	पीऽ	त २	म	को ०	ऽऽ
सा ऩिरी	ऩि	ध मं	धृ	ऩि सा	री	—	ध मं	ग	री	ऩि सा	सा
राऽ ३	खों	गी ४	ऽ	ग ×	रे	ऽ ०	ल	गा २	ऽ	य, ०	मा।

अंतरा.

											गग
											कोऊ
ध मं	ध	ध मं	सां	सां	—	सां	—	नि सां	सां	सां निसां	निसांरींरीं
ला ३	ऽ	ख ४	क	हो ×	ऽ	तो ०	ऽ	ए २	क	नाऽ ०	ऽऽऽगि

(रीं) नि ध	मं ग	(ध) मं ग	(ध) मं ध	(ध) मं सां	(सां) सां नि
नों ऽ	री ऽ	ए रि	हूं तो	दे ऽ	ख री
३	४	×	०	२	०
रीं गं	रीं सां	(सां) रीं नि	ध मं	ग री	(नि़) सा सा
ऽ झ	र हि	उ न	को सु	भा ऽ	य, मा
३	४	×	०	२	०

मारवा.—त्रिताल. (विलंबित)

स्थायी.

सा

पि

(सा) नि़ री ग मं	(मं ध) ध मं ग री	(री) ग री सा —सा	(नि़) सा री सा —
या ऽ मो रे	अ न तै ऽ	दे ऽ स ऽग	ई ल वा ऽ
३	×	२	०
(ध ध) मं मं — गरी	ग री सा —	(नि़) ध़ नि़ ध मं	ग री सा ,सा
ना जा ऽ नूंऽ	ऽ क ब ऽ	घ र ऽ आ	ऽ वें गें ऽपि ।
३	×	२	०

अंतरा.

(ध) मंध सांसां सांसां सांसां	रीं — सां —	(नि) सांसां सां नि रीं	(सां ध) नि,निरीं निध मं ग
उन केद रस देख	वे ऽ को ऽ	अखि या ऽ ऽ	त,रऽ सुर ही ऽ
३	×	२	०

मं ध सां सां	सांनि रीं सां –	सां सांनि रीं रीं	री री सा –सा
उ न बि न	मोऽ ऽ हे ऽ	कु छुऽ ऽ न	भा ऽ वे, ऽपि।
३	×	२	०

मारवा— त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

नि री
उ द

ग मं ध मं	ध मं ग री	सा – – –	– – नि री
त न दे रे	ना द्री ऽ म्त	ना ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ उ द
०	३	×	२
ग मं ध मं	ध मं ग री	सा – मं ध	नि री नि री
त न दे रे	ना द्री ऽ म्त	ना ऽ त न	त न दे रे
०	३	×	२
ग नि – री	ग मं ध ध	मं नि – ध	रीं – नि –
ना द्री ऽ म्त	न न दिर दिर	त दे ऽ नीं	दे ऽ नीं ऽ
०	३	×	२
गं गं रीं नि	रीं नि ध मं	ध नि रीं –	रीं नि ध मं
ता ऽ रे त	दा रे दा नि	द्री ऽ ऽ ऽ	म्त न न न
०	३	×	२

(मं) ध – ध मं	(रीं ग) ग ग मं –	(ग) मं ग री सा	नि़ ध़ नि़ री
तो ऽ म्त न	न न दी ऽ	म्त न न न	न न, उ द ।
०	३	×	२

अंतरा.

(मं) नि नि ध मं	(मं) ध ध मं ग	मं ध नि रीं	– सां सां –
दिर दिर ता ना	दिर दिर ता ना	दे ऽ नां दे	ऽ नां दी ऽ
×	२	०	३
सां – नि रीं	गं मं धं मं	धं मं गं रीं	गं मं गं मं
म्दी ऽ म्त न	न न दे रे	ना त दा रे	दा नि दी ऽ
×	२	०	३
रीं गं नि रीं	ध नि मं ध	ग मं री ग	नि़ री ग मं
म्त न न न	दे रे ना त	दि या ना रे	दा नि दी ऽ
×	२	०	३
री ग मं ध	मं ध नि रीं	नि रीं गं गं	गं (रीं) गं रीं नि
म्त न न न	दे रे ना त	दि या ना रे	दा ऽ ऽ ऽ
×	२	०	३
ध मं ग री	सा – नि़ री		
ऽ ऽ ऽ ऽ	नी ऽ, उ द		
×	२		

मारवा–एकताल. (मध्यलय).

स्थायी.

ध	–	मं	ध	मं	ग	री	री	सा	–	नि़	(नि़री)
तो	ऽ	म्त	न	न	त	न	न	तों	ऽ	म्त	नऽ)
×		०		२		०		३		४	
नि़	ध़	ध़	ध	–	मं	मं	ध	मं	ग	री	री
द्रे	रे	न	दा	ऽ	रे	त	न	न	द्रे	रे	ना
×		०		२		०		३		४	
री	–	ग	–	(री)	मं	ग	री	री	सा	सा	सा
तो	ऽ	म्तो	ऽ	म्त	न	न	न	न	द्रे	रे	ना
×		०		२		०		३		४	
नि़	री	ग	मं	ध	नि	–	मं	ध	मं	ग	मं
ना	द्रे	तुं	द्रे	त	दीं	ऽ	म्त	दीं	ऽ	म्त	दीं
×		०		२		०		३		४	
री	ग	मं	ध	ग	मं	ग	री	सा	नि़	ध़	–
ऽ	म्त	न	द्रे	त	दि	या	ना	रे	त	दीं	ऽम्।
×		०		२		०		३		४	

अंतरा.

ध	–	ध	मं	ग	री	ग	मं	ध	सां	–	सां
दी	ऽ	म्त	न	द्रे	रे	त	द	रे	दा	ऽ	नि
×		०		२		०		३		४	

नि रीं	गं रीं	सां सां	नि —	रीं नि	ध मं
तों ऽ	ऽ म्त	न न	दीं ऽ	ऽ म्त	न न
×	०	२	०	३	४
ध नि	ध मं	ग री	ग मं	ध —	ग मं
ता ऽ	रे त	न न	ना द्रे	द्रे ऽ	तुं द्रे
×	०	२	०	३	४
ग री	सा —	ध़ —	म़ म़	ध़ सा	सा ग
द्रे त	दा ऽ	नी ऽ	धा ती	ना धा	किट धुम
×	०	२	०	३	४
मं ध	सां —	मंध सां	— रीं	सां सां	नि नि
किट तक	थों ऽ	तक थो	ऽ धुम	किट तक	धा किड
×	०	२	०	३	४
रीं गं	— रीं	सां सां	रीं नि	— ध	मं ग
नग धे	ऽ धुम	किट तक	धे त्लां	ऽ न्न	धा ऽ
×	०	२	०	३	४
री ग	— मं	ध —	ग मं ग	री सा	ध़ —
री त्लां	ऽ न्न	धा ऽ	धे त्लां	ऽ न्न	धा ऽ।
×	०	२	०	३	४

मारवा— तिलवाडा. (विलंबित).

स्थायी.

सा निरे	मं ध गमं	ध	मंग	री	सा	सा(सा)	—निध	सा नि	री	सा	निनिरीनिध
तन ३	नन	ऽ	तन	ना ×	ऽ	नाऽ	ऽ,नन	ना २	रे	दो	स्तनऽ,देरे
मं	धमं	सा	री	मं गग	मंध	मंग	री	—सा	—सा	नि	रीध
या ०	ऽऽ	ऽ	रे	दानि ३	मोंऽ	ऽऽ	ऽ	ऽमां ×	ऽडे	ऽ	ऽऽ
सा नि	री	ग	गमं,ध	मं	ग	री	सासा				
ना २	ऽ	ऽ	ऽऽ,ऽ	ऽ ०	ऽ	रे	दोस्				

अंतरा.

		मंग	ध मंध	ध मं	सां	सां	—सां	नि सां	नि —ध	सां नि	रीं
ऽ ३	ऽ	बेऽ	ऽव	फा ×	ऽ	ई	ऽन	क २	ऽखूं	दा	ऽ
रीं मं	गं	रीं	सां	निसां	—रीं	रीं नि	—ध	ध मं	ध	मंग	रीरी
से ०	ऽ	ऽ	ड	ऽऽ ३	ऽर्जे	ग	ऽह	सा ×	ऽ	इऽ	ऽन
नि सानि	रीध	सा नि	री	मं	ग	रे	सासा				
कऽ २	ऽखू	दा	ऽ	से ०	ऽ	ऽ	डर				

मारवा—झपताल. (मध्यलय.)

स्थायी.

री	सा	(सा) ध़	सा	सा	सा	सानि	री	सा	सा
म	हा	दू	ल	वि	क	ऽऽ	भ	ट	प्र
×		२			०		३		
(सा) नि़	री	ग	—	मं	ग	री	सा	—	सा
ब	ल	रा	ऽ	ज	र	घु	बी	ऽ	र
×		२			०		३		
(नि़) सा	री	सा	ग	ग	(ध) मं	मं	ध	मं	ध
ति	ल	क	स	मु	झ	स	ट	ह	ट
×		२			०		३		
नि	ध	मं	ग	—	मं	ग	री	—	सा
न	क	र	रा	ऽ	मे	ऽ	पा	ऽ	ई।
×		२			०		३		

अंतरा.

(मं) ग	—	मं	ध	ध	(ध) मं	—	सां	सां	—
नी	ऽ	ल	न	ल	री	ऽ	झ	रा	ऽ
×		२			०		३		
(नि) सां	—	रीं	रीं	—	(रीं) नि	रीं	नि	ध	ध
जा	ऽ	ब	ली	ऽ	लौं	ऽ	क	क	रि
×		२			०		३		

^ध^मं	नि	|	ध	मं	ग	|	मं	गं	|	री	सा	सा
पौं	ऽ	|	कु	ह	नु	|	मौं	ऽ	|	त	छि	न
×		|	२			|	०		|	३		
^नि^सा	–	|	रीं	नि	ध	|	मं	ग	|	री	–	सा
ए	ऽ	|	ऽ	ऽ	ऽ	|	ऽ	ऽ	|	मा	ऽ	ई।
×		|	२			|	०		|	३		

मारवा— चाताल. (विलंबित).

स्थायी.

^ग^ध	मं	ध	मं	ग	ध	मं	ग	–	ग	री	सा
प्र	थ	ऽ	म	ऽ	मौं	ज	न	ऽ	क	ऽ	र
×		०		२		०		३		४	
^नि^सा	नि	री	नि	–	ध	^सा^नि	री	ग	री	सा	–
अ	ऽ	ऽ	स्ना	ऽ	न	अं	ज	न	दी	ए	ऽ
×		०		२		०		३		४	
^सा^नि	–	री	ग	–	ग	ध	मं	ध	सां	–	सां
ला	ऽ	ऽ	ग	ऽ	त	नै	ऽ	ऽ	न	ऽ	न
×		०		२		०		३		४	

सां	रीं	नि	ध	मं	नि	ध	मं	ग	(रीं)ग	री	सा
नी	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	को।
×		०		२		०		३		४	

अंतरा.

(मं)ध	मं	ध	सां	—	—	(नि)सां	नि	रीं	रीं	सां	—
ना	ऽ	क	की	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	न	थ	ऽ
×		०		२		०		३		४	
(नि)सां	—	नि	रीं	सां	सां	(नि)सां	नि	रीं	नि	ध	ध
आ	ऽ	ऽ	ऽ	न	न	में	ऽ	ऽ	बी	ऽ	री
×		०		२		०		३		४	
(मं)ध	मं	ध	मं	ग	(ग)ध	मं	ग	मं	ग	री	सा
अ	ल	ऽ	क	ऽ	फु	ले	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ल
×		०		२		०		३		४	
(नि़)सा	नि़	री	ग	—	ग	(ध)मं	ध	(ध)मं	ध	सां	सां
सिं	दु	र	मां	ऽ	ग	मा	ऽ	थे	के	स	र
×		०		२		०		३		४	

सां री	नि	ध	मं	नि	ध	मं	ग	–	री ग	री	सा
टी ×	ऽ	ऽ ०	ऽ	ऽ २	ऽ	ऽ ०	ऽ	ऽ ३	ऽ	ऽ ४	को।

मारवा–चौताल. (विलंबित).

स्थायी.

ग ध

अ

ध मं	ग	री	सा	सा	–		नि सा	–	सा	सा नि	री
ना ३	ऽ	हु	त	ना ×	ऽ	ऽ ०	द	ऽ २	अ	का ०	ऽ
ग	री	–	सा	नि सा	सानि	री	नि	ध	–	नि सा	–
स ३	बा	ऽ ४	यु	मौं ×	ऽऽ	ऽ ०	दे	ऽ २	ऽ	न्या ०	ऽ
सानि	री	–	री	मं ग	मं	ग	री ग	री	सा	–	सा ध
रोऽ ३	न्या	ऽ ४	रो	बा ×	ऽ	ऽ ०	द	ऽ २	ल	ऽ, ०	अ।

अंतरा.

ध मं	ध	नि सां	सां	सां	—	नि सां	सां	नि	रीं	—	सां
चि ×	त	च ०	प	ला २	ऽ	च ०	म	ऽ ३	क	ऽ ४	त
सां नि	—	रीं	गं	रीं	सां	नि सां	सांनि	रीं	रीं नि	—	ध
बो ×	ऽ	ल ०	बूं	ऽ २	द	व ०	रऽ	ऽ ३	ख	ऽ ४	त
ध मं	ध	मंग	मं	ग	—	ध मंध	सां	नि	रीं	नि	ध
ता ×	ऽ	रऽ ०	स	मे २	ऽ	प्रऽ ०	मा	ऽ ३	ऽ	न ४	ए
मं ध	मं	ग	री	ग	री	सा	सा ध				
स ×	मी	ऽ २	ऽ	ऽ २	ऽ	र, ०	अ				

मारवा— चौताल. (विलंबित).

स्थायी.

ध मं	ध	मं	ग	री	सा	सा	—	नि सा	री	—	सा
गां ×	ऽ	व ०	गां	ऽ २	व	के ०	ऽ	लु ३	गै	ऽ ४	यां
नि सा	—	सा	री	—	री	मं ग	मं	ग	री	—	सा
द्री ×	ऽ	रे ०	द्री	ऽ २	रे	आ ०	ऽ	इ ३	आ	ऽ ४	इ

(नि)सा री	सा ग	— ग	(ध)मं ग	— (ध)मं	— ध
री ऽ	झ री	ऽ झ	प्या रे	ऽ को	ऽ ब
×	०	२	०	३	४
(ध)मं ध	— (ध)मं	ग —	(ध)मं ध	मं ग	री सा
लै ऽ	ऽ या	ऽ ऽ	लै ऽ	ऽ ऽ	ऽ त।
×	०	२	०	३	४

अंतरा.

(ध)मं ग	— (ध)मं	— ध	(ध)मं सां	— सां	— सां
वे ऽ	ऽ स	ऽ ब	बु ऽ	ऽ झ	ऽ त
×	०	२	०	३	४
(नि)सां —	सां सां	सां रीं	(सां)नि नि	रीं नि	ध ध
श्या ऽ	म सुं	द र	क म	ल नै	ऽ न
×	०	२	०	३	४
(ध)मं (ध)मं	ध मं	ग —	(ध)मं —	ध (ग)मं	ग —
ते री	ऽ कां	हां ऽ	रा ऽ	ऽ खे	ऽ ऽ
×	०	२	०	३	४
(ग)री —	री ग	मं ध	मं ग	री ग	री सा
सो ऽ	च स	कु च	मु स	ऽ क्या।	ऽ त
×	०	२	०	३	४

ग ग	— मं	— ध	(सां)नि -रीं	नि (ध)नि	(ध)मं ध
×मु ख	ऽ० फे	ऽ२ ऽ	रा० (ऽऽ)	त३ म	न४ ऽ
(सां)नि -रीं	नि (ध)नि	(ध)ध —	(ध)मं ध	मं ग	री सा
×नैं (ऽऽ)	न० क	हो२ ऽ	दे० ऽ	ऽ३ ऽ	ऽ४ त।

मारवा—चौताल. (विलंबित).

स्थायी.

(नि़)सा	नि़ री	ग मं	ग री	सा (सानि़)	री सा
×ऽ गा	य० क	स२ ब	मि० ल	बि३ (चाऽ)	ऽ४ र
मं —	(ध)मं ध	— री	— ग	— ग	मं ग
×ले ऽ	हो० ऽ	ऽ२ या	ऽ० बा	ऽ३ त	को४ ऽ
री न	री सा	— सा	मं़ ध़	सा —	सा सा
×सु ध	अ० स्ता	ऽ२ इ	सु० ध	अ३ ऽ	च्छ४ र
(सा)नि़ —	री ग	— ग	(ध)मं ध	नि ध	मं ग
×ता ऽ	न० रा	ऽ२ ग	की० ऽ	ऽ३ सौं	ग४ त

(म)म ग	री री	म ग	री सा	(नि)सा री	नि ध
में ऽ	ध र	न मु	र न	सूं ऽ	द र
×	०	२	०	३	४
म ध	सा सा	सा —	नि री	ग सानि	री ध
त ब	क हि	ये ऽ	वा ऽ	ऽ (कोऽ)	ऽ ऽ।
×	०	२	०	३	४
सा सा					
ऽ गा					
×					

अंतरा.

ग —	ग (ध)म	— ध	(ध)म सां	— सां	— सां
ओ ऽ	क्त जो	ऽ क्त	का ऽ	ऽ ब	ऽ में
×	०	२	०	३	४
(सां)नि रीं	गं रीं	— सां	(सां)नि —	रीं नि	— ध
धा ऽ	ऽ रे	ऽ अ	नू ऽ	ऽ प्रा	ऽ स
×	०	२	०	३	४
(ध)म नि	ध म	ग री	— (ग)म	ग री	— सा
त ब	धु र	प द	ऽ ब	ऽ ना	ऽ य
×	०	२	०	३	४

नि़ री़	ग री़	— सा	(सा)नि़ री़	ग री़	सा —
गा ऽ	ऽ वे	ऽ सु	ना ऽ	ऽ वे	ऽ ऽ
×	०	२	०	३	४
(सा)नि़ —	री़ ग	— ग	(ध)मं ध	नि ध	मं ग
ऐ ऽ	ऽ सो	ऽ जो	हो ऽ	ऽ ऽ	वे ऽ
×	०	२	०	३	४
मं री़	ग मं	ग री़	सा सा	(नि़)सा री़	ध़ सा
स्रे ऽ	ष्ट स्र	व न	सु ख	दा ऽ	ऽ य
×	०	२	०	३	४
सा सा					
क, गा					
×					

मारवा—धमार. (विलंबित).

स्थायी.

(नि़)सा सा
कै से

(नि़)सा ध — (ध)मं —	— ध	मं ग —	री़ — — —
हो ऽ ऽ री ऽ	ऽ खे	ल त ऽ	है ऽ ऽ ऽ
×	२	०	३
(सा)री़ ग री़ ग —	ग मं	ग री़ —	सा — री़ सा
ये ऽ ऽ ऽ ऽ	नं द	ला ऽ ऽ	ल ऽ य हां
×	२	०	३

मं ध़ – सा –	सा –	(सा)नि़ री –	सा – – सा
स ब ऽ स ऽ	खी ऽ	य न ऽ	सों ऽ ऽ क
×	२	०	३
(सा)नि़ री – ग –	– मं	ग री सा	सा (री ध़) सा सा
र त ऽ है ऽ	ऽ ऽ	प्या ऽ र	अ (होऽ), कै से ।
×	२	०	३

अंतरा.

मं ध – सां –	– सां	– सां –	रीं – सां –
बि जं ऽ की ऽ	ऽ ना	ऽ र ऽ	स ऽ ब ऽ
×	२	०	३
(नि)सां नि रीं गं रीं	सां –	(नि)सां नि रीं	नि – ध –
ब न ऽ ब ऽ	न ऽ	आ ऽ ऽ	है ऽ ऽ ऽ
×	२	०	३
नि ध – (ध)मं –	ग री	मं ग –	री – – सा
पि च ऽ का ऽ	ऽ ऽ	र न ऽ	की ऽ ऽ प
×	२	०	३
(नि़)सा रीं – नि ध	मं ग	(री)ग री सा	(नि़)सा (री ध़) सा सा
र त ऽ है ऽ	ऽ फो	हा ऽ र	अ (होऽ), कै से ।
×	२	०	३

मारवा— धमार. (विलंबित).

स्थायी.

सा सा
ह म

सा ध – मं –	ध –	मं ग –	री – – री
आ ऽ ऽ ये ऽ	फा ऽ	ऽ ऽ ऽ	ग ऽ ऽ खे
×	२	०	३
री ग री ग –	मं	ग – –	री – सा –
ल न ऽ ऽ ऽ	ऽ उ	न ऽ ऽ	स ऽ न ऽ
×	२	०	३
मं ध – सा नि	री –	मं ग –	री – सा सा
उ मा ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ	हे ऽ, ह म।
×	२	०	३

अंतरा.

मं ध – सां सां	सां सां	सां सां –	सां रीं सां –
भ र ऽ भ र	रं ग	स ब ऽ	ले ऽ दो ऽ
×	२	०	३
नि – रीं नि ध	मं नि	ध मं ग	ग री सा
री ऽ क र त	अ प	ने ऽ ऽ	चा ऽ ऽ
×	२	०	३
मं ध – सा नि	री –	मं ग –	री – सा सा
ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ	हे ऽ, ह म।
×	२	०	३

राग काफी.

काफी रागो भुवनविदितः कोमलाभ्यांगनिभ्या-
मन्यैस्तीव्रैः परममधुरः पंचमो वादिरूपः ॥
संवादी स्यात् स इह कतिचिद्वादिनं गं वदंति ।
सांद्रस्निग्धं सरसमतिभिर्गीयतेऽसौ निशायाम् ॥

कल्पद्रुमांकुरे ।

मृदू गमौ रिधौ तीव्रावुभौ नी पंचमोंऽशकः ।
यत्र षड्जस्तु संवादी काफी सा निशी गीयते ॥

चन्द्रिकायाम् ।

मृदु मध्यम गंधार है मृदु तीवर हुं निखाद ।
काफी सुंदर राग है पस वादीसंवाद ॥

चन्द्रिकासार ।

निसौ रिगौ मपौ धनी सनिधपा मगौ रिसौ ।
काफी पूर्णा भवेन्नित्यं पंचमांशसमन्विता ॥

अभिनवरागमंजर्याम् ।

हा राग काफीथाटांतून उत्पन्न होतो. त्यांत गांधार व निषाद हे स्वर कोमल व बाकीचे सारे स्वर शुद्ध लागतात. ह्याचा वादीस्वर पंचम व संवादी षड्ज आहे. कोणी गुणीलोक गांधार व निषाद यांचा संवाद मानितात. संपादकास पहिलें मत अधिक ग्राह्य आहे. ह्याची जाति संपूर्ण—संपूर्ण आहे. ह्या रागाचा गानसमय मध्यरात्र मानितात. कोणी ह्याला सार्वकालिकहि मानितात. हा राग सर्वसाधारण असून लोकप्रिय आहे. याच्या आरोहांत तीव्र गांधार व तीव्र निषाद अनेक वेळां घेतलेले आढळतात. त्या स्वरांच्या योग्य प्रयोगानें या रागाचें वैचित्र्य बरेंच वाढतें. ह्या रागाचे ते नियमित स्वर नाहींत, हें मात्र विसरूं नये. क्वचित् प्रसंगीं कोणी कोमल धैवतहि घेऊन रागहानि होऊं देत नाहींत, पण ही गायकाची कुशलता आहे. या रागाची खुबी **सा ग प** व **नि** या स्वरांवर आहे. हा यावनिक राग आहे, असें समजतात. सामान्य श्रोते " **सासा, रेरे, ग ग मम, प.** " या विशिष्ट स्वरसमुदायावरून हा राग तत्काळ ओळखितात.

आरोहावरोहस्वरूप.

सा रे ग, म, प, ध नि सां । सां नि ध प, म ग, रे, सा.

पकड.

सा सा, रे रे, ग ग, म म, प.

काफी— झपताल. (मध्यलय).

स्थायी.

ग ×	ग	रे २	सा	रे	प ०	ऽ	म ३	प	ध
ग ×	ग	रे २	सा	रे	प ०	ऽ	म ३	प	प
म ×	ध	नि २	सां	नि	ध ०	म	प ३	ग	रे
रे ×	ग	रे ×	म	ग	रे ०	सा	रे ३	नि़	सा
नि ×	ध	सां २	नि	ध	म ०	प	ध ३	ग	रे।

अंतरा.

म ×	म	प २	नि	नि	सां ०	ऽ	प ३	नि	सां
रें ×	गं	रें २	सां	रें	नि ०	सां	नि ३	ध	ध
प ×	रें	सां २	सां	रें	नि ०	सां	नि ३	ध	ध
सां ०	ऽ	नि २	ध	म	प ०	ध	ग ३	ग	रे
रे ×	ग	रे २	म	ग	रे ०	सा	रे ३	नि़	सा
नि ×	ध	सां २	नि	ध	म ०	प	ध ३	ग	रे।

काफी.—एकताल. (मध्यलय).

स्थायी.

पध	मप	(म) ग	–	रीसा	री	(म) ग	–	म	प	–	प
गुऽ	निऽ	गा	ऽ	वऽ	त	का	ऽ	फि	रा	ऽ	ग
०		३		४		×		०		२	
(नि) सां	(सां) रीं	सां	नि	ध	प	(म) ग	–	री	सा	री	सा
ख	र	हु	र	प्रि	य	मे	ऽ	ल	ज	नि	त
०		३		४		×		०		२	
(नि) सा	–	री	री	(म) ग	ग	म	–	प	प	ध	ध
को	ऽ	म	ल	ग	नि	ऊ	–	ज्व	ल	प	र
०		३		४		×		०		२	
(सां) नि	सां	निसां	रीं	सां	नि	ध	–	म	प	–	मप
सु	र	पौंऽ	ऽ	च	म	वा	ऽ	दि	सा	ऽ	धऽ ।
०		३		४		×		०		२	
पध	ध										
गुऽ	नि										
०											

—

अंतरा.

(प) म	म	म	प	नि	–	सां	नि	सां	–	सां	सां
स	र	ल	स	रू	ऽ	प	वि	प	ऽ	श्रि	त
०		३		४		×		०		२	

नि सां	रीं गं	रीं सां	रीं सां	रीं नि	सां सां
मा ऽ	न त	स व	सु ध	अ वि	क ल
०	३	४	×	०	२
(प) सां —	(ध) नि ध	म प	(म) ग ग	री सा	री नि
आ ऽ	श्र य	गु नि	च तु	र क	ह त
	३	४	×	०	२
सा —	री री	(म) ग ग	म —	प प	ध ध
को ऽ	म ल	ग नि	ऊ ऽ	ज्व ल	प र
०	३	४	×	०	२
नि सां	निसां रीं	सां नि	ध —	म प	— मप
सु र	पौंऽ ऽ	च म	वा ऽ	दि सा	ऽ धऽ ।
०	३	४	×	०	२
पध ध					
गुऽ नि					
०					

काफी एकताल (मध्यलय).

स्थायी.

					(प) ध प
					का हे
					०
(म) ग ग	(सा) री री	(म) ग —	प	— प	(नि) सां (सां) रीं
छे डो	मो हे	हो ऽ	ऽ श्या	ऽ म	ब हु
३	४	×	०	२	०



सां नि॒	ध प	(म)ग॒ ग॒	री सा	री नि॒	सा –
त ह	सि न	क रो	तुं म	अ म	सा ऽ
३	४	×	०	२	०
री री	(म)ग॒ ग॒	म म	प प	ध ध	नि नि
स न	नं द	सु न	जो पा	व त	तु मे
३	४	×	०	२	०
सां –	निसां रींनि॒	ध –	म प	म प	पध मप
दे ऽ	गी ऽऽ	गा ऽ	रि श्या	ऽ म	का हेऽ।
३	४	×	०	२	०

अंतरा.

म म	म प	नि नि	सां नि	सां नि	सां सां
अ प	नि क	र त	क छु	न सु	न त
०	३	४	×	०	२
नि सां	रीं गं॒	रीं सां	रीं सां	रीं नि	सां सां
रो ऽ	क त	नि त	ड ग	र च	ल त
०	३	४	×	०	२
सां –	(ध)नि॒ ध	म प	(म)ग॒ –	री सा	री सा
नी ऽ	ल ज	ठ ठु	रा ऽ	इ क	र त
०	२	४	×	०	०
(नि)सा –	री री	(म)ग॒ ग॒			
सा ऽ	स न	नं द	इ०		
०	३	४			

काफी— त्रिताल. (मध्यलय).

स्थायी.

			ग
			म प
			जि न
रीसा			ग
ग म ग॒ री	री ग म म	प प ध प	म ग म प
डा रो रं ग	मा नो गि र	धा रि मो रि	बा त, जि न
०	३	×	२
रीसा			ग
ग म ग॒ री	री ग म म	प प — —	— — म ग
डा रो रं ग	मा नो गि र	धा रि ऽ ऽ	ऽ ऽ अ ब
०	३	×	२
			ग ग
म नि॒ ध नि॒	ध प ध म	प प ध प	म ग म प
सा ऽ स सु	ने गि दे गि	गा रि ह म	हा रि, जि न।
०	३	×	२

अंतरा.

			सां सां
म म प ध	नि — सां सां	नि नि सां सां	नि॒ नि॒ ध प
गि रि कै ऽ	ला ऽ स को	बा स ह म	छां ऽ ड्यो ऽ
०	३	×	२

नि नि सां सां	(सां) ध सां नि॒ नि॒	ध प ध प	(ग) म (ग) ग म प
ह॒ म अ व	ला॒ ऽ अ त	बा॒ रि मी जि	सा॒ री, जि न।
०	३	×	२

संचारी.

सां नि॒ ध सां	नि॒ ध म प	(म) ग॒ – री म	(म) ग॒ – री सा
ड॒ म क ड	म॒ क ड म	रू॒ ऽ ग त	बा॒ ऽ ज त
०	३	×	२
नि॒ सा री –	री ग म म	प प ध म	प प – –
म॒ त सौं ऽ	गी॒ ऽ त बि	चा॒ रि त त	का॒ री ऽ ऽ।
०	३	×	२

आभोग.

म म प ध	नि नि सां सां	नि नि सां –	(सां) नि॒ (सां) नि॒ ध प
ह॒ र रं ग	क॒ हा क हुं	अ॒ ब मैं ऽ	तो॒ ऽ सों ऽ
०	३	×	२
नि नि सां सां	निसां रीं सां नि॒	ध प ध प	(ग) म (ग) ग म प
अ॒ न गि न	दे॒ऽ ऽ ॐ मैं	गा॒ रि दे दे	ता॒ रि, जि न।
०	३	×	२

काफी—त्रिताल. (मध्यलय).

स्थायी.

ग
म
क

ग ग म प	धपगम (प)	ग॒ ग॒ री री (म, सा)	प — — ग
दू र पि या	नै यां मो रि	कै से ला गे	पा ऽ ऽ तुँ
२	०	३	×
म ध नि॒ सां	रीं नि॒ — नि॒ (ध)	ध प ध म	प — — म
खे व ट अ	ना डी ऽ हुं	ठा डि म ज	धा ऽ ऽ कं।
२	०	३	×

अंतरा.

(म) — म प	नि — सां — (सां)	सांरीं गं॒ रीं सां (मं)	रीं नि सां —
ना ऽ मो रे	नै ऽ यां ऽ	नाऽ ऽ रे ख	वै ऽ या ऽ
०	३	×	२
नि — सां सां (सां)	निसां नि॒ ध म (रीं)	प — — ग	म ध नि सां
आ ऽ न प	डीऽ ऽ म ज	धा ऽ ऽ कं	दू र पि या
०	३	×	२
नि॒ ध म प	ग॒ ग॒ री री (म, सा)	प — — म (ग)	
नै या मो रि	कै से ला गै	पा ऽ ऽ कं	
०	३	×	

काफी–त्रिताल. (मध्यलय).

स्थायी.

नि
सा नि॒
छां डो

सा री री (ग॒)	– म – म	प – प म	प ध नि॒ सां
छां डो छे ला	ऽ मो ऽ रि	बैं ऽ यां दु	ख त मो रि
०	३	×	२
नि॒ धप म प	(ग॒) – री –	सा री नि॒ ध नि॒	प ध ध म प
न रऽ म क	ला ऽ ई ऽ	कै से तु म	कै से तु म
०	३	×	२
प ग म प ध ग	म म सा नि॒	सा ग॒ री म	ग॒ री सा नि॒
नि ड र ला	ऽ ल म ग	रो क त प	रा ई, छां डो।
०	३	×	२

अंतरा.

ग म म म प	सां नि नि सां –सां	गं रीं रींगं रीं सां	रीं नि सां –सां
कै से तु म	म हा रा ऽज	आ वऽ त न	तो को ला ऽज
×	२	०	३

(ध)प रीं सां रीं	(रीं)नि नि सां —सां	प ध प नि	(ध) प सा नि
जा नो ना कं	सा को रा ऽज	प क ड मं	गा वे वा की
×	२	०	३
सा ग री म	ग री सा नि		
फि र त हु	हा ई, छां डो		
×	२		

काफी— त्रिताल. (मध्यलय).

स्थायी.

सां नि सां	(ध)नि निध म प	(सां)नि सां — सां	नि रीं सां रीं
ऽ आ ऽ ज	म नऽ ब स	ग ई ऽ सां	ऽ व रे कि
०	३	×	२
(रीं)नि सां नि ध	प ध नि सां	प नि ध प	(म)ग — री म
सु र ति या	प्या रि प्या रि	स खी री का	हा ऽ क हुं
०	३	×	२
(म)ग — री सा	म नि प ध	म प नि सां	(मं)गं रीं — मं
तो ऽ से ऽ	अ प ने जि	या की बी ती	आ ली ऽ री
०	३	×	२
(मं)गं रीं सां रीं	नि सां — (सां)रीं	सां नि ध प	म ग री सा
वा हु के वि	न दे ऽ खे	क ल न प	र त मो को।
०	३	×	२

अंतरा.

प		मं	
नि प – ध	म प नि सां	गं रीं – मं	गं रीं सां –
हां हां ऽ क	र त तो रि	पैं यां ऽ प	र त हूं ऽ
३	×	२	०
	प	म	
सां – रीं रीं	सां – नि प	ग – री म	ग री सा –
जो ऽ पि या	आ ऽ न मि	ले ऽ मो रि	स ज नी ऽ
३	×	२	०
नि सा	प	म	सा सां
सा रीं सां –	नि प म प	ग ग री सा	सां – रीं
मैं तो चे ऽ	री स न द	भ इ ते री	ऽ आ ऽ ज
३	×	२	०
नि	सां		
सां नि म प	नि सां – सां		
म न ब स	ग ई ऽ सां		
३	×		

काफी—त्रिताल. (मध्यलय).

स्थायी.

म प

स खी

			री
म ग म री	री ग सा री	प – प म	ग ग म प
अ ब कै सो	क र त है	मो ऽ र सो	ऽ र स खी
०	३	×	२

म ग म री	री ग॒ सा री	प – – प	ग॒ री री –
अ॒ ब कै सो	क॒ र त हैं	मो ऽ ऽ र	औ॒ ऽ बो ऽ
ग॒ री सा सा	सा – सा –	म ग ग म	(री) ग ग म प
ल॒ त है प	पी॒ ऽ हा ऽ	जो॒ ऽ र जो	ऽ॒ र, स खी।

अंतरा.

म म म –	प प नि –	सां – – सां	नि॒ ध – ध
सु॒ न को ऽ	य॒ ल की ऽ	कू॒ ऽ ऽ क	जि॒ या ऽ में
नि॒ – ध ध	नि॒ ध नि॒ प	म ध ध ध	– ध ध नि॒
हू॒ ऽ क उ	ठ॒ त है ऽ	क॒ द् र ओ	ऽ॒ र कै से
नि॒ ध प –	प – ध प	म ग ग म	गरीगरी ग म प
जै॒ ऽ यूं ऽ	ना॒ ऽ हीं ऽ	हो॒ व त भो	ऽऽऽऽ॒ र, स खी।

काफी—त्रिताल. (मध्यलय).

स्थायी.

(री) म ग म प	म ग म ग	म री – ग॒	म म प –
जो॒ रे जो रे	छु॒ वो ना ऽ	हीं॒ छै ऽ ल	बं॒ ग री ऽ

(री) म ग म प	म ग म –	प नि सां रीं	नि सां नि॒ ध
जो रे जो रे	छु वो ना ऽ	मि न ति क	र त मो हे
२	०	३	×
नि॒ ध नि॒ प	– प म ग	म री – ग॒	म म प –
गु ज री रै	ऽ न स ग	री छै ऽ ल	बं ग री ऽ।
२	०	३	×

अंतरा.

प प प प	नि – नि नि	सां – सां –	पनि सांरीं निसां रींरीं
क द र पि	या ऽ जो मैं	ऐ ऽ सो ऽ	जाऽ ऽऽ न्तीऽ ऽऽ
३	×	२	०
सांनि॒ धप – –	प नि – सां	(नि) सां नि॒ – ध	नि॒ ध नि॒ (ध) प
ऽऽ ऽऽ ऽ ऽ	आ ती ऽ का	हे को ऽ मैं	तो री न ग
३	×	२	०
म री – ग	म म प –		
री छै ऽ ल	बं ग री ऽ		
३	×		

काफी—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

			म मु
री ग ग म प	ग म ग म म	री री ग सा री	री प – ध प
कां ऽ के क २	ला ई क्युं मुं ०	क र ग ये ३	छै ऽ ल मु ×
री मग ग म प	म ग म म	री री ग सा री	री प – प प
कांऽ ऽ के क २	ला ई क्युं मुं ०	क र ग ये ३	छै ऽ ल मुं ×
म ग म प	म ग म म		
कां ऽ के क २	ला ई क्युं मुं ०		

अंतरा.

प	म ग म मग	म नि ध नि	ध – प ध
मु	कां ऽ के फिर २	नै ऽ न मि ०	ला ऽ व त ३
नि सां नि ध	प – ध प	म ग म म	री ग री री
हां स हां स ×	बा ऽ त क ३	र त ऐ सो ०	नि प ट ढी ३

ग़ री सा री	नि़ सा सा, निनि	नि नि सां सां	नि़ ध नि़ ध
ऽ ट क द्	र पि या, चलो	हा टो जा ओ	छां डो मो री
×	२	०	३
प – ध प	री मग ग म प		
गै ऽ ल मु	कीऽ ऽ के क		
×	२		

काफी– त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

			सा नि़
			र हि
सा री – ग	म म प –	ध प म ग़	री सा, री नि़
है कै ऽ से	बि ज री ऽ	च म क च	म क र ही
०	३	×	२
सा री – ग़	म म प –		
है कै ऽ से	बि ज री ऽ		
०	३		

अंतरा.

म म म प	नि नि नि नि	सां सां रीं नि	सां – सां –
ग र ज ग	र ज बा दल	ब र स न	ला ऽ गे ऽ
०	३	×	२

प रीं सां रीं	नि सां नि॒ ध	नि॒ ध नि॒ प	ध प म ग॒
कृ दृ र क	र त मो रा	जि या ध क	ध क र हि।
०	३	×	२
म री – ग॒	म म प –		
है कै ऽ से	बि ज री ऽ		
०	३		

काफी (सिंधडा)– त्रिताल. (मध्यलय).

स्थायी.

री – री	(म) ग॒ रीग॒ म म	प प – (म) ग	
ऽ जा ऽ ने	दो ऽऽ मो हे	छो रो ऽ पि	
०	३	×	
			म ग॒ (सा ग॒) रीरीमम ग॒रीनि॒सा
			य रु वाऽऽऽ ऽऽऽऽ ।
			२

अंतरा.

म म प प	नि – सां सां	सां – रीं नि	सां सां सांनि॒ध नि॒प
कृ दृ र पि	या ऽ तु म्हे	ला ऽ ज न	ड र हैऽऽ ऽऽ
०	३	×	२

प नि नि नि	सां सां नि ध	नि ध नि प
इ त ने लो	ग न में ल	गा य ले त
०	३	×

म प मपमपधनिधप मगरीसानिसा
ग र वाऽऽऽऽऽऽ ऽऽऽऽऽऽ
२

काफी—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

प म
त न

नि प ग(म) री	ग री सा री	प – – –	– – गम रीग
दे रे ना ऽ	ऽ दा ऽ नि	दी ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ म्तऽ नऽ
०	३	×	२
म निनि धध नि	पप धध सां (सां)	नि ध प प	ध म प प
ना दिर दिर तुं	दिर दिर त न	दे रे ना त	दे रे दा नि
०	३	×	२
नि प ग(म) री			
दे रे ना ऽ			
०			

अंतरा.

ग म ध	ध नि सां –	नि॒सां ध नि॒ सां	(ध) नि॒ ध प –
ऽ ख ऽ ल्के	मे ऽ गो ऽ	ऽऽ य ऽ द्के	खू ऽ स्रो ऽ
०	३	×	२
ग ग म ध	ध नि सां –	निसां ध नि॒ सां	नि॒ ध प –प
ऽ बु ऽ द्ध	र ऽ स्ती ऽ	ऽऽ मे ऽ कु	ने ऽ ऽ ऽद्
०	३	×	२
ग ग म ध	ध नि सां –	नि॒सां ध नि॒ सां	नि॒ ध प –
ऽ आ ऽ रे	आ ऽ रे ऽ	ऽऽ मे ऽ कु	न ऽ द्वा ऽ
०	३	×	२
ग म ध	ध नि सां –	नि॒सां ध नि॒ सां	नि॒ध प म ग
ऽ ख ऽ ल्के	मा ऽ रा ऽ	ऽऽ का ऽ र	नेऽ ऽ स्त न
०	३	×	२
म नि॒नि॒ धध नि॒	स्थायी प्रमाणें.		
ना दिर दिर तुं			
०			

काफी.–झपताल. (मध्यलय).

स्थायी.

(सा) नि॒ सा	री (सा) ग॒ री	(ग) री म	म प म
सौं ऽ	त ऽ न	के ऽ	सौं ऽ ग
×	२	०	३

प	—	—	—	ध	सां	नि॒	ध	—	प	
ला	ऽ	ऽ	ऽ	ग	रे	ऽ	ते	ऽ	री	
×		३			०		३			
म ग	—	म	नि॒	प	म ग॒	—	री	नि॒	सा	
आ	ऽ	छी	ऽ	ब	ने	ऽ	गी	ऽ	ऽ	।
×		३			०		३			

अंतरा.

प म	—	प	—	ध	नि	सां	नि सां	—	सां	
हौं	ऽ	स	ऽ	न	की	ऽ	ग	ऽ	त	
×		२			०		२			
रीं	मं गं॒	रीं	—	सां	रीं	नि	सां	—	—	
हौं	ऽ	स	ऽ	हि	जा	ऽ	ने	ऽ	ऽ	
२		२			०		३			
सां नि	—	सां	—	रीं	सां	नि॒	ध	म	—	
को	ऽ	ई	ऽ	न	जा	ऽ	ने	ऽ	ऽ	
×		२			०		३			
प	—	—	—	ध	सां	नि॒	ध	—	प	
का	ऽ	ऽ	ऽ	ग	रे	ऽ	ते	ऽ	रि	
×		२			०		३			
म ग	—	म	नि॒	प	म ग॒	—	री	नि॒	सा	
आ	ऽ	छी	ऽ	ब	ने	ऽ	गी	ऽ	ऽ	।
×		२			०		३			

काफी.— चौताल. (विलंबित).

स्थायी.

(नि̣)सा	री	(सा)री	(म)ग̲	री	(सा)री	प	—	ध	(म)ग̲	—	री
आ	ऽ	ये	री	मे	रे	धा	ऽ	म	श्या	ऽ	म
०		३		४		×		०		२	

(री)म	ग̲	सा	री	नि̣	सा	(म)री	म	प	ध	नि̲	सां
कुं	व	र	के	ऽ	ष्ण	उ	न	के	च	र	न
०		३		४		×		०		२	

नि̲	ध	म	प	(म)ग̲	री	(री)प	(म)ग̲	—	(सा)री	नि̣	सा
नै	ऽ	न	न	सों	ऽ	प	र	—	सों	ऽ	ऽ।
०		३		४		×		०		२	

अंतरा.

म	—	प	ध	नि	सां	सां	सां	(सां)नि	सां	(सां)मं	गं̲
बौं	ऽ	सी	ऽ	ब	ट	त	र	क	र	बौं	ऽ
×		०		२		०		३		४	

रीं	सां	नि̲	ध	(मं)गं̲	मं	पं	मं	गं̲	रीं	सां	—
सी	ऽ	ली	ये	सा	ऽ	ज	न	ट	व	र	ऽ
×		०		२		०		३		४	

(नि̲)ध	—	नि̲	रीं	(रीं)नि	सां	धनि̲	धप	म	ग	मग	(प)म
सा	ऽ	जे	री	ऽ	ऽ	ओऽ	ढऽ	पि	य	रोऽ	ऽ
×		०		२		०		३		४	

म				म	सा
ग री	– री	रीं रीं	सा	री ग	री री
प ट	ऽ धा	ऽ य	ऽ आ	ये री	मे रे।
×	०	२	०	३	४

काफी—चौताल. (विलंबित).

स्थायी.

ऩि	सा म	सा		म	
सा री	री ग	री री	प –	ध ग	– री
जा ऽ	गे मे	ऽ रे	भा ऽ	ग आ	ऽ ज
०	३	४	×	०	२
म			म		
री ग	सा री	ऩि सा	री म	प ध	नि सां
श्या ऽ	म सुं	दू र	क म	ल न	य न
०	३	४	×	०	२
	म		री म	सा	
नि –	धप ग	– री	प ग	– री	ऩि सा
आ ऽ	नऽ ठा	ऽ डे	मे रे	ऽ द्वा	ऽ र।
०	३	४	×	०	२

अंतरा.

			सां		
म म	म म	प ध	नि –	सां नि	सां सां
त न	म न	ध न	नौ ऽ	छा ऽ	व र
×	०	२	०	३	४

नि सां	रीं गं	रीं सां	(सां)नि सां	सां नि	(प)ध ध
क र	हों ऽ	मैं ऽ	प र	हों पैं	ऽ यां
×	०	२	०	३	४
सां —	नि ध	म पध	(म)ग —	(री)री नि	सा सा
ले ऽ	ऽ हों	ऽ बऽ	लै ऽ	यां आ	ऽ ज
×	०	२	०	३	४
(नि)सा रीं	रीं री	नि सा			
बा ऽ	र बा	ऽ र			
×	०	२			

काफी.—चौताल. (विलंबित).

स्थायी.

सा —	सा री	— (सा)री	(री)प (म)ग	म ग	री री
धा ऽ	य धा	ऽ य	मे रे	ऽ ग	र ज
×	०	२	०	३	४
सा —	सा (म)री	म म	प —	प प	(प)ध म
धा ऽ	य धा	ऽ य	सूं ऽ	द र	स ब
×	०	२	०	३	४
प नि	नि सां	— रीं	सां सांनि	— ध	प म
मि ल	सु जा	ऽ न	आ ऽऽ	ऽ नौं	द ऽ
×	०	२	०	३	४

	म						म	म	म		
प	ग	–	री	म	म	प	ग	मग	ग	री	री
ऽ	क	ऽ	रो	ऽ	ई	मे	रे	ऽऽ	ग	र	ज।
×		०		२		०		३		४	

अंतरा.

						सां					
	म	म	प	–	ध	नि	सां	–	सां	–	सां
ऽ	आ	ज	मो	ऽ	रे	पी	या	ऽ	पे	ऽ	मैं
×		०		२		०		३		४	
						नि					
	नि	–	सां	–	सां	सां	सांनि	–	ध	प	–
ऽ	वा	ऽ	रूं	ऽ	गी	दी	येऽ	ऽ	रा	ऽ	ऽ
×		०		२		०		३		४	
प	नि	नि	सां	–	रीं	सां	सांनि	–	ध	प	म
स	म	ज	सो	ऽ	च	ह	साऽ	ऽ	ध	र	ऽ
×		०		२		०		३		४	
म	म		म				म				
प	ग	–	री	म	म	प	ग	म	ग	री	री
ह	ल	ऽ	गा	ऽ	ई	मे	रे	ऽ	ग	र	ज।
×		०		२		०		३		४	

काफी.– चौताल. (विलंबित).

स्थायी.

ग			म	सा							
म	नि	प	ग	री	री	प	–	–	प	नि	म
आ	ऽ	ज	मो	रे	ऽ	आ	ऽ	ऽ	ये	ऽ	सो
०		३		४		×		०		२	

म नि॒	प (म)ग॒	री (सा)री	प —	— प	प (प)ध
आ ऽ	ज मो	रे ऽ	आ ऽ	ऽ ये	ऽ सो
०	३	४	×	२	२
म म	प नि	सां रीं	सां नि॒	ध (म)ग॒	— री
ऽ आ	ये मे	रे ऽ	प्रा ऽ	ण मा	ऽ य
०	३	४	×	०	२
— म	प नि	सां (नि)सां	रीं सां	नि॒ प	सां नि॒
ऽ की	नी मो	से ऽ	र स	की बा	ऽ त।
०	३	४	×	०	२
म नि॒	प (म)ग॒	री (सा)री			
आ ऽ	ज मो	रे ऽ			
०	३	४			

अंतरा.

(प)ध म	— प	— ध	नि सां	— नि	सां सां
अ चा	ऽ न	ऽ क	आ ये	ऽ ऐ	ऽ से
×	०	२	०	३	४
नि	नि सां	— रीं	सां (सांनि॒)	— ध	— म
ऽ ह	र को	ऽ मि	ले (ऽऽ)	ऽ कै	ऽ से
×	०	२	०	३	४

प	रीं	रीं	(मं)रीं	मं	रीं	सां	नि॒	प	नि	सां	–
छां	ऽ	ड	दे	ऽ	रि	मे	ऽ	रि	आ	ली	ऽ
×		०		२		०		३		४	
रीं	सां	नि॒	प	सां	नि॒	(प)म	नि॒	प	(म)ग॒	(सा)री	री
अ	प	नो	घा	ऽ	त	आ	ऽ	ज	मो	रे	ऽ।
×		०		२		०		३		४	

संचारी.

ध	म	–	प	–	ध	नि	–	सां	(नि)सांनि॒	ध	प
जि	या	ऽ	में	ऽ	आ	नौं	ऽ	दृ	(भऽ)	ई	ऽ
×		०		२		०		३		४	
	नि	नि	सां	ऽ	रीं	सां	सांनि॒	–	ध	प	–
ऽ	त	न	की	ऽ	त	प	(तऽ)	ऽ	ग	ई	ऽ
×		०		२		०		३		४	
(म)ग॒	(म)ग॒	–	म	–	प	(म)ग॒	–	(ग॒)म	ग॒	री	सा
घ	र	ऽ	मे	ऽ	सो	हा	ऽ	यो	मे	ऽ	रो
×		२		२		०		३		४	

आभोग.

	म	–	प	–	ध	नि	सां	–	नि	सां	सां
ऽ	प्रा	ऽ	न	ऽ	जी	व	न	ऽ	बि	ऽ	न
×		०		२		०		३		४	

—	नि	—	सां	—	सां	नि	—	सां	नि	ध	प
ऽ	कै	ऽ	से	ऽ	स	रे	ऽ	गो	मे	ऽ	रो
×		०		२		०		३		४	
प	रीं	—	रीं	मं	रीं	सां	नि	प	(सा)नि	सां	सां
क	द्रीं	ऽ	ना	ऽ	हिं	छां	ऽ	डुं	के	ऽ	ष्ण
×		०		२		०		३		४	
रीं	सां	नि	प	सां	नि	म	नि	प	ग	री	(सा)री
ते	हा	रो	सां	ऽ	थ	आ	ऽ	ज	मो	रे	ऽ।
×		०		२		०		३		४	

काफी.— दीपचंदी. (मध्यलय).

स्थायी

सा	सा	—	री	—	री	(सा)री	(म)ग	—	—	म	—	—	म
ब्रि	ज	ऽ	में	ऽ	ह	रि	हो	ऽ	ऽ	री	ऽ	ऽ	म
×			२				०			३			
प	—	—	प	—	ध	प	म	ग	—	म	ग	(म)	—
चा	ऽ	ऽ	ई	ऽ	ऽ	स	खी	ऽ	ऽ	री	ऽ	ऽ	ऽ।
×			२				०			३			

अंतरा.

प	प	—	रीं	—	—	—	रीं	रीं	—	गं	रीं	गं	—
इ	त	ऽ	सें	ऽ	ऽ	ऽ	नि	क	ऽ	सी	ऽ	ऽ	ऽ
×			२				०			३			

सां	रीं	—	नि	—	नि	—	सां	सां	—	रीं	—	मं गं	—	
कुं ×	व	ऽ	र २	ऽ	रा	ऽ	ऽ ०	धि	ऽ	का ३	ऽ	ऽ	ऽ	
सां	रीं	—	सां	—	नि	—	ध	ध म	—	प	—	—	ध	
उ ×	त	—	सौं २	ऽ	ऽ	ऽ	कुं ०	व	ऽ	र ३	ऽ	ऽ	क	
सां नि	—	—	ध नि	—	रीं	—	सां	—	—	—	—	—	—	
न्हा ×	ऽ	ऽ	ऽ २	ऽ	ऽ	ऽ	ई ०	ऽ	ऽ	ऽ ३	ऽ	ऽ	ऽ	
ग म	—	—	ग	—	—	री ग	म	—	—	प	—	—	ध	
खे ×	ऽ	ऽ	ल २	ऽ	ऽ	त	फा ०	ऽ	ऽ	ग ३	ऽ	ऽ	प	
सां	—	नि	ध	—	—	म	ध प	ध	—	(म)	—	ग	—	
र ×	ऽ	ऽ	स्प २	ऽ	ऽ	र	हि ०	ल	ऽ	मी ३	ऽ	ले	ऽ	
सां नि	—	—	सां	—	नि	—	सां	सां	—	सां नि	—	सां	रीं	
सो ×	ऽ	ऽ	सू २	ऽ	ख	ऽ	ब ०	र	ऽ	नी ३	ऽ	ऽ	न	
सां	नि	—	ध	—	—	प	ध	प	—	प	—	म	ग	
जा ×	ऽ	ऽ	ई २	ऽ	ऽ	सो	घ ०	र	ऽ	घ ३	ऽ	र	ऽ	

प म म नि	ध – नि ध	ध प ध प	म ग (म) –
ब ज ऽ ×	त ऽ ऽ ब २	धा ऽ ऽ ०	ई ऽ ऽ ऽ। ३
सा सा –	सा री – री री		
व्रि ज ऽ ×	में ऽ ह रि २		

काफी– दीपचंदी. (मध्यलय).

स्थायी.

सा नि सा	री ग सा री	म ग री ग	म – प म
अ ब ऽ ×	के ऽ ऽ ऽ २	टे ऽ ऽ ०	क ऽ ऽ ह ३
प – –	प – – प	– प –	म ग म –
मा ऽ ऽ ×	री ऽ ऽ ला २	ऽ ज ऽ ०	रा ऽ ऽ ऽ ३
म – नि	ध नि ध प	म ग –	म ग (म) –
खो ऽ ऽ ×	ऽ ऽ गि र २	धा ऽ ऽ ०	री ऽ ऽ ऽ। ३

अंतरा.

प	–	–	रीं	–	रीं	–	–	रीं	–	ग̲ं	रीं	ग̲ं	–
जै	ऽ	ऽ	सी	ऽ	ला	ऽ	ऽ	ज	ऽ	रा	ऽ	ऽ	ऽ
×			२				०			३			
सां	रीं	–	नि	–	नि	–	सां	सां	–	रीं	–	[मं]ग̲ं	–
खी	ऽ	ऽ	अ	ऽ	र	ऽ	जु	न	ऽ	की	ऽ	ऽ	ऽ
×			२				०			३			
सां	रीं	–	सां	–	नि̲	–	ध	म	–	प	–	–	ध
भा	ऽ	ऽ	र	ऽ	त	ऽ	जु	ऽ	ऽ	द्ध	ऽ	ऽ	म
×			२				०			३			
[सां]नि	–	–	[ध]नि	–	रीं	–	सां	–	–	–	–	–	–
झा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	री	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
×			२				०			३			
म	–	–	ग	–	–	[री]ग	म	–	–	प	–	ध	–
सा	ऽ	ऽ	र	ऽ	ऽ	थि	हो	ऽ	ऽ	के	ऽ	ऽ	ऽ
×			२				०			३			
सां	सां	–	नि̲	–	ध	म	प	ध	–	(म)	–	ग	–
र	थ	ऽ	को	ऽ	ऽ	ऽ	हां	ऽ	ऽ	क्यो	ऽ	ऽ	ऽ
×			२				०			३			
[सां]नि	–	–	सां	–	–	नि	सां	सां	–	सां	–	रीं	–
च	ऽ	ऽ	कृ	ऽ	ऽ	सु	द	र	ऽ	श	ऽ	न	ऽ
×			२				०			३			

सां नि॒ –	ध – नि॒ प	प प –	म ग म –
धा ऽ ऽ	री ऽ ऽ भ	क्त न ऽ	की ऽ ऽ ऽ
×	२	३	३
		ध	
म – नि॒	ध – नि॒ प	प ध –	म ग (म) –
टे ऽ ऽ	क ऽ ऽ न	ता ऽ ऽ	री ऽ ऽ ऽ।
×	२	०	३

काफी—दीपचंदी. (मध्यलय).

स्थायी.

नि॒
नि

		म	म
सा – नि॒सा	री – –, री	ग॒ री –	ग॒ सा –, री
का ऽ ऽऽ	ला ऽ ऽ, नि	रा ऽ ऽ	ला ऽ ऽ, अ
०	३	×	२
		म	
म म –	मप मप ध प	ग॒ – रीग॒	री – –, नि॒
ल ग ऽ	सऽ ऽऽ ऽ न्से	दं ऽ ऽऽ	ग ऽ ऽ, जो
०	३	×	२
		म	म
सा – –	री – – री	ग॒ री –	ग॒ सा –, री
है ऽ ऽ	बा ऽ ऽ त	जी ऽ ऽ	स्की ऽ ऽ, उ
०	३	×	२

मं – –	मप मप ध प	(म) ग̱ री ग̱	री – – –
सीं ऽ ऽ (०)	केऽ ऽऽ ऽ है (३)	सं ऽ ऽ (×)	ग ऽ ऽ ऽ। (२)

अंतरा.

(म) को

म – –	प – – ध	नि – –	सां – – नि
ई ऽ ऽ (०)	कु ऽ ऽ छी (३)	गा ऽ ऽ (×)	ये ऽ ऽ न (२)
नि – –	सां – – सां	सां – (नि) सां	नि̱ ध नि̱ प
हीं ऽ ऽ (०)	मो ऽ ऽ हे (३)	भा ऽ ऽ (×)	ये ऽ ऽ ऽ (२)
प नि नि	नि नि सां –	सां – (नि) सां	नि̱ ध नि̱ प
क द र (०)	तु म री ऽ (३)	हो ऽ ऽ (×)	री ऽ ऽ का (२)
म म	मप मप ध प	(म) ग̱ री ग̱	(री) सा – –, नि̱
ऽ ज म (०)	जाऽ ऽऽ ऽ ये (३)	रं ऽ ऽ (×)	ग ऽ ऽ, नि। (२)

काफी.– त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

सा री – ग	म – प –	ग म ध –	निप नि ध प
मैं वा ऽ री	सैं ऽ या ऽ	औ र वा ऽ	रूंऽ ऽ त न
३	×	२	०
ध प म ग	री ग री सा	ग ग म –	साग मप म म
म न ध न	स ब ही ऽ	तु म रे ऽ	काऽ ऽऽ र न ।
३	×	२	०
म री – ग			
मैं वा ऽ री			
३			

अंतरा.

म म प –	नि – नि नि	सां सां रीं नि	सां – सां सां
त न से ऽ	जो ऽ ग न	म न से बि	रो ऽ ग न
२	०	३	×
नि ध ध ध	नि – ध प	ध म प प	नि – सां सां
ह म तु म	रे ऽ बि न	क द र पि	या ऽ तु म
२	०	३	×
रीं रींगं रीं सां	रीं नि सां –	प नि सां निसां	नि ध प ध
जु ग जु ग	जी ऽ ओ ऽ	क र लूं ऽऽ	नै ऽ ऽ न
२	०	३	×
नि निसां नि ध	नि प म ग	म री – ग	
भ र क र	द र श न	मैं वा ऽ री	
२	०	३	

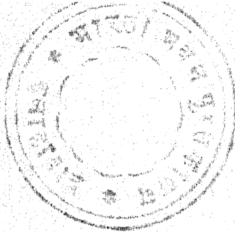
काफी—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

म प म ग	म री री ग	सा री प —	ध प मग रीग
पि या झू म	झू म मो हे	निं दि या ऽ	आ ई रेऽ ऽऽ
२	०	३	×
म प म ग	म री री ग	सा री प —	ध प म ग
पि या झू म	झू म मो हे	निं दि या ऽ	आ ई रे लो
२	०	३	×
म ध ध ध	नि सां नि ध	प — ध प	मपध प म ग
भो भँये आ ये	जा ओ ज हां	रैं ऽ न ग	वांऽऽ ई रे ऽ।
२	२	३	×

अंतरा.

म म प प	नि नि सां सां	नि ध ध सां	नि ध प —
क र के धि	टा ई क दर	मि न ति क	र त हो ऽ
३	×	२	०
नि सां नि ध	प — प —	म म ध —	ध ध ध ध
ये भी च तु	रा ऽ ई ऽ	अ ब का ऽ	ज य्ये मो रे
३	×	२	०
नि सां निध प	मपध प म ग		
जि या सेऽ बु	राऽऽ ई रे ऽ		
३	×		



काफी.— धमार. (विलंबित).

स्थायी.

म सा			म
ग ग री री	प — — ध म	प ध	ग ग —
ए रि ए मैं	कौ ऽ ऽ ने ऽ	ऽ ज	त न ऽ
३	×	२	०
	म		
री — — —	ग री — म —	— ग	सा री —
सों ऽ ऽ ऽ	खो ऽ ऽ लौं ऽ	ऽ भो	रे पी ऽ
३	×	२	०
	नि़ सा		म
नि़ सा सा —	सा सां नि ध म	प ध	ग — री
या ऽ के ऽ	म न में ऽ ऽ	प रि	गां ऽ ठ ।
३	×	२	०

अंतरा.

प		सां	
म म — प —	— ध	नि सां —	सां — सां —
स ब ऽ स ऽ	ऽ खि	यां ऽ ऽ	मी ऽ ले ऽ
×	२	०	३
मं सां			
रीं गं — रीं —	सां —	रीं नि —	सां — — —
ब न ऽ ब ऽ	न ऽ	आ ऽ ऽ	ई ऽ ऽ ऽ
×	२	०	३
सां			सां
नि — — सां —	नि़ सां	नि ध —	ध नि प ध
मैं ऽ ऽ बै ऽ	ऽ ऽ	ठी ऽ ऽ	ऽ ऽ बि ख ।
×	२	०	३

सां नि – ध म	प ध	(म) ग री –	(म) ग ग री (सा) री
घो ऽ ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ	लौं ऽ ऽ	ए रि ए मैं।
×	२	०	३

काफी— धमार. (विलंबित).

स्थायी.

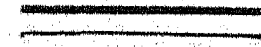
(नि) सां
सुं

(सां) नि सां – सां –	सां –	(नि) सां नि –	(नि) ध – म –
दू र ऽ ते ऽ	रे ऽ	मु ख ऽ	सें ऽ ऽ ऽ
×	२	०	३
प – – प (ध) ध	सां –	सां नि –	– – ध प
गा ऽ ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ	री ऽ ऽ	ऽ ऽ मो हे
×	२	०	३
(म) ग री ग म –	– ग	री (री) नि सा	सा – – (सां) नि
प्या ऽ ऽ री ऽ	ऽ ल	ग त ऽ	है ऽ ऽ, सुं।
×	२	०	३

अंतरा.

म प ध	(सां) नि सां – सां सां	रीं (सां) रीं	(मं) गं रीं गं
ऽ बे स र	की ऽ ऽ मो ति	य न	की ऽ ऽ
३	×	२	०

सां	सां सां सां	सां	
रीं नि सां –	नि नि नि सां –	रीं	सां नि –
झ ल क ऽ	चौं ऽ ऽ दा ऽ	ऽ की	च म ऽ
३	×	२	०
ध	ध	म	म
ध – प ध	सां – नि ध म	ध प	ग – –
क ऽ अ त	सो ऽ ऽ ऽ ऽ	ह त	न्या ऽ ऽ
३	×	२	०
सा सां			
री नि़ सा नि			
ऽ ऽ री, सुं			
३			



राग आसावरी.

रागिण्यासावरीयं मृदुगमधनिभिस्तीव्रकेणर्षभेण ।
संपन्नारोहणे या खलु गनिरहिता चावरोहे तु पूर्णा ॥
वादी स्याद्धैवतोऽस्यां श्रुतिरुचिरतरो गश्च संवाद्यभीष्टो ।
विष्वक्तानप्रसारैर्मृदुमधुरगलैर्गीयते संगवे सा ॥

कल्पद्रुमांकुरे ।

मृदू गमौ धनी चैव तीव्रस्तु ऋषभो धगौ ।
वादिसंवादिनौ यस्यां सासावर्यपि संगवे ॥

चंद्रिकायाम् ।

कोमल गमधनि तीखरिखब चढत गनी न सुहाइ ।
धग वादीसंवादितें आसावरी कहाइ ॥

चंद्रिकासार ।

रिमौ पनी धपौ धसौ निधौ पमौ पगौ रिसौ ।
धांशाऽऽरोहेगनित्यक्ताऽऽसावरी संगवे मता ॥

अभिनवरागमंजर्याम् ।

हा राग आसावरी थाटांतून उत्पन्न होतो. त्यांत गांधार धैवत व निषाद हे स्वर कोमल आहेत व बाकीचे शुद्ध आहेत. हा राग फारच लोकप्रिय आहे. त्यांत वादी धैवत व संवादी गांधार आहे. ह्याचा गानसमय दिवसाचा दुसरा प्रहर आहे. आरोहांत गांधार व निषाद वर्ज करितात व अवरोह संपूर्ण आहे म्हणून ह्याची जाति औडुव–संपूर्ण आहे. या रागासारखे दिसणारे दुसरे राग म्हटले म्हणजे **जौनपुरी** व **गांधारी** हे होत. ते पुढें येतीलच. उत्तरेकडे आसावरींत ऋषभ कोमल वापरण्याचा व्यवहार आहे. आपल्या इकडले ख्याल गायक तीव्र ऋषभाचा प्रयोग नेहमीं करतांना आढळतात. या पुस्तकांत आसावरीचे दोन्ही प्रकार दिले आहेत, व ते दोन्हीहि मधुर आहेत. जल्द ताना घेतांना कोमल ऋषभ गायकांस गैरसोयीचा होत असल्यामुळें तीव्र ऋषभ घेण्याचा व्यवहार पडला असावा. या रागाची खुबी गांधार पंचम व धैवत या स्वरांवर आहे. हा राग अवरोहांत स्पष्ट होतो.

आरोहावरोहस्वरूप.

सा, रे म प, ध॒, सां । सां नि॒ ध॒, प, म, ग॒, रे, सा.

पकड.

रे, म, प, नि॒ ध॒ प.

आसावरी.— चौताल (विलंबित).

स्थायी.

ऽ	म	प	नि	ध	ऽ	प	ऽ	म	ऽ	ग	ऽ
३		४		×		०		२		०	
रे	ऽ	सा	ऽ	सा	ऽ	रें	ऽ	ग	ऽ	म	ऽ
३		४		×		०		२		०	
										म	सां
प	ऽ	ध	ऽ	रें	सां	नि	ध	प	म	ग	रे।
३		४		×		०		२		०	

अंतरा.

			नि								
म	प	—	ध	—	ध	सां	—	सां	सां	—	सां
स	त	ऽ	सू	ऽ	र	ती	ऽ	न	ग्रा	ऽ	म
×		०		२		०		३		४	
नि	नि		ध						नि		
ध	ध	—	सां	—	सां	रीं	—	सां	ध	—	प
ए	क	ऽ	ई	ऽ	स	मू	ऽ	र	छा	ऽ	न
×		०		२		०		३		४	
म	प		सां						नि		
प	गं	—	रीं	—	सां	रीं	—	सां	ध	—	प
उ	नौं	ऽ	चा	ऽ	स	कू	ऽ	ट	ता	ऽ	न
×		०		२		०		३		४	
प			नि			म	सा				
म	प	नि	ध	प	ध	ग	री				
गा	ऽ	ऽ	इ	ऽ	ऽ	ये	ऽ				
×		०		२		०					

संचारी.

	नि		नि			नि	नि		नि		
सा	ध	–	ध	–	ध	ध	ध	–	ध	–	प
आ	ऽ	ऽ	रो	ऽ	हि	अ	व	ऽ	रो	ऽ	हि
×		०		२		०		३		४	
नि	नि	नि	ध						नि		
ध	ध	ध	सां	–	सां	रीं	सां	–	ध	–	प
अ	ऽ	ऽ	स्ता	ऽ	ई	सौं	ऽ	ऽ	चा	ऽ	ई
×		०		२		०		३		४	
ध			प			म		सा			
प	ध	म	म	प	ध	ग	–	री	री	–	सा
ओ	ऽ	ऽ	ड	ऽ	व	सौं	ऽ	पु	र	ऽ	न
×		०		२		०		३		४	
			री		म	नि			नि		
सा	सा	री	म	प	प	ध	–	–	ध	–	प
सं	पू	ऽ	र	ऽ	न	ता	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	न।
×		०		२		०		३		४	

अभोग.

प		म	नि			ध					
म	प	प	ध	–	–	सां	–	–	सां	–	सां
धूं	ऽ	ऽ	डी	ऽ	ऽ	के	ऽ	ऽ	प्र	ऽ	भु
×		०		२		०		३		४	
नि	नि		ध			सां			नि		
ध	ध	–	सां	सां	–	रीं	–	सां	ध	–	प
तु	म	ऽ	व	हो	ऽ	ना	ऽ	ऽ	य	ऽ	क
×		०		२		०		३		४	

म	प		सां			सां			नि		
प	गं	—	रीं	रीं	सां	रीं	सां	—	ध	—	प
गु	नि	ऽ	ज	न	के	सा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	थ
×		०		२		०		३		४	

प					पं	म	सा
म	प	नि	ध	प	ध	ग	री
गा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	इ	ये	ऽ
×		०		२		०	

आसावरी—चौताल. (विलंबित).

स्थायी.

प		म			पं	नि					
म	म	प	प	—	सां	ध	—	—	प	—	धम
च	तु	र	रा	ऽ	ग	गा	ऽ	ऽ	यो	ऽ	ऽऽ
०		३		४		×		०		२	

	म	सा				म					
मप	ग	—	री	—	सा	री	म	—	प	—	प
आऽ	सा	ऽ	व	ऽ	री	ओ	ऽ	ऽ	ड	ऽ	व
०		३		४		×		०		२	

नि		नि					म	सा			
ध	—	ध	ध	—	प	पध	ग	—	री	—	सा
सौं	ऽ	पु	र	ऽ	न	बऽ	त	ऽ	ला	ऽ	यो ।
०		३		४		×		०		२	

अंतरा.

प		नि				ध					
म	प	—	ध	—	ध	सां	सां	सां	सां	सां	सां
आ	ऽ	ऽ	री	ऽ	ह	ग	नि	को	त	ज	त
×		०		२		०		३		४	

नि॒ ध॒	नि॒ ध॒	—	ध॒ सां	—	सां	सां रीं	—	सां	नि॒ ध	—	प
अ ×	व	ऽ ०	रो	ऽ २	ह	सौं ०	ऽ	पु ३	र	ऽ ४	न
म प	गं॒	—	सां रीं	—	सां	सां रीं	—	सां	नि॒ ध	—	प
धै ×	ऽ	ऽ ०	व	ऽ २	त	वा ०	ऽ	द्रि ३	सू	ऽ ४	र
पध॒	म ग॒	—	सा री	—	सा	म री	म	प	म प		
द्रिऽ ×	ख	ऽ ०	ला	ऽ २	यो	च ०	तु	र ३	रा		

आसावरी—त्रिताल. (मध्यलय).

स्थायी.

प म	पसां	नि॒ ध॒	प	ध॒	म	पध॒	मप	म ग॒	—	सा री	सा	म री	म	प	—
का ०	नाऽ	मो	हे	अ ३	स	बाऽ	रीऽ	रा ×	ऽ	ग	सु	ना २	ऽ	ये	ऽ
नि॒ ध॒	नि॒ ध॒	नि॒ ध॒	—	ध॒ नि॒	ध॒	प	ध॒म	म	प	पध॒	मप	म ग॒	—	सा री	सा
ग ०	नि	को	ऽ	अ ३	धि	रो	ऽऽ	ह ×	न	मेंऽ	छुऽ	पा २	ऽ	ऽ	ये
सा ०	रे	म	रे	म ३	प	नि॒ ध॒	प	म प ×	गं॒	सां रें	सां	रें २	नि॒	ध॒	प।

अंतरा.

प म	नि नि	ध	
म – प प	ध – ध –	सां – सां सां	सां – सां –
धै ऽ व त	बा ऽ दी ऽ	गा ऽ स म	बा ऽ दी ऽ
०	३	×	२
नि नि	ध	मं सां	नि
ध – ध ध	सां सां सां सां	सांरीं गं रीं सां	सां रींनि ध प
म ऽ ध्य म	सु र ग्र ह	न्याऽ ऽ स सु	पौं ऽऽ च म
०	३	×	२
प प	नि	म	
म प सां –	ध प पध मप	ग ग री रीसा	री – सा सा
अ व रो ऽ	ह न सौंऽ ऽऽ	पु र न दिऽ	खा ऽ व त
०	३	×	२
	नि	म सां	
सा रे म रे	म प ध प	प गं रें सां	रें नि ध प।
०	३	×	२

आसावरी—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

प	नि	प पं पं	म सा
म म॑प सां	ध – प –	ध म धध पमप	ग – री सा
अ खि यां ऽ	ला ऽ गी ऽ	र ह तऽ निऽऽ	स ऽ दि न
३	×	२	०
ग	नि	प पप	म सा
री सा सा री	ध़ – सा –	म प धध पमप	ग – री सा
प्या ऽ रे ते	हा ऽ रे ऽ	दे ऽ खऽ नऽऽ	कां ऽ ऽ हिं।
३	×	२	०

अंतरा.

प नि नि	ध	सां रीं सां	
म प ध ध	सां सां सां सां	रीं गं रीं सां	सां रींनि ध प
घ रि प ल	छि न मो हे	जु ग सी ऽ	बी ऽऽ त ल
३	×	२	०
म प सां	नि	पप	म सा
प गं रीं सां	रीं सां ध प	म प धध पमप	ग ग री सा
नि स दि न	च ट प टि	ला ऽ गऽ रऽऽ	हृ त म हिं ।
३	×	२	०

आसावरी.—त्रिताल. (मध्यलय).

स्थायी.

प	नि	म सा	
म म प सां	ध प पध मप	ग री म म	प प प –
अ रे म न	स म झऽ सऽ	म झ प ग	ध रि ये ऽ
२	०	३	×
प	नि नि नि		म
ध म प प	ध ध ध प	ध म पध मप	ग ग री सा
अ रे म न	इ स ज ग	में ऽ नऽ हींऽ	अ प ना ऽ
२	०	३	×
	नि सा	सां	सां नि
री – सा –	सा सा गं –	रीं – सां –	रीं रीं ध प
को ऽ ई ऽ	प र छा ऽ	ई ऽ सों ऽ	ड रि ये ऽ।
२	०	३	×

अंतरा.

प म – प प	नि ध ध नि ध –	ध सां सां सां सां	सां – सां –
दौ ऽ ल त	दु नि या ऽ	कु छ म क	बी ऽ ला ऽ
नि ध ध ध –	सां – सां सां	सां गं सां गं रीं सां	सां रीं नि ध प
इ न सौं ऽ	ने ऽ ह न	क ब हु न	क रि ये ऽ
प ध नि ध	– प पध मप	न ग – री सा	री री सा सा
रा ऽ म ना	ऽ म ऽ ऽ मुऽ खऽ	धा ऽ म ज	ग त प त
सा सा सा गं गं	सां रीं – सां सां	सां रीं रीं नि ध प	ध म प सां
सु म र न	सौं ऽ ज ग	त रि ये ऽ	अ रे म न।

आसावरी– त्रिताल. (मध्यलय).

स्थायी.

प ध म पध मप	म ग ग री सा	सा री म प प	सां प नि सां नि ध प
मे री अंऽ खोऽ	य न के भू	ख न गि र	धा ऽ री ऽ
प ध म म प प	प ध पधनि ध प	ध म पध मप	म ग – म ग –
ए रि स खि	ब लऽऽ ब ल	जा ऽ ऊंऽ छऽ	बी ऽ ली ऽ

म रीरी सा सा	नि सा सा सा गं –	रीं रीं सां सां	नि नि सां रीं ध प
छ व प र (२)	अ त आ ऽ (०)	नं द सु ख (३)	का ऽ री ऽ। (×)

अंतरा.

म म प म प	नि नि ध – ध ध	ध सां सां सां –	सां – सां सां
प र म उ (०)	दा ऽ र च (३)	तु र चिं ऽ (×)	ता ऽ म णि (२)
नि नि ध ध ध ध	ध सां सां सां सां	सां गं – रीं –	नि सां – ध प।
द र स प (०)	र स दु ख (३)	हा ऽ ऽ ऽ (×)	ऽ ऽ री ऽ (२)
पध पनिध ध प	प धम पध मप	म ग ग री री	ग री – सा सा
अऽ तुऽऽ ल सु (०)	भा ऽऽ वऽ तऽ (३)	न क तु ल (×)	सी ऽ द ल (२)
नि सां गं रीं रीं	गं रीं – सां –	सां सां नि रीं रीं ध प	प ध म मपध मप
मा ऽ न त (०)	से ऽ वा ऽ (३)	भा ऽ री ऽ (×)	मे रि अंऽऽ खीऽ। (२)

आसावरी-त्रिताल. (मध्यलय).

स्थायी.

म री म प मप	नि नि प धु धु प म	प म प धुम प	म सा गु री गु सा
अ ब तो ऽऽ ३	सै ऽ ली ग ×	ले ऽ ऽऽ ऽ २	मै ऽ ऽ ली ०
सा सा सा रीनिसा सा	म प रि म प नि	नि धु प मपधु मप	म सा गु री गु सा
पि या केऽऽ भ ३	ये ऽ है नि ×	का ऽ ऽऽऽ ऽऽ २	री ऽ ऽ ऽ। ०

अंतरा.

ब नि म प धु –	ध सां – – सां	सां – – सां	नि सां – सां सां
नै ऽ ना ऽ ३	ने ऽ ऽ क ×	पा ऽ ऽ रा २	ऽ ऽ दो ऊ ०
नि धु – सां रीं	सां सांरीं गुं रीं सां	रीं नि धु प	प म प धुम प
दु ऽ स्ते ह ३	माऽ ऽ रे ऽ ×	ऽ ऽ ऽ ऽ २	नै ऽ नाऽ ऽ ०
म सा गु री गु सा	म प री म प नि	नि धु प मपधु मप	म सा गु री गु सा
में ऽ ऽ ऽ ३	भी ऽ क ते ×	हा ऽ ऽऽऽ ऽऽ २	री ऽ ऽ ऽ। ०

आसावरी– त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

															प
															ब
प				नि								म			म
ध	म	प	सां	ध	–	प	ध	म	म	प	ध	म	–	ग	ग
है	ऽ	या	ऽ	ला	ऽ	व	ला	ऽ	व	रे	ऽ	ला	ऽ	व	ला
३				×				२				०			
		ग								सां		नि			
–	री	री	–	सा	–	–सा	सा	सां	सां	रीं	रीं	ध	ध	प	प
ऽ	व	रे	ऽ	आ	ऽ	ऽज	सु	व	र	घ	ड	प	ल	ना,	ब।
३				×				२				०			

अंतरा.

प				नि		नि									
म	म	प	प	ध	ध	ध	ध	सां	सां	सां	–	सां	सां	सां	–
र	त	न	ज	त	न	सों	ज	टि	त	हिं	ऽ	डो	ल	ना	ऽ
३				×				२				०			
				गं								सां		नि	
सांरीं	गं	रीं	रीं	री	–	सां	सां	सां	–	सां	सां	रीं	रीं	ध	प
झूऽ	ऽ	ल	त	हैं	ऽ	ऽ	ज	सो	ऽ	म	त	ल	ल	ना,	ब।
३				×				२				०			

आसावरी—रूपक. (मध्यलय.)

स्थायी.

(प)धॖ	म	|	ध	धॖ	|	सां	—	सां	||	(सां)रीं	सां	|	सां	सां	|	(नि)धॖ — प
हो	ऽ	|	नं	द	|	ला	ऽ	ल	||	अ	त	|	हि	र	|	सा ऽ ल
२			३			×				२			३			×
(प)धॖ	म	|	ध	निॖ	|	(नि)धॖ	—	प	||	(म)गॖ	—	|	(ग)री	—	|	(ग)री — सा
नि	र	|	त	त	|	सौं	ऽ	ग	||	गो	ऽ	|	पी	ऽ	|	ग्वा ऽ ल।
२			३			×				२			३			×

अंतरा.

(प)म	ध	|	(नि)धॖ	—	|	(ध)सां	सां	—	||	(सां)रीं	—	|	रीं	(रीं)गं	|	रीं — सां
ए	क	|	मा	ऽ	|	धु	री	ऽ	||	बा	ऽ	|	ज	त	|	बी ऽ न
२			३			×				२			३			×
(सां)गं	—	|	रीं	गं	|	रीं	—	सां	||	सां	—	|	सां	रीं	|	(नि)धॖ — प
मा	ऽ	|	धु	रि	|	बां	ऽ	सु	||	री	ऽ	|	क	ठ	|	ता ऽ ल।
२			३			×				२			३			×

आसावरी– त्रिताल. (विलंबित).

स्थायी.

			प प
धुम पसां धुप मपधुमप	म सा ग – री सा	म री म प –	म प नि धु प
हुऽ रऽ वाऽ ऽऽऽऽऽ	जा ऽ ऽ गो	जा ऽ गो ऽ	ऽ ऽ रे ऽ
३	×	२	०
प धुम प ,मपधु मप	म सा ग – री सा	री नि धु प	सा री म प
ऽऽ ऽ ,ऽऽऽ ऽऽ	जा ऽ ऽ गो	ऽ ऽ रे ऽ	चु र वा ऽ
३	×	२	०
नि – धु – प	धुम पधु सां –	सां सां रीं रीं गं	सां रीं नि धु प
ऽ ला ऽ गि	ऽऽ थाऽ री ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	घा ऽ त, प।
३	×	२	०

अंतरा.

प म प धुम ,पधु	सां – सां सां	नि धु सां रीं गं	सां रीं – सां –
इ त नऽ ,मऽ	ही ऽ सा री	रै ऽ न ऽ	बी ऽ ती ऽ
३	×	२	०
सां सां गं – रीं नि	नि म प धु सां	म सां सां रीं गं रीं	नि धु प प
चे ऽ त पा	ऽ छली ऽ	रा ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ त, प।
३	×	२	०

आसावरी– त्रिताल. (विलंबित).

स्थायी.

म प री म प ,नि का ऽ रि ,क ३	ध – प – रूं ऽ मैं ऽ ×	म प नि ध प ए क प ल २	ध ध प प ध म न मा ऽ ने ०
प म मपध मप ग – जिऽऽ यऽ रा ऽ ३	म म ग ग – री पि या ऽ बि ×	सा री सा – सा न आ – ज २	सा री री सा – अ ब मैं ऽ। ०

अंतरा.

प री म म प – दि न तें ऽ ३	प ध म प ,पध रै ऽ न ,मऽ ×	ध सां – सां – ई ऽ रै ऽ २	सां सां सां सां न तें दि न ०
नि ध – ध ध रा ऽ ह त ३	ध सां सां सां – क त हूं ऽ ×	सां सां गं गं रीं सां उ न के अ २	नि रीं सां ध प व न की ऽ ०
म सां प गं रीं सां का ऽ से क ३	नि रीं नि ध प हूं ऽ अ प ×	ध प प म प मप धध,पमप नेऽ ऽऽ जीऽ,याऽऽ २	म सा ग – री सा की ऽ, अ ब। ०

आसावरी—एकताल. (विलंबित.)

स्थायी.

												,री
												ऽक
म		सा						म				
ग॒	—	री	सा	रीरीसानि॒	सा	सा	नि॒सा	री	म	प	प	
गं	ऽ	वा	ऽ	ऽऽऽऽ	ऽ	बो	ऽऽ	ल	ही	ऽ	रे	
३		४		×		०		२		०		
		प						नि॒				
मप	प,मप	सां	—नि॒सां	सां	सांनि॒	रीं	सां	ध॒	—	प	ध॒म	
ऽऽ	सो,अऽ	ब	,ऽऽ	मो	रेऽ	ऽ	पि	या	ऽ	को	ऽऽ	
३		४		×		०		२		०		
प	प		पप	म			सा					
म	म	प	ध॒ध॒,पमप	ग॒	—	—	री	—	ग॒	सा	,री	
स	गु	ऽ	नऽ,बिऽऽ	चा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	र,	ऽक।	
३		४		×		०		२		०		

अंतरा.

				प							
			मप	सां	—	नि॒सां	सां	सां	नि॒सां	सां	—
ऽ	ऽ	ऽ	ढुध	भा	ऽ	ऽऽ	त	तो	ऽऽ	हे	ऽ
३		४		×		०		२		०	
नि॒		सां	सां			नि॒			री		म
ध॒	सां,रींसां	गं॒	रींसां	रींरींसांनि॒	सांरीं	ध॒	प	म	म	प	प
जो	ऽ,ऽऽ	लो	ऽखि	लैऽऽऽ	ऽऽ	यां	ऽ	औ	र	ऽ	डा
३		४		×		०		२		०	

नि ध सां	नि ध प	धधपम प	म ग —	सा री ग	सा ,री
ऽ ऽ ३	हूं ऽ ४	गऽऽऽ ऽ ×	रे ऽ ०	हा ऽ २	र, ऽक । ०

आसावरी— झूमरा. (विलंबित).

स्थायी.

ग री — — सा	ग री — सासा	नि प ध — प धम	प प म म प
बी ऽ ऽ र ३	बा ऽ मन ×	वा ऽ ऽ ऽऽ २	स गु ऽ ०
म मप धधपमप ग —	री — सा	प प म म प मप	प प धधपम प प
ऽऽ नऽबिऽऽ चा ऽ ३	ऽ ऽ रो ×	क ब ऽ ऽऽ २	घऽ,ऽऽ ऽ र ०
म ग — री सा	सा री म	प म प ध प,मप	म ग री सा
आ ऽ बे ऽ ३	मो रा ऽ ×	पी ऽ ऽ मौं,ऽऽ २	द ऽ र. ०

अंतरा.

नि निनि निनि निनि साध धध धध धध	नि ध नि प	ध म प प	म पध प,मप ग
काऽ गऊ डाऽ वत ३	मो ऽ रि ×	बै ऽ यां थ २	कऽ ग,ऽऽ ई ०

म म म म	ग ग	नि	ग
ग ग ग ग	री री सा	ध — सा —	री — सा
नै ऽ न न	ढ र त	जो ऽ ऽ ऽ	नी ऽ र
३	×	२	०

प नि	ध	सां	गं गं
म प ध ,ध	सां सां सां	ध सांरीं गं —	रीं रीं सां
त न की ,बि	था मो रि	का ऽऽ सें ऽ	क हूं मैं
३	×	२	०

नि	नि नि	प	म
ध गं रीं सां	सां ध प	धम प — पध	ग री सा
री ऽ अ हे	ल ग त	जोऽ ऽ ऽ ऽऽ	ती ऽ र।
३	×	२	०

आसावरी— झूमरा. (विलंबित).

स्थायी.

म	नि	नि नि	म म
री म प प	ध — ध	ध ध ध म	प प प
रा ऽ ऽ म	जै ऽ जै	म न भा ऽ	ऽ व न
३	×	२	०

नि नि	म सा	म म	नि
ध ध प ध	ग री सा	री म प प	ध — प
न मो ना ऽ	रा य ण	ए ऽ क न	के ऽ कि
३	×	२	०

नि ध			
ध — सां सां	रीं नि ध	सां रीं नि ध	नि ध प
ये ऽ स ब	का ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ज।
३	×	२	०

अंतरा.

प नि॒ नि॒नि॒	ध॒	नि॒	
मप ध॒– ध॒ध॒–ध॒	सां – –	सां रीं सांरींगं॒ रींसां	रीं नि॒ ध॒
हम ग्वाऽ रनि ऽतु	मे ऽ ऽ	ग्वा ऽ ऽऽऽ रगु	सां ऽ ऽ
३	×	२	०
	प म	नि नि॒ नि	ध॒
सां नि॒ ध॒ प	म प प	ध॒ ध॒ ध॒ –	सां ऽ ऽ
ऽ ऽ ऽ ई	ज न म	ज न म ऽ	के ऽ ऽ
३	×	२	०
मं	सां सां	सां	
सां रीं गं॒ –	रीं रीं सां	रीं नि॒ सां रीं	नि॒ ध॒ प
र ख वा ऽ	ऽ र ह	मा ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ र।
३	×	२	०

आसावरी—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

सा री म

त न न

		म	
प नि॒ ध॒ प	ध॒ म प ध॒	ग॒ – री सा	री म प प
ना द्रे दा नि	तुं द्रे दा नि	ता ऽ ऽ रे	त दा ऽ नि
०	३	×	२
नि॒ नि॒	म म		
ध॒ – ध॒ –	ग॒ – ग॒ –	री री ग॒ सा	री नि॒ सा सा
दी ऽ म्दी ऽ	म्तो ऽ म्तो ऽ	म्त दा ऽ रे	त न दे रे
०	३	×	२

	नि	सां	नि
सा री म प	ध – ध ध	सां – – रीं	ध प प प
त दि या ना	रे ऽ त न	द्री ऽ ऽ म्त	द्रा नि त न
०	३	×	३
		म	
प ध नि ध	प म प ध	ग – री सा	नि सा री म
द्री ऽ ऽ म्त	द्रा नि त न	द्री ऽ म्त द्रा	नि ,त न न।
०	३	×	३

अंतरा.

	नि	नि	
म म म म	प प ध –	ध सां – सां	रीं नि सां सां
दे रे ना दे	रे ना दी ऽ	म्त द्रा ऽ रे	त न दे रे
०	३	×	२
नि			
ध ध – ध	सां – रीं सांसां	रीं गं रीं सां	रीं नि ध प
त नु ऽ म्त	नो ऽ म्तो ऽम्	दे रे ना त	द्रा रे द्रा नि
०	३	×	२
प			
प गं – रीं	सां – रीं नि	निनि निनि सां –	पप पप सांसां सांगं
तक् घ्डा ऽ न्तक्	घ्डा ऽ न्धा ऽ	क्डि नग धा ऽ	तिट कत गदि गिन
०	३	×	२
मं			
गं – सांसां सांसां	सांसां सांसां रीं नि	निनि निनि निनि सांसां	नि ध प म
धा ऽ तिट कत	गदि गिन धा ऽ	तिट कत गदि गिन	धा ,त न न।
०	३	×	२

आसावरी—एकताल (मध्यलय).

स्थायी.

											सा
										ऽ	ओ
										२	
री	म	(म)री	म	प	प	(म)प	(प)सां	नि॒	ध॒	प	—
दृ	ता	ना	द्रे	ता	ना	त	द्री	य	न	रे	ऽ
०		३		४		×		०		२	
(ध)प	नि॒	ध॒	प	(म)ग॒	—	मग॒	मग॒	री	री	सा	सा
त	द्री	या	ना	रे	ऽ	(तऽ)	(द्रिऽ)	या	ना	रे	त
०		३		४		×		०		२	
सा	री	(नि॒)ध॒	—	प	—	(प)म	प	—	(नि॒)ध॒	—	(नि॒)ध॒
ना	द्रे	ना	ऽ	द्रीं	ऽ	ता	द्री	ऽ	म्द्री	ऽ	म्त
०		३		४		×		०		२	
सा	सा	(म)री	म	पध॒	मप	(म)ग॒	ग॒	री	(सा)री	सा	सा
ना	ना	ना	ना	(नाऽ)	(नाऽ)	त	द	रे	द्रा	नि,	ओ।
०		३		४		×		०		२	

अंतरा.

(प)म	प	—	(नि॒)ध॒	—	ध॒	(ध)सां	सां	सां	सां	सां	—
ओ	द्रे	ऽ	ता	ऽ	ना	ता	ना	द्रे	रे	ना	ऽ
×		०		२		०		३		४	

नि	नि		ध			सां					
ध	ध	—	सां	—	सां	गं	गं	रीं	रीं	सां	सां
ता	दी	ऽ	न्दी	ऽ	न्त	त	ना	ता	ना	ना	ना
×		०		२		०		३		४	

सां								म			
रीं	सां	नि	ध	प	प	ध	म	री	म	प	प
त	द	रे	दा	नि,	ओ	दा	ता	ना	द्रे	ता	ना।
×		०		२		०		३		४	

आसावरी.—झपताल. (मध्यलय).

स्थायी.

नि			प	म	म		ग		
ध	—	प	धम	धप	ग	—	री	—	सा
ला	ऽ	लू	अऽ	लऽ	सा	ऽ	नें	ऽ	हो
×		२			०		३		
सा					नि		नि		
री	ग	री	—	सा	सा	—	ध	—	प
तु	म	रै	ऽ	न	के	ऽ	जा	ऽ	गे
×		२			०		३		
प		नि			ध			ग	
म	प	ध	—	ध	सा	—	री	री	सा
नै	ऽ	न	ऽ	उ	नीं	ऽ	दे	अ	त
×		२			०		२		
सा			ध		म		ग		
नि	ध	प	धम	प	ग	ग	री	—	सा
र	त	र	ती	ऽ	र	स	पा	ऽ	गे।
×		२			०		३		

अंतरा.

(प)म प	(नि)ध (नि)ध (नि)ध	(ध)सां सां	सां – सां
औं ऽ	ज न अ	घ र	भा ऽ ल
×	२	०	३
(सां)रीं (रीं)गं	रीं (गं)रीं सां	सां सां	(नि)ध – प
क व	न ति य	अ नु	रा ऽ गे
×	२	०	३
(म)प गं	गं रीं सां	सां सां	(नि)ध – प
सा ऽ	चि क हो	ह र	रौं ऽ ग
×	२	०	३
पध नि	ध पम (म)धप	(म)ग ग	(ग)री – सा
काऽ ऽ	के मुऽ खऽ	ह स	ला ऽ गे।
×	२	०	३

आसावरी—चौताल. (विलंबित).

स्थायी.

(ध)प नि	(नि)ध (नि)ध	पम (म)प	(म)ग –	ग (ग)री	– सा
ब र	स त	घऽ न	सा ऽ	थ बूं	ऽ द
०	३	४	×	०	२
(सा)ग (म)ग	ग (ग)री	– सा	– सा	(सा)री म	– प
स ज	ल ज	ऽ ल	ऽ त	न की	ऽ त
०	३	४	×	०	२

प नि॒ध॒	— नि॒ध॒	सां —	सांरीं॒ सां	रीं॒ नि॒ध॒	प ध॒म
प त ०	ऽ ग ३	ई ऽ ४	सी त ×	ल औं ०	ऽ गऽ २
प पसां	नि॒ध॒ नि॒ध॒				
ब र ०	सु त ३				

अंतरा.

म म	प प	नि॒ध॒ नि॒ध॒	ध॒सां —	सां सां	सां सां
नि र ×	ख नि ०	र ख २	ने ऽ ०	त्र क ३	म ल ४
नि॒ध॒ नि॒ध॒	नि॒ध॒ ध॒सां	सां सांगं॒	गं॒रीं॒ गं॒रीं॒	सां नि॒ध॒	— प
अ र ×	स प ०	र स २	अ त ०	उ मौं ३	ऽ ग ४
म म	प प	— प	नि॒ध॒ —	— सां	सां सां
प्र फु ×	ल त ०	ऽ भ २	ये ऽ ०	ऽ री ३	म न ४
सांरीं॒ सां	सांरीं॒ नि॒	ध॒ प,ध॒म	मप पसां	नि॒ध॒ नि॒ध॒	पम मप
अ त ×	उ मौं ०	ऽ ग,ऽऽ २	बऽ र ०	स त ३	घऽ न। ४

आसावरी—चौताल. (विलंबित).

स्थायी.

म			म		ध	नि					
री	म	प	प	—	नि	ध	—	—	प	—	धम
अ	त	प्र	ता	ऽ	प	ते	ऽ	ऽ	रो	ऽ	ऽऽ
०		३		४		×		०		२	
म	म		सा			म			म		
प	ग	—	री	—	सा	री	म	—	प	—	—
ज	ग	ऽ	में	ऽ	ऽ	हो	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
०		३		४		×		०		२	
नि			नि				म		सा		
ध	—	ध	ध	—	प	पध	ग	—	री	—	सा
रा	ऽ	व	रा	ऽ	जे	बाऽ	हा	ऽ	दू	ऽ	र।
०		३		४		×		०		२	

अंतरा.

प			नि		नि	ध					
म	प	—	ध	—	ध	सां	सां	—	सां	—	सां
ना	ऽ	ऽ	म	ऽ	सु	न	त	ऽ	गू	ऽ	नि
×		०		२		०		३		४	
नि			ध			सां			नि		
ध	—	—	सां	—	सां	रीं	—	सां	ध	—	प
आ	ऽ	ऽ	व	ऽ	त	धा	ऽ	य	धा	ऽ	य
×		०		२		०		३		४	
म			सां						नि		
प	गं	रीं	रीं	सां	सां	रीं	सां	—	ध	—	प
पा	ऽ	व	त	म	न	इं	छा।	ऽ	फ	ऽ	ल
×		०		२		०		३		४	

म	प	–	(नि॒)ध॒	सां	–	रीं	सां	रीं	नि॒	ध॒	प
ति	न	ऽ	को	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
×		०		२		०		३		४	

(ध)पध॒	(म)ग॒	–	(सा)री	–	सा
(आऽ	धा	ऽ	ऽ	ऽ	र
×)		०		२	

आसावरी— चौताल (विलंबित).

स्थायी.

(प)ध॒	म	(ग)री॒	(ग)री॒	–	री॒	(सा)री॒	ग॒	री॒	सा	–	सा
नै	ऽ	न	आ	ऽ	ल	सा	ऽ	ने	भा	ऽ	रे
×		०		२		०		३		४	
(नि॒)सा	–	री॒	नि॒.	ध॒.	ध॒.	(ध॒)सा	–	(री)ग॒	री॒	–	सा
ऐ	ऽ	रे	आ	ऽ	ज	औं	ऽ	ज	ना	ऽ	रे
×		०		२		०		३		४	
सा	–	री॒	म	प	–	(नि॒)ध॒	–	प	ध॒	(ध॒)सां	–
दे	ऽ	ख	म	न	ऽ	मे	ऽ	रो	पि	या	ऽ
×		०		२		०		३		४	

सांरीं नि	ध प	धम पध	(म)ग (ग)री	— (ग)री	सा —
अऽ त	ऽ ही	ऽऽ अऽ	कु ला	ऽ त	है ऽ।
×	०	२	०	३	४

अंतरा.

(प)म प	मप (नि)ध	— (नि)ध	सां —	सां सां	सां —
ब स	ऽऽ न	ऽ म	ली ऽ	न भ	ये ऽ
×	०	२	०	३	४
(नि)ध —	(नि)ध सां	सां —	(सां)गं रीं	सां सां	(नि)ध प
औं ऽ	ज न	हूं ऽ	नै ऽ	न ध	रे ऽ
×	०	२	०	३	४
(म)प गं	— (गं)रीं	(गं)रीं रीं	सां सां	रीं नि	ध प
मा ऽ	ऽ व	र त	न सा	ऽ ज	त ये
×	०	२	०	३	४
(म)प नि	(नि)ध ध	प (प)धम	(म)ग —	री (ग)री	सा —
औं ऽ	ग रा	ऽ गऽ	आ ऽ	ऽ त	है ऽ।
×	०	२	०	३	४

संचारी.

(नि)सा ध	ध (नि)ध	— प	(प)नि ध	— (नि)ध	— प
कौ ऽ	न तो	ऽ हे	मी ली	ऽ ना	ऽ र
×	०	२	०	३	४

ध			म	ग गं	
प ध	म प	प ध	ग –	री री	– सा
जा ऽ	कें मु	ख ऽ	को ऽ	नि हा	ऽ र
×	०	२	०	३	४

प म			सा		
ध ग	– री	– री	री ग	री सा	– सा
ज गे	ऽ सा	ऽ रि	रा ऽ	त प्या	ऽ रे
×	०	२	०	३	४

नि	नि नि				
सा –	ध ध	सा सा	री –	ग री	सा –
ढी ऽ	ट न	श र	मा ऽ	ऽ त	है ऽ।
×	०	२	०	३	४

आभोग.

प	नि	नि	ध		
म प	– ध	– ध	सां सां	– सां	– सां
स ग	ऽ री	ऽ नि	म ट	ऽ ग	ऽ ई
×	०	२	०	३	४

नि	नि		गं	नि	
ध –	ध सां	– सां	रीं सां	रीं ध	– प
जा ऽ	वो ये	ऽ सि	म ट	ऽ ग	ऽ ई
×	०	२	०	३	४

म	गं			नि	
प प	ग रीं	– सां	रीं सां	सां ध	– प
क हे	ऽ ह	ऽ रि	ब ल	भ ये	ऽ ऽ
×	०	२	०	३	४

(म)प नि	ध प	ध मप	(म)ग –	री (ग)री	सा –
खौं ऽ	डि ता	ऽ कह	ला ऽ	ऽ त	है ऽ।
×	०	२	०	३	४

आसावरी– चौताल. (विलंबित).

स्थायी.

(म)री
ऽ आ
०

म प	– नि	(नि)ध –	– (नि)ध	– प	ध म
ऽ यो	ऽ रे	जी ऽ	ऽ त	ऽ ही	ऽ रा
३	४	×	०	२	०
– प	– नि	(नि)ध –	प (नि)ध	– प	ध (म)ग
ऽ जा	ऽ ऽ	रा ऽ	म चौं	ऽ द्द	ऽ लौं
३	४	×	०	२	०
– (सा)री	– सा	(म)ग –	– (सा)री	– सा	– (म)री
ऽ का	ऽ ऽ	न ऽ	ऽ ग	ऽ र	ऽ, आ।
३	४	×	०	२	०

अंतरा.

(प)म प	– (नि)ध	– ध	(ध)सां सां	– सां	– सां
जि त	ऽ ती	ऽ त	सु नी	ऽ य	ऽ त
×	०	२	०	३	४

नि॒	नि॒		ध॒		सां				नि॒	नि॒	
ध॒	ध॒	—	सां	—	गं॒	रीं	—	सां	सां	ध॒	प
च	हूं	ऽ	दे	ऽ	स	बा	ऽ	जे	ब	ज	त
×		०		२		०		३		४	
प			नि॒			प			नि॒		
म	प	नि॒	ध॒	—	प	रीं	रीं	सां	ध॒	—	प
रा	ऽ	ऽ	ज	ऽ	त	आ	नं	दृ	भ	ऽ	यो
×		०		२		०		३		४	
प	म		सा				म				
ध॒	ग॒	—	री	—	सा	—	री				
घ	र	ऽ	घ	ऽ	र	ऽ,	आ				
×		०		२		०					

संचारी.

प						नि॒	नि॒		नि॒		
म	म	—	प	—	प	ध॒	ध॒	—	ध॒	प	—
ज	ब	ऽ	को	ऽ	प	की	ये	ऽ	च	ढे	ऽ
×		०		२		०		३		४	
नि॒	नि॒		ध॒				नि॒		नि॒		
ध॒	ध॒	—	सां	—	सां	सांरीं	ध॒	—	ध॒	—	प
ह	न	ऽ	मा	ऽ	न	अऽ	ग	ऽ	वा	ऽ	न
×		०		२		०		३		४	
प			म			म			सा		
ध॒	म	प	प	—	ध॒	ग॒	—	—	री	—	सा
क	र	जो	धा	ऽ	ये	लौं	ऽ	ऽ	के	ऽ	स
×		०		२		०		३		४	

						प	नि		नि		
म	–	प	प	–	–	सां	ध	–	ध	–	प
कां	ऽ	पी	यो	ऽ	ऽ	थ	र	ऽ	थ	ऽ	र।
×		०		२		०		३		४	

आभोग.

प			नि		नि	ध					
म	प	–	ध	–	ध	सां	–	सां	सां	–	सां
रा	ऽ	ऽ	व	ऽ	न	मा	ऽ	र	धा	ऽ	य
×		०		२		०		३		४	
नि	नि		ध						नि		
ध	ध	–	सां	–	सां	रीं	सां	–	ध	–	प
ली	यो	ऽ	दे	ऽ	स	दी	यो	ऽ	रा	ऽ	ज
×		०		२		०		३		४	
म	प			सां					नि		
प	गं	–	रीं	रीं	सां	रीं	–	सां	ध	–	प
बि	भी	ऽ	छ	न	को	ला	ऽ	यो	सी	ऽ	ता
×		०		२		०		३		४	
प	म		सा				म				
ध	ग	–	री	–	सा	–	री				
र	घू	ऽ	ब	ऽ	र	ऽ,	आ				
×		०		२		०					

आसावरी.–चौताल. (विलंबित).

स्थायी.

प
म
अ

	नि	म	सा		प
प सां	ध पध	प ग	– री	म प	प म
त ऽ	अ लऽ	सा ऽ	ऽ ऽ	ऽ ऽ	नि री
३	४	×	०	२	०
नि		प	ध	म	म
प ध	– प	ध म	– म	प प	पध ग
ऽ आ	ऽ ली	झ प	ऽ क	ऽ च	लऽ न
३	४	×	०	२	०
सा		म	म	सा	प
– री	ग सा	ग –	ग ग	री सा	निसा म
ऽ ग	ऽ ति	मौं ऽ	द च	ल न	ऽऽ, अ।
३	४	×	०	०	०

अंतरा.

	नि		ध		
म प	– ध	– ध	सां सां	सां	– सां
मो ह	ऽ ना	ऽ सों	मि ल	ऽ आ	ऽ ई
×	०	२	०	४	४
नि नि	ध			नि	
ध ध	– सां	– सां	रीं –	सां ध	– प
त ब	ऽ हीं	ऽ मैं	जा ऽ	न पा	ऽ ई
×	०	२	०	४	४

प प	सां		सां	नि	
मप गं	— रीं	— सां	रीं सां	ध सां	— सां
चऽ तु	ऽ रा	ऽ ई	क र	न ला	ऽ गि
×	०	२	०	३	४
नि नि	नि ध		प		
सां ध	ध नि	ध प	धम म		
च तु	र त	र न	ऽऽ, अ :		
×	०	२	०		

संचारी.

री			नि	नि	
म —	प प	— मप	ध —	— ध	— प
प्रे ऽ	म की	ऽ ऽऽ	चो ऽ	ऽ ऽ	ऽ रि
×	०	२	०	३	४
			नि नि	नि	
ध म	म प	— नि	ध ध	— ध	प —
क र	ऽ त	ऽ री	स ज	ऽ ऽ	नी ऽ
×	०	२	०	३	४
ध	म		म म	सा	
प —	ध ग	— प	ग ग	— री	— सा
कै ऽ	ऽ से	ऽ दु	र त	ऽ ते	ऽ री
×	०	२	०	३	४
नि	प		प नि	नि	
सा री	म म	प प	नि ध	— ध	— प
सों ऽ	ऽ धें	ऽ की	ह र	ऽ ऽ	ऽ न।
×	०	२	०	३	४

आभोग.

(प) म प	– (नि) ध	– ध	(ध) सां –	सां सां	सां –
धी ऽ	ऽ र	ऽ ज	के ऽ	प्र भु	सौं ऽ
×	०	२	०	३	४
(नि) ध (नि) ध	– (ध) सां	– (सां) गं	रीं सां	रीं नि	ध प
रि त	ऽ मा	ऽ न	आ ऽ	ऽ ऽ	ऽ ई
×	०	२	०	३	४
(म) प गं	रीं (सां) रीं	सां सां	रीं नि	ध सां	सां –
को ऽ	टी का	ऽ म	ला ऽ	ऽ ऽ	गे ऽ
×	०	२	०	३	४
(नि) सां (नि) ध	(नि) ध (ध) नि	ध प	धम (प) म		
च व	र दु	र न	ऽऽ, अ		
×	०	२	०		

आसावरी.– धमार. (विलंबित).

स्थायी.

				(सा) री म –
				आ ऽ ऽ
प – प –	(नि) ध – – (नि) ध ध	प –	ध म –	
ई ऽ है ऽ	खे ऽ ऽ ल न	के ऽ	फा ऽ ऽ	
	×	२	०	

	म		सा नि
प — — ध॒	ग॒ — — री॒ —	सा —	री॒ ध॒ —
ग ऽ ऽ ल	ला ऽ ऽ ऽ ऽ	सौं ऽ	ह म ऽ
३	×	२	०

	ग ग		सा
सा — — री॒	री॒ — — री॒ —	सा —	री॒ म —
सौं ऽ ऽ छि	पा ऽ ऽ व ऽ	त ऽ	का हा ऽ
३	×	२	०

	म ग		सा
प — ध॒ ध॒	ग — — री॒ —	सा —	री॒ म —
ऽ ऽ जि य	ठा ऽ ऽ ऽ ऽ	नी ऽ	आ ऽ ऽ ॥
३	×	२	०

अंतरा.

प नि		ध	
म प — ध॒ —	— ध॒	सां — सां	सां — सां —
हों ऽ ऽ तो ऽ	ऽ ति	हा ऽ रि	प्या ऽ री ऽ
×	२	०	३

सां			नि
रीं॒ रीं॒ गं॒ रीं॒ रीं॒	सां —	रीं॒ सां —	ध॒ — प —
स खी ऽ हि त	जा ऽ	न त ऽ	है ऽ ऽ ऽ
×	२	०	३

म			नि
प गं॒ — रीं॒ —	— रीं॒	गं॒ रीं॒ सां	ध॒ — प ध॒
ते ऽ ऽ री ऽ	ऽ न	नं द ऽ	जे ऽ ऽ ऽ
×	२	०	३

म		सा
ग॒ — — री॒ —	सा —	री॒ म ऽ
ठा ऽ ऽ ऽ ऽ	नी ऽ	आ ऽ ऽ
×	२	०

आसावरी—धमार. (विलंबित).

स्थायी.

सा		नि नि	
री म —	प — — —	ध — — ध —	प —
आ ऽ ऽ	यो ऽ ऽ ऽ	फा ऽ ऽ गु ऽ	न ऽ
०	३	×	२
		म	
ध म —	प — — ध	ग — — री —	सा —
मा ऽ ऽ	स ऽ ऽ स	खी ऽ ऽ ऽ ऽ	री ऽ
०	३	×	२
सा		प म	
री नि ध	सा सा री सा	ध ग — री —	सा —
ले ऽ ऽ	च ल उ न	ही पा ऽ ऽ ऽ	स ऽ।
०	३	×	२

अंतरा.

नि	नि		
प — — ध —	ध ध	सां सां —	सां — सां सां
वै ऽ ऽ ठा ऽ	कु र	अ ज ऽ	हूं ऽ न हिं
×	३	०	३
			नि
रीं — गं रीं —	सां —	रीं सां —	ध — ध नि
आ ऽ ऽ ये ऽ	टू ऽ	ट न ऽ	ला ऽ गी ऽ
×	२	०	३
ग			
ध म ग री —	सा —	री म —	
आ ऽ ऽ ऽ ऽ	स ऽ	आ ऽ ऽ	
×	२	०	

राग भैरवी.

आभांत्यस्यां रिगमधनयः कोमला मोऽत्रवादी ।
सः संवादी क्वचिदपि धगौ वादिसंवादिनौ च ॥
प्रातर्गेया सुरुचिरतरा स्वैरिणी सर्वगम्या ।
संपूर्णा सा जनयति सुखं भैरवी रागिणीयम् ॥

कल्पद्रुमांकुरे ।

यत्र मध्यः स्वरो वादी संवादी षड्ज ईरितः ।
स्वैरिणी गीयते प्रातर्भैरवी सर्वकोमला ॥

चन्द्रिकायाम् ।

सब कोमल सुर भैरवी संपूरन सुर होइ ।
मसवादी संवादि है सब जो चाहै कोइ ॥

चंद्रिकासार ।

निसौ गमौ पधौ निश्च सनिधपा मगौ रिसौ ।
संपूर्णा भैरवी प्रोक्ता धैवतांशा प्रभातगा ॥

अभिनवरागमंजर्याम्

हा राग भैरवी थाटांतून उत्पन्न होतो. यांत षड्ज व पंचम हे शुद्ध व बाकींचे स्वर कोमल आहेत. हा राग संपूर्ण आहे. ह्यांत वादी मध्यम आहे व संवादी षड्ज आहे. कांहीं गुणी लोक धैवत वादी व गांधार संवादी मानितात. हें दुसरें मत संपादकास अधिक मान्य आहे. या दोन्ही मतांचीं गीतें प्रचारांत दृष्टीस पडतात. या रागाचा गानसमय प्रातःकाळ मानितात. कोणी हा राग सार्वकालिकहि मानितात. प्रायः आरोहांत अनेक वेळां तीव्र ऋषभाचा प्रयोग केलेला दृष्टीस पडतो, तथापि तो स्वर या रागाच्या नियमित स्वरांपैकीं नाहीं, हें लक्षांत ठेवण्याजोगें आहे. प्राचीन ग्रंथांत भैरवींत ऋषभ तीव्र सांगितलेला आढळतो. तो प्रचार दक्षिणेकडे अजून आहे. हा राग अतिलोकप्रिय आहे व तो बहुतेक साऱ्या गायकांना येत असतो. या रागांत ख्याल फारच कमी असून गझल, ठुमरी, टप्पा वगैरे गीतेंच पुष्कळ ऐकण्यांत येतात. या रागाची खुबी **सा, ग, प,** व **ध** या स्वरांवर अधिक अवलंबून असते. मध्यमाचें प्राधान्य मानणारे मध्यमाला ठिकठिकाणीं पुढें आणून गांधाराचें महत्त्व कमी करितात.

आरोहावरोहस्वरूप.

सा, रे ग, म, प ध, नि सां । सां नि ध प, मग, रेसा.

पकड.

म, ग, सा रे सा, ध नि सा.

भैरवी—त्रिताल. (मध्यलय).

स्थायी.

ग ग रे सा	नि सा ध ऽ	नि ध ऽ ग	म ध म प
०	३	×	२
ग म ग रे	सा नि ध ऽ	म ध नि ग	ऽ म ध ऽ
०	३	×	२
नि सां ऽ रें	सां नि ध म	प नि ध प	म ग रे सा ।
०	३	×	२

अंतरा.

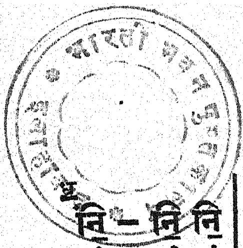
नि नि ध नि	ध प म ग	म ध नि सां	ध नि सां ऽ
०	३	×	२
गं मं गं रें	सां नि ध नि	गं ऽ सां ऽ	रें नि सां ऽ
०	३	×	२
धं ऽ नि म	ऽ ध ग ऽ	म नि ध प	म ग रे सा ।
०	३	×	२

भैरवी—त्रिताल. (मध्यलय).

स्थायी.

री
म —
भै ऽ

(म) री ग — री	सा — ध (नि) नि	सा री सा —	— — — —
र वी ऽ क	ही ऽ म न	मा ऽ नी ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ
०	३	×	२



नि – नि नि	नि नि ध नि	सा सा री नि	सा – सा सा
को ऽ म ल	सु ब सु र	क र गु नि	गा ऽ व त
०	३	×	२
सा सा (सा)ध ध	प प पध नि	(नि)ध – प म	(मं)ग – म –
प्र थ म प	हु र कीऽ ऽ	रा ऽ नी ऽ	हो ऽ, मै ऽ ।
०	३	×	२

अंतरा.

(नि)ध – ध ध	ध म ध नि	सां सां सां सां	सां – सां –
म ऽ ध्य म	वा ऽ दी ऽ	सु र स म	वा ऽ दी ऽ
०	३	×	२
(सां)नि – नि –	सां सां सां –	गंगं रींसां रीं –	(नि)सां – (नि)ध प
भ ऽ क्ती ऽ	र स की ऽ	खाऽ ऽऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ नी ऽ
०	३	×	२
सा सा ध ध	प – प प	ध प ध नि	(नि)ध पम री ग
स ब को इ	गा ऽ व त	स ब को रि	झा ऽऽ व त
०	३	×	२
(री)ग – (प)ध ध	प – ध सांनि	ध मप (म)ग –	प – ध पम
भै ऽ र वि	शा ऽ स्त्र प्रऽ	मा ऽऽ नी ऽ	हो ऽ, मै ऽऽ ।
०	३	×	२

भैरवी– त्रिताल. (मध्यलय).

स्थायी.

(नि)ध – नि	सा – री सा	(री)ग री ग म	री ग री सा
ऽ जा ऽ य	तूं ऽ म न	गु रु च र	न श र न
३	×	२	०
सा ध प ध	– (म)पम री ग	(री)सा – री म	(ग)री ग री सा
ए ऽ क भा	ऽ वऽ ध र	औं ऽ त र	मों ऽ ध न।
३	×	२	०

अंतरा.

(नि)ध म ध नि	सां रीं सां सां	(सां)नि – सां सां	(सां)रीं (नि)सां (नि)ध प
जो इ जा ऽ	व त ज न	स ऽ हु रु	के श र न
३	×	२	०
प – प	ध पम म प	(म)री ग सारी म	(ग)री ग री सा
ऽ वा ऽ को	ह रऽ त च	त र मऽ व	बौं ऽ ध न।
३	३	२	०

भैरवी– त्रिताल. (मध्यलय).

स्थायी.

(सा)नि सा ग म	(ध) – ध प	– ध प प	(प)म प म ध
कै सी ये भ	ला ऽ ई रे	ऽ कन्हा इ	प नि यां भ
३	×	२	०

म	म	म	री
प म ग री	ग प ध नि	ध प ग म	ग री सा सा
र त मो रि	ग ग रि गि	रा इ क र	के ल रा इ।
३	×	२	०

अंतरा.

			रीं गं
ध म ध नि	सां – सां नि	सांरीं गं रीं गं	सां रीं सां सां
सु न द क	हे ऽ ऐ सो	ढीऽ ऽ ट भ	यो क न्हा इ
०	३	×	२
प	प म		म
ध – ध ध	प ग ग री	ग प ध नि	ध प ग म
का ऽ क रुं	मा इ न हिं	मा न त क	न्हा इ क र
०	३	×	२
री			
ग री सा सा			
त ल रा इ			
०			

भैरवी— त्रिताल. (मध्यलय).

स्थायी.

			नि
			सा नि
			अ त
	ग	म	
सा री ग म	री (ग) – सा	री ग – री	सा – – री
सां डे ना ले	ग लां ऽ क	र के ऽ च	ला ऽ ऽ आ
२	०	३	×

नि			
सा ध – नि	सा – सा री	(ग) सा ग री	सा – सा री
ऽ मो ऽ द	दे ऽ ले बे	चे र ऽ दि	या ऽ सु न
२	०	३	×

		री	
नि सा – री	ग म – ग	म ग – री	सा – सा नि
मि या ऽ मि	यां बे ऽ क	र के ऽ च	ला ऽ, अ त।
२	०	३	×

अंतरा.

ध ध
इ श्क

नि		गं	नि म
म ध – म	ध नि सां नि	सां – सां रीं	सां ध प ग
दि सा ऽ र	न हिं जा ने	दे ऽ मि यां	इ ना ऽ य
×	२	०	३

		म	म
म – नि –	प ध म प	री ग – सा	री ग – री
त ऽ जा ऽ	प्या रे ते रे	भ ला ऽ क	र के ऽ च
×	२	०	३

सा – सा नि			
ला ऽ, अ त			
×			

भैरवी—त्रिताल. (मध्यलय).

स्थायी.

प
तो

	म	म	
ध प – ध	प – – म	ग – प म	ध – प म
री ब ऽ न	वा ऽ ऽ ऽ	री ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ रे ऽ
३	×	२	०
री		म	
ग – री	सा – – –	सा री ग –	री सा प
ऽ ढो ऽ ला	या ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	रे ऽ ऽ, तो।
	×	२	०

अंतरा.

प
ध
इ

		ग्रं	सां
म ध – नि	सां – – –	– – रीं –	सां – – नि
श्क दी ऽ सां	डे ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ल
३	×	२	०
	ग्रं		नि म
नि सां – सां	रीं – – –	सां – सां –	ध – प सा
गी त ऽ न	मा ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ हीं ऽ	रे ऽ ऽ घा
३	×	२	०

	ति म	म	
ध प – प	ध – प –	ग – – म	प – – म
ऽ य ऽ क	रे ऽ जे ऽ	का ऽ ऽ रि	रे ऽ ऽ ऽ।
३	×	२	०
री			
ग – री	सा – – –		
ऽ ढो ऽ ला	या ऽ ऽ ऽ		
३	×		

मैरवी— त्रिताल. (मध्यलय).

स्थायी.

सा
री म
ए जि

म म सा			
री ग – री	री सा री नि	सा – सा –	– – पध मप
मे रे ऽ भो	रे आ ऽ ये	सैं ऽ यां ऽ	ऽ ऽ (एऽ) (जिऽ)
०	३	×	२
म म ग			
री ग – री	री सा री नि	सा – सा –	– – – नि
मे रे ऽ भो	रे आ ऽ ये	सैं ऽ यां ऽ	ऽ ऽ ऽ मैं
०	३	×	२
सा			
नि – नि नि	नि नि ध प	ध – प –	म – – –
ढ़ौं ऽ र झ	प ट प र	हूं ऽ पैं ऽ	यां ऽ ऽ ऽ
०	३	×	२

सा	नि		
नि॒ - नि॒ नि॒	नि॒ - ध॒ नि॒	सा - सा -	- - सा म
ड्डा ऽ र फि	रूं ऽ ग र	बैं ऽ यां ऽ	ऽ ऽ, ए जि।
०	३	×	२

अंतरा.

प			
ध॒ - म ध॒	- ध॒ नि॒ नि॒	सां - सां सां	सां - सां -
औं ऽ ध का	ऽ र जि न	ठा ऽ डो गु	सैं ऽ यां ऽ
०	३	×	२
सा			नि
नि॒ नि॒ नि॒ नि॒	सां - सां सां	गंगं रींसां रीं सां	ध॒ - प -
ग ह प क	रो ऽ ओ रि	बैंऽ ऽऽ ऽ ऽ	यां ऽ ऽ ऽ
०	३	×	२
			नि
सा सा ध॒ ध॒	प - प -	प - ध॒ सांनि॒	ध॒ प (ग॒) -
मो रा ऽ द	ली ऽ की ऽ	लाऽ ज तुऽ	म्हीऽ को ऽ
०	३	×	२
म		प	म
ग॒ - प -	प प ध॒ प	म - म -	प म
रा ऽ खो ऽ	सं ग ए क	ठैं ऽ यां ऽ	ऽ ऽ, ए जि।
०	३	×	२
म म			
री ग॒ - री॒	री॒ सा री॒ नि॒		
मे रे ऽ भो	रे आ ऽ ये		
०	३		

भैरवी—त्रिताल. (मध्यलय).

स्थायी.

						प		ग							
	सा	–	री	ग	–	म	–	री	–	–	सा	–	–	–	री
ऽ	रा	ऽ	व	रे	ऽ	ऽ	ऽ	का	ऽ	ऽ	ना	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
०				३				×				२			

			सा		नि										
नि	सा	–	री	सा	ध	–	नि	सा	–	–	नि	सारी	गम	–	री
ऽ	ऽ	ऽ	म	न	मे	ऽ	रो	ली	ऽ	ऽ	नो	रेऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ।
०				३				×				२			

ग	सा	–	री
ऽ	रा	ऽ	व
०			

अंतरा.

प		म		नि								सां			नि
ध	प	ग	म	ध	–	नि	नि	सां	–	नि	–	गं	गं	गं	ध
अ	चा	न	क	जा	ऽ	नि	क	सी	ऽ	हों	ऽ	सु	झ	क	झि
३				×				२				०			

							म			ग		ग			
ध	ध	–	ध	पध	निध	प	ग	–	म	री	–	ग	सा	–	री
झ	क	ऽ	उ	ठीऽ	ऽऽ	अ	चा	ऽ	न	जा	ऽ	न,	रा	ऽ	व।
३				×				२				०			

भैरवी– त्रिताल. (मध्यलय).

स्थायी.

सा	नि	म ग	ग
नि सा ग म	ध – प –	ग – प म	री – सा –
अ ब तो रि	बां ऽ की ऽ	लो ऽ अ नि	या ऽ रे ऽ
३	×	२	०
सा	नि		प ध
नि सा ग म	ध – प –	ध ध प प	ध नि ध प
अ ब तो रि	बां ऽ की ऽ	चि त व न	मे रो म न
३	×	२	०
म	नि म		
म प ग म	ध – प ग	– ग प म	ग री सा री
ब स की नो	प्या ऽ रि प्या	ऽ रि ब ति	यां क र के।
३	×	२	०

अंतरा.

प		सां	नि
ध म ध नि	सां – रीं सां	नि नि सां सां	रीं निसां ध प
स न द क	हे ऽ मो रा	जी रा न हिं	मा ऽऽ ने ऽ
३	×	२	०
प गं	नि	म ग	
गं – – रीं	सां ध – प	ग ग प म	ग री सा री
डा ऽ ऽ दीं	नो मो ऽ पें	जा दु सा क	छु क र के।
३	×	२	०

भैरवी— त्रिताल. (मध्यलय)

स्थायी.

सा,सारी
सखीऽ

री म — पध पं	म — री री	सा री सा —	सा री नि — सा,सारी
आ ऽ जऽ प्र	मा ऽ द् भ	ई ऽ ला ऽ	ऽ ऽ ऽ स,खीऽ
०	३	×	२
री म — — पधपम	म — — ग रीरी	सा रीनि सा —	— — सा सा
आ ऽ ऽ जऽप्रऽ	मा ऽ ऽ दभ	ई ऽऽ ला ऽ	ऽ ऽ स खी
०	३	×	२
नि सा ध प प	प ध,निध प म	प म गम ग री सा	री नि — सारी
सा ऽ ज न	आ ऽ,ऽऽ प त	जी ऽऽ ला ऽ	ऽ ऽ ऽ सखी।
०	३	×	२

अंतरा.

सा ग — ग ग	ग ग — गग	म म म म	म पग म म —
चा ऽ टु ब	च न ऽ कछु	श्र व न न	कीऽ ऽ ने ऽ
०	३	×	२
सा ग — ग ग	ग म — म म	री गग मप धनि धप	मग रीसा रीनि सा—
अ ऽ र्पि त	हा ऽ र त	जीऽ ऽऽ ऽऽ ऽऽ	ऽऽ ऽऽ ऽऽ लाऽ
०	३	×	२

नि सा			
सा – ध ध	प – प प	प – ध ध	पम प म –
बो ऽ ध स	खी ऽ ज न	के ऽ अ व	माऽ ऽ ने ऽ
०	३	×	२

नि सा		ग ग	
सा – ध –	पध निध प म	प म री सा	री नि – सा,सारी
प ऽ छा ऽ	त्ताऽ ऽऽ प भ	ई ऽ ला ऽ	ऽ ऽ ऽ स,खीऽ।
०	३	×	२

अंतरा २ रा.

प	नि		गं
ध ध ध ध	ध म – धनि	सां सां – सां	रीं रीं सां सां
च र न न	ते ऽ ऽ गिर	प न्यो ऽ च	तु र स खि
०	३	×	२

सां		रीं	नि
नि नि सां सां	सां – – रींगं	गंगं रींसां निसां –	ध – प –
त ब हुं न	हा ऽ ऽ तग	हीऽ ऽऽ ऽऽ ऽ	ला ऽ ऽ ऽ
०	३	×	२

नि सा		प नि	
सा सा ध –	प प प –	ध ध सां ध	– पम म –
क ल हा ऽ	न्त रि ता ऽ	क ह त ना	ऽ यिऽ का ऽ
०	३	×	२

नि सा		ग	
सा सा ध –	पध निध प मप	म – री सा	री नि सा,सारी
जि या में ऽ	ब्राऽ ऽऽ ग रऽ	ही ऽ ला ऽ	ऽ ऽ स,खीऽ।
०	३	×	२

भैरवी— पंजाबी त्रिताल. (विलंबित).

स्थायी.

सां	नि म सा	म ग	
प —धु नि	धु पम ग री	सारी ग सा री	सा — — सा
ऽ बा ऽबु ल	मो ऽऽ रा नै	यर छू टो ऽ	जा ऽ ऽ य
२	०	३	×
	म सा		
प —धु नि	धु पम ग री	सा सारी ग सारी	सा — — सा
ऽ बा ऽबु ल	मो ऽऽ रा नै	य रऽ छू टोऽ	जा ऽ ऽ य।
२	०	३	×

अंतरा.

धु म धुनि	सां रीं सां सां	निनि सां ,सां	गंगंरींसां सां,निसां(धु) प
ऽ चा ऽ रक	हा र मि ल	ऽ डुरि यां ऽम	गाऽऽऽ ऽ,ऽऽ वो ऽ
२	०	३	×
सा		धु प	नि म म
सा सा धु —धु	प — प —	प — धु सां	धु प ग —
अ प ना ऽबि	गा ऽ ना ऽ	छू ऽ टो ऽ	जा ऽ ये ऽ।
२	०	३	×
	म सा		
प —धु नि	धु पम ग री	सा सारी ग सारी	सा — — सा
ऽ बा ऽबु ल	मो ऽऽ रा नै	य रऽ छू टोऽ	जा ऽ ऽ य।
२	०	३	×

भैरवी– त्रिताल. पंजाबी. (विलंबित)

स्थायी.

			सा
			बि
नि̣	प म ध	री ग	
सा ध प —प	धप (ग) प ध,पम	ग री —सा रीनि̣	सा — — —सा
ना ऽ रे ऽख	वैऽ या नै या,ऽऽ	कै से ऽला ऽगे	पा ऽ ऽ ऽबि
२	०	३	×
नि̣	नि म ध	री ग	
सा ध प धसां	धप (ग) प मपधनिधपम	ग री —सा रीनि̣	सा — — —सा
ना ऽ रे ऽख	वैऽ या नै याऽऽऽऽऽऽ	कै से ऽला ऽगे	पा ऽ ऽ ऽबि।
२	०	३	×

अंतरा.

		री ग	ग
सा सा सा सारी	ग ग म –	ग – म म	धधमम गम री सा
न दि या ऽऽ	ग ह री ऽ	ना ऽ व पु	राऽऽऽऽऽ ऽऽ नी ऽ
×	२	०	३
नि̣	प ध	नि ध	री
सा सा ध —ध	प प ध सां	ध,पम (ग) प ध,पम	ग री सारी नि̣
मौ ला ऽ ऽल	गा वे बे डा	पा,ऽऽ र नै या,ऽऽ	कै से लाऽ गे
×	२	०	३
सा — — —सा			
पा ऽ ऽ ऽबि			
×			

भैरवी.– पंजाबी. (विलंबित).

स्थायी.

सा सारी पम	गम री सारी ,सानि	सा – – ,प	पप ध,पम ग रीनि
ऽ ना ऽऽ हिंप	रऽ त ऽऽ ,मैका	चै ऽ ऽ ,न्सां	वरि या,ऽऽ ऽ ऽऽ।
०	३	×	२
,सा – सारी पम			
ऽना ऽ ऽऽ हिंप			
०			

अंतरा.

सा सा सा –री	ग – म –	ग – म –म	गगमप धनिधप मगरीसा रीनिसा
दू र स ऽपि	या ऽ को ऽ	बे ऽ ग ऽदि	खाऽऽऽ ऽऽऽऽ ऽऽऽऽ ऽऽवो
०	३	×	२
सा ध प प	प – – धसां	ध प ग ,प	पप पधनिसां निधपम गरीसा–
मा ऽ न त	ना ऽ ऽ दिन	रै ऽ न ऽसां	वरि याऽऽऽ ऽऽऽऽ ऽऽऽऽ।
०	३	×	२
सा – सारी पम			
ना ऽ ऽऽ हिंप			
०			

भैरवी.—त्रिताल. (मध्यलय).

स्थायी.

ध
त

३	×	२	०
म प ग म	प ध नि प	— ध प म	प — — ध
न न दिर दिर	ता ऽ ऽ नो	ऽ म्त दे ऽ	नीं ऽ ऽ त
म प ग म	प ध निध प	— ध प म	प — (म)ग म
न न दिर दिर	ता ऽ ऽऽ नो	ऽ म्त दे ऽ	नीं ऽ त न
प ध नि प	— (म)ग — म	प (म)ग — म	ग री सा सा
दे रे ना दी	ऽ म्दी ऽ म्त	त दी ऽ म्त	न दे रे ना
(सा)नि सा ग म	प (म)ग — म	— (नि)ध — नि	सां सां — नि
ता ना दे रे	ना दे ऽ नीं	ऽ दी ऽ म्त	त दी ऽ म्त
सां रीं गं मं	प — ध प	— (म)ग — म	प (म)ग — म
न दे रे ना	दी ऽ म्त दी	ऽ तो ऽ म्त	त दा ऽ रे
ग री सा सा	प ध निध प	— ध प म	प — — ध
त द्रे दा नि	ता ऽ ऽऽ नो	ऽ म्त दे ऽ	नीं ऽ ऽ त।

अंतरा.

ग म म ध (नि)	– नि सां सां	सां सां – सां	सां रीं गं मं
ना दिर दिर दा ३	ऽ नि तुं दिर ×	दिर दा ऽ नि २	ता ना दे रे ०
सां रीं गं मं	पं मं – धं	पं – गं –	मं – गं रीं
ता ना दे रे ३	ना दी ऽ म्त ×	दी ऽ म्ता ऽ २	नो ऽ म्त न ०
सां नि सां प	– ध – प	– ग (म) – म	प ग (म) – म
दे रे ना दी ३	ऽ म्ता ऽ दी ×	ऽ म्तो ऽ म्त २	त दा ऽ रे ०
ग री सा सा	प ध निध प	– ध प म	प – – ध
ता द्रे दा नि ३	ता ऽ ऽऽ नों ×	ऽ म्त दे ऽ २	नों ऽ ऽ ऽ। ०

भैरवी.– त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

री
त

नि सा ग म	(ध) प नि ध प	(म) ग ग म (ग) री	– सा – सा
दा नि दा नि ३	तो ऽ म्त न ×	न न दे रे २	ऽ ना ऽ त ०

नि नि सारी ग	सारी गरी सा ध	प – प सां	नि सां ध नि
न न नऽ ऽ	देऽ ऽऽ रे ना	ऽ ऽ ओ दा	नि दा नि त
३	×	२	०
ध प ग म	प नि ध प	ग ग म री	– सा – री
दा नि दा नि	तो ऽ म्त न	न न दे रे	ऽ ना ऽ, त।
३	×	२	०

अंतरा.

ध ध ध ध	ध म ध नि	सां सां सां सां	रीं नि सां सां
ओ द त न	ओ द त न	नि त त न	नि त त न
×	२	०	३
सां गं – रीं	– गं रीं सां	नि सां – ध	– नि ध प
त दी ऽ म्दी	ऽ म्त न न	त दी ऽ म्दी	ऽ म्त न न
×	२	०	३
ग प – प	ध नि ध प	ग ग म री	– सा सा सा
त दी ऽ म्दी	ऽ म्त न न	त न दे रे	ऽ ना त न
×	२	०	३
नि निनि सासा सास	ग गग मम मम	धध धध निनि निनि	सांसां सांसां सांसां सांसां
ना दिर दिर दिर	तुं दिर दिर दिर	दिर दिर दिर दिर	दिर दिर दिर दिर
×	२	०	३

सांसां गंगं रींरीं सांसां	निनि रींरीं सांसां निनि	धध निनि धध पप	गग (म) गग री सा
दिर दिर दिर दिर	दिर दिर दिर दिर	दिर दिर दिर दिर	दिर दिर दा नि
×	२	०	३
नि निनि सा सा	गग गग म –	ध –ध नि –	सांसां सां मं मं
धीं तृक धी ना	नक तिक धा ऽ	क्डा ऽन् धा ऽ	किड् धा ऽ न्धा
×	२	०	३
गं रीं सां (नि) ध	– (म) ग –ग म	(ग) री – सा री	
क त्ती ना क्डा	ऽ न्ता ऽड् ता	धा ऽ ऽ, त	
×	२	०	

भैरवी– त्रिताल. (मध्यलय).

स्थायी.

री

त

नि सा गग मम	ध प – ग	प म ध –	ग म प ध
न न दिर दिर	त नो ऽ म्त	द्रे ऽ न्ना ऽ	त न दे रे
३	×	२	०
नि धनि ध प	(म) ग – ग प	(म) ग – म ग	म (ग) री – सा
ना ऽऽ, दी ऽ	म्दी ऽ म्त त	दी ऽ म्त न	दे रे ऽ न्ना
३	×	२	०

नि सा ग म	प ग(म) – म	ध(नि) – – नि	सां – ध नि
त न दे रे (३)	ना द्रे ऽ न्ना (×)	दा ऽ ऽ न्नि (२)	दी ऽ म्त त (०)
सां – ध(नि) –	प – ग(म) –	म – ध म	री(ग) – सा री
दी ऽ म्त ऽ (३)	त ऽ ता ऽ (×)	रे ऽ ता रे (२)	दा ऽ नि, त। (०)

अंतरा.

ध धध धध ध(नि)	– नि ध धध	निनि सां – सां	सां रीं गं मं
ना दिर दिर दा (३)	ऽ नि तुं दिर (×)	दिर दा ऽ न्नि (२)	त न न न (०)
गं री गं गं	पं गं – गं	पं – – गं	मं – – –मं
त न दे रे (३)	ना दी ऽ म्त (×)	दी ऽ ऽ म्त (२)	नो ऽ ऽ ऽम् (०)
सां रीं सां नि	सां – – ध	गं – रीं –सां	रीं – नि सांसां
त न दे रे (३)	ना ऽ ऽ त (×)	दी ऽ ऽ ऽम् (२)	दी ऽ ऽ ऽम् (०)
ध(नि) – प –प	गप पप पप पप	पप पप पप पप	प प – निनि
दी ऽ ऽ ऽम् (३)	तृकि टधृ किट तक (×)	नक तिक धुम किट (२)	त घ्डां ऽ धिड (०)
धध पप गग मम	ध प – ग	स्थायी प्रमाणें-	
नग तिर किट तक (३)	त नो ऽ म्त (×)		

भैरवी—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

ध प ध	म प ग म	नि ध – री	– ग म प
ऽ त न न	त न ना दिर	त नो ऽ म्दी	ऽ म्त न न
०	३	×	२
री – सा री	सा नि ध नि	सा ग – म	(नि) ध – नि सां
दी ऽ म्त न	दे रे त न	दिर तो ऽ म्त	दी ऽ म्त दि
०	३	×	२
गं गं रीं सां	नि ध प म	ग म नि ध	प म ग री
या ना रे त	दा नि ना द्रे	तुं द्रे त न	न ता रे दा
०	३	×	२
सा ध प ध			
नि, त न न			
०			

अंतरा.

सा (म) ग – म	(नि) ध –ध म ध	नि सां – रीं	सां नि ध नि
त नो ऽ म्त	नो ऽस् ओ दा	ना दी ऽ म्नि	त न न न
×	२	०	३

		मं	
सां – गं गं	रीं सां नि सां	गं मं पं गं	– मं गं रीं
दीं ऽ म्त न	दे रे त दि	या ना रे दी	ऽ म्त न न
×	२	०	३

सां नि ध –	नि (रीं) – नि	(ध) – नि ध	नि ध प म
त न दीं ऽ	म्त दीं ऽ म्त	दीं ऽ म्त न	दे रे ना त
×	२	०	३

ग म नि ध	प म ग री	सा ध प ध
दा नि त न	न ता रे दा	नी, त न न
×	२	०

भैरव—त्रिताल. (मध्यलय).

स्थायी.

पप धध
दिर दिर

	म		नि
नि ध नि ध	प ग – री	सा – ग –	म – ध –
त न न त	न दीं ऽ म्त	ना ऽ दीं ऽ	म्तो ऽ म्ता ऽ
०	३	×	२

	म	म	
नि ध नि सां	– ग – म	ग म ध –	म – ध –ध
न्न दे रे ना	ऽ ता ऽ न्न	दे रे ना ऽ	दीं ऽ म्तो ऽम्र
०	३	×	२

म ध॒ध॒ मम ध॒	नि॒ – सां –	नि॒ ध॒ ध॒ प	(म)ग॒ म पप ध॒ध॒
ना दिर दिर द्रा	नी S ता S	रे त द्र रे	द्रा नि, दिर दिर
०	३	×	२

अंतरा.

नि॒नि॒ नि॒नि॒ ध॒ पप	ध॒ध॒ ध॒ मम पप	(म)ग॒ म ध॒ –	– सां – गं॒
दिर दिर ना दिर	दिर तुं दिर दिर	त न द्री S	S म्ता S रे
×	२	०	३
(गं)रीं॒ – सां –	नि॒ नि॒ सां सां	(नि)ध॒ ध॒ नि॒ ध॒	– प (म)ग॒ –ग॒
द्रा S न्नी S	न न तुं द्रे	त द्र रे द्रा	S न्नि द्री Sम्
×	२	०	३
म म ग॒ री॒	सा – (म)ग॒ म	– म (नि)ध॒ –	नि॒ – सां –
त न द्रे रे	ना S त द्रे	S न्ना द्री S	म्तो S म्ता S
×	२	०	३
नि॒ ध॒ ध॒ प	(मं)ग॒ म पप ध॒ध॒		
रे त द्र रे	द्रा नि, दिर दिर		
×	२		

भैरव– झपताल. – (मध्यलय).

स्थायी.

								सा	–	सा
								शा	ऽ	र
								३		
Swara	(सा)ध	–	–	–	–	प	–	प	–	ध
Words	दा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	बि	ऽ	द्या	ऽ	ऽ
Tala	×		२			०		३		
Swara	(म)प	–	(म)ग	–	री	सा	–	(सा)नि	–	–
Words	दा	ऽ	नि	ऽ	द	या	ऽ	नी	ऽ	ऽ
Tala	×		२			०		३		
Swara	प	ध	प	म	प	(म)री	ग	(ग)सा	री	सा
Words	ज	ग	ज	न	नि	दु	ख	ह	र	नि
Tala	×		२			०		३		
Swara	सा	–	री	–	म	(ग)री	–	सा	–	सा
Words	ज्वा	ऽ	ला	ऽ	मु	खी	ऽ	मा	ऽ	त
Tala	×		२			०		३		
Swara	(सा)नि	सा	ग	–	(ग)नि	ध	–	(ध)सा	–	सा
Words	स	ऽ	र	ऽ	स	ती	ऽ	शा	ऽ	र।
Tala	×		२			०		३		

अंतरा.

(प)ध	म	ध	–	नि	सां	–	सां	–	सां
की	ऽ	जे	ऽ	कृ	पा	ऽ	दृ	ऽ	ष्टि
×		२			०		३		
(सां)नि	नि	सां	सां	सां	(सां)रीं	(नि)सां	(नि)ध	–	प
से	व	क	प	र	अ	प	ने	ऽ	ऽ
×		२			०		३		
(प)ध	–	ध	–	(ध)सां	(नि)ध	–	प	–	प
ना	ऽ	रा	ऽ	य	नी	ऽ	से	ऽ	त
×		२			०		३		
(प)गं	गं	(गं)रीं	–	सां	(नि)ध	–	प	–	प
क	म	ला	ऽ	स	नी	ऽ	से	ऽ	त
×		२			०		३		
(सा)नि़	सा	(म)ग	ग	म	(नि)ध	नि	सां	सां	सां
से	त	अ	खि	नि	से	त	अ	श्वि	नि
×		२			०		३		
(ग)री	री	री	–	म	(ग)री	–	सा	–	सा
ह	र	पा	ऽ	र्व	ती	ऽ	शा	ऽ	र।
×		२			०		३		

भैरवी.—झपताल. (मध्यलय)

स्थायी.

धु
भ

धु				सां			नि		
सां	–	सां	–	रीं	सां	–	ध	प	प
वा	ऽ	नी	ऽ	द	या	ऽ	नी	ऽ	म
×		२			०		३		
							म		
नि	–	ध	–	प	प	–	ग	–	म
हा	ऽ	बा	ऽ	क	बा	ऽ	नी	ऽ	सु
×		२			०		३		
	प				म				
प	नि	ध	प	प	ग	री	सा	–	सा
र	न	र	मु	नि	ज	न	मा	ऽ	नि
×		२			०		३		
सा							नि		
गं	गं	गं	रीं	रीं	सां	–	ध	–	नि
स	क	ल	बु	ध	ग्या	ऽ	नी	ऽ,	भ ।
×		२			०		३		

अंतरा.

प									
ध	म	ध	ध	नि	सां	सां	सां	–	सां
ज	ग	ज	न	नि	ज	ग	जा	ऽ	नि
×		२			०		३		

सां रीं	रीं	रीं	–	रीं	गं	रीं	रीं	सां	सां
म ×	हि	षा २	ऽ	सु	र ०	भ	र ३	द	नि
सां गं	–	रीं गं	–	मं	गं रीं	–	सां	–	सां
ज्वा ×	ऽ	सा २	ऽ	मु	खी ०	ऽ	चौं ३	ऽ	डि
प	ध	नि	सां	रीं	सां	–	नि ध	–	नि
अ ×	म	र २	प	द	दा ०	ऽ	नी ३	ऽ,	भ।

भैरवी—झपताल. (मध्यलय).

स्थायी.

नि सा	सा	सा ध	प	ध	प	म	प	री	म ग
ध ×	न	घ २	री	ऽ	ध ०	न	सु ३	दि	न
ग सा	सा	री	री	म	ग री	ग	री	–	सा
ध ×	न	ध २	न	मु	हू ०	ऽ	र ३	ऽ	त
सारी	नि सा	नि ध	ध	नि	सा	–	–	री	सा
(धऽ) ×	न	ध २	न	स	खी ०	ऽ	ऽ ३	ध	न

सा					म		ग		
ध	—	प	म	प	ग	—	री	—	सा
आ	ऽ	ज	की	ऽ	बे	ऽ	ऽ	ऽ	लि।
×		२			०		३		

अंतरा.

प									
ध	म	ध	ध	नि	सां	—	—	रीं	सां
ध	न	ध	न	बिं	द्रा	ऽ	ऽ	व	न
×		२			०		३		
सां		सां			गं				
रीं	रीं	रीं	—	मं	रीं	रीं	सां	—	सां
ध	न	बौं	ऽ	सि	व	ट	ध	ऽ	न
×		२			०		३		
प								म	
ध	ध	प	प	ध	प	म	प	री	ग
ध	न	स	रि	त	सि	रि	ज	म	ना
×		२			०		३		
री			म		ग		ग		
ग	नि	धप	ग	म	री	—	री	—	सा
का	ऽ	नऽ	क	र	त	ऽ	के	ऽ	लि।
×		२			०		३		

भैरवी—चौताल. (विलंबित).

स्थायी.

सा			री			ग					
म	—	—	ग	—	म	री	ग	री	सा	—	सा
जो	ऽ	ऽ	तूं	ऽ	र	चो	ऽ	स	मा	ऽ	न
×		०		२		०		३		४	

नि											
सा	री	नि	सा	–	री	ग	–	री	सा	–	सा
द	या	ऽ	सौं	ऽ	ना	ना	ऽ	प्र	का	ऽ	र
×		०		२		०		३		४	
नि											
सा	ध	ध	प	–	ध	प	म	म	प	म	–
तो	ऽ	हे	ना	ऽ	बि	सा	ऽ	रौं	स	दा	ऽ
×		०		२		०		३		४	
						ग					
सा	सारी	ग	ग	ग	म	री	ग	री	सा	–	सा
ह	रऽ	ह	र	गु	न	गा	ऽ	य	गा	ऽ	य।
×		०		२		०		३		४	

अंतरा.

प											
ध	ध	म	ध	–	नि	सां	–	रीं	सां	–	सां
दु	ख	ऽ	सू	ऽ	खि	जी	ऽ	स	हा	ऽ	य
×		०		२		०		३		४	
सां	रीं										
गं	गं	गं	गं	गं	–	रीं	रीं	रीं	सां	–	सां
औ	ऽ	त	र	ना	ऽ	क	छु	उ	पा	ऽ	य
×		०		२		०		३		४	
सा											
ध	–	ध	प	–	ध	प	म	प	–	म	म
ओ	ऽ	क्त	जो	ऽ	क्त	सं	ऽ	पू	ऽ	र	न
×		०		२		०		३		४	
						ग					
सा	सारी	ग	–	म	म	री	ग	री	सा	–	सा
द्या	ऽऽ	नां	ऽ	त	र	ला	ऽ	य	ला	ऽ	य।
×		०		२		०		३		४	

संचारी.

नि		सा				प					
सा	–	ध	प	–	प	नि	ध	पम	प	म	म
जा	ऽ	की	मा	ऽ	या	नि	रीं	ऽऽ	का	ऽ	र
×		०		२		०		३		४	

री						ग					
सा	सा	री	ग	–	म	री	री	–	सा	–	सा
लि	खि	न	जा	ऽ	त	अ	प्रौं	ऽ	पा	ऽ	र
×		०		२		०		३		४	

ध											
नि	नि	ध	प	ध	नि	सा	सा	री	सा	–	सा
सु	र	न	र	मु	नि	क	र	वि	चा	ऽ	र
×		०		२		०		३		४	

						ग					
सा	–	सा	री	ग	म	री	ग	री	सा	–	सा
जा	ऽ	को	ऽ	शि	व	ध्या	ऽ	य	ध्या	ऽ	य।
×		०		२		०		३		४	

आभोग.

प											
ध	–	म	ध	–	नि	सां	सां	सां	सां	–	सां
प्रे	ऽ	म	द्रा	ऽ	स	सि	रि	नि	बा	ऽ	स
×		०		२		०		३		४	

सां						ग		गं			
गं	–	रीं	रीं	गं	गं	रीं	रीं	गं	सां	–	सां
पू	ऽ	र	न	घ	ट	घ	ट	प्र	का	ऽ	स
×		०		२		०		३		४	

सा	सा	(सा)ध॒	ध॒	प	प	प	ध॒	प	म	–	म
ज	ल	थ	ल	प्र	भु	ब	न	बि	ला	ऽ	स
×		०		२		०		३		४	
(म)नि॒	ध॒	–	(म)ग॒	–	म	(ग)री॒	ग॒	री॒	सा	–	सा
र	हे	ऽ	प्र	ऽ	भु	छा	ऽ	य	छा	ऽ	य।
×		०		२		०		३		४	

भैरवी.– चौताल. (विलंबित).

स्थायी.

(सा)ग॒	–	ग॒	सा	री॒	म	(ग)री॒	ग॒	री॒	सा	–	सा
भ	ऽ	स्म	औं	ऽ	ग	ग	व	रि	सौं	ऽ	ग
×		०		२		०		३		४	
(नि॒)सा	री॒	नि॒	सा	–	री॒	ग॒	–	म	(ग)म	–	म
ज	टा	ऽ	में	ऽ	बि	रा	ऽ	जे	गौं	ऽ	ग
×		०		२		०		३		४	
(म)ग॒	–	ध॒	प	–	(प)नि॒	ध॒	प	म	प	म	–
चौं	ऽ	द्र	मा	ऽ	ल	ला	ऽ	ट	ध	रे	ऽ
×		०		२		०		३		४	
सा	सा	री॒	ग॒	–	म	(ग)री॒	–	ग॒	री॒	सा	–
अ	धि	ऽ	क	ऽ	सो	हा	ऽ	ऽ	यो	है	ऽ।
×		०		२		०		३		४	

अंतरा.

(प)ध —	ध म	ध नि	सां रीं	सां सां	— सां
घो S	ट त	भं ग	च ढ	त रैं	S ग
×	०	२	०	३	४
(सां)नि —	सां सां	(सां)गं —	रीं —	सां (नि)ध	— प
रुं S	ड न	कीं S	मा S	ला ग्री	S म
×	०	२	०	३	४
प प	प —	(नि)ध सां	(नि)ध (नि)ध	(पम) प	म म
ध तु	रा S	अ र	धां S	(गिS) से	S त
×	०	२	०	३	४
(म)सा —	री ग	— म	(ग)री —	ग री	सा —
पु S	ज न	S च	ढा S	S यो	है S।
×	०	२	०	३	४

भैरवी— चौताल (विलंबित).

स्थायी.

(म)ग	— (म)ग	— म	(ग)री —	ग री	सा —
S जा	S दि	S न	तें S	S वि	छ S
×	०	२	०	३	४
(नि)ध —	— नि	सा री	(री)ग —	री ग	री सा
रे S	S म	न S	मो S	S S	ह न
×	०	२	०	३	४

सा						म			ग		
प	–	–	ध	म	प	ग	–	–	म	री	सा
वा	ऽ	ऽ	दि	न	ऽ	तें	ऽ	ऽ	भ	ई	ऽ
×		०		२		०		३		४	
नि						ग			री		
सा	–	री	ग	–	म	री	–	–	ग	री	सा
सू	ऽ	ऽ	ख	ऽ	स	रा	ऽ	ऽ	ऽ	खे	ऽ।
×		०		२		०		३		४	

अंतरा.

प											
ध	–	म	ध	–	नि	सां	–	–	सां	सां	–
से	ऽ	ऽ	चू	ऽ	रि	यां	ऽ	ऽ	क	र	ऽ
×		०		२		०		३		४	
सां										नि	
नि	–	–	सां	–	सां	रीं	–	सां	सां	ध	प
में	ऽ	ऽ	न	ऽ	हिं	भां	ऽ	ऽ	व	त	ऽ
×		०		२		०		३		४	
प						म				ग	
ध	–	–	ध	प	मप	ग	–	–	म	री	सा
से	ऽ	ऽ	चू	री	(ऽऽ)	थां	ऽ	ऽ	ग	ई	ऽ
×		०		२		०		३		४	
री						म					
सा	–	री	ग	–	म	ग	री	ग	री	सा	–
बां	ऽ	ऽ	ई	ऽ	ढ	रा	ऽ	ऽ	ऽ	के	ऽ।
×		०		२		०		३		४	

संचारी.

(सा)ध॒	—	—	प	—	ध॒	प	ध॒म	प	(म)ग॒	—	—
ए	ऽ	ऽ	क	ऽ	स	पू	(ऽऽ)	ति	ने	ऽ	ऽ
×		०		२		०		३		४	
(री)ग॒	—	म	सा	—	री॒	ग॒	—	म	(ग)री॒	—	सा
आ	ऽ	ऽ	न	ऽ	क	ह्यो	ऽ	ऽ	ते	ऽ	रे
×		०		२		०		३		४	
(नि)ध़॒	—	—	(सा)नि़॒	सा	—	री॒	—	ग॒	री॒	सा	—
मों	ऽ	ऽ	ह	न	ऽ	ठा	ऽ	छे	है	ऽ	ऽ
×		०		२		०		३		४	
(नि)सा	ध॒	—	प	—	ध॒	प	म	प	(म)ग॒	—	—
द्वा	ऽ	ऽ	र	ऽ	घ	रा	ऽ	ऽ	के	ऽ	ऽ ।
×		०		२		०		३		४	

आभोग.

(म)ग॒	म	—	(नि)ध॒	—	नि॒	सां	—	—	सां	—	—
का	ऽ	ऽ	छू	ऽ	में	कु	ऽ	ऽ	छू	ऽ	ऽ
×		०		२		०		३		४	
(ध)नि॒	—	—	(सां)नि॒	सां	सां	(सां)नि॒	सां	—	(नि)ध॒	—	प
यं	ऽ	ऽ	हू	ऽ	ल	से	ऽ	ऽ	बौं	ऽ	द
×		०		२		०		३		४	

					म	म					
प	ध	—	प	म	गम	ग	—	—	ग	री	सा
तू	S	S	ट	S	गS	ये	S	S	त	S	S
×		०		२		०		३		४	
नि						ग					
सा	रीसा	री	ग	—	म	री	—	ग	री	सा	—
रा	SS	S	के	S	त	रा	S	S	के	S	S।
×		०		२		०		३		४	

भैरवी.—दीपचंदी (मध्यलय).

स्थायी.

नि	
ध	नि
क्या	गु

री										री		सा	
सा	—	—	सा	—	—	सां	सा	री	—	नि	—	नि	नि
ला	S	S	ल	S	S	सैं	या	S	S	S	S	मो	पे
×			२				०			३			
नि			म				म					री	
ग	—	—	ग	—	—	—	ग	—	—	—	—	ग	म
डा	S	S	रो	S	S	S	रे	S	S	S	S	जा	नि
×			२				०			३			

ग/री	—	—	सा	—	—	ग	ग/री	री	—	सा	—	सा	—	
× ए	ऽ	ऽ	२ सो	ऽ	ऽ	च	० ट	क	ऽ	३ रं	ऽ	ग	ऽ	
सा/नि़	नि़	—	सा	—	—	ग	ग/री	—	सा	नि/धा़	—	—	नि़	
× ब	दृ	ऽ	२ न	ऽ	ऽ	ऽ	० मा	ऽ	ऽ	३ गो	ऽ	ऽ,	गु	

अंतरा.

सा	—	—	सा	—	—	री	ग	—	—	म	—	म	—
× आ	ऽ	ऽ	२ वो	ऽ	ऽ	सैं	० यां	ऽ	ऽ	३ मु	ऽ	ख	ऽ
म/ग	—	—	म	—	—	प	ग/री	ग	—	ग/री	—	सा	—
× दृ	ऽ	ऽ	२ खो	ऽ	ऽ	मो	० रे	मं	ऽ	३ दृ	ऽ	र	ऽ
री/ग	री	—	ग	—	—	म	ग/री	—	—	सा	—	—	री
× मु	ख	ऽ	२ जै	ऽ	ऽ	सो	० चौं	ऽ	ऽ	३ दृ	ऽ	ऽ	ब
री/नि़	नि़	—	सा	—	—	ग	ग/री	सा	—	नि/धा़	—	—	नि़
× दृ	न	ऽ	२ जै	ऽ	ऽ	सो	० ता	ऽ	ऽ	३ गो	ऽ	ऽ,	गु

भैरवी— धमार. (विलंबित).

स्थायी.

सा				नि					म		ग		
नि सा ग म				ध	—	—	प	पम	ग	म	री	—	सा
डा S र त				के	S	S	स	रS	पि	च	का	S	रि
३				×					२		०		

नि	सा			म							ग		
सा	नि	ध	प	ग	ग	—	म	—	प	म	री	—	सा
स	खी	मो	पैं	कं	व	S	र	S	S	क	न्हैं	S	या।
३				×					२		०		

अंतरा.

प														
ध	—	म	ध	—	—	नि	सां	सां	—	सां	—	—	—
बा	S	S	ट	S	S	घा	S	ट	S	में	S	S	S
×					२		०			३			

सां										नि			
नि	—	—	सां	—	—	गं	रीं	सां	—	ध	—	प	—
रो	S	S	क	S	S	त	रूं	S	S	ध	S	त	S
×					२		०			३			

म					म		ग			सा			
ग	धप	नि	ध	प	ग	म	री	—	सा	नि	सा	ग	म
क	हाS	क	रूं	S	मो	रि	दै	S	या	डा	S	र	त।
×					२		०			२			

भैरवी—धमार. (विलंबित).

स्थायी.

री नि			
सारी निसा ध नि	सा – – सा –	– गरी	ग – ग
काऽ न्हाऽ ऐ सी	बौं ऽ ऽ सी ऽ	ऽ बऽ	जा ऽ ई
३	×	२	०
री	म		ग
ग प ध नि	ध म म री ग	गप म	री – सा
मो ऽ ह ल	ई ऽ ऽ ऽ ऽ	नऽ ई	ना ऽ र।
३	×	२	०

अंतरा.

प			रीं सां
ध म ध नि	सां – – सां –	रीं सां	सां सां गं
श्या ऽ म सें	सै ऽ ऽ न ऽ	क र	र ही है
३	×	२	०
नि	म प		ग
रीं सां ध प	ग नि धप री ग	गप म	री – सा
स न मु ख	री ऽ झऽ र ही	रीऽ झ	वा ऽ र।
३	×	२	०

भैरवी— धमार. (विलंबित).

स्थायी.

सां नि नि	प नि		
रीं सां ध प	ग म – ध –	– नि	सां – –
आ ली दे खो	भो ऽ ऽ र ऽ	ऽ भ	ई ऽ ऽ
३	×	२	०

— — सां नि	गं — गं रीं रीं	रीं —	सां — सां
ऽ ऽ लो ग	जा ऽ गे प व	न ऽ	जा ऽ गे
३	×	२	०
सां नि रीं सां	ध — प ग ग	गप म	री — सा
पौं ऽ ऽ छि	जा ऽ गे ग ग	नऽ बि	रा ऽ जे।
३	×	२	०

अंतरा.

ग म — ध —	— नि	सां — —	सां — सां सां
प्रे ऽ ऽ म ऽ	ऽ अ	ला ऽ ऽ	प ऽ क छु
×	२	०	३
सां सां गं रीं सां	ध प	प गं —	रीं सां ध प
सु न त हू ऽ	ना हिं	क हा ऽ	क हूं मो रे
×	२	०	३
प नि धप ग —	प म	ग री सा	रीं सां ध प
प्रा ऽ नऽ जा ऽ	ऽ ऽ	ऽ व त	आ ली दे खो।
×	२	०	३

राग तोडी.

मनी तीव्रौ यस्यां खलु धगरयः संति मृदवो ।
मतो वादी षष्ठोऽस्य तु सहचरो गोऽतिमधुरः ॥
गभीरा संपूर्णा प्रकटसग्रहन्याससुभगा ।
प्रसिद्धा तोडीयं दुरधिगमना संगवचरा ॥

कल्पद्रुमांकुरे ।

मनी तीव्रौ धगरयः कोमलाः स्युर्धगौ स्मृतौ ।
वादिसंवादिनौ यत्र तोडी सा संगवे मता ॥

चंद्रिकायाम् ।

तीखे मनि कोमल रिगध वादी धैवत साज ।
संवादी गंधार है टोडी राग बिराज ॥

चंद्रिकासार ।

धनी सरी गरी सश्च मपौ धपौ मगौ रिसौ ।
संपूर्णा तोडिका ज्ञेया धैवतांशा च संगवे ॥

अभिनवरागमंजर्याम् ।

हा राग तोडी थाटांतून उत्पन्न होतो. त्यांत रि, ग, व ध हे स्वर कोमल व मध्यम तीव्र आहे. बाकीचे स्वर शुद्ध आहेत. वादी धैवत व संवादी गांधार आहे. हा राग संपूर्ण असून त्याचा गान समय दिवसाचा दुसरा प्रहर आहे. ह्यांत पंचमाचें प्रमाण अंमळ कमी असतें. नवीन विद्यार्थ्यांस या रागांतले ते विकृत स्वर योग्य रीतीनें गाण्यास अंमळ जड जातें. याच थाटांतून उत्पन्न होणाऱ्या मुलतानी नांवाच्या रागांत त्यांस अशीच अडचण येते. ह्या रागांत सारी खुबी रि ग व ध या स्वरांवर अवलंबून असते. तीच मुलतानींत ग, प व नि यांवर असते.

आरोहावरोहस्वरूप.

सा, रे ग, मंप, ध, निसां। सांनिधप, मंग, रे, सा।

पकड.

ध़ नि़ सा, रे ग, रे, सा, मं, ग, रे ग, रे सा.

तोडी– एकताल. (मध्यलय).

स्थायी.

(सा)नि़
सा

री॒	ग॒	(प)म॑	ग॒	(प)म॑	—	ध॒	(प)ध॒	—	ध॒	(सां)नि	सां
चे	सु	र	न	गा	ऽ	ऽ	ये	ऽ	ब	जा	ऽ
३		४		×		०		२		०	
—	नि	ध॒	नि	ध॒	—	म॑	ग॒	म॑	—	ध॒	नि
ऽ	ये	ऽ	रि	झा	ऽ	ये	ऽ	ले	ऽ	हो	ऽ
३		४		×		०		२		०	
(ध॒)म॑	म॑	प	ध॒	(ध॒)म॑	म॑	ग॒	म॑	ग॒	री॒	सा	(सा)नि़
स	ब	बि	ध	अ	प	ने	गु	रु	न	की,	सा।
३		४		×		०		२		०	

अंतरा.

(म॑)ग॒	ग॒	म॑	म॑	ध॒	—	(सां)नि	—	सां	नि	सां	—
गु	नि	ज	न	की	ऽ	सौं	ऽ	ग	त	सों	ऽ
×		०		२		०		३		४	

नि धु रा ×	— S	धु ग ०	सां नि पु	सां र २	रीं न	रीं नि स ०	— S	धु म ३	नि सु	सां र ४	रीं न
नि ×	S	S ०	धु	S २	S	प ०	S	S ३	मं	S ४	S
ग ×	S	S ०	रे	S २	S	सा ०	S	सा ३	रे	ग ४	मं
ग ×	रे	सा ०	S	सा २	रे	ग ०	मं	प ३	मं	ग ४	रे
सा ×	S	सा ०	रे	ग २	मं	प ०	धु	प ३	मं	ग ४	रे
सा ×	S	सा ०	रे	ग २	मं	प ०	धु	नि ३	सां	S ४	नि
S ×	धु	S ०	प	S २	मं	S ०	ग	S ३	रे	S ४	सा
नि़ धा ×	नि़नि़ किट	सासा तक ०	रीरी धुम	गग किट २	गग तक	मं धि ०	मं त्ता	धध तिर ३	धध किट	निनि घिड ४	सांसां नग
निनि नगि ×	निध नत	धध गिन ०	मंमं तक	ग घि २	री त्ता	सा धा,सा ०	सा नि़				

तोडी– एकताल. (मध्यलय).

स्थायी.

(सा)री	(री)ग	री	री	सा	सा	(नि़)ध	ध	नि	सा	री	ग
वि	क	र	त	ज	ब	ध	ग	रि	क	र	त
×		०		२		०		३		४	
मं	प	मंप	ध	मं	ग	री	ग	री	–	सा	सा
म	नि	तीऽ	ऽ	व	र	सु	र	सौं	ऽ	ग	त
×		०		२		०		३		४	
(सा)नि़	सारी	ग	ग	(ध)मं	मं	ध	–	ध	नि	ध	ध
सु	गऽ	म	स	र	ल	सौं	ऽ	पू	ऽ	र	न
×		०		२		०		३		४	
(प)ध	नि	(नि)ध	नि	(ध)मं	ग	(ग)री	ग	री	री	सा	सा
गु	नि	टो	ऽ	डी	ऽ	को	ऽ	ब	र	न	त ।
×		०		२		०		३		४	

अंतरा.

(ध)मं	ग	(ध)मं	मं	ध	ध	(सां)नि	–	सां	नि	सां	सां
धै	ऽ	व	त	ज	हां	औं	ऽ	श	र	हु	त
×		०		२		०		३		४	
(सां)नि	नि	सांरीं	गं	रीं	सां	नि	नि	(नि)रीं	नि	ध	प
रि	ग	सुऽ	र	त	हां	स	ह	च	र	म	त
×		०		२		०		३		४	

(ध)मं ध	नि सां	नि ध	(ध)मं ग	री (री)ग	री सा
पाँ ऽ	च म	को उ	अ ऽ	ल्प क	हृ त
×	०	२	०	३	४
(सा)री री	रीं (रीं)गं	रीं सां	(ग)री री	(री)ग री	सा सा
ह र	रं ग	को ऽ	म त	अ भि	मृ त।
×	०	२	०	३	४
(सा)री (री)ग	री री				
बि क	र त				
×	०				

तोडी.– त्रिताल. (मध्यलय).

स्थायी.

(ध)मं मं प ध	(ध)मं ग री ग	री सा (सा)नि नि	सा री ग –
मो रे म न	जा ऽ य श	र न तु मु	कौं ऽ दा ऽ
२	०	३	×
– – – –	(री)ग ग ग री	– री सा सा	नि – सा री
ऽ ऽ ऽ ऽ	बि म ल भा	ऽ व ध र	औं ऽ तः ऽ
२	०	३	×
(सा)री सा ध –	सा री ग ग	(ध)मं मं ध ध	(ध)मं ध नि ध
क र ना ऽ	टू ऽ ट त	स व भ व	फौं ऽ ऽ ऽ
२	०	३	×



मं ग री सा	सारी ग री री	सा सा ध ध	नि सारी ग –
ऽ ऽ दा ऽ	जाऽ ऽ य श	र न तुं मु	कौं ऽऽ दा ऽ।
	०	३	×

अंतरा.

मं – ग –	मं – ध –	नि – सां नि	सां – सां –
मे ऽ रा ऽ	मे ऽ रा ऽ	ना ऽ क छु	ते ऽ रा ऽ
०	३	×	२
सां रीं गं गं	रीं रीं सां सां	नि – सां रीं	नि – ध –
झू ऽ टा ऽ	क ल जु ग	धौं ऽ ऽ ऽ	दा ऽ ऽ ऽ
०	३	×	२
मं ध नि सां	नि नि ध प	मं ग री ग	री री सा सा
दो ऽ दि न	को ऽ ज ग	च ऽ त्र स	म झ स ब
०	३	×	२
नि सा ग मं	– मं ध –	नि नि ध मं	ग – री सा
सा ऽ च ए	ऽ क गो ऽ	बीं ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ दा ऽ।
०	३	×	२

तोडी—त्रिताल. (मध्यलय).

स्थायी.

प ध प ध	(ध) मं मं प ध	(ध) मं ग — ग	मं मं प प
का ऽ न क	र त मो से	रा ऽ ऽ र	ए रि मा ई
०	३	×	२
(मं) ग मं प ध	(ध) मं — ग ग	री — री री	(ग) री — सा सा
अ ब ही ऽ	जा ऽ य क	हू ऽ ज सो	द्वा ऽ घ र
०	३	×	२
(री) नि सा ग ग	(ध) मं मं ध ध	(ध) मं ध नि ध	सां नि ध प
लं ग र झ	ग र मो रि	ग ग रि दी	नि डा ऽ र ।
०	३	×	२

अंतरा.

(ध) मं — ग ग	(ध) मं — ध ध	(सां) नि — सां नि	सां — सां सां
मैं ऽ द ध	बे ऽ च न	जा ऽ त बिं	द्रा ऽ ब न
०	३	×	२
(सां) नि — ध ध	नि — सां सां	(सां) नि नि सां रीं	(रीं) नि — ध ध
आ ऽ न अ	चा ऽ न क	तु म रे ऽ	बा ऽ ऽ र
०	३	×	२
(ध) मं ध नि ध	नि ध प —	(मं) ग — री री	(ग) री — सा सा
बा ऽ ट घा	ऽ ट में ऽ	रो ऽ क त	टो ऽ क त
०	३	×	२

(सा)री री ग ग	(ध)मं मं ध –	(ध)मं ध नि धनि	सां नि ध प
अ प ने च	त र को ऽ	ली ऽ जे संऽ	ऽ मा ऽ र।
०	४	×	२

तोडी—त्रिताल. (मध्यलय).

स्थायी.

(सा)री री ग री	– सा सा –	(री)नि – सा री	ग – – –
अ ल्ला ऽ जा	ऽ ने अ ऽ	ल्ला ऽ जा ऽ	ने ऽ ऽ ऽ
०	३	×	२
(ध)मं प – ध	(ध)मं – ग –	री – री ग	री री सा –
न बी ऽ अ	ली ऽ को ऽ	नू ऽ र भ	र र हो ऽ
०	३	×	२
(सा)री री ग –	(ध)मं मं ध ध	(ध)मं ध नि (ध)मं	– ग री सा
ज ग में ऽ	ह स न हु	से ऽ न चै	ऽ न जि ये।
०	३	×	२

अंतरा.

(ध)मं मं ग –	(ध)मं – ध ध	नि – सां नि	सां – सां –
जे ह रा ऽ	के ऽ फ र	झाँ ऽ द न	बी ऽ के ऽ
०	३	×	२
(सां)रीं रीं (रीं)गं रीं	गं रीं सां सां	(सां)नि – सां रीं	नि – – ध
जि ग र गो	ऽ से अ लि	का ऽ स म	हो ऽ ऽ जे
०	३	×	२

मं ध नि सां	नि ध ध नि	(ध) मं – ग री	ग री सा –
को ऽ स र (०)	के ऽ द्दो उ (३)	जा ऽ म ह (×)	म पी ये ऽ। (२)

रा. तोडी– त्रिताल. (मध्यलय).

स्थायी.

री सा सा	(सा) प – ध प	मं – प ध	(ध) मं ग – री
ऽ लं ग र (३)	कां ऽ क रि (×)	या ऽ जि न (२)	मा ऽ ऽ री (०)
ग री सा सा	(प) मं – प प	मंप ध ध नि	(ध) मं ग – री
ऽ लं ग र (३)	कां ऽ क रि (×)	याऽ ऽ जि न (२)	मा ऽ ऽ री (०)
ग री – सा	(सा) नि री ग –	(ध) मं – प ध	(ध) मं – ग री
ऽ मो ऽ रे (३)	अं ग वा ऽ (×)	ऽ ऽ ल ग (२)	जा ऽ ऽ ऽ। (०)
ग री सा सा			
ये लं ग र (३)			

अंतरा.

(मं) प प (मं) ग –	(ध) मं – ध ध	(सां) नि – सां नि	सां सां सां –
सु न पा ऽ (३)	वे ऽ मो रि (२)	सा ऽ स न (०)	नं द्दि या ऽ (३)

सांरीं गं रीं नि	– नि सां रीं	[नि]नि ध नि ध	– प ग [मं]मं
दौऽ ऽ रे दौ	ऽ र घ र	आ ऽ ऽ वे	ऽ लं ग र
×	२	०	३
[प]ध – ध नि	[ध]मं – प ध	[ध]मं ग – री	ग री सा सा
कां ऽ क रि	या ऽ जि न	मा ऽ ऽ रो	ऽ लं ग र।
×	२	०	३

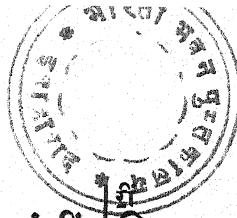
तोडी.– त्रिताल. (मध्यलय).

स्थायी.

[प]मं – प ध	[ध]मं ग – पध	[ध]मं ग – [ग]मं	ग री सा –
बे ऽ ग लि	आ ऽ ऽ पति	या ऽ ऽ प	थि क वा ऽ
×	२	०	३
[सा]री ग – [ध]मं	ध नि ध प	मंपधप [मं]ग – [ग]मं	ग री सा –
मो रे ऽ पि	या ऽ स न	मोऽऽऽ रा ऽ सं	दे स वा ऽ।
×	२	०	३

अंतरा.

[प]मं मं ग ग	[ध]मं मं ध ध	[सां]नि नि सां सां	रीं – सां –
घ रि घं रि	प ल प ल	छि न छि न	मै ऽ का ऽ
३	×	२	०



रीं गं गं रीं	रीं रीं सां –	नि – सां रीं	नि – ध –
जु ग सि बि	त त है ऽ	बे ऽ ग लि	आ ऽ ऽ ऽ
३	×	२	०
मं ध नि सां	नि ध ध नि	ध पमं प ध	मं ग – मं
सि य री ऽ	हो ऽ छ ति	या ऽऽ प ति	या ऽ ऽ प
३	×	२	०
ग री सा –			
थि क वा ऽ			
३			

तोडी– त्रिताल. (मध्यलय).

स्थायी.

			नि
			क
ध प ग मं	प – मंप ध	मं ग – री	री – सा –
लु लि म्हा ने	द्रा ऽ ऽऽ ऽ	रु डी ऽ पि	ला ऽ वै ऽ
३	×	२	०
ध नि सा ग	री – सा सा	निसा मंग पमं ध	निनि धमं गग सा,नि
हों ऽ तो ऽ	रा ऽ म द	छऽ कीऽ ऽऽ ऽ	वेऽ ऽऽ ऽऽ ऽ,का
३	×	२	०

अंतरा.

मं ग मं ध	नि नि सां सां	ध नि सांरीं गं	रीं सां ध –
सु न री ऽ	भ ग त न	प्रे ऽ मऽ का	म धु बा ऽ
३	×	२	०
रीं गं रीं सां	नि सांरीं नि ध	ध नि सां रीं	नि – ध नि
भ र भ र	मो ऽऽ हे छ	का ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ वे, क।
३	×	२	०

तोडी.– त्रिताल. (मध्यलय).

स्थायी.

ग ग री री	री – सा सा	नि – सा री	ग – गमं प
पि या सं ग	खे ऽ ल त	प्या ऽ ऽ ऽ	री ऽ ऽऽ ऽ
०	३	×	२
मं ग री री	री – सा सा	ध नि सा री	ग – – –
पि या सं ग	खे ऽ ल त	प्या ऽ ऽ ऽ	री ऽ ऽ ऽ
०	३	×	२
ग – मं मं	प – ध ध	नि नि ध प	मं ग गमं प
जो ऽ ब न	की ऽ म त	वा ऽ ऽ ऽ	री ऽ ऽऽ ऽ।
०	३	×	२
प ग री री			
पि या सं ग			
०			

अंतरा.

(म॑)प म॑ प ध	(ध)म॑ ग (ध)म॑ ध	(सां)नि - सां नि	सां - सां -
मृ ग म द	औ ऽ रे ऽ	के ऽ स र	डो ऽ रे ऽ
०	३	×	२
(सां)नि - सां गं	रीं - सां -	(प)ध (प)ध सां नि	ध प (म॑)प ग
भी ऽ ज त	रीं ऽ ग ऽ	सा ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ री ऽ।
०	३	×	२
(ग)म॑ ग री री			
पि या सं ग			
०			

तोडी–त्रिताल. (मध्यलय).

स्थायी.

ध ध ध	(ध)म॑ म॑ प प	म॑प धप म॑ -	ग - - -
ऽ दे ओ द	र स मो रे	प्याऽ ऽऽ रे ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ।
०	३	×	२

अंतरा.

(ध)म॑ - ध	नि नि सां सां	सां रीं सां रीं	नि नि सां -
ऽ हों ऽ तो	दा सी तो रि	ज न म ज	न म की ऽ
०	३	×	२
(सां)रीं गं - रीं	- नि सां -	नि सां निसां रींसां	नि ध - -
तुं ही ऽ है	ऽ मो रा ऽ	प्या ऽ ऽऽ ऽऽ	रा ऽ ऽ ऽ
०	३	×	२

	मं		
धु – नि	धु धु प –	धु – नि	धु – प –
ऽ प्रे ऽ म्ब	र स वा ऽ	ऽ रा ऽ ज्दु	ला ऽ रे ऽ।
०	३	×	२

तोडी– त्रिताल. (मध्यलय).

स्थायी.

मं
प प
मैं तो

मं	ग		
ग ग री री	री – सा सा	सा री ग –	– – – –
अ प ने सैं	या ऽ स न	मा ऽ ती ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ
०	३	×	२
सा	ग	सा	री
री री री री	री – सा –	नि – सा री	नि – धु धु
भ र भ र	प्या ऽ ला ऽ	दे ऽ त अ	मी ऽ र स
०	३	×	२
सा	धु	धु	
री री ग ग	मं मं धु धु	नि नि धु प	मं ग मं प
ल ट क च	ल त ब हु	भा ऽ ऽ ऽ	ती ऽ, मै तो।
०	३	×	२

अंतरा.

धु	धु	सां	
मं – ग ग	मं – धु –	नि नि सां –	सां सां सां –
जो ऽ को उ	वा ऽ की ऽ	च र चा ऽ	क रि है ऽ
०	३	×	२

सां नि – सां गं	रीं – सां सां	सां नि – सां रीं	गीं नि – धु –
सो ऽ ऊं ऽ	ना ऽ द्दि न	रा ऽ ऽ ऽ	ती ऽ ऽ ऽ
०	३	×	२
धु मं धु नि सां	धु नि धु प	मं गु री री	गु री – सा –
गा ऽ वे गु	द र गु रु	जि न लि ख	दी ऽ नो ऽ
०	३	×	२
सा नि़ सा गु गु	धु मं मं धु धु	धु नि नि धु प	मं गु मं प
जो ऽ मो रे	ज न म सं	गा ऽ ऽ ऽ	थी ऽ, मैं तो।
०	३	×	२

तोडी– त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

धु – प	प मं मं प प	मंप धुप मं गु	प मं धु –
ऽ रा ऽ म्सु	म र मो रे	प्याऽ ऽऽ रे ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ
०	३	×	२
धु नि धुप	मं मं प प	प गु मं प धु	धुं मं – गु –
ऽ रा ऽम्सुऽ	म र मो रे	प्या ऽ ऽ ऽ	रे ऽ ऽ ऽ।
०	३	×	२

अंतरा.

(धु) मं – धु	नि – सां सां	रीं – सां सां	नि सां सां सां
ऽ रा ऽ म	ना ऽ म स	दा ऽ सु ख	दा ऽ य क
०	३	×	२
(नि) सांरीं गं रीं सां	(सां) नि नि सां सां	(सां) नि सां नि धु	नि – धु प
सौंऽ ऽ क ट	स क ल नि	वा ऽ रे ऽ	ता ऽ रे ऽ।
०	३	×	२

तोडी—एकताल (मध्यलय).

स्थायी.

प प	(मं) ग –	री सा	(सा) नि़ –	सा री	ग ग
म न	वा ऽ	मो रा	ना ऽ	हिं र	ह त
०	३	४	×	०	२
(मं) ग मं	प ध	मं प	ध नि	ध प	मं प
ह त	नि क	ह त	अ र	ज ग	र ज।
०	३	४	×	०	२

अंतरा.

(प) मं –	(मं) ग –	(प) मं ध	(सां) नि –	नि सां	– सां
कै ऽ	से ऽ	क र	रा ऽ	खूं प्रा	ऽ न
×	०	२	०	३	४

सां नि नि	सां गं	रीं सां	सां नि सां	नि —	ध —
पि या ×	बि न ०	हां ऽ २	रे ऽ ०	ह ऽ ३	जे ऽ ४
प ध ध रीं	सां रीं	नि सां	सां नि नि	सां नि	— ध
उ मं ×	ड उ ०	मं ड २	धु मं ०	ड गा ३	ऽ वे ४
प ध ध नि	ध नि	ध प	प प		
ग र ×	ज ग ०	र ज २	म न ०		

तोडी— एकताल. (विलंबित).

स्थायी.

नि ध नि	सा री	ग ग —	सा सा नि	सा सा ध	ध म ग
अ ब ३	भो रे ४	रा ऽ ×	म रा ०	ऽ म २	रे ऽ ०
री ग री	— सा	सा ग —	री ग	— री	ग री सा
बि रा ३	ऽ म ४	रा ऽ ×	ऽ ऽ ०	ऽ ऽ २	ऽ म। ०

अंतरा.

ध मं ग	ध मं ध	सां नि सां	— सां	नि ध	नि सां
नि स ३	दि न ४	ते हा ×	ऽ रि ०	टे ऽ २	र क ०

सांरीं	गं	रीं	सां	(सां)नि	सांरीं	नि	ध	(ध)मं	ध	नि	सां
रऽ	त	म	न	रैं	ऽऽ	ग	ऽ	हू	म	चे	ऽ
३		४		×		०		२		०	

नि	धनि	ध	प	(ध)मं	पध	नि	(ध)मं	प	ध	(ध)मं	ग
री	ऽऽ	तु	म	शा	ऽऽ	म	रा	ऽ	म	रे	ऽ
३		४		×		०		२		०	

(री)ग	री	—	सा	(री)ग	—	री	ग	री	—	सा	निसा
बि	रा	ऽ	म	रा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	म	ऽऽ।
३		४		×		०		२		०	

तोडी— झूमरा. (विलंबित).

स्थायी.

(नि)ध	नि	—	सारी	(सा)	नि	ध	(सा)नि	सा	सा	निसा	री	(ग)री	सा
स	ब	ऽ	निस	ब	र	ऽ	जो	ऽ	री	ऽऽ	क	र	त
३				×			२				०		

निसा	रीरीसानिसा	नि	सारी	(ग)री	—	सा	(सा)नि	सा	सारी	सारीग	री	—	सा
रह	तऽऽऽऽ	ऽ	नित	बो	ऽ	ली	ठो	ऽ	लीऽ	ऽऽऽ	प्या	ऽ	रे
३				×			२				०		

(नि)सा	(सा)ध	(ध)मं	ग	री	—	सा	(नि)ध	नि	सा	री	ग	री	सा
अ	प	ने	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	गां	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	व।
३				×			२				०		

अंतरा.

नि सा		धु	
सा धु धु –	नि धु प	मं धु नि धु	नि धु प
मे रे तो ऽ	जि या में	जो ऽ ई ऽ	आ ऽ वै
३	×	२	०
धु	धु	मं	
मं – प मंपधु	मं मं ग	धु मं ग री	ग री सा
सो ऽ ही ऽऽऽ	क र हो	स दा ऽ ऽ	ऽ रँ ग
३	×	२	०
सा		मं	ग
नि सारी नि धुधु	नि सारी ग	प मंपधु मं ग	री – सा
त बऽ ही ऽह	मा ऽऽ रो	ना ऽऽऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ म
३	×	२	०
नि		धु	सा ग
धु नि – सारी	(सा) नि धु	मं धु नि सा	री री सा
स ब ऽ निस	ब र ऽ	जो ऽ री ऽ	क र त।
३	×	२	०

तोडी— आडाचौताल. (विलंबित)

स्थायी.

नि		धु		सां		
सा धु	धु –	निमं धु	– नि	सां नि	धु धु	प मंप
जा ऽ	जा ऽ	ऽऽ ऽ	ऽ रे	ऽ प	थि क	वा ऽऽ
४	०	×	२	०	३	०
धु		ग ग				
मंपधु मं	ग –	री री	ग री	सा निसा	री सा	धु धु
मोऽऽ रे	ऽ ऽ	पि या	ऽ सों	ऽ ऽऽ	क ह	ऽ दे
४	०	×	२	०	३	०

	ग	प				
म॑ ग॒	म॑री ग॒	म॑प ध॒नि	ध॒ प	म॑प म॑पध॒	म॑ ग॒	री सा
ऽ ऽ	ऽऽ ऽ	होंऽ ऽऽ	प ति	ऽऽ ऽऽऽ	या ऽ	रे ऽ
४	०	×	२	०	३	०

अंतरा.

प	ध	सां	सां		सां	सां
म॑म॑ पध॒	म॑ग॒ म॑ध॒	नि सां	— नि	सां सां	नि ध॒	नि सां
पह लेऽ	मुख सोंऽ	क ही	ऽ ऽ	ऽ यो	तु म	रो ऽ
४	०	×	२	०	३	०
सां				धं		
रीं गं	— रीं	सां निसांरीं	नि ध॒	म॑ ध॒	नि ध॒	प म॑प
खु दा	ऽ हा	ऽ ऽऽऽ	फि झ	तु म	ऽ वि	न ऽऽ
४	०	×	२	०	३	०
प	ग					सा ग्री
ध॒ म॑	ग॒ म॑री	ग॒ री	— सा	— री	सा निसा	री रीं
स दा	ऽ गौंऽ	ऽ ऽ	ऽ ग	ऽ अ	ब ऽऽ	ज री
४	०	×	२	०	३	०
		नि				
— गंरीं	रीं सां	सां सांरीं	गं —	रीं सां	निसां निसांरीं	नि ध॒
ऽ जाऽ	ऽ त	छ तीऽ	या ऽ	रे ऽ	ऽऽ ऽऽऽ	ऽ ऽ
४	०	×	२	०	३	०

तोडी— एकताल (विलंबित).

स्थायी.

(प) ध॒नि	
कि ऽ	

ध॒	प	मं	पध॒	(ध॒)मं	ग॒	री॒	सा	(सा)नि॒	सा	नि॒सा	री॒री॒
पाँ	ऽ	ऽ	ऽक	रो	ऽ	रे	ऽ	मों	ऽ	ऽऽ	मन
३		४		×		०		२			

(ग॒)री॒	—	सा	नि॒सा	(नि॒)ध॒	नि॒	सा	री॒	सारी॒ग॒	री॒	(री॒)नि॒	ध॒
सैं	ऽ	या	ऽऽ	त	न	म	न	घऽऽ	न	नो	ऽ
३		४		×		०		२		०	

(नि॒)ध॒	नि॒	सा	री॒	ग॒	री॒	सा	नि॒सा	(सा)नि॒	सारी॒	ग॒	—
छा	ऽ	व	र	क	र	हूं	ऽऽ	प	रऽ	हूं	ऽ
३		४		×		०		२		०	

(ध॒)मं	—	ध॒	—	(नि)ध॒	नि	सां	रीं॒	नि	ध॒	पमं	ध॒नि
पैं	ऽ	ऽ	ऽ	यां	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽऽ,	किऽ।
३		४		×		०		२		०	

अंतरा.

(ध॒)मं	ध॒	नि	सां	सां	—	निसां	सां	(गं॒)रीं॒	—	सां	निसांरीं॒गं॒
म	हु	म	द	शा	ऽ	ऽऽ	सो	जा	ऽ	न	अऽऽऽ
३		४		×		०		२		०	

रीं सां	निसांरींसां	नि	ध	(ध)म	प	मपधनि	ध	—	मपध	म	ग
बऽ ३	कऽऽऽ	ही ४	ऽ	भा ×	ऽ	ऽऽऽऽ ०	ग	ऽ २	हऽऽ	मा ०	ऽ
री	(ग)री	—	सा	(सा)नि	सा	री	ग	म	ध	नि	सां
रे ३	जा	ऽ ४	गे	ले ×	ऽ	ऽ ०	हों	ऽ २	ब	लै ०	ऽ
रीं	नि	—	ध	(नि)ध	नि	सां	रीं	(गं)रीं	—	सां	(ध)निनि
ऽ ३	या	ऽ ४	ऽ	सु ×	र	ज ०	न	सैं २	ऽ	या, ०	किऽ

तोडी— त्रिताल (विलंबित).

स्थायी.

सारी
जिऽ

ग	—	—	रीसा	(ग)री	—	सा	—	नि	सा	री	रीग	(प)म	री	ग	—
ऊ ३	ऽ	ऽ	मोरा	चा ×	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ २	ऽ	ऽ	ऽऽ	ऽ ०	ऽ	ऽ	ऽ
म	ध	(ध)निनि	मध	सां	निसां	नि	ध	(म)प	पध	(ध)म	ग	(प)म	री	ग	—
ऽ ३	ऽ	हेऽ	ऽऽ	पी ×	ऽऽ	या	ऽ	मी २	लन	को	ऽ	ऽ ०	ऽ	ऽ	ऽ

सा री ग —	मं ध नि ध	धधनिसां रींध रींनि ध	ग मं ध धनि
इ खी ये ऽ	ग रे ऽ ल	ऽऽऽऽ ऽऽ ऽऽ ऽ	ये ऽ ऽ, ऽजि।
३	×	२	०
ग — — रीसा			
ऊ ऽ ऽ मोरा			
३			

अंतरा.

ग — — मंध	सां निसां सां सां	धध नि सांगं सांरींगं	नि सांरीं ध —
सूं ऽ ऽ दर	मू ऽऽ र त	जब तें देऽ ऽऽऽ	खी ऽअ त ऽ
३	×	२	०
प ध मं ग	ग मं नि सां	निसां निसारीं नि ध	ग मं ध धनि
त ब तें ऽ	क छु न हिं	ऽऽ ऽऽऽ भा ऽ	वे ऽ ऽ, ऽजि।
३	×	२	०
ग — — रीसा			
ऊ ऽ ऽ मोरा			
३			

तोडी— त्रिताल (विलंबित).

स्थायी.

ध़ ऩि सा —री	ग री सा —	री ऩि ध़ प़	ध़ ऩि सा —री
बा जो रे ऽम	म द सा ऽ	घ र वा ऽ	आ नं द ऽब
३	×	२	०

(री) नि	—(ध) प	—	—	सासा	(सा) प	—	मंप	पध	मंपधप	(मं) ग	—	(ग) री	ग	री	सा
धा ३	ऽत्र	रा	ऽ	पूजि ×	ले	ऽ	ऽऽ	मन २	काऽऽऽ	ई	ऽ	का ०	ऽ	जो	रे।

अंतरा.

(ध) मंध	निध	प,पधप	(मं) ग,मंध	(सां) नि	सां	सां	—निसां
तन ३	ऽम	न,घऽऽ	न,पाऽ	ई ×	ऽ	ला	ऽ,ऽऽ
(नि) ध	नि	सां	सां	(सां) नि	सांरीं	(रीं) नि	ध
गा २	जी	ऽ	ला	ऽ ०	बन	रा	ऽ
(सां) नि	सांरीं	गं	रींसां	(सां) नि	निसारीं	(रीं) नि	ध
स ३	दाऽ	ऽ	रींऽ	गी ×	ऽऽऽ	ला	ऽ
धधनिसांरींगं	गंरीं	निसां,निसारींसां	(नि) ध	(ध) मंध	मंग	—री	सा
ऽऽऽऽऽऽ २	ऽऽ	मोऽ,ऽऽऽऽ	रा	राऽ ०	ऽऽ	ऽजो	रे।

तोडी— एकताल. (विलंबित).

स्थायी.

(प) मरी ग	रीसा सारी	ग —	री सा	(सा) नि सारीग	री सा
दैऽ ऽ	यांऽ बट	दू ऽ	ब र	भ ऽऽऽ	इ ऽ
३	४	×	०	२	०
(नि) सा निसारी	नि ध	(नि) सा नि	— सारी	नि ध	प —
मैं ऽऽऽ	का ऽ	लं ऽ	ऽ गर	वा ऽ	ऽ ऽ
३	४	×	०	२	०
(नि) ध नि	सा सारी	(ग) री —	सा (सा) नि	सारी ग	री सा
भ र	ऽ नन	दे ऽ	त ग	गऽ रि	या ऽ।
३	४	×	०	२	०
(री) ग —	रीसा निसारी				
दै ऽ	याऽ ऽ,बट				
३	४				

अंतरा.

(ग) रीरी धध	निध पप	(प) मं मंपध	(ध) मंग गरी	ग री	सा निसा
बिहा ऽन	तोरे संग	कै सेऽऽ	जाऽ ऽऊं	स ज	नी ऽऽ
३	४	×	०	२	०
(ध) मं धनि	सां —,सांरीं	नि ध	प मंप	(प) ध (ध) मं	ग री
बी चमां	ऽ ऽ,झऽ	ठा ऽ	डो ऽऽ	स दा	ऽ ऽ
३	४	×	०	३	०

		री	ग		
ग रि	सा सारि	ग –	मरि ग	– रि	सा सारि
रैं S	ग उच	कै S	SS S	S S	या, SS।
३	४	×	०	२	०

री	
ग –	रीसा नि,सारि
दै S	याS S,बट
३	४

तोडी –एकताल. (विलंबित).

स्थायी.

नि
सा
तो

सा	मं	ध	ध	सां	
ध –	प मंपध	मं ग	– मं	ध नि	सां नि
री S	छ बSS	मो S	S म	न ही	S म
३	४	×	०	२	०
ध		नि			
मंध मंग	री सा	ध नि	सा –,सा	सारि सारिग	रि सा
नS भाS	S वे	अ ध	क S,सु	हाS SSS	वे, तो
३	४	×	०	२	०
सा	मं	ध	ध	सां	ध
ध –	प मंपध	मं ग	– मंध	नि सां	नि मं
री S	छ बSS	मो S	S मन	ही S	मं न
३	४	×	०	२	०
ग					
ग रि	– सा				
S भा	S वे				
३	४				

अंतरा.

मं	ग	मं	ध	सां	निसां	सां	सां	निध	सांनि	रींसां	गं,रींसां
सा	ऽ	थ	स	खी	ऽऽ	मि	ल	देऽ	होऽ	ऽऽ	ऽ,मुऽ
३		४		×		०		२		०	
निसां	निसांरीं	नि	ध	मंध	निसां	निध	—नि	मं	ग	री	सा
बाऽ	ऽऽऽ	र	क	सुंऽ	ऽऽ	दऽ	ऽर	सु	ऽ	घ	र
३		४		×		०		२		०	
निसा	गग	मं	ध	सां	नि	ध	प	ग	मं	ध	नि
गाऽ	येब	जा	ये	री	झा	ऽ	ये	ऽ	ऽ	ऽ,	तो
३		४		×		०		२		०	
ध	प	मंप	पध								
री	ऽ	ऽऽ	छब								
३		४									

तोडी— एकताल. (विलंबित).

स्थायी.

ग	—	री	री	री	—	सा	निसा	ग	—	—	गमं
को	ऽ	स	म	झा	ऽ	वो	ऽऽ	रे	ऽ	ऽ	कहो
३		४		×		०		२		०	

ध	—नि	ध	प	(प)म	पध	(ध)म	ग	मरी	ग	—	(प)म
प्या	ऽऽ	रे	ऽ	उ	नऽ	के	ऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	मु
३		४		×		०		२		०	

मपधनि	नि	(ध)म	ग	(री)ग	री	सा	निसा	(सा)नि	—	सा	री
खऽऽऽ	ऽ	की	ऽ	ब	ति	यां	ऽऽ	नै	ऽ	न	स
३		४		×		०		२		०	

नि	ध	प	—	सारी	ग	(ग)मरी	ग	—	री	सा	निसा
लो	ऽ	ने	ऽ	जोऽ	ब	नऽ	ऽ	ऽ	म	द	ऽऽ
३		४		×		०		२		०	

(नि)ध	नि	सा	री	ग	री	सा	निसा	(नि)ध	नि	सा	री
म	त	वा	ऽ	ऽ	ऽ	री	ऽऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ ।
३		४		×		०		२		०	

(री)ग	—	—	रीरी
को	ऽ	ऽ	सम
३		४	

अंतरा.

		(प)मग	(ध)मध	(नि)सां	—सां	(सां)निसां	निसांरींरीं	निध	प	ध	नि
ऽ	ऽ	लाऽ	डलि	ला	ऽड	कऽ	ऽऽऽरि	येऽ	ऽ	र	स
३		४		×		०		२		०	

सांरीं	सांरींगं	रींसां निसां,	निसांरीं	नि	ध	ध	नि	ध	प	म	पध
ना ऽ	ऽऽऽ	ऽऽ ताऽ,	ऽऽऽ	की	ऽ	उ	ल	ट	पु	ल	टऽ
३		४		×		०		२		०	
म	ग	मरी	ग	–	री	–	सा	री	री	–	सा
कै	सी	ऽऽ	ऽ	ऽ	नी	ऽ	की	सो	हा	ऽ	य
३		४		×		०		२		०	
ध़	नि़	सा	–सारी	नि़	–	ध़	प़	ध़	नि़	सा	री
म	हं	ऽ	,मद	सा	ऽ	ऽ	ऽ	स	दा	ऽ	रौं
३		४		×		०		२		०	
नि़	–	ध़	–	ध़	ग	ग	ग	री	सा	नि़	सारी
गी	ऽ	ली	ऽ	ने	ऽ	क	च	ल	त	बा	ऽर
३		४		×		०		२		०	
नि़	–	ध़	–	ध़	नि़	सा	री	नि़	ध़	नि़	सारी
डा	ऽ	री	ऽ	ब	ल	हा	ऽ	ऽ	ऽ	रि,	ऽऽ।
३		४		×		०		२		०	

तोडी—त्रिताल. (विलंबित.)

स्थायी.

ध़	नि़	सा	री	री	सा	नि़सा	री	नि़	ध़	–	सा	सा	–	नि़सारी	री
ह	मा	ऽ	रे	तो	ऽ	ऽऽ	जे	ही	ऽ	ऽ	स	र	ऽ	ऽऽऽ	व
३				×				२				०			

नि़	ध़	–	प़	सा	सा	नि़सा	सारी	ग	ग	–	–	ग	री	मं	ग
र	ऽ	ऽ	ऽ	ह	ज	ऽऽ	रत	मी	रा	ऽ	ऽ	जी	ऽ	ऽ	ऽ
३				×				२				०			
मग	मप	–	ग	मरी	ग	री	सा	सा	ध़	ध़	नि़	सा	री	री	सा
तेऽ	हाऽ	ऽ	रे	नाऽ	ऽ	म	को	आ	ऽ	धा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	र।
३				×				२				०			

अंतरा.

सासा	सा	ध	ध	ध	–	प	मंप	मंप	धनि	ध	प	(प)	–	मं	ग
मन	डो	ऽ	रे	जा	ऽ	मे	ऽऽ	गूंऽ	ऽऽ	ऽ	दृ	पा	ऽ	ऊं	ऽ
३				×				२				०			
मंप	मंपध	मंग	रीरी	री	–	सा	–	मंध	सां	निसां	निध	धमं	रीग	री	सा
सोऽ	ऽऽऽ	हीऽ	कर	रा	ऽ	खों	ऽ	अब	हूं	ऽऽ	जेऽ	हर	ऽऽ	वा	ऽ।
३				×				२				०			

तोडी– एकताल. (विलंबित).

स्थायी.

	प	मंप	पध	मं	ग	–	री	ग	री	सा	नि़सा
ऽ	ला	ऽऽ	लम	ना	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	व	न	ऽऽ
३		४		×		०		२		०	

(सा) निसा	निसारी	नि	ध	(नि) सा	सारी	ग	ग	(ध) मंग	पमं	ध	ध
मैंऽ	ऽऽच	ली	ऽ	स	मुऽ	झ	त	नाऽ	हींऽ	ऽ	मा
३		४		×		०		२		०	
(सां) नि	—	—	सारीं	(सां) नि	—	ध	—	धधनिसांरीं	गं	रीं	नि
का	ऽ	ऽ	हुकी	बा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽऽऽऽऽ	ऽ	त	ऽ।
३		४		×		०		२		०	
ध	प										
ऽ	ला										
३											

अंतरा.

(पं) मं	ग	—	(ध) मंध	सां	निसां	सां	सां	रीं	—	सां	सांरीं
हूं	ऽ	ऽ	तोरे	का	ऽऽ	र	न	क्या	ऽ	कु	लऽ
३		४		×		०		२		०	
गं	रीं	सां	निसां	(सां) निसां	निसांरीं	(रीं) नि	ध	मंप	मंपध	मं	ग
ऽ	भ	ई	ऽऽ	प्याऽ	ऽऽऽ	रे	ऽ	तुंऽ	ऽऽऽ	उ	ठ
३		४		×		०		२		०	
(मं) पमं	धनि	—	ध	(सां) निसां	निसांरीं	(सां) नि	ध	धधनिसांरीं	गं	रीं	नि
चल	मोरे	ऽ	ऽ	ऽऽ	ऽऽऽ	सा	ऽ	ऽऽऽऽऽ	ऽ	थ	ऽ।
३		४		×		०		२		०	
ध	(मं) प										
ऽ,	ला										
३											

तोडी– त्रिताल. (मध्यलय).

स्थायी.

मं प	–
दीं	ऽ

प ग॒ रि॒ सा	ग॒ रि॒ सा सा	सा रि॒ ग॒ –	– – मं प –
ओ दे ता ना	ना त दा रे	दे रे ना ऽ	ऽ ऽ दीं ऽ
०	३	×	२
प ग॒ रि॒ सा	ग॒ रि॒ रि॒ सा –	सा नि॒ सा ग॒ मं	प ध॒ प –प
ओ दे ता ना	दे रे ना ऽ	धा किड किड धुं	किड किड धिलां ऽग
०	३	×	
प ध॒ प ध॒	प ध॒ मं प	प मं ग॒ – प	मं ग॒ – प –
किड नग तिर किट	नग धे किड नग	ते घ्डा ऽ न्ते	घ्डा ऽ, न्दीं ऽ।
०	३	×	२

अंतरा.

ध॒ सां नि ध॒ प	सां नि ध॒ प	प ध॒ नि – ध॒	– प – ध॒ प
ओ दे ता ना	ओ दे ता ना	दे रे ऽ ना	ऽ दी ऽ म्त
०	३	×	२
प ग॒ – – –	ग॒ रि॒ – सा –	नि॒ सा सा सा ग॒ ग॒	ध॒ मं – ध॒ –
दा ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ नी ऽ	धि ति ली ति	ला ऽ ना ऽ
०	३	×	२

प —प प धु	प धु मं प	प गु — प	मं गु — प —
नग ऽड्धि गड तुं	नग तिरि किट तक	ते घ्डा ऽ न्ते	घ्डा ऽ न्द्रीं ऽ।
०	३	×	२

तोडी—एकताल (मध्यलय).

स्थायी.

नि़ —	री गु	मं मं	धु नि	धु मं	गु मं
दा ऽ	श ते	ऽ ले	दा ऽ	रा ते	ऽ ले
×	०	२	०	३	४
नि धु —	— —	— —	धु मं	धु नि	— धु
ता ऽ	ऽ ऽ	ऽ ऽ	त न	दे ऽ	ऽ रे
×	०	२	०	३	४
नि धु	प प	मं धुनि	नि धु	प धु	मं गु
ना ऽ	ऽ ऽ	य लऽ	लि य	लि य	लो ऽ
×	०	२	०	३	४
—गु गु	गुमं धुनि	—नि धु	मं री	गु री	— सा
ऽम् य	लोऽ ऽऽ	ऽम् य	ला ऽ	ऽ ला	ऽ ले।
×	०	२	०	३	४

अंतरा.

ग	ग	ग	मं	ध	ध	सां	सां	सां	सां	सां	सां
ना	द्रे	द्रे	तुं	द्रे	द्रे	द्रे	द्रे	द्रे	द्रे	द्रे	द्रे
×		०		२		०		३		४	
नि	रीं	गं	रीं	सां	सां	मं	ध	नि	ध	प	प
धि	त्ला	ऽ	न्तुं	द्रे	द्रे	धि	त्ला	ऽ	न्तुं	द्रे	द्रे
×		०		२		०		३		४	
नि़	सासा	रीरी	रीरी	गग	गग	मं	मं	धध	धध	निनि	निनि
धा	किट	तक	धुम	किट	तक	धि	त्ता	गदि	गिन	तिर	किट
×		०		२		०		३		४	
धध	धप	पप	मंमं	मं	मंधु	मं	री	ग	री	–	सा
नगि	नत	निग	तक	धि	त्ताऽ	धा	ऽ	ऽ	ता	ऽ	न्न ।
×		०		२		०		३		४	

तोडी— एकताल. (मध्यलय).

स्थायी.

नि	सां	(नि) ध	नि	ध	प	–	मं	ग	ग	मं	ग
तो	ऽ	म्त	न	न	तो	ऽ	म्त	न	न	अ	त
४		×		०		२		०		३	
सा	री	सा	री	ग	–	मं	मं	प	मं	प	ध
तु	न	दे	रे	ना	ऽ	अ	त	त	न	दे	रे
४		×		०		२		०		३	

मं	ग	(ध)मं	—	ध	—ध	ध	—ध	मं	ध	नि	सांसां
ना	S	दी	S	S	Sम्	दी	Sम्	दा	रा	दी	Sम्
४		×		०		२		०		३	
सां	—	सांरीं	गं	गं	रीं	नि	ध	नि	सां	रीं	ध
दी	S	म्तS	न	न	त	द	रे	ता	रे	दा	नि ॥
४		×		०		२		०		३	

अंतरा.

(मं)ग	गग	मंमं	मंमं	ध	—ध	नि	निनि	सांसां	सांसां	सां	—सां
ना	दिर	दिर	दिर	दी	Sम्	तुं	दिर	दिर	दिर	दी	Sम्
×		०		२		०		३		४	
ध	नि	सां	(गं)रीं	—	सांसां	नि	सां	रीं	नि	ध	—
ता	दी	S	म्दी	S	Sम्	त	न	न	ना	S	S
×		०		२		०		३		४	
प	—	मं	प	—	ध	मं	ग	मं	री	ग	—
ता	S	रे	ना	S	रे	ना	S	S	S	S	S
×		०		२		०		३		४	
(ग)री	—	री	(मं)ग	—	ग	(ध)मं	—	ध	नि	सां	सां
ता	S	रे	ना	S	रे	ता	S	रे	दा	S	न्नि
×		०		२		०		३		४	
ध	ध	नि	सां	रीं	गं	रीं	सां	रीं	ध		
त	द	रे	दा	नी	S	ता	रे	दा	नि		
×		०		२		०		३			

तोडी— एकताल. (विलंबित).

स्थायी.

मे म	ग			ग		सा	री
धग	,मरी	ग	—रीसा	री	सा	निरे	निरीग
तदा	ऽ,रेऽ	ऽ	ऽ,दर	आ	ऽ	ऽऽ	ऽऽऽ
३		४		×		०	
मे		ध		म			
प	ध	मे	ग—	गमेमे	धधसां	—	निसांरीं
दा	नी	दी	ऽम्	नादिर	दिरतो	ऽ	ऽऽऽम्
२		०		३		४	
रीं				सा			
री	सारीगरी	सा	निसा,सा	निरी	निरीग	रीगमे	गमेप
तो	ऽऽऽम्त	ना	ऽऽ,त	दाऽ	ऽऽऽ	ऽऽऽ	ऽऽऽ
×		०		२		०	
ध नि	ध	ग					
मेध	मेग	मेरीग	—रीसा				
रेऽ	दाऽ	नीऽऽ	ऽ,दर				
३		४					

अंतरा.

		ध						नि	
		मे	धधनिनि	सां	निसां	सां	—	धनि	सांरीं
ऽ	ऽ	ऽना	दिरदिर	तो	ऽऽम्	तो	ऽम्	तन	देरे ।
३		४		×		०		२	

(गं)रीं	सांनि	रींगं	रीं	सां	निसां	(रीं)नि	सांरीं
ऽ	नाऽ	ऽत	दा	ऽ	ऽऽ	रें	दाऽ
०		३		४		×	

नि	ध	(ध)मंधनि	ध	मंप	मंपध	(ध)मं	ग
नी	ऽ	ताऽऽ	रे	ऽऽ	ऽऽऽ	ना	ऽ
०		२		०		३	

(ग)मंरी	ग	(मं)गमं	(मं)धनि	सांरीं	—	(रीं)गंगंरींसां	निधध
‖ रेऽ	ऽ	तुंद्रे	ऽऽ	ऽऽ	ऽ	नाऽऽऽ	ऽऽ,त
४		×		०		२	

मंधनिसां	रींध	रींनि	(ध)मंग	(ग)मंरीग	—रीसा
दाऽऽऽ	ऽऽ	ऽरे	दाऽ	नीऽऽ	ऽ,दर ।
०		३		४	

तोडी— तिलवाडा. (विलंबित).

स्थायी.

	(मं)ध	पमं	गमं	(नि)ध	—प	(ध)मं	ग	(ग)मंरी	ग	—	रीरी
ऽ	‖ ऽत	नन	देरे	ना	ऽत	दा	ऽ	नीऽ	ऽ	ऽ	तारे
३				×				२			

(ग)रे	—	सा	—	(सा)निरीगमं	प	(मं)गमंगरी	निध,नि	सां	—री	(री)ग	—
:दा	ऽ	नी	ऽ	दाऽऽऽ	ऽ	नीऽऽऽ	ऽऽ,त	दीं	ऽन्त	दी	ऽम
०				३				×			

मंपधनि	—ध	पध	मंग	मं	ध	ध	—ध	सां	निसां	रीं	सां
ताऽऽऽ	ऽन्न	देरे	नाऽ	द्रा	ऽ	नी	ऽउ	द्रा	ऽऽ	नी	ऽ
२				०				३			
धनि	सांरीं	गं	—	निं	ध—	मंध	निसां	रीं	सांरीं	गंगंरींसां	निधपमं
नाद्रे	तुंद्रे	दीं	ऽम्	द्री	ऽन्	तदि	याना	रे	ऽऽ	नाऽऽऽ	ऽऽऽऽ
×				२				०			
गरीसासा	—ध	पमं	गमं								
ऽऽऽऽऽ	ऽत	नन	देरे								
३											

अंतरा.

		—मं	धनि	सां	निसां	—नि	सांरीं	नि	ध	धनि	सांरीं
ऽ	ऽ	ऽउ	दन	तो	ऽऽ	ऽम्त	दिया	रे	ऽ	तन	देरे
३				×				२			
गं	रीं	सांनि	सांरीं	नि	ध	प	—	मंपधनि	ध	प	मंग
ऽ	न्ना	ऽत	नन	ना	ऽ	रे	ऽ	ताऽऽऽ	रे	ऽ	दर
०				३				×			
मं	ध	ध	—ध	नि	सां	—ध	निसां	रीं	—	सां	—
ना	ऽ	द्री	ऽम्त	द्री	ऽ	ऽम्त	नन	द्री	ऽम्	द्री	ऽम्
२				०				३			

नि	रीं—	रीं	गंरीं	गं	मंगं	पं	—	मंपं	मेंमेंगंरीं	सांनिधप	मंगरीसा
ता ×	ऽऽ	रे	ऽऽ	ना २	ऽऽ	रे	ऽ	ऽऽ ०	दाऽऽऽ	ऽऽऽऽ	ऽऽऽऽ
सा	—धु	पमं	गमं								
नी ३	ऽत	नन	देरे								

तोडी—झपताल. (मध्यलय)

स्थायी.

ध (प)	—	ध	प	प	मं	प	मं	ग	ग
आ ×	ऽ	द २	अ	न	ह ०	त	ना ३	ऽ	द
ग (मं)	मं	प	ध	मं	ग	री	री (ग)	सा	—
उ ×	प	जो २	ऽ	ज	ग ०	त	में ३	ऽ	ऽ
नि (सा)	—	सा	—	री (सा)	री (सा)	ग	री	—	सा
ता ×	ऽ	को २	ऽ	क	रूं ०	ऽ	ध्या ३	ऽ	न
मं (ध)	—	ध	नि	सां	नि	ध	प	ग (मं)	मं
पा ×	—	क २	म	न	घ ०	ट	में ३	ऽ	ऽ।

ध	—	ध	ध	नि	ध	प	(प)म॑	ग	ग
आ	ऽ	द्र	अ	न	ह्	त	ना	ऽ	द।
×		२			०		३		

अंतरा.

(ध)म॑	ग	म॑	ध	(प)ध	(सां)नि	सां	सां	—	सां
ख	र	ज	रि	ख	ब	गौं	धा	ऽ	र
×		२			०		३		
(सां)नि	सांरीं	गं	रीं	सां	(सां)नि	सां	रीं	(गीं)नि	ध
स	ऽऽ	म	सु	र	आ	ऽ	ह	त	मि
×		२			०		३		
(ध)म॑	ध	निसां	नि	ध	म॑	ग	री	—	सा
ला	ऽ	यऽ	नि	र	गु	न	ब्र	ऽ	ह्म
×		२			०		३		
(सा)री	गं	(रीं)गं	रीं	सां	नि	सां	नि	ध	प
व्या	ऽ	प	क	ज	ग	त	मैं	ऽ	ऽ।
×		२			०		३		
ध	—	ध	नि	धप	म॑	प	म॑	ग	ग
आ	ऽ	द्र	अ	नऽ	ह्	त	ना	ऽ	द।
×		२			०		३		

तोडी– झपताल. (मध्यलय).

स्थायी.

(ग)री	री	(ग)री	री	–	सा	सा	सा	–	सा
ल ×	डे	ह २	स	ऽ	न ०	हु	सै ३	ऽ	न
(सा)नि़	–	सा	–	री	(सा)नि़	सा	नि़	ध़	ध़
ई ×	ऽ	मा २	ऽ	म	सै ०	ऽ	य ३	ऽ	द
(नि)ध़	ध़	ग	ग	–	(ध)मं	मं	ध	–	नि
सु ×	भ	ट २	धू	ऽ	म ०	म	ची ३	ऽ	भ
(ध)मं	ध	(ध)मं	–	ग	(मं)ग	मं	प	ध	नि
ई ×	ऽ	जौं २	ऽ	ग	ता ०	ऽ	ऽ ३	ऽ	ती।
(ध)मं	मं	(मं)ग	री	–					
ल ×	डे	ह २	स	ऽ					

अंतरा.

(ध)मं	–	ग	(ध)मं	ध	नि	सां	सां	सां	–
खे ×	ऽ	त २	बि	र	छा ०	ऽ	इ ३	यो	ऽ

रीं	—	गं	रीं	सां	(सां)नि	सां	(रीं)सां	(नि)ध	—
सिं	ऽ	घ	के	ऽ	छा	ऽ	व	डे	ऽ
×		२			०		३		
(नि)ध	ध	गं	(गं)रीं	गं	रीं	—	सां	नि	ध
भ	ले	च	ले	ऽ	ख	ऽ	ज्ञ	व	गि
×		२			०		३		
(ध)मं	ध	नि	सां	रीं	(सां)नि	सां	नि	ध	प
रे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	हा	ऽ	थी	ऽ	ऽ।
×		२			०		३		
प	प	ध	(ध)मं	ग	(ग)री	री	(ग)री	—	सा
ल	डे	ह	से	ऽ	न	हु	से	ऽ	न।
×		२			०		३		

संचारी.

(नि)सा	सा	ध	ध	—	(नि)ध	—	ध	प	प
क	र	व	ला	ऽ	भू	ऽ	म	प	र
×		२			०		३		
(प)मं	मं	प	—	ध	प	ध	(ध)मं	ग	—
म	हा	भा	ऽ	र	त	भ	यो	ऽ	ऽ
×		२			०		३		

(म)ग	म	प	ध	म	(म)ग	—	री	सा	—
हु×	वे	सै२	S	य	द०	S	ज३	ब	S
(नि)ध	नि	सा	री	ग	(प)म	प	म	ग	—
न×	बी	ना२	S	S	S०	S	ती३	S	S।

आभोग.

(ध)म	ग	(ध)म	—	ध	(सां)नि	नि	सां	—	सां
आ×	S	ई२	S	S	ज०	ब	हू३	S	र
(सां)रीं	—	गं	रीं	सां	(सां)नि	नि	सां	नि	ध
नू×	S	र२	को	S	त०	ख	त३	ले	S
(प)ध	गं	गं	रीं	गं	रीं	—	सां	(नि)ध	ध
सा×	S	ह२	प	र	भी०	S	स्त३	कु	र
(ध)म	ध	नि	सां	रीं	(रीं)नि	सां	नि	ध	प
बा×	S	न२	जा	S	ती०	S	S३	S	S।

ध ध	(ध) मं ग –	री री	(ग) री – सा
ल डे	ह स ऽ	न हु	सै ऽ न।
×	२	०	३

तोंडी.– झपताल. (मध्यलय).

स्थायी.

(प) ध ध	ध ध नि	ध ध	प मं ग
तु म	स मा ऽ	न न	हू ऽ जो
×	२	०	३
(मं) ग मं	प ध मं	ग –	री – सा
ज ग	मैं ऽ मो	रे ऽ	रा ऽ ज
×	२	०	३
(नि) ध नि	सा री ग	री –	सा – सा
स क	ल गु न	सौं ऽ	प ऽ न्न
×	२	०	३
(प) मं ध	(सां) नि सां –	निध नि	ध – प
तु म	ग री ऽ	बऽ न	वा ऽ ज।
×	२	०	३

अंतरा.

(मं) प (मं) ग	(ध) मं ध –	(सां) नि नि	सां – सां
भ र	न पो ऽ	ख न	दु ऽ ख
×	२	०	३

(धनि)ध	नि	सां	रीं	गं	रीं	सां	(सां)नि	सां	निध
दृ	ऽ	ली	ऽ	द्र	भ	य	ह	र	नऽ
×		२			०		३		
ध	नि	ध	प	(म)ग	प	ग	री	–	सा
ख	ट	द्र	र	स	न	नि	वा	ऽ	स
×		२			०		३		
(सां)नि	नि	रीं	गं	रीं	(सां)नि	सां	नि	ध	प
तु	म	हो	ऽ	ध	र	म	रा	ऽ	ज।
×		२			०		३		

तोडी.—चौताल. (विलंबित).

स्थायी.

(प)ध	मंग	(म)री	ग	री	सा	(सा)नि	सारी	ग	म	प	–
ह	रऽ	ह	र	शि	व	शौं	ऽऽ	क	र	गौं	ऽ
०		३		४		×		०		२	
(प)म	प	ध	(ध)म	ग	(म)ग	(ध)म	ध	(प)ध	(सां)नि	सां	नि
गा	ऽ	ऽ	ध	र	पि	ना	ऽ	कि	पा	ऽ	र
०		३		४		×		०		२	
ध	प	(ध)म	प	ध	(प)म	ग	री	–	(ग)री	–	सा
ब	ती	अ	र	ऽ	धां	ऽ	गी	ऽ	सो	ऽ	है।
०		३		४		×		०		२	

अंतरा.

म	म		ध								
प	ग	–	म	–	ध	नि	सां	नि	सां	–	सां
न	र	ऽ	रुं	ऽ	ड	मा	ऽ	ल	कौं	ऽ	ठ
×		०		२		०		३		४	

नि	नि										
सां	ध	–	नि	सां	रीं	गं	रीं	सां	नि	सां	निध
औ	र	ऽ	बे	ऽ	ख	बि	रा	ऽ	ज	ऽ	तऽ
×		०		२		०		३		४	

ध											
म	ध	निसां	निध	नि	ध	प	–	मंध	नि	ध	प
भ	ऽ	स्मऽ	औंऽ	ऽ	ग	से	ऽ	तऽ	ब	स	न
×		०		२		०		३		४	

प	ध		री		
ध	मग	री	ग	री	सा
से	ऽऽ	त	सो	ऽ	हे
×		०		२	

तोडी—चौताल (विलंबित).

स्थायी.

नि				सा	सा						
ध	नि	सा	री	री	ग	–	री	–	री	सा	–
मे	रे	तो	ऽ	अ	ल्ला	ऽ	ना	ऽ	म	को	ऽ
३		४		×		०		२		०	

(सा)री (ग)री	— सा	(नि)सा नि़	— (सा)नि़	सा री	ग री
आ धा	ऽ र	जि ने	ऽ र	चो ऽ	ऽ सौं
३	४	×	०	२	०
सा (सा)नि़	सा री	(री)नि़ ध़	ध़ (ध़)ग	— ग	(ग)मरी री
ऽ सा	ऽ र	का ऽ	म क्रो	ऽ ध	(लोऽ) ऽ
३	४	×	०	२	०
ग (ध)मं	ध नि	(ध)मं ग	— (ग)री	ग री	सा (सा)ध़
भ म	हा ऽ	जौं ऽ	ऽ जा	ऽ ऽ	ल, मे।
३	४	×	०	२	०
— नि़					
ऽ रे					
३					

अंतरा.

(मं)प प	— (मं)प	(नि)ध —	नि सां	नि सां	सां सां
जि ने	ऽ र	चो ऽ	अ र	स कु	र स
×	०	२	०	३	४
(नि)सां (नि)ध	— (सां)नि	सां रीं	गं रीं	सां निसां	(नि)ध —
ज मी	ऽ आ	ऽ स	मा ऽ	ऽ (ऽऽ)	न ऽ
×	०	२	०	३	४

[ध]मंधु नि	सां नि	धु प	[प]धु [धु]मं	ग [री]ग	री सा
निऽ रौं	ऽ ज	ऽ न	नि रा	ऽ का	ऽ र
×	०	२	०	३	४
[सा]नि़ सारी	ग [धु]मं	धु [प]धु	[सां]नि धु	नि धु	प प
सा ऽऽ	चो क्यौं	ऽ न	से ऽ	ऽ वो	प र
×	०	२	०	३	४
[प]धु मं	ग री	ग री	सा [नि़]सा	[नि़]धु़ नि़	
व र	ऽ दि	गा ऽ	र, मे	ऽ रे	
×	०	२	०	३	

तोडी– चौताल. (विलंबित).

स्थायी.

[प]धु
व

धु प	मंप धु	[धु]मं –	ग [ग]मंरी	ग [धु]मं	[प]धु धु
र नी	ऽऽ न	जा ऽ	ऽ ऽऽ	ऽ ये	ऽ हो
३	४	×	०	२	०
– नि	धु प	[धु]मं प	धु [धु]मं	ग –	[ग]री ग
ऽ ते	हा रि	ली ऽ	ऽ ला	ऽ ऽ	या ऽ
३	४	×	०	२	०

				सां			री				सा
–	री	–	सा	नि	सा	री	नि	ध	प	–	नि
ऽ	ते	ऽ	म	आ	ऽ	ऽ	ग	ऽ	म	ऽ	नि
३		४		×		०		२		०	
	ग							ग			सा
सा	री	–	सा	सारी	ग	–	री	री	सा	–	ध
ऽ	ग	ऽ	म	आऽ	गो	ऽ	च	ऽ	र	ऽ,	ब।
३		४		×		०		२		०	

अंतरा.

मं			मं			सां					
प	ध	प	ग	मं	ध	नि	सां	नि	सां	–	सां
ए	क	न	को	ऽ	ऽ	दी	न	दु	या	ऽ	ल
×		०		२		०		३		४	
नि	नि		सां								
सां	ध	–	नि	सां	रीं	गं	रीं	सां	निसां	नि	ध
ल	ढे	ऽ	ल	ढा	ऽ	ऽ	व	ऽ	ऽऽ	त	ऽ
×		०		२		०		३		४	
				ध		री					
धनि	ध	पमं	पध	मं	ग	ग	गं	–	रीं	सां	निसां
एऽ	क	ऽऽ	नऽ	को	ऽ	जी	ऽ	ऽ	ये	ऽ	ऽऽ
×		०		२		०		३		४	
सां		ध									
नि	ध	सां	नि	ध	प	–	धनि				
सा	ऽ	मं	छ	ऽ	र	ऽ,	बऽ				
×		०		२		०					

तोडी— चौताल (विलंबित).

स्थायी.

(नि)ध नि	सा री	(सा)री ग	– (री)ग	री सा	– री
मे रे	तो ऽ	तूं ही	ऽ आ	ऽ न	ऽ मा
३	४	×	०	२	०
री (ग)री	– सा	(सा)नि सा	– (सा)री	– ग	री सा
न ध्या	ऽ न	जि या	ऽ जा	ऽ न	नै ना
३	४	×	०	२	०
– (सा)नि	सा (नि)ध	(ध)मं ध	– (सा)नि	सा –री	(री)ग –
ऽ प्रा	ऽ न	ह ज	ऽ र	त ऽऽ	सा ऽ
३	४	×	०	२	०
(री)ग –	(प)मं प	ध मं	ग री	ग री	सा (नि)ध
हे ऽ	म र	द्दा ऽ	ऽ ऽ	ऽ ऽ	न, मे।
३	४	×	०	२	०
– नि	सा री				
ऽ रे	तो ऽ				
३	४				

अंतरा.

प प	– (नि)ध	– नि	सां सां	– (सां)नि	सां सां
अ न	ऽ ध	ऽ न	त न	ऽ म	ऽ न
×	०	२	०	३	४

$^{\text{नि}}$ध॒	—	ध॒	$^{\text{सां}}$नि	सांरीं॒ ‿	गं॒	रीं॒	सां	नि	सां	नि	ध॒
बा	ऽ	र	धा	ऽऽ ‿	म	मा	ऽ	त	पि	ता	ऽ
×		०		२		०		३		४	
$^{\text{प}}$ध॒	ध॒	नि	ध॒	—	प	$^{\text{प}}$ग॒	ग॒	री॒	$^{\text{ग॒}}$री॒	सा	—
गु	रू	ऽ	ज	ऽ	न	स	क	ल	तु	मी	ऽ
×		०		२		०		३		४	
$^{\text{री॒}}$नि़	$^{\text{री॒}}$सा	$^{\text{म॑}}$ग॒	$^{\text{प}}$म॑	प	—	म॑	ग॒	—	$^{\text{ध॒}}$म॑	ध॒	—
दी	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
×		०		२		०		३		४	
$^{\text{ध॒}}$म॑	ग॒	री॒	$^{\text{ग॒}}$री॒	—	सा	—	$^{\text{नि़}}$ध़॒	—	नि़	सा	री॒
ऽ	ऽ	न	मा	ऽ	न	ऽ	मे	ऽ	रे	तो	ऽ।
×		०		२		०		३		४	

तोडी—चौताल. (विलंबित).

स्थायी.

$^{\text{सा}}$री॒
मे

—	सा	नि़सा ‿	नि़ध़॒ ‿	$^{\text{सा}}$नि़	री॒	नि़	ध़॒	नि़	ध़॒	प़	$^{\text{ध़॒}}$म़॑
ऽ	री	ऽऽ ‿	बऽ ‿	ला	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	वै	जो
३		४		×		०		२		०	

धृ निृ	सा –	रीृ सा	– (निृ)सा	निृ सारी	ग –
ऽ ध	री ऽ	ध री	ऽ मो	हे (खिऽ)	जा ऽ
३	४	×	०	२	०
रीृ –	सा (निृ)सा	(निृ)धृ निृ	सा रीृ	ग रीृ	सा (सा)रीृ
ऽ ऽ	वै म	ना ऽ	ऽ ऽ	ऽ ऽ	वैं, मे।
३	४	×	०	२	०

अंतरा.

(ध)मं ग	– ध	मं ध	सां –	नि सां	– सां
ऐ सो	ऽ लं	ग र	ढी ऽ	ऽ ऽ	ऽ ट
×	०	२	०	३	४
(नि)ध नि	– सां	रीं गं	रीं सां	नि सां	नि ध
को ऽ	ऽ ऊ	ऽ न	दे ऽ	ऽ ऽ	खो ऽ
×	०	२	०	३	४
ध ध	नि ध	– प	(सां)नि –	रीं नि	ध प
स ब	न छां	ऽ ड	मो ऽ	ऽ हू	ऽ सों
×	०	२	०	३	४
(ध)मं ध	मं ग	(ग)री –	सा (सा)री		
ने ऽ	ह ज	ना ऽ	वै, मे		
×	०	२	०		

संचारी.

(ध)म	ग	—	म	ध	(प)ध	(प)ध	नि	ध	नि	ध	प
ढु	र	ऽ	ज	न	में	ठा	ऽ	ढि	ति	न	में
×		०		२		०		३		४	
(ध)म	ध	नि	ध	—	प	(ध)म	प	ध	(ध)म	—	ग
मो	ही	ऽ	को	ऽ	ल	जा	ऽ	ऽ	वे	ऽ	ऽ
×		०		२		०		३		४	
(ध)म	ग	ध	ध	(ध)म	ग	री	—	—	(ग)री	—	सा
स	ग	री	त्रि	य	न	में	ऽ	ऽ	मो	ऽ	है
×		०		२		०		३		४	
(सा)नि़	सा	री	ग	—	(ध)म	ध	—	नि	ध	प	—
री	ऽ	ऽ	स	ऽ	च	ढा	ऽ	ऽ	ऽ	वै	ऽ
×		०		२		०		३		४	

आभोग.

(ध)म	ग	—	(ध)म	ध	(प)ध	(सां)सां	सां	—	सां	—	सां
चौं	ऽ	ऽ	च	ऽ	ल	स	स	ऽ	प्र	ऽ	भु
×		०		२		०		३		४	
(सां)नि	ध	—	(सां)नि	सां	रीं	गं	रीं	सां	(सां)निसां	नि	ध
तु	म	ऽ	ब	हू	ऽ	ऽ	ना	ऽ	यऽ	क	ऽ
×		०		२		०		३		४	

(ध)मं ध॒	नि ध॒	— प	(ध)मं ग॒	(ध)मं ध॒	सां सां
का हू	ऽ भा	ऽ वे	का ऽ	ऽ ऽ	हू न
×	०	२	०	३	
री॒ नि	ध॒ मं	ग॒ री॒	सा (सा)री॒		
भा ऽ	ऽ ऽ	ऽ ऽ	वे, मे		
×	०	२	०		

तोडी—धमार. (विलंबित).

स्थायी.

(नि॒)सा
सं

(री)मंग॒ (ध)मं ध॒ (मं)ध॒	(ध)सां नि ध॒ प —	— (ध)मं	प ध॒ —
भाऽ ऽ ऽ र	च ल ऽ त ऽ	ऽ ध	र त ऽ
३	×	२	०
(ध)मं ग॒ (प)मं। ध॒	(ध)मं (मं)ग॒ — री॒ —	(म)री॒ सा	नि॒ सा री॒
प ग डिऽ ग	म गा ऽ त ऽ	ऽ छि	पा ऽ ऽ
३	×	२	०
नि॒ — ध॒ ध॒	(ध)मं ध॒ — (सा)नि॒ सा	री॒ ग॒	(नि॒)री॒ सा सा
व ऽ ऽ त	म ध ऽ के ऽ	री ब	च न, सं।
३	×	२	०

अंतरा.

ध सां		ग़ं	नि
मं ध — नि सां	सां —	रीं सां —	ध नि सां रीं
क हूं ऽ ब स	न ऽ	क हूं ऽ	पे ऽ च सु
×	२	०	३
रीं	नि	गं	
गं रीं सां नि ध	ध गं	रीं गं रीं	सां नि ध प
धा ऽ र त ऽ	ता ऽ	प र क	र त ऽ अ
×	२	०	३
ध ध		ग नि	री ध मं
मं प ध मं ग	री री	री सा सा	मंग मं ध ध
ने ऽ ऽ क ऽ	ऽ ज	त न सं	भाऽ ऽ ऽ र।
×	२	०	३

तोडी— धमार. (विलंबित).

स्थायी.

			नि
			सा
			ला
		ध	
ध ध नि	ध — प —	मं — — प —	ध —
ऽ ल ऽ	म ऽ ध ऽ	मा ऽ ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ
०	३	×	२
ध			
मं — —	ग — — —	री ग — री —	सा —
ते ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	ब न ऽ ब ऽ	न ऽ
०	३	×	२

(सा)नि़ सा रि	नि़ – ध़ –	(ग)रि – – सा –	(नि़)सा
खे ऽ ऽ	ले ऽ ऽ ऽ	फा ऽ ऽ ग ऽ	ऽ, ला।
०	३	×	२

अंतरा.

(ध)म॑ ध – नि –	सां –	सां सां –	नि सां सां –
स व ऽ स ऽ	खी ऽ	य न ऽ	मी ऽ ले ऽ
×	२	०	३
(नि)ध नि सां रीं गं	रीं सां	(सां)नि सां रीं	(सां)नि – ध –
मौं ऽ ऽ ऽ ऽ	ग ल	गा ऽ ऽ	वो ऽ ऽ ऽ
×	२	०	३
ध ध नि ध ऽ	– प	प (म॑)ग –	(ध)म॑ – ध –
अ प ऽ नी ऽ	ऽ अ	प नि ऽ	खे ऽ ले ऽ
×	२	०	३
(ध)म॑ ग – (ग)रि –	सा सा		
फा ऽ ऽ ऽ ऽ	ग, ला		
×	२		



या पुस्तकांत आलेल्या रागांचे स्वरविस्तार.



टीप. हे स्वरविस्तार विद्यार्थ्यांस उत्तम गातां आल्यानें या पुस्तकांत सांगितलेल्या दहा रागांचें 'चलन' त्यांच्या लक्षांत चांगलें ठसेल. या विस्तारांत स्वल्पविरामांनीं ठिकठिकाणीं थांबण्याचीं स्थलें दर्शाविलीं आहेत. हीं विरामचिन्हें फारच महत्त्वाचीं आहेत, असें समजावयाचें आहे. हे स्वरविस्तार वर्गांत शिक्षकांनीं आपल्या विद्यार्थ्यांस स्वतः योग्य रीतीनें वारंवार गाऊन दाखवावे व मग ते त्यांजकडून तसे वाचवून घ्यावे, म्हणजे विद्यार्थ्यांस योग्य स्वरस्थानें व योग्य ठिकाणीं योग्य रीतीनें आवाज लहान मोठा करण्याची कला, या दोन्ही गोष्टी लवकर साधतील. भाषेंतील खुब्या जशा प्रत्यक्ष ती भाषा ऐकून त्वरीत लक्षांत राहतात, तसेंच कांहीं अंशीं या संगीतरूपी भाषेचें आहे, असें म्हटलें तरी चालेल. हे विस्तार उत्तम साधल्यावर मग त्यांच्याच साहाय्यानें लहान मोठ्या 'ताना' रचण्याची कला विद्यार्थ्यांस शिक्षकांनीं समजावून द्यावी. विद्यार्थ्यांस नव्या नव्या ताना रचण्यास अंतःस्फूर्ति होईल, असें उत्तेजन शिक्षकांकडून मिळणें सदा इष्ट आहे. तान बरी कोणती व वाईट कोणती हें विद्यार्थ्यांस कारणांसह समजावीत गेल्यास त्यांचें बरेंच हित होईल.

यमन—स्वरविस्तार.

(१) ग, रे, सा, ऩिरे, सा, ऩि, रेग, रेग, मंग, प, मंग, रेग, रे, ऩि रे, सा ।

(२) ऩिरेग, रेसा, सा, ऩिध़, ऩिध़, प़, प़ध़ऩि, ध़ऩि, रे, गरे, ऩिरेग, रे, ऩिरे, सा ।

(३) साग, रेग, मंग, पमंग, ध, पमंग, निध, पमंग, सां, निध, पमंग, ध, पमंग, रेग, प, रे, सा, ऩि रे, सा ।

(४) सारेसा, सारेगंरेसा, सारेगमंगरेसा, सारेगमंपमंगरेसा, सारेगमंपधपमंगरेसा, सारेगमंपधनिधपमंगरेसा, सा-रेगमंपधनिसां निधपमंगरेसा ।

(५) सा, ऩि, ध़, प़, ऩि, ध़, प़, ऩि, ध़, ऩि, रे, ग, रे, गमंपमंग, रे, पमंग, रे, ग, रे, ऩिरे, ग, रे, ऩिरे, सा ।

(६) सा, रेग, प, मं, ग, रे, गमंपधनिधपमं धपमंग पमंग रे, प, रे, सा ।

(७) सारेगमंप गमंप, मंप, धप, निध, प, सां, नि, ध, प, निध, प, मंध, प, मं, ग, रे, गमंपमंग, रे, ग, रे, ऩिरे, सा ।

(८) सारेसा, सारेगरेसा, सारेगमंपरे, सा, सारेगमंपध-पमंरे, सा, सारेगमंपधनिधपमंरे, सा, सारेगमंपध निसांनिधपमंरे, सा ।

(९) गग, पधप, सां, सां, निरेंसां, निरेंगंरेंसां, रेंसां, निध, प, मंप, निध, प, सां, निध, प, रेंसां, निध, प, मंप, निधप, मंपधप, मंग, रे, गमंपधनिध, प, मंग, रे, पमंग, रे, ग, रे, ऩिरे, सा ।

(१०) साप, प, मंध, प, पध, निध, प, धप, मंग, ध, प, मं, ग, रे, पगरे, गरे, ऩिरे, सा ।

(११) पग, पधप, सां, सां, रेंसां गंरेंसां, पंरें, सां, निरेंगंमं-पं, रें, सां, रेंसां, निध, प, मंप, निध, प, ध, प, मंग, रे, गमंपमंग, रे, ग, रे, ऩिरे, सा ।

बिलावल—स्वरविस्तार.

(१) ग, रे, सा, सारे, सा, ग, मग, प, मग, मरे, सा ।

(२) सा, ग, रे, सा, सा, ऩिध़, ऩिध़, प़, ध़सा, रेसा, ग, मपमग, मरे, सा ।



(३) सारेग, मग, प, मग, मरे, गप, ध, प, मग, मरे, गमप, मग, मरे, सा ।

(४) सा, नि़ध़, नि़ध़, प़, सा, सारे, सा, सारेगमरे, सा, ग, प, धनि॒धप, मप, मग, मरे, गमप, मग, मरे, सा ।

(५) सां, निध, प, धनि॒ध, प, ध, मग, मरे, गपधनि॒ध, प, ध, मग, मरे, गमप, मग, मरे, सा ।

(६) सारेगमरे, सा, सारेगमपग, मरे, सा, सारेगमध, प, मग, मरे, सा, ध, सां, निध, प, ध, मग, मरे, सा ।

(७) सासागमरे, गप, ध, निसां, सांरेंगंमेंरें, सां, सां, रेंसां, निध, प, ध, मग, मरे, गपधनिसां, निध, प, ध, मग, मरे, गमप, मग, मरे, सा ।

(८) सारेगम, रेगमप, गमध, प, निध, निसां, गंरेंसां, रेंसां, निध, प, धनि॒धप, मग, मरे, गमध, प, मग, मरे, सा ।

(९) सारेगमप, गमप, ध, प, निध, निसां, सांरेंसां, गंमंरें, सां, रेंसां, निध, प, धनिसां, ध, प, ध, मग, मरे, गमध, प, मग, मरे, सा ।

(१०) सारेसा, सारेगमरेरेसा, सारेगमपग, मरेरेसा, सारेगमधधपध, मग, मरेरेसा, सारेगमपधनिसां, सांनिधपमगरे, सा ।

(११) सा, ग, मरे, सा, रे, सा, ध़, प़, ध़, सा, ग, गमग, गमध, प, मग, सां, निध, प, मग, मरे, गमध, प, मग, मरे, सा ।

(१२) ग, ग, मग, मरे, गप, धनि॒धप, ध, सां, निध, प, ध, मग, मरे, गमप, मग, मरे, सा ।

(१३) पप, ध, निसां, सांरेंसां, सांरेंगंमंरेंरेंसां, गंमंरेंरेंसां, रेंसां, सां निध, प, धनिसां, निध, प, ध, मग,

पं, गं, मंरें, सां, रेंसां, निध, निध, प, ध, मग, मरे, गमप, मग, मरे, सा ।

(१४) साध, ध, निध, प, धनिसां, निध, प, ध, मग, मरे, गप, ध, निसां, निध, प, ध, मग, मरे, गमप, मग, मरे, सा ।

(१६) पप, ध, निसां, सां, रें, सां, सांरेंगंमंरेंसां, सांरेंगंमंपंगं, मंरेंरेंसां, गंगंमंरेंसां, रेंसां, निध, प, सां, ध, प, ध, मग, मरे, गमध, प, मग, मरे, सा ।

खमाज—स्वरविस्तार.

(१) नि़ सा ग, म ग, प, म ग, नि॒ ध, म प ध, मग, प, मगरेसा ।

(२) नि़सागमपग, म, नि॒ध, मपध, मग, प, मगरेसा ।

(३) नि़सागमपग, म, धप, सां, नि॒, ध, मपध, मग, प, मगरेसा ।

(४) सागमपधग, म, ध, प, सां, नि॒, ध, सांरेंसां, नि॒, ध, मपध, मग, प, मगरेसा ।

(५) गगसागमपगम, नि॒ध, मपध, मग, धनिसां, सांनि॒धपमगरेसा ।

(६) नि़साग, मगरेसा, प, मग, मगरेसा, नि़सागमपनि, सां, रें, नि॒, ध, मपध, मग, प, मगरेसा ।

(७) नि़साग, मगरेसा, गमपगमगरेसा, सांरेंसांनि॒ध, मप, नि॒ध, मपध, मग, प, मगरेसा ।

(८) नि़सा, ग, म, प, म, ध, प, सां, नि॒, ध, मपध, मग, प, गमगरेसा ।

(९) नि़सागमप, गमप, धप, नि॒धप, सांनि॒धप, सांरेंसांनि॒धप, सां, नि, ध, मपध, मग, प, मगरेसा ।

(१०) नि़साग, मगरेसा, गमपगमगरेसा, नि़सागमपधनिसां
सांनि॒धपमगरेसा ।

(११) नि़साग, मगरेसा, गमधपमगरेसा, नि़सागमपनिसांरें
सांनि॒धपमगरेसा ।

(१२) नि़सागमगरेसा, नि़सागमपमगरेसा, नि़सागमपधप-
मगरेसा, नि़सागमपधनि॒धपमगरेसा, नि़सागमपधनि-
सांनि॒धपमगरेसा ।

(१३) नि़साग, म, नि॒सागमपग, म, नि़सागमपधपमग, म,
नि़सागमपधनि़धपम, ग, म, नि़सागमपधनिसांनि॒ध-
पमग, म, नि़सागमपधनिसांरेंसांनि॒धपम, ग, म ।

(१४) गमध, मध, नि॒ध, सां, नि॒ध, सांरेंसां, नि॒ध, मध-
नि॒सां, नि॒ध, सां, नि॒ध, गंमंगंरेंसां, रेंसां, नि॒ध, सां,
नि॒ध; मपध, मग, प, मगरेसा ।

(१५) गमधनिसां, निसां, निनिसांरें, सां नि॒ध, गंमंगंरेंसां,
निसां, पनिसांरेंसां, नि॒ध, सां, नि॒ध, मपध, मग, प,
मगरेसा ।

भैरव—स्वरविस्तार.

(१) सा, रे॒, रे॒, सा, ध़॒, सा, रे॒, सा, गरे॒, मगरे॒, रे॒, सा।

(२) सा, रे॒, सा, नि़सा, ध़॒, नि़ध़॒, प़, प़ध़॒, सा, रे॒, गरे॒,
मगरे॒, पमगरे॒, रे॒, सा ।

(३) नि़सा, रे॒, सा, नि़साध़॒, साध़॒, नि़ध़॒, प़, म़प़ध़॒, नि़,
सा, रे॒, गरे॒, मगरे॒, गमपमगरे॒, गरे॒, रे॒, सा ।

(४) नि़सारे॒, सा, नि़साध़॒, सा, गमपमगरे॒, गमध॒, प,
मपमगरे॒, गमपमगरे॒, रे॒, सा ।

(५) साग, मप, ध, प, मप, मगरे, गमपमगरे, रे, सा; ग, मप, ध, प ।

(६) सारेसा, सारेगरेसा, सारेगमरेरेसा, सारेगमपग, मरेरेसा, सारेगमपधपमग, मरेरेसा, सारेगमपधनिधपमग, मरेरेसा, सारेगमपधनिसां, सांनिधपमगरेसा ।

(७) निसामगरेसा, निसागमपग, मरेरेसा, निसागमपग, म, ध, निध, प, मप, मग, रेसा, निसागमपधनिसां-निधपमगमरेसा ।

(८) निसागमप, गमप, मप, ध, प, निध, प, सां, निध, प, रेंसां, निध, निध, प, मप, मगरे, गमपमगरे, रे, सा; ग, मप, ध, प ।

(९) निसागमपग, म, ध, निसां, सारेंसांनिध, सांनिध, निध, प, गमनिध, प, मप, मग, मरे, गमप, मग, मरे, सा; ग, मप, ध, प ।

(१०) साधपधमपमगरेगमपमगरेसा, सारेसानिध, निसा, गरेगपमगरेसा; ग, मप, ध, प ।

(११) मप, ध, निसां, निसां, सांध, निसां, रें, सां, नि,सां, ध, प, मग, मप, ध, रें, सां, निध, धप, मग, मरे, गमप, मग, मरे, रे, सा; ग, मप, ध, प ।

(१२) साध, ध, निध, प, पध, निसां, रेंसां, निसां, ध, प, ग, मप, ध, प, मग रे गमपमग, रे, सा ।

(१३) प, प, ध, निसां, सां, निसां, ध, निसां, रें, सां, निसांध, प, मं, गं, मं, रें, सां, रें, सां, निसां, ध, प, मग, मप, ध, प, मग, रे, गमपमग, रे, रे, सा; ग, मप, ध, प ।

पूर्वी—स्वरविस्तार.

(१) ग रे, सा, नि़रे, सा, नि़, सारेग, रेग, मंग, प, मं, ग, रेग, मंग, ग, रे, सा, नि़रे, सा ।

(२) नि़, सारेग, रेग, मंग, पमंग, धपमंग, मंग, रेग, मंध-मंग, ग, रे, सा, नि़रे, सा ।

(३) नि़नि़, सारेग, मंग गममंगमग, पधमंपमंग, मग, नि़रेगमंधमंग, मंग, रेग, रे, सा, नि़रे, सा ।

(५) सा, नि़, रेनि़, ध़, प़, मं़प़, ध़नि़ध़प़, मं़ग़ मं़ध़, नि़, ध़नि़, सा, नि़रेग, मंग, रे, सा, नि़रे, सा ।

(६) सा नि़रे सा, नि़रेग रे, सा, नि़रेगमंगरेसा, नि़रेगमं-पमंगरेसा, नि़रेगमंपधपमंगरेसा, नि़रेगमंपधनिधपमं-गरेसा, नि़रेगमंपधनिसां निधपमंगरेसा; नि़, सारेग ।

(७) नि़रेगमंप, गमंप, मंप, धप, निधप, सां नि, ध, प, रें, नि, ध, प, मंपध, मंप, मंग, मंग, नि़रेग, ध मंग, ग, रे, सा, नि़रे, सा ।

(८) साधपधमंपमंग, मंरेग, मंगरेसा, नि़रेगरेसा, पमंगरे-गमंगरेसा ।

(९) नि़रेगमंप, गमंप, धप, निध, प, मंपधमंप, मंग, मग, नि़रेगमंपमंग, मग, धपधमंपमंग, मग, नि़रेगमंधमंग, मंग, रेग, रे सा, नि़रे, सा ।

(१०) नि़रेग, नि़रेगमग, नि़रेगमंपमंगमग, नि़रेगमंपधपमं-गमग, नि़रेगमंपधनिधपमंगमग, नि़रेगमंपधनिसां-निधपमंगमग, नि़रेगमंपधनिसांरेंनिधनिधपधपमंगम-ग, नि़रेगमंधमंग, मंग, रेग, रे, सा, नि़रे, सा ।

(११) मंग, मंधमं, सां सां निरें, सां, निरेंगंरेंसा, रेंसां, नि,

धु, रें, नि धु, प, मंधुनि, रेंनि, धुप, पधुमंप, मंग,
मग, नि़रे, ग, मंधुमंग, रेग, ग, रे, सा, नि़रे, सा ।

(१२) सा, प, प, मंपधु, प, निधु, प, सां, नि, धु, प, मंप,
निधु, प, मंपधुमंपमंग, नि़रेगमंधुमंग, रे, ग, रे, सा,
नि़ रे सा ।

(१३) मंग, मंधुप, सां, सां, निरेंसां, निरेंगंरेंसां, निरेंगंमंगं-
रेंसां गंरेंसां, रेंसां, नि, धु, प, मंधुरेंनिधु, प, मंपधुम-
प, मंग, मग, नि़रेग, मंधुमंग, रेग, रे, सा, नि़रे,
सा; नि़, सारेग. ।

मारवा—स्वरविस्तार.

(१) ग, रे, सा, नि़ रे, सा, नि़रेग, रेग, मंग, रे, सा ।

(२) नि़रेग, मंग, धमंग, रेगमंधनिध, मंग, रे, ध, मंग, रे,
ग, रेसा, नि़रे, सा ।

(३) नि़रेग, मंधमंग, निध, मंग, निरेंनिधमंध, मंग, ध,
मंग, मंग, रे, सा, नि़ रे, सा ।

(४) सा, निरेनि़ध़, मं़ध़सा, रे, गरे, मंगरे, धमंगरे,
निधमं गरे, गमंध, मंगरे, गरे, सा, नि़ रे सा ।

(५) नि़रेसा, नि़रेगरेसा, नि़रेगमंगरेसा, नि़रेगमंधमंगरेसा,
नि़रेगमंधनिधमंगरेसा, नि़रेगमंधनिरेंनिधमंरेसा ।

(६) धमंधमंगरे, गमंगरेसा, नि़रेसा, नि़रेनि़ध़, मं़ध़सा
नि़रे गमंगरेसा, नि़रेगमधनिरेंनिधमंगरेसा ।

(७) नि़रेग, रेग, मंग, धमंग, निरेंनिधमंधमंग, निनिधध-
मंमंगग, रेंरेंनिनिधधमंमंगग, रेगमंधनिधमंग, निध-
मंगमंगरेसा ।

(८) मंग, मंधमं, सां सां, निरेंसां गंरेंसा, मंगंरेंसां

निरेंसां, निरेंनिध, मंध, निधमंग, रेगमंधनिधमंग,
ध मंग, मंग, रेसा ।

(९) साध, ध, निध, मंध, निध, मंगरे, गमंध, निध,
मंग, रे, ग, रेसा ।

(१०) मंग, मंध, मं, सां, सां, सांरेंसां, निरेंगंमंगंरेंसां, मंगं-
रेंसां, रेंसा, रेंनिध, मंध, निधमंग, रे, गमंधमंग,
रे, ग, रे, सा, निरे, सा ।

काफी—स्वरविस्तार.

(१) सा, रेरेग, सा, रेप, मप, धप, मपधमप, ग, रे, रेग-
रेमगरेसा; सारेरे, ग, सा, रेप ।

(२) निसा, मगरेसा, निसा, धनिसा, रेगरे, मगरे; पम-
गरे, धपमपगरे, निधमपधमपगरे, रेगरेमगरेसा; नि-
सारेग, सा, रेप ।

(३) निसाग, रे, म, ग, रे, प, मपग, रे, धपमपगरे, नि-
निधपमपधमपग, रे, सांनिधपमपधमपग, रे, रेगरेम-
गरेसा; सारेरेग, सा, रेप ।

(४) सा, रेसा, निधनिसा, धनिसा, मधनिसा, धनिसा
ग, रे, म, ग, रे, प, मप, ग, रे, सांरेंसांनिधपमप-
सांनिधपमपगरे; रेगरेमगरेसा, सारेरेग, सा, रेप ।

(५) सा, रेप, मप, धप, धनिधप, सांनिधप, रेंरेंसांनिधप,
सांनिधप, मपधमप, ग, रे, निनिधपमपधमप, ग,
रे, प, ग रे, रेगरेमगरेसा; सा, रेग, सा, रेप ।

(६) सा, गमप, गमपधनिधप, गमपधनिसांनिधप, गम-
पधनिसांरेंसांनिधप, गमपधनिसांरेंगंरेंसांनिधप, सां,

निधप, धप, मपधमप, ग, म, ग, रे, रेगरेमगरेसा; सारेरे, ग, सा, रेप ।

(७) सारेरेग, सा, रेप, म, पधानिसां निधपमगगरेरे, रेनि-धनिपधमप, मगमप, म, सानि, सागरेमगरेसा; सा रेरेग, सा, रेप ।

(८) सांनिधप, निधपम, धपमग, मगरेसा, सागरेग, सा, रेप ।

(९) गंगंरेंसां, रेंरेंसांनि, सांसांनिध, निनिधप, धधपम, पप-मग, ममगरे, मगरेसा, सारेमपधनिसांरेंसांनिधपमग, रेसा; सारेरेग, सा, रेप ।

(१०) म, पध, निनिसां, निनिसारेंसांनिध, सांरेंसांनिध, म-प, निधमप, ग, रे, रेगरेमगरेसा; सारेरेग, सा, रेप ।

आसावरी—स्वरविस्तार.

(१) सा, रेम, प, प, ध, प, धम, पधमप, ग, रेसा; रेम, प, प, ध, प ।

(२) सा, रेम, प, प, ध, प, निध, प, सां, नि, ध, प, मपधमपग, रे, सा; रेम, प, प, ध, प ।

(३) सा, रेसा, निध, निध, प, मपध, सा, रेमपधमपग, रे, सा; रेम, प, प, ध, प ।

(४) सारेम, रेम, प, प, ध, निध, सांनि, ध, प, रेंसां, निध, प, मपनिध, प, धमपग, रे, सा; रेम, प, प, ध, प ।

(५) सारेमप, प, ध, प, निध, प, सां, निध, प, रेंसां, निध, प, गंगंरेंरेंसां, रेंसां, निध, प, मपनिध, प, धमपग, रे, सा; रेम, प, प, ध, प ।

(६) सासामगरेसा, रेमपधमपग, रेसा, रेमपनिधपधमपग, रेसा, रेमपनिधसां, निधप, धमपग, रेसा; रेम, प, प, ध, प।

(७) सारेसा, सारेगरेसा, सारेमपग, रेसा, सारेमपधमपग, रेसा, सारेमपधनिधपधमपग, रेसा, सारेमपध, सां, सांनिधपमगरेसा; रेम, प, प, ध, प।

(८) सां, रेंसां, गं, रेंसा, मंगंरेंसां, रेंसां निध, सां, निध, नि ध, प, मप, सां, निध, प, म, प निध प, मपधमपग, रे, सा; रेम, प, प, ध, प।

(९) सासा, ध, प, निध, प, ममपनिध, प, धमपग, रे-सा, साग, रेसा, रेसा, निधप, मपध, सा, रेमपधम, पग, रे, सा; रेम, प, प, ध, प।

(१०) सारेमगरेसा, सारेमपधमपग, रेसा, सारेमपधनिधप-धमपग, रेसा, सारेमपध, सां निधपधमपधमपग, रेसा; रेम, प नि, ध, प।

(११) मप, ध, ध, सां, सां, ध, सां, रें, रें, गं, रें, सां, रेंसां, निध, निध, प, मप, गं, रेंसां, रेंसां, निध, प, मप-निध, प, सां, निध, मपधमप, ग, रे, सा; रेम, प, सां, ध, प।

(१२) साध, ध, निध, प, सां, निध, ध, प, धम, पनिध, प, धमप, ग, रे, रे, सा, साध, सा, रेम, प, धमप, ग, रे, सा।

(१३) म, पध, सां, सां, गंरेंसां, मंगंरेंसां गंरेंसां, रेंसां सां, ध, निध, प, मपध, गं, रें, सां, रेंसां, निध, निध, प, मप, सां निध, प, मपनिध, प, धमपग, रे, सा; रेम, प, सां, ध, प।

भैरवी—स्वरविस्तार.

(१) ग, सारेसा, ध, नि सा, ग, मगरेसा ।

(२) सा, निसा, ध, निसा, ग, मग, पमग, रेसा, मग-रे सा ।

(३) निसाग, मग, पमग, धपधमपग, निनिधधपधमपग, पग, मग, सा, रेग, मगरेसा ।

(४) निसाग, रेग, मग, पमग, पधमपग, निनिधधपधमपग, सां, नि, ध, प, धमपग, रेसा, रेग, मगरेसा ।

(५) निसागगरेसा, निसागमपग, मगरेसा, निसागमपध-मपग, मगरेसा, निसागमपधनिधपधमपग, मगरेसा, निसागमपधनिसांनिधपधमपग, मगरेसा ।

(६) सा, नि, ध, प, ग, म, ध, नि, सा, धनिसा, रेसा, मगरेसा, निसागमप, ग मगरेसा, निसागमपधनि-सांनि धपमगरेसा ।

(७) निसागमप, गमप, धप, निधप, सां, नि, ध, प, गं, रें, सां, नि, ध, प, सां, नि, ध, प, नि, ध, मपग, सा, रेग, मगरेसा ।

(८) साधपधमपगम, निध, सा, रेगम, गरेसा, धनिसारेनि-सा, पमगरेसा ।

(९) सारेग, रेगम, गमप, मपध, पधनि, धनिसां, सांनि-ध, निधप, धपम, पमग, मगरे, गरेसा, निसागमपध-निसांनिधपमगरेसा ।

(१०) सारेसा, सारेगरेसा, सारेगमगरेसा, सारेगमपमगरेसा,

सारेगमपधपमगरेसा, सारेगमपधनिधपमगरेसा, सा-रेगमपधनिसांनिधपमगरेसा ।

(११) सा, ध, निध, गमधु, ध, नि, सा, ग, पग, धपग, धधमपग, रे मगरेसा ।

(१२) ध, मध, निसां, सां, रेंसां, नि, नि, सां, गंरेंसां, नि, ध, प, साध, प, धमप, ग, म, नि, ध, प, ग, म, ग, रे, सा ।

(१३) सा ध, प, ध, मपम, सा, रेग, म, ग, रेसा, रेसा, ध, निसा, सारेसा, सा, रेग, म, ग रेसा ।

(१४) ध, मध, निसां, सां, रेंसां, गं, रेंगं, मंगं, रेंसां, गं, रेंसां, सां, रें, निसां ध, सांध, प, सा, ध, पधमप, ग, पग, सा, रेग, म, ग, रेसा ।

तोडी—सरविस्तार.

(१) ग, रे, सा, नि, सारेग, मंग, धमंग, रेग, रे, सा, निरे, सा ।

(२) नि, सारेग, मंग, प, मंध, प, मंपध, मंग, ध, मंग, रेग, रे, सा, निरे, सा ।

(३) निनि, सारेग, मंग, धमंग, मंधनिध, प, मंपधमंप, मंग, ध, मंग, रेग, रे, सा, निरे, सा ।

(४) सारेग, रेग, मंग, धमंग, निध, प, मंपध, मंग, रेंनि-धनिध, प, मंपधमंप, मंग, धमंग, धनिसारेग, मंग, धमंग, रेग, रे, सा, निरे, सा ।

(५) सा, निसा, रे, निध, निध, मंध, निसा, धनिसा, रेगरेसा, मंग, रे, सा, मंधनिध, प, मंधमंग, रे, सा, नि, सारेग ।

(६) सा, निध, निध, प, मंपध, मंग, मंध, नि, धनिसा, रेगरेसा, धनिधपमंग, रेसा, निसागमंधनिसां निध-पमंगरेसा, निनि, सारेग ।

(७) सा, रेसा, ग, रेसा, मंग, रेसा, धमंग रेसा निधमंग, रेसा, रेंनिध, निधप, धमंग, रे, सा, नि, सारेग ।

(८) सारेसा, सारेगरेसा, सारेगमंगरेसा, सारेगमंपमंगरेसा, सारेगमंपधपमंगरेसा, सारेगमंपधनिधपमंगरेसा, सा-रेगमंपधनिसांनिधपमंगरेसा, निनि, सारेग ।

(९) निसागमंप, गमंप, धप, निध, प, सां, निध, प, मं-पधनिधप, मंपधमंपमंग, नि, सारेग, धमंग, रेग, रे, सा, नि, सारेग ।

(१०) निसागमंधनिसां, धनिसां, रेंसां, गं, रें, सां, निसांरें, निध, रेंनिध, निध, प, मंधनिसांरेंगंरेंसां, निध, निध, प, मंपधनिधप, मंपध, मंग, धमंग, रेग, मंग, रे, सा, निरे, सा ।

(११) मंग, मंध, नि, सां, सां, निसां, निध, निसां, रेंगं, रें, सां, नि, सां, रें, निध, निध, प, गं, मंगं, रें, सांनि, सां, रें, निध, मंधनिसां, रें, निध, निध, प, मंपधनिध, प, मंपध, मंग, ध, मंग, रेग, रे, सा, निरे, सा ।

(१२) सा, ध, ध, निध, प, मंप, मंध, नि, रेंनि, ध, प, मं, पध, मंग, रेग, रे, सा ।

(१३) मंग, मंध, सां, सां, रें, सां, रेंगंरेंसां, मंगं, पं, मंगं, रें, सां, निसां, रें, निध, रेंनिध, प, मंधनिध, प, मंपध, मंग, गं, रें, सां, निसांरें, निध, निध, प, मंधनिध, प, मंपध, मंग, रेग, ध, मंग, ग, रे, सा, निरे, सा ।



सूची.



भारती भवन
८८१३४